राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 284

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 22 मार्च 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

आज जनता कर्फ्यू

हम होंगे कामयाब ▶ प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर पूरा देश एकजुट

- जनता के सहयोग से संक्रमण के खिलाफ बड़ी लड़ाई की तैयारी
- सुबह सात से रात नौ बजे तक घरों से नहीं निकलने की अपील
- रेलवे ने भी इस महायज्ञ के लिए कई ट्रेनें स्थगित कर दी हैं

यह समय घबराने का नहीं, सतर्कता का है। मेरी सभी से प्रार्थना है कि आप जिस शहर में हैं, कृपया कुछ दिन वहीं रहिए। इससे हम सब इस बीमारी को फैलने से रोक सकते हैं। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर भीड़ लगाकर हम अपनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। कृपया अपनी और अपने परिवार की चिंता करिए। यह ऐसा समय है जब हमें डॉक्टरों और सरकारी एजेंसियों की सलाह माननी चाहिए। आवश्यक न हो तो अपने घर से बाहर न निकलिए।

– नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री का ट्वीट)

कोरोना को हराना है

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के कारण बनी संकट की स्थिति के बीच देश आज एक अनूठे महायज्ञ का साक्षी बनने को तैयार है। रविवार सुबह सात से रात नौ बजे के बीच 'जनता कर्फ्यू' के 14 घंटे आपके परिवार, शहर और पूरे देश के लिए बेहद अहम होंगे। इस दौरान आपका संयम महामारी के चक्र को तोड़ने में सहायक हो सकता है।

कोरोना के खिलाफ जंग के तौर पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता कर्फ्यू की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि रविवार को सुबह सात से रात नौ बजे के बीच लोग घरों से नहीं निकलें। पीएम की अपील का पालन करने के लिए देश ने पूरी तैयारी कर ली है। राज्य सरकारों ने जहां जरूरी दिशानिर्देश जारी किए हैं, वहीं तमाम सरकारी व निजी संगठनों ने अपने स्तर पर जनता कर्फ्यू को कामयाब करने को कमर कस ली है। आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों मसलन चिकित्सा, पुलिस, मीडिया और ऑनलाइन डिलीवरी कर्मियों को उनके काम की अनिवार्यता को देखते हुए जनता कर्फ्यू से छूट मिलेगी।

इस महायज्ञ में आहुति के रूप में रेलवे ने शनिवार रात 12 बजे से रविवार रात 10 बजे के बीच रवाना होने वाली सभी ट्रेनें स्थगित कर दी हैं। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगरों में मेट्रो व नगरीय ट्रेन सेवाएं भी नहीं चलेंगी। शनिवार रात 12 बजे से हफ्तेभर के लिए भारत आने और जाने वाली सभी नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी स्थगित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को सभी राज्यों को दिशानिर्देश जारी कर जनता कर्फ्यू के दौरान लोग बाहर न निकलें, यह सुनिश्चित करने को कहा है।

जनता ने भी शनिवार को बाजारों, दफ्तरों व आवाजाही में बेहद कमी लाते हुए जनता कर्फ्यू को ऐतिहासिक बनाने की इच्छाशक्ति का संदेश दिया है। कोरोना का संक्रमण एक-दूसरे की निकटता की वजह से न फैले इसके मद्देनजर जनता कर्फ्यू इस वायरस के खिलाफ जंग में भारत का निर्णायक कदम माना जा रहा है। सरकार और तमाम विशेषज्ञों का आकलन है कि कोरोना संक्रमित लोगों से दूरी बनाकर भारत इस महामारी पर विजय पा सकता है। अगले 15 दिन इस लिहाज से बेहद अहम हैं। पीएम ने नागरिकों से 15 से 30 दिनों तक इस दिशा में सहयोग मांग इस ओर इशारा कर भी दिया है।

भारत ने खुद को आइसोलेट किया : कोरोना का संक्रमण अधिकांश विदेश से आने वाले यात्रियों की वजह से देखने को मिला है। इसे देखते हुए भारत ने पूरी दुनिया से अपना संपर्क एक तरह से काट लिया है। विदेश में फंसे भारतीयों को लाने के लिए आने-जाने वाली विशेष उड़ानों के अलावा किसी अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट को एक सप्ताह तक उतरने की इजाजत नहीं होगी। जनता कर्फ्यू के लिए कई निजी एयरलाइनों ने भी रविवार को अपनी उड़ानों में काफी कमी कर दी है। इसी तरह भारत ने नेपाल और पाकिस्तान से लगी अपनी सड़क सीमाओं को भी बंद कर दिया है। नेपाल के लिए आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति से जुड़े वाहनों को ही प्रवेश की छूट होगी।

सबका मिल रहा साथ : पीएम की अपील पर चौतरफा सकारात्मक पहल दिख रही है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, केरल और दिल्ली समेत सभी राज्य सरकारों ने जनता कर्फ्यू को सफल बनाने के लिए अपनी-अपनी तरफ से कदम उठाने का एलान किया है। दिल्ली ने जहां दिहाड़ी कामगारों को मुफ्त राशन देने और पांच से अधिक लोगों के इकठ्ठा होने पर पाबंदी की घोषणा की है। वहीं अन्य राज्यों ने लोगों से रविवार को अपने घरों में ही रहने और बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। निजी कंपनियों, व्यापारी संगठनों ही नहीं अधिकांश राजनीतिक दलों, बॉलीवुड हस्तियों से लेकर उद्योग जगत के प्रमुख चेहरों ने भी जनता कर्फ्यू का पूरा समर्थन करने का एलान किया है।

योद्धाओं का करें सम्मान : पीएम ने कोरोना की चुनौती के बीच काम में जुटे डॉक्टरों, चिकित्साकर्मियों, पुलिस, मीडिया, एयरलाइन व परिवहन सेवाओं से जुड़े हमारे योद्धाओं के काम की सराहना करने को भी कहा है। इसके लिए उन्होंने लोगों को रविवार शाम पांच बजे अपने घरों की बालकनी, दरवाजे पर पांच बार थाली या घंटी बजाने की अपील की है। पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं आदि से शाम पांच बजे सायरन बजाने को कहा गया है, ताकि लोगों को इसकी याद दिलाई जा सके।

क्या है जनता कर्फ्यू?

कर्फ्यू का आशय लोगों को उनके घरों में रोके रहना होता है। आमतौर पर कानून एवं व्यवस्था से जुड़े मामले में प्रशासन की ओर से इसकी घोषणा होती है। इस बार देश को एक महामारी से बचाने के लिए प्रधानमंत्री की अपील पर ऐसा हो रहा है। यह ऐतिहासिक पल है जब जनता स्वेच्छा से कर्फ्यू का हिस्सा बनेगी।

इसलिए पड़ी जरूरत

भारत में कोरोना का संक्रमण अभी स्टेज-2 में है। यह जिस तेजी से फैल रहा है, उसे देखते हुए स्टेज-3 यानी कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा बढ़ता जा रहा है। इस खतरे से बचने में सोशल डिस्टेंसिंग यानी एक-दूसरे से दूर रहने और भीड़भाड़ वाली जगहों पर नहीं जाने को एक अहम कदम माना जा रहा है। ऐसे में लोगों का अपने घरों में रहना इस संक्रमण के चक्र को तोड़ने में मददगार होगा।

माई, घर के भीतर रहना : कोरोना वायरस से बचाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रविवार को जनता कर्फ्यू की अपील का सभी राजनीति, सामाजिक संगठन और आम लोग समर्थन व सहयोग कर रहे हैं। ये लोग ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को घरों में रहने की सलाह दे रहे हैं। जम्मू संभाग के रियासी जिले के पौनी में शिक्षक संजीव शर्मा बुजुर्ग महिला को जागरूक करते हुए। जुगल मगोत्रा

ऐसे बिताएं दिन

कर्फ्यू के बहाने ही सही, आपको पूरा दिन परिवार के साथ और परिवार के ही बीच रहने का मौका मिल रहा है। इस अवसर को रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रयोग करें। आप अपना दिन कुछ ऐसे बिता सकते हैं :

- अखबार, पत्रिका और विभिन्न पुस्तकें पढ़ते हुए
- परिवार में रचनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए
- कोरोना का प्रसार रोकने पर भी घर में विमर्श करें
- लंबे समय से टल रहा कोई काम भी पूरा कर सकते हैं

कल भी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बंद रहेगी दिल्ली व नोएडा मेट्रो

जासं, नई दिल्ली : रविवार को जनता कर्फ्यू के लिए दिल्ली मेट्रो व एक्वा लाइन मेट्रो की सेवा बंद रहेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी)और नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने सोमवार को भी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सेवा बंद रखने का फैसला लिया है। पूरे दिन इन स्टेशनों पर पार्किंग भी बंद रहेगी। सोमवार को दिल्ली मेट्रो के सभी रूट पर सुबह 6 से 8 बजे तक 20 मिनट के अंतराल पर ट्रेन मिलेगी। इस दौरान अस्पताल, दमकल, बिजली, पुलिस सहित अन्य जरूरी सेवाओं में तैनात लोग ही पहचान पत्र दिखाकर सफर कर सकेंगे। इसके बाद सुबह 8 से 10 बजे तक मेट्रो सामान्य रूप से चलेगी।

जिम्मेदारी निभाएं

आमतौर पर देश, समाज के हित में कुछ करने के लिए आपको घर से बाहर निकलना पड़ता है। आज वक्त है, जब आप घर की चौखट के भीतर रहकर समाज के हित में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। आपकी सतर्कता पूरे देश को एक आसन्न खतरे से बचाने में मददगार होगी। यह राष्ट्र के प्रति प्रेम और सम्मान दिखाने तथा जिम्मेदारी निभाने का अवसर है।

देश में कोरोना वायरस के 49 नए मामले, आंकड़ा 312 पर

नई दिल्ली : देश में पहले की तुलना में कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। रोज दर्ज किए जाने वाले नए मामलों में भी तेजी वृद्धि हो रही है। शनिवार को देशभर में 49 नए मामले दर्ज किए गए। इनमें महाराष्ट्र और केरल में 12-12 और कर्नाटक में पांच नए मामले शामिल हैं। इनको मिलाकर देश में संक्रमितों का आंकड़ा 312 पर पहुंच गया। इनमें 39 विदेशी और इस वायरस के चलते अपनी जान गंवा चुके चार लोग भी शामिल हैं। 23 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में भी कोरोना से पीड़ित लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। (पेज-4)

कोरोना मरीज के संपर्क वाले हर व्यक्ति का होगा टेस्ट

- पांचवें और 14वें दिन होगा टेस्ट, सरकार ने प्रसार रोकने के लिए बदली रणनीति
- कम्युनिटी ट्रांसमिशन का पता लगाने के लिए सांस की बीमारी से ग्रसित सभी मरीजों का होगा टेस्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के बढ़ते मरीजों की संख्या के मद्देनजर सरकार ने रणनीति बदलते हुए इससे ग्रसित होने के सभी संदिग्ध व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से टेस्ट कराने का फैसला किया है, भले ही उनमें कोरोना का कोई लक्षण नहीं दिख रहा हो। इसके तहत अब कोरोना वायरस से ग्रसित किसी मरीज के संपर्क में आने वाले सभी लोगों का पांचवें और 14वें दिन टेस्ट किया जाएगा। इसके पहले शुक्रवार को सरकार ने अस्पतालों में सांस की तकलीफ से ग्रसित सभी मरीजों का कोरोना टेस्ट करना अनिवार्य कर दिया था।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने दोहराया कि कोरोना वायरस अभी तक देश में कम्युनिटी ट्रांसमिशन फेज में नहीं पहुंचा है। लेकिन इसके मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए और अधिक संदिग्ध लोगों की जांच जरूरी समझी गई। इसीलिए कोरोना के मरीज के संपर्क में आने वाले सभी लोगों का पांचवें और 14वें दिन टेस्ट कराकर यह सुनिश्चित करने का फैसला किया गया है कि वह कोरोना से ग्रसित हुआ है या नहीं। साथ ही कोरोना मरीज के इलाज में लगे हेल्थ वर्कर्स व डॉक्टरों का भी टेस्ट किया जाएगा, जब उनमें इसका कोई लक्षण सामने आएगा।

इसके साथ ही कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन पर नजर रखने के लिए सरकार ने जांच का दायरा बढ़ा दिया। अभी तक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) 101 स्थानों पर आइसीयू में भर्ती सांस की बीमारी से ग्रसित गंभीर रोगियों के सैंपल में कोरोना वायरस की जांच कर रहा था। लेकिन अब सभी अस्पतालों में सांस के गंभीर रोगियों के लिए इसे अनिवार्य कर दिया गया है। खासकर यदि ऐसे रोगियों के लिए जिसे कफ, बुखार व सांस लेने में तकलीफ हो।

1,000 स्थानों पर स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण : कोरोना वायरस के इलाज के लिए देशभर के स्वास्थ्य कर्मियों को तैयार किया जा रहा है। इस क्रम में स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को 1,000 स्थानों पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया।

देशभर के अस्पतालों में आज मॉक ड्रिल : कोरोना के मामलों से निपटने के लिए रविवार को पूरे देश के अस्पतालों में मॉक ड्रिल की जाएगी। इसमें कोरोना वायरस से पीड़ित मरीज को अस्पताल लाने से लेकर उसका इलाज करने की पूरी प्रक्रिया का रिहर्सल होगा ताकि स्वास्थ्य कर्मी हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें।

सिर्फ तसल्ली के लिए टेस्ट न कराएं : लव अग्रवाल ने लोगों से अपील की कि वे सिर्फ फैशन या तसल्ली के लिए कोरोना वायरस का टेस्ट न कराएं। इस संबंध में निर्धारित प्रोटोकॉल है और उसका पालन किया जाना चाहिए।

7,000 संदिग्धों को तलाश रहीं एजेंसियां : संयुक्त सचिव ने बताया कि एजेंसियां देशभर में ऐसे 7,000 से ज्यादा लोगों का पता लगाने में जुटी हुई हैं जिन पर कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने का संदेह है। साथ ही उन्होंने कहा कि देश में जब भी कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति आएगी तो लोगों को इसकी जानकारी दी जाएगी।

आयुष आरोग्य केंद्र बनाने को मंजूरी पेज>>6

भारत में फिलहाल कोरोना के माइल्ड वायरस का प्रकोप

नई दिल्ली : कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन फेज में पहुंचने से रोकने और ऐसी नौबत आने पर बड़ी संख्या में मरीजों के इलाज के इंतजाम में जुटे भारत के लिए राहत की बात यह है कि यहां माइल्ड (कम असरदार) वायरस का प्रकोप हुआ है। यही कारण है कि भारत में अभी तक कोरोना के किसी भी मरीज की स्थिति गंभीर नहीं है, पर वायरस लगातार रूप बदलता है और कभी भी चरम रूप अख्तियार कर सकता है। (पेज-6)

सरोकार

नदी नीति के लागू होने की प्रतीक्षा में 'नदीपुत्र'

लखनऊ : मेरठ निवासी रमनकांत त्यागी ने 2012 में उत्तर प्रदेश की नदी नीति स्वत: के अध्ययन के आधार पर बनाई और सरकार को भी सौंपी। वह कहते हैं कि यदि यह लागू हो जाए तो नदियां बेहतर हो सकती हैं। (पेज-11)

रविवार विशेष

यूरिनल ही पैथोलैब, तुरंत मिलेगी जांच रिपोर्ट

भागलपुर : यूरिनल में जाइए व शरीर की जांच रिपोर्ट मोबाइल पर देख लीजिए। आइआइटी कानपुर में इस प्रोजेक्ट पर शोध कर रहे निक्की झा द्वारा तैयार एप बेस्ड यह उपकरण डायबिटीज और किडनी संबंधी बीमारियों की सटीक जानकारी देता है। (पेज-11)

मजदूरों के लिए उप्र सरकार ने खोला खजाना

- मुख्यमंत्री ने दिहाड़ी मजदूरों के लिए घोषित किया राहत पैकेज
- 1.65 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों को एक महीने का राशन मुफ्त
- शहरी क्षेत्र के 35 लाख दिहाड़ी मजदूरों के खाते में एक हजार रुपये देगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कोरोना वायरस के कारण बंद हो रहीं व्यावसायिक और आर्थिक गतिविधियों से प्रभावित होने वाले उप्र के ग्रामीण व शहरी इलाकों के 1.65 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों को योगी सरकार अप्रैल में एक माह का राशन निशुल्क देगी। वहीं शहरी क्षेत्रों के 35 लाख मजदूरों को भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह एक हजार रुपये भत्ता भी दिया जाएगा। यह राशि सीधे मजदूरों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह निर्देश देने के साथ ही मनरेगा जॉबकार्ड धारक मजदूरों को भी तत्काल भुगतान करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस के प्रकोप से हो रही मंदी का सबसे ज्यादा असर उस तबके पर पड़ेगा, जो अपनी आजीविका के लिए रोज मजदूरी करने निकलता है। ऐसे गाढ़े वक्त में इस तबके को भुखमरी से बचाने के उपाय सुझाने के लिए उन्होंने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की अध्यक्षता में मंत्रियों की कमेटी गठित की थी। मंत्रियों की कमेटी की सिफारिशों के आधार पर उन्होंने श्रमिकों के भरण-पोषण के लिए यह निर्देश दिये हैं।

20 किलोग्राम गेहूं, 15 किलोग्राम चावल मुफ्त : प्रदेश के जिन 1.65 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों को सरकार ने एक महीने का राशन देने का एलान किया है, उनमें अंत्योदय योजना, मनरेगा जॉबकार्ड धारक, श्रम विभाग के अधीन पंजीकृत निर्माण श्रमिक और शहरी क्षेत्रों के दिहाड़ी मजदूर शामिल हैं। ऐसे प्रत्येक श्रमिक परिवार को 20 किलोग्राम गेहूं और 15 किलोग्राम चावल मुफ्त मिलेगा। इस पर करीब 94.50 करोड़ रुपये का व्ययभार आएगा। इन श्रमिकों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों के जरिये अनाज दिया जाएगा।

मजदूरों को एक हजार रुपये देने पर 353 करोड़ व्ययभार : प्रदेश में श्रम विभाग के अधीन उप्र भवन निर्माण एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में 20.37 लाख निर्माण श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें से 5.97 लाख श्रमिकों के बैंक खाते विभाग के पास उपलब्ध हैं। जिन निर्माण श्रमिकों के बैंक खाते नहीं हैं, उनके खाते जल्द खुलवा कर श्रम विभाग में लेबर सेस फंड से सभी 20.37 लाख श्रमिकों को एक हजार रुपये प्रतिमाह डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिये मुहैया कराए जाएंगे। इस पर लगभग 203 करोड़ रुपये का व्ययभार आएगा। शहर में घूम-घूमकर ठेला, खोमचा, रेहड़ी लगाने वाले, रिक्शाचालक, साप्ताहिक बाजार आदि का काम करने वाले लगभग 15 लाख श्रमिकों के खातों में हर महीने 1000 रुपये की धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। इस पर तकरीबन 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इन श्रमिकों का बैंक खाता विवरण सहित डेटाबेस नगर विकास विभाग अगले 15 दिनों में तैयार करेगा।

मनरेगा मजदूरों को 556 करोड़ भुगतान इसी माह : मुख्यमंत्री ने मनरेगा के तहत प्रदेश में किए जा चुके कार्यों के संदर्भ में मनरेगा जॉबकार्ड धारकों को केंद्र सरकार से 556 करोड़ रुपये की धनराशि के भुगतान की कार्यवाही तत्काल इसी माह में ही कराने का निर्देश दिया है।

पेंशन लाभार्थियों को दो महीने की अग्रिम पेंशन पेज>>6

बॉलीवुड सिंगर के संपर्क आए 164 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव

जेएनएन, नई दिल्ली

लखनऊ में कोरोना पॉजिटिव पाई गईं बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की विभिन्न पार्टियों में स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह व उनके परिवार सहित जो 164 लोग संपर्क में आए थे, उन सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। इसमें वे 28 लोग भी हैं, जो कनिका के बेहद नजदीक थे। सूबे के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद की रिपोर्ट भी निगेटिव आई है। कनिका के साथ के लोगों के अलावा आगरा, फीरोजाबाद, अयोध्या व शाहजहांपुर के संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट भी निगेटिव आई। शाहजहांपुर में जर्मनी से वापस आए दंपती व नेपाल से लौटे युवक की रिपोर्ट भी निगेटिव है। प्रदेश में संक्रमितों में से 11 अब तक स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं। शनिवार को 41 संदिग्धों को भर्ती कराया गया।

कनिका कपूर फाइल

संचारी रोग विभाग के संयुक्त निदेशक विकासेंदु अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में अब तक 1236 नमूने जांच के लिए भेजे जा चुके है। इसमें से 1067 संदिग्धों की जांच रिपोर्ट निगेटिव है। वहीं 143 की रिपोर्ट आना अभी शेष है।

लखनऊ में पॉजिटिव पाई गई पहली मरीज अब संक्रमण मुक्त पेज>>6

रोम में फंसे भारतीयों को लाने एयर इंडिया का विमान रवाना

नई दिल्ली : एयर इंडिया रोम में फंसे भारतीयों को लाने के लिए 787 ड्रीमलाइनर विमान भेजेगा। शनिवार दोपहर बाद दिल्ली से रवाना हुआ विमान भारतीयों को लेकर रविवार सुबह लौट आएगा। भारत ने कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित चीन, जापान व ईरान से अपने कई नागरिकों को निकाला है। (पेज-4)

राजधानी से उतारे गए कोरोना की मुहर वाले दिल्ली के दंपती

नई दिल्ली : बेंगलुरु-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली के रहने वाले एक जोड़े को कोरोना संदिग्ध की मुहर लगे होने पर ट्रेन से उतार दिया गया। मुंबई से जबलपुर जाने वाली गोदान एक्सप्रेस के कोच बी-1 में भी चार यात्री मिले थे जो शुक्रवार को कोरोना पॉजिटिव पाए गए। (पेज-6)

सरकार ने तय कीं सैनिटाइजर और मास्क की कीमतें

नई दिल्ली : मास्क व सैनिटाइजर को आवश्यक वस्तु कानून के अंतर्गत लाने के बाद सरकार ने अब उसकी कीमतें भी तय कर दी हैं। अब 200 मिलीग्राम सैनिटाइजर की कीमत 100 रुपये से अधिक नहीं होगी। दो-प्लाई के मास्क आठ, तीन प्लाई के मास्क 10 रुपये से अधिक नहीं होगी। (पेज-12)

सराहनीय

डॉक्टर इरशाद ने क्वारंटाइन केंद्र बनाने के लिए प्रशासन को सौंपा अपना होटल, 80 कमरे हैं होटल में, इनमें से 70 शनिवार को ही खोल दिए गए

कश्मीर के इस दिलदार ने खोल दिए होटल के सारे कमरे

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जब कदम से कदम मिल जाए तो कोई भी मुसीबत अधिक दिनों तक ठहर नहीं सकती। ऐसा ही एक कदम बढ़ाया है डल झील के किनारे स्थित एक प्रतिष्ठित होटल मालिक डॉक्टर इरशाद ने। क्वारंटाइन केंद्र बनाने के लिए उन्होंने शनिवार को अपना होटल क्वारंटाइन बनाने के लिए प्रशासन को सौंप दिया। होटल में 80 कमरे हैं, जिनमें से 70 को शनिवार को क्वारंटाइन किए छात्रों के लिए खोल दिया गया।

दरअसल, श्रीनगर में जब बाहर से आने वाले छात्रों के लिए क्वारंटाइन केंद्र को स्थापित करने पर कथित तौर पर एक नामी प्रतिष्ठान के प्रबंधकों ने एतराज जताया। इसकी खबर जब डॉ. इरशाद को मिली तो उन्होंने तुरंत जिला प्रशासन श्रीनगर से संपर्क किया और उन्हें क्वारंटाइन केंद्र के लिए अपनी निजी संपत्ति के इस्तेमाल की पेशकश कर दी। डॉ. इरशाद होटल शाह अब्बास के मालिक हैं। कश्मीर आने वाले पर्यटकों में से शायद ही कोई ऐसा होगा जो डल झील किनारे सैर के समय इस होटल के आगे से न गुजरा हो। जिला उपायुक्त श्रीनगर डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी ने खुद अपने ट्विटर हैंडल पर होटल की तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा टाइगर जिंदा है, हमें श्री इरशाद की सराहना करनी चाहिए जिन्होंने हमारी मदद के लिए अपने होटल की चाबी हमें सौंप दी।

डल झील के किनारे 80 कमरों के इसी होटल को डॉ. इरशाद ने क्वारंटाइन केंद्र बनाने के लिए प्रशासन को सौंपा है। जागरण

विदेश से रोजाना 150 से 200 लोग पहुंच रहे कश्मीर

श्रीनगर में प्रशासन ने करीब 50 सरकारी और गैर सरकारी प्रतिष्ठानों और होटलों में क्वारंटाइन केंद्र बनाए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार को कथित तौर पर सेंटूर होटल में भी क्वारंटाइन केंद्र स्थापित करने के लिए संबंधित प्रबंधकों से संपर्क किया, लेकिन बात नहीं बनी। अलबत्ता, प्रशासन ने इस मामले की अधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की है।

मेरे नाम के साथ डॉक्टर लगा है, लेकिन आजकल मैं प्रैक्टिस नहीं करता हूं, एक बिजनेसमैन हूं। मुझे जब पता चला कि यहां क्वारंटाइन केंद्र के लिए जगह की दिक्कत हो रही है तो मैंने अपना होटल देने का फैसला किया। इसके लिए मेरे पर कोई दबाव नहीं है और न मैंने किसी को दिखाने के लिए यह काम किया है। होटल फिलहाल बंद हैं, पर्यटक नहीं आ रहे हैं। बंद कमरे किसके काम आते। कोरोना से बचने के लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और मैंने यही प्रयास किया है।

-डॉ. इरशाद, मालिक, होटल शाह अब्बास

कमल नाथ सरकार गिराने वाले 21 पूर्व विधायक भाजपा में शामिल

- बेंगलुरु से दिल्ली पहुंचे बागियों को भाजपा अध्यक्ष ने दिलाई सदस्यता
- बागी विधायक रहे बिसाहूलाल सिंह पहले ही ले चुके हैं पार्टी की सदस्यता

राज्य ब्यूरो, भोपाल

मध्य प्रदेश में कमल नाथ सरकार के तख्ता पलट में मुख्य भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के बागी 21 पूर्व विधायकों ने शनिवार को दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी को सदस्यता ग्रहण करवाई। इससे पहले सभी ने भाजपा का दामन थाम चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की।

नड्डा के आवास पर हुए इस कार्यक्रम से कुछ समय पहले ही सभी पूर्व विधायकों को विशेष विमान से दिल्ली लाया गया था। बेंगलुरु से ही विधायकी से इस्तीफा देने वाले इन नेताओं में 18 ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक हैं, जबकि चार ने कमलनाथ सरकार से नाराज होकर इस्तीफा दिया था। इनमें वरिष्ठ विधायक रहे बिसाहूलाल सिंह ने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। कार्यक्रम में मौजूद सिंधिया ने सभी पूर्व विधायकों का नड्डा से परिचय कराया।

12 दिनों से बेंगलुरु में ठहरे थे : उल्लेखनीय है कि ये सभी पूर्व विधायक पिछले 12 दिनों से बेंगलुरु (कर्नाटक) के एक होटल में ठहरे हुए थे। इन 22 विधायकों के इस्तीफे के कारण ही प्रदेश की 15 माह पुरानी कमल नाथ सरकार अल्पमत में आ गई और उसे जाना पड़ा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कमल नाथ ने राज्यपाल लालजी टंडन को अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

भाजपा के परिवार का विस्तार : तोमर पेज>>6

गरीब परिवारों को एक माह का राशन मुफ्त मिलेगा

अहम कदम ▶ कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लिए चार बड़े फैसले

विधवाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को अप्रैल में पेंशन दोगुनी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत देते हुए चार बड़े फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर पेंशन पाने वाले करीब साढ़े आठ लाख लोगों की पेंशन अप्रैल में दोगुनी करने की घोषणा की है। इसके साथ ही अप्रैल में राशन कार्ड धारकों को मुफ्त में 7.5 किलो राशन दिया जाएगा। नाइट शेल्टरों में दोपहर और रात का खाना निःशुल्क मिलेगा। वहीं, होटलों में रह कर पेड क्वारंटाइन करा रहे लोगों को जीएसटी से छूट दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कोरोना के चलते पहली ऑनलाइन प्रेसवार्ता कर कहा कि सरकार पिछले कुछ दिनों से कोरोना को काबू करने के लिए दिल्ली के लोगों और केंद्र सरकार के साथ मिल कर कई कदम उठा रही है। दिल्ली में अभी तक 26 केस हुए हैं। इनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इनमें चार केस ऐसे हैं, जो स्थानीय स्तर पर एक आदमी से दूसरे आदमी में फैले हैं। बाकी 22 केस ऐसे हैं, जो लोग विदेश से बीमारी लेकर आए थे। अभी इसके फैलने का सिलसिला बहुत तेजी से आगे नहीं बढ़ा है। इसके बावजूद हमें अपनी तरफ से सभी एहतियात बरतनी है। दुनिया भर

ऑनलाइन प्रेसवार्ता के दौरान बोलते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। सौ. दिल्ली सरकार

में हम लोगों ने देखा है कि जब यह फैलना शुरू हो जाता है, तो इतनी तेजी से फैलता है कि किसी के काबू में नहीं आता है। हम लोग इटली, ईरान, चीन और जापान के उदाहरण देख चुके हैं। हम नहीं चाहते हैं कि दिल्ली में इस तरह की परिस्थिति बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोग रोज कमाते-खाते हैं। कोरोना के कारण कई लोगों की दिहाड़ी चली जा रही है। हम जिन लोगों को राशन देते हैं, उस व्यवस्था से दिल्ली के 72 लाख लोग जुड़े हैं। हर महीने प्रत्येक व्यक्ति को चार किलो गेहूं, एक किलो चावल मिलता है। इसमें 50 फीसद की वृद्धि करते हुए अप्रैल माह के लिए एक व्यक्ति को साढ़े सात किलो राशन मुफ्त दिया जाएगा। राशन 30 मार्च से ही मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में 2.5 लाख विधवाएं,

एक स्थान पर पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक

अब एक स्थान पर पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले के आदेश में किसी सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, कांफ्रेंस, सेमिनार आदि में 20 से अधिक लोगों को एक जगह एकत्र होने की अनुमति नहीं थी। इसी आदेश को संशोधित करते हुए अब अधिकतम संख्या पांच लोगों तक सीमित कर दी गई है। अगर कहीं लाइन भी लगानी पड़े तो कम से कम दो लोगों के बीच एक मीटर की दूरी बना कर रखें।

पांच लाख बुजुर्गों व एक लाख दिव्यांगों को पेंशन दी जाती है। इसे इस माह दोगुना किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बेघर लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था कर दी है। जो लोग सड़कों पर सोते हैं, उनके लिए 220 नाइट शेल्टर में दोपहर और रात के खाने का इंतजाम किया गया है। यहां कोई भी आकर खाना खा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग बाहर से आए हैं, उन्हें क्वारंटाइन किया जा रहा है। जब हमने सरकारी व्यवस्था के तहत उन लोगों को क्वारंटाइन किया तो कुछ लोगों को वहां की सुविधाएं पसंद नहीं आई। हो सकता है कि वे आरामदायक सुविधाएं चाहते हों, इसलिए उनके लिए कुछ होटलों में इंतजाम किए गए थे। ऐसे लोग खुद खर्च वहन कर वहां पर रह रहे हैं। अब उनसे जीएसटी शुल्क नहीं लिया जाएगा।

दरवाजे पर लगा स्टीकर बताएगा ये हैं होम क्वारंटाइन

निहाल सिंह, नई दिल्ली

- घर में प्रवेश न करने की चेतावनी के साथ हेल्पलाइन नंबर भी लिखा होगा
- कोई इस घर से बाहर निकले तो हेल्पलाइन नंबर पर दे सकते हैं सूचना

राजधानी में रह रहा जो परिवार घर पर क्वारंटाइन की प्रक्रिया से गुजर रहा होगा, उसके घर के बाहर एक स्टीकर लगाया जाएगा जिस पर चेतावनी होगी कि कोई बाहरी व्यक्ति इस घर में न जाए। स्टीकर पर हेल्पलाइन नंबर भी लिखा होगा। अगर कोई इस घर से बाहर निकले तो हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दे सकते हैं। ऐसा कर आप एक जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्य का निर्वहन करेंगे क्योंकि आपका एक फोन न जाने कितने लोगों को संक्रमित होने से बचा सकता है। हालांकि पहली जिम्मेदारी तो उस परिवार की है कि घर से बाहर न निकलें। फिर भी अगर कोई ऐसा कर दे तो इस बात की सूचना हेल्पलाइन पर देकर जिम्मेदारी आपको निभानी पड़ेगी।

दिल्ली सरकार ने यह कदम होम क्वारंटाइन लोगों द्वारा घर से बाहर निकलने की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया है। इस स्टीकर को उन लोगों के घर के बाहर लगाया जाएगा, जो सरकार द्वारा होम क्वारंटाइन किए गए हैं। इस स्टीकर पर घर में प्रवेश न करने की चेतावनी के साथ यह जानकारी भी होगी कि किस तारीख से लेकर किस तारीख तक इस घर के लोगों को क्वारंटाइन किया गया है। इसमें घर के सदस्य का नाम और पता व उन लोगों की संख्या भी लिखी होगी, जिन्हें क्वारंटाइन किया गया है। मध्य दिल्ली जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने बताया कि यह कदम लोगों की सहूलियत के लिए उठाया गया है ताकि लोग सजग रहें और स्टीकर पर तय तारीख को लोग देखें। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को होम क्वारंटाइन किया जाता, उन पर जिले की टीम लगातार निगरानी करती है। अगर इस दौरान किसी को कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं तो उनकी जांच भी की जाती है। नागरिकों से अपील है कि जिन घरों पर स्टीकर लगा है, उनमें तय तारीख तक प्रवेश न करें। साथ ही अगर कोई क्वारंटाइन किया हुआ व्यक्ति घर से बाहर निकले तो हेल्पलाइन नंबर पर इसकी सूचना दें।

सुबह 5 .30 बजे से मिलेगा मदर डेयरी का दूध

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रति दिन 30 लाख लीटर दूध बेचती है
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में है 850 दूध बूथों का नेटवर्क

प्रमुख दुग्ध वितरण कंपनी मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर के उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि जनता कर्फ्यू यानी रविवार को भी दूध की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने बताया कि दूध या अन्य उत्पादों की आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय किए गए हैं। इसलिए इसे लेकर किसी भी उपभोक्ता को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। शुक्रवार से ही दिल्ली-एनसीआर के लोगों में दूध की उपलब्धता को लेकर चिंता देखी जा रही है। इसलिए लोग पहले से दूध जमा करने लगे हैं। ऐसे में दूध की मांग में आठ से 10 फीसद की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

मदर डेयरी के बूथ पर आम दिनों की तरह सुबह 5.30 बजे से दूध मिलना शुरू हो जाएगा। वहीं, बाजारों में भोर में चार बजे से दूध पहुंचाना शुरू कर दिया जाएगा। आवश्यक सेवाओं में आने के कारण बूथ अपने तय समय तक खुले रहेंगे और दूध मिलता रहेगा। ऐसे में लोगों को थोड़ा जल्दी दूध लेना होगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रति दिन 30 लाख लीटर से अधिक दूध बेचती है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगभग 850 दूध बूथों का नेटवर्क संचालित करती है।

राजधानी में खुले रहेंगे सभी पेट्रोल पंप

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जनता कर्फ्यू में पेट्रोल-डीजल को लेकर ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि रविवार को भी दिल्ली में सभी पेट्रोल पंप खुले रहेंगे और अपनी सुविधाएं देंगे। हालांकि इन पर सीमित सुविधा उपलब्ध रहेगी। पेट्रोल पंप के सभी पंपों की जगह एक या दो पंप ही काम करते रहेंगे। दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता निश्चल सिंघानिया ने बताया कि पेट्रोल पंपों को खुला रखने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ध्यान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक दिन के जनता कर्फ्यू के आह्वान को देखते हुए पेट्रोल पंपों पर कर्मचारियों की संख्या सीमित रखने का फैसला लिया गया है। 55 वर्ष या इससे अधिक उम्र के कर्मियों को घर पर रहने को कहा है। दिल्ली में 400 पेट्रोल पंप हैं। दूसरी ओर दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी फिलिंग स्टेशनों की सेवा सामान्य रहेगी। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में 500 से अधिक सीएनजी स्टेशन हैं। उनकी सेवा सुचारू रहेगी।

सीबीएसई ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कोरोना वायरस आपदा के बारे में छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन सुविधा शुरू की है। यह सुविधा 31 मार्च तक सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक 1800118004 नंबर पर उपलब्ध होगी। बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि अफवाहों पर यकीन न करके छात्र व अभिभावक इस नंबर पर फोन कर कोरोना से संबंधित सवाल पूछ सकते हैं। हेल्पलाइन नंबर केवल 31 मार्च 2020 तक ही सक्रिय है। सुबह आठ बजे से लेकर रात आठ बजे तक कॉल कर सकते हैं। सीबीएसई सचिव अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि प्रशिक्षित परामर्शदाता कोरोना वायरस से बचाव के लिए परामर्श देंगे। वह कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए आवश्यक एहतियातन उठाए जाने वाले कदमों और प्राथमिक उपचार संबंधी सलाह देंगे। साथ ही छात्रों को घर में लाभकारी एवं उत्पादक गतिविधियां करने में भी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी तरह की दुष्प्रचार से बचें।

खुले रहेंगे डिस्पेंसरी, मोहल्ला क्लीनिक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते राजधानी में सभी अस्पताल, डिस्पेंसरी, मोहल्ला क्लीनिक पूरी तरह से काम करते रहेंगे। दिल्ली सरकार ने इस बारे में आदेश जारी किए हैं। सरकार ने कहा है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट ऑपरेशन पूरी तरह से जारी रहेंगे। इसी तरह पब्लिक क्लीनिक व सेनिटेशन, फायर सर्विस, पॉवर, वाटर सप्लाई और सीवेज व पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं जारी रहेंगी। इसके अलावा राहत एवं पुनर्वास काम, इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर एंड कंट्रोल रूम, आवश्यक वस्तुएं एक्ट, इंफोर्समेंट एक्टिविटी, वेटरनिटी, नाइट शेल्टर, फूड एंड सिविल सप्लाई, सिविल डिफेंस व होम गार्ड समेत सभी विभाग की ऑपरेशन विंग पूरी तरह काम करेगी।

सोमवार सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बंद रहेगी मेट्रो

जासं, नई दिल्ली : कोरोना वायरस के चलते रविवार को जनता कर्फ्यू के कारण मेट्रो का संचालन पूरी तरह से बंद रखने का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है। अब सोमवार को भी मेट्रो सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी। सुबह 6 बजे से 10 बजे तक मेट्रो का संचालन कुछ पाबंदियों के साथ होगा। पूरे दिन स्टेशनों पर पार्किंग बंद रहेगी।

सोमवार सुबह 6 से 8 बजे तक सभी रूट पर मेट्रो 20 मिनट के अंतराल पर मिलेगी और वही लोग सफर कर सकेंगे जो जरूरी सेवाओं में कार्यरत हैं। इस अवधि में अस्पताल, दमकल विभाग, बिजली विभाग और पुलिस सहित अन्य जरूरी सेवाओं में तैनात लोगों को पहचान पत्र दिखाकर सफर की अनुमति मिलेगी। इसके बाद 8 बजे से लेकर 10 बजे मेट्रो आम दिनों की तरह सामान्य चलेगी और हर कोई सफर कर सकेगा। 10 बजे तक जो मेट्रो अपने गंतव्य के लिए निकल चुकी, सिर्फ वही चलेगी।

विदेश से लौटने वाले यात्रियों की लगी भीड़

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आइजीआइ) एयरपोर्ट पर दोपहर के बाद दो बजे अचानक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के जवान दौड़ पड़े। कुछ ही मिनट में सभी सामान्य निकास द्वार बंद कराने के साथ एयरपोर्ट पर पहले से मौजूद यात्रियों के सहित उन यात्रियों को भी अंदर रोक दिया गया जो अभी अभी फ्लाइट से उतरे थे। इसके बाद जो फ्लाइट यहां पहुंची, इनमें सवार सभी यात्रियों की टर्मिनल तीन के भीतर थर्मल स्क्रीनिंग और जरूरी सूचना एकत्र की गई और एयरपोर्ट पर बने क्वारंटाइन सेंटर पर विशिष्ट द्वार से पहुंचाया गया। इसके पहले अलग से कोरिडोर भी बनाया गया।

शुक्रवार को रात आठ बजे अमेरिका सहित अन्य देशों से जो यात्री एयरपोर्ट पर उतरे थे, उनकी जांच का नंबर सुबह आया। इसके बावजूद दोपहर तक सबकुछ सामान्य चलता रहा। लेकिन शनिवार को विदेशों से आनेवाले यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी। इसे नियंत्रित करने के लिए सामान्य प्रवेश द्वार को बंद करना पड़ा। इन

आइजीआइ एयरपोर्ट पर कोरोना की जांच के लिए लगी लोगों की कतार। सौ. डॉक्टर

निकास द्वारों से निकलने वाले यात्रियों को भी रोकना पड़ा। इससे थोड़े देर के लिए टर्मिनल के अंदर और बाहर का माहौल असहज हो गया। इस दौरान टर्मिनल के भीतर यात्रियों की संख्या ज्यादा हो गई। ऐसे में काउंटर पर जमा पासपोर्ट ढूंढ़ने और 20 से 25 लोगों के समूह बनाकर उन्हें क्वारंटाइन सेंटर भेजने में भी वक्त लगा। इस दौरान क्वारंटाइन सेंटर पर जांच के लिए जाने वालों और जांच के बाद बाहर आने वालों कतार दिनभर लगी रही। इतनी ही संख्या में टर्मिनल के बाहर अपने परिजनों और रिश्तेदारों का लोग खड़े होकर इंतजार करते रहे।

हालांकि, जब जब कर्मचारियों की ड्यूटी खत्म हो रही थी तब तब कड़ी सुरक्षा के बीच एक निकास द्वार को खोला जाता था फिर बंद कर दिया जाता रहा। लेकिन किसी भी यात्री को इस सामान्य प्रवेश द्वार से जाने की इजाजत नहीं दी गई।

मंडोली जेल परिसर में तैयार हो रहा आइसोलेशन सेंटर

स्वदेश कुमार, नई दिल्ली : कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार ने जगह-जगह आइसोलेशन सेंटर बनाने शुरू कर दिए हैं। इस कड़ी में मंडोली जेल परिसर में भी सेंटर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। यहां पर पुलिसकर्मियों के रहने के लिए करीब डेढ़ सौ फ्लैट बनाए गए थे, लेकिन अभी तक आवंटन नहीं हुआ था। ये जेल से थोड़ा हटकर हैं। यहां पर कुल 360 कमरे आइसोलेशन सेंटर के लिए चिह्नित किए गए हैं। इनकी सफाई का काम शनिवार से शुरू हो गया है। इससे पहले वजीराबाद स्थित पुलिस ट्रेनिंग में भी आइसोलेशन सेंटर बनाने की तैयारी शुरू की गई थी, लेकिन किसी कारणवश इसे रद कर दिया गया है। इसके बाद मंडोली जेल परिसर का चयन किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि 360 कमरों की सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए नगर निगम के दो सौ कर्मचारियों की टीम सुबह ही मंडोली जेल परिसर में पहुंच गई।

पुरानी दिल्ली के बाजारों में रहा लॉकडाउन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ जंग में पुरानी दिल्ली के बाजार आगे आ गए हैं। शनिवार को पुरानी दिल्ली के अधिकांश बाजार बंद रहे। वहीं, खारी बावली में कुछ दुकानें खुली रहीं। इसी तरह चांदनी चौक, करोलबाग, भागीरथ पैलेस, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, विकासपुरी, नजफगढ़ रोड, डिस्ट्रिक्ट सेंटर जनकपुरी, दिलशाद गार्डन, जनपथ मार्केट, गांधी मार्केट, सरोजनी नगर व लाजपत नगर समेत अन्य बाजार बंद रहे। कुछ बाजार सुबह तो खुले पर शाम को बंद हो गए। रविवार को प्रधानमंत्री के जनता कर्फ्यू के आह्वान पर दिल्ली के सभी बाजार बंद रहेंगे। हालांकि शनिवार को बाजार बंद होने की वजह से खरीदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जिन्हें बंद की जानकारी नहीं थी, वे खरीदारी के लिए बाजार पहुंचे थे।

कारोबारी संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार से कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए तीन दिनों तक बाजार बंद का आह्वान किया है। वहीं, चांदनी चौक के कपड़ा मार्केट व करोलबाग के ज्वेलरी मार्केट के दुकानदारों ने चार दिन

लोगों से भरा रहने वाला सदर बाजार कोरोना वायरस के चलते शनिवार को सुनसान पड़ा रहा। पारस कुमार

तो भागीरथ पैलेस के इलेक्ट्रिकल सामान के विक्रेताओं ने पांच दिनों तक बाजार बंद की घोषणा की है। शाहदरा उत्तरी के कई बाजारों ने बुधवार तक बंद की घोषणा की है। इसी तरह खान मार्केट ने दो दिनों के बंद की घोषणा की है। दुकानदारों ने यह भी तय किया है कि इन दिनों वे अधिकांश समय घर में ही रहेंगे तो रविवार को पूरे दिन घर से बाहर नहीं निकलेंगे।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आग्रह पर कैट ने तीन दिन तक के लिए बाजार बंद रखने का आह्वान किया गया है। इससे व्यापारी, उनके कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में दुकानों पर आने वाले ग्राहकों को कोरोना के सामूहिक संक्रमण से बचाया जा सकेगा। इस बंदी से दवा, डेरी, खाद्यान्न तथा कॉलोनी में स्थित किराना दुकानों को मुक्त रखा गया है, जिससे कि आम लोग अपनी दैनिक जरूरतों का सामान आसानी से ले सकें।

कनॉट प्लेस खुला रहा, ग्राहक रहे नदारद : कनॉट प्लेस व खान मार्केट समेत दिल्ली के अन्य भागों में शनिवार को बाजार खुला रहा। हालांकि ग्राहकों की संख्या काफी कम रही।

सीटीआइ ने तीन दिनों के बंद से किया किनारा : कैट के बंद के आह्वान से चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) ने किनारा किया है।

पांच की जगह एक दिन का होगा बजट सत्र

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए दिल्ली सरकार ने अपना बजट सत्र पांच दिन से घटाकर एक दिन का कर दिया है। पहले यह बजट सत्र 23 से 27 मार्च तक का होना था, लेकिन अब यह 23 को ही आयोजित किया जाएगा। दिल्ली सरकार के बजट सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल के अभिभाषण से होती है। मगर कोरोना के चलते बजट सत्र का समय घटाए जाने से इस बार उनका अभिभाषण नहीं होगा। जानकारों की मानें तो यह पहला मौका है जब बजट बगैर उपराज्यपाल के अभिभाषण और चर्चा के पास होगा।

सरकार की ओर से तय नए बजट सत्र के बाद अब एक दिन में इकोनॉमी सर्वे, आउटकम बजट के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सदन के पटल पर 2020-21 का वार्षिक बजट रखेंगे। इस मौके पर अलग-अलग मामलों में अनुदान राशि की भी मंजूरी भी उसी दिन हो जाएगी। सदन में रखे गए बजट पर सरकार कोई चर्चा नहीं कराएगी। कोई प्रश्नकाल भी नहीं होगा। सूत्रों का कहना है कि कोरोना का प्रकोप खत्म होने के बाद सरकार विशेष सत्र बुलाकर चर्चा करा सकती है।

जागरूकता के लिए भाजपा चलाएगी अभियान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस को हराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से रविवार को जनता कर्फ्यू रखने का एलान किया है। इसे सफल बनाने के लिए भाजपा नेता अभियान चला रहे हैं। इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन के बाहर मास्क, सैनिटाइजर व गुलाब के फूल देकर जनता कर्फ्यू को सफल बनाने की अपील की। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए प्रधानमंत्री जनता से सोशल डिस्टेंसिंग की अपील कर रहे हैं। इसे ध्यान में रखकर भाजपा नेता जनता के बीच जाने से परहेज कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

दिल्ली प्रदेश भाजपा सोशल मीडिया सह प्रभारी नीलकांत बक्शी का कहना है कि लोगों को जागरूक करने वाले पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। ट्विटर, फेसबुक, वाट्सएप सहित सोशल मीडिया के सभी मंचों का प्रयोग किया जा रहा है। नेताओं के वीडियो संदेश में कार्यकर्ताओं व अन्य दिल्लीवासियों से जनता कर्फ्यू में घर से बाहर नहीं निकालने की अपील की जा रही है। भाजपा के पास मंडल स्तर पर सोशल मीडिया टीम है। इसके कार्यकर्ता इस काम में अपना योगदान दे रहे हैं। मंडल स्तर पर कई वाट्सएप ग्रुप भी बने हुए हैं जिनका प्रयोग जागरूकता वाले संदेश जनता तक पहुंचाने में किया जा रहा है।

सैनिटाइजर व मास्क बांटने के बाद बिधूड़ी ने कहा कि कोरोना वायरस को रोकने के लिए हम सभी को सावधानी बरतनी होगी। रविवार को हम सभी को घर के अंदर रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसके साथ ही शाम को पांच बजे ताली और थाली बजाकर संक्रमित लोगों का इलाज कर रहे डॉक्टरों, अन्य स्वास्थ्यकर्मी, अस्पताल, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी और आवश्यक कार्य के लिए तैनात कर्मचारियों का आभार जताएंगे।

50 फीसद बसें ही सड़क पर उतरेंगी

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली : प्रधानमंत्री की अपील पर दिल्ली में रविवार को होने जा रहे जनता कर्फ्यू को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का साथ मिला है। उन्होंने रविवार को 50 फीसद बसें सड़कों पर न उतारने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री ने 22 मार्च को देश में जनता कर्फ्यू का ऐलान किया है। इसी के मद्देनजर रविवार को ट्रेनें और मेट्रो बंद है। इसके अलावा कई सारी टैक्सी भी सड़क पर नहीं होंगी। केजरीवाल ने कहा कि हमने भी इस बारे में विचार किया कि क्या सारी बसें सड़क से बंद कर दी जाएं। हम लोगों ने विचार किया कि अगर सभी बसों को बंद कर दिया जाएगा तो जिन लोगों को इमरजेंसी होगी, उन्हें काफी परेशानी हो सकती है। इसलिए हमने 50 फीसद बसों को ही रविवार को सड़कों पर नहीं उतारने का फैसला लिया है। वहीं विभिन्न ऑटो टैक्सी यूनियन के लोगों ने भी टैक्सी ,तिपहिया और ग्रामीण सेवा सड़कों पर न उतारने की बात कही है। इसमें भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध ऑटो टैक्सी यूनियन के राजेंद्र सोनी, ग्रामीण सेवा के चंदू चौरसिया, आप की आटो विंग के संतोष कुमार पांडेय, कांग्रेस समर्थित ऑटो यूनियन के किशन वर्मा ने भी जनता कर्फ्यू के चलते अपने ऑटो और टैक्सी सड़कों पर न उतारने की फैसला लिया है।

योजना

एसडीएमसी की स्टैंडिंग कमेटी के डिप्टी चेयरमैन राजपाल सिंह ने निगम आयुक्त को दिया प्रस्ताव, कहा- धरने के कारण कालिंदी कुंज टोल प्लाजा पर करीब 20 करोड़ के राजस्व का नुकसान

निगम अपने नुकसान की भरपाई को प्रदर्शनकारियों से करेगा वसूली

अरविंद कुमार द्विवेदी, नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) व राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में तीन माह से शाहीन बाग में चल रहे धरने की वजह से दिल्ली-एनसीआर के लाखों लोग जाम से परेशान हैं। इस धरने की वजह से दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) को भी करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। अकेले कालिंदी कुंज टोल प्लाजा से ही करीब 20 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। मदनपुर खादर वार्ड, सरिता विहार वार्ड व जैतपुर वार्ड में तो सफाई व्यवस्था ही चरमरा गई है। इसलिए अब एसडीएमसी इस घाटे की भरपाई इन्हीं प्रदर्शनकारियों से करने की तैयारी कर रहा है। एसडीएमसी की स्थायी समिति के डिप्टी चेयरमैन व श्रीनिवासपुरी से निगम पार्षद राजपाल सिंह ने निगम की इस योजना की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने निगम आयुक्त के सामने यह प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि निगम जल्द ही इसकी योजना तैयार करके इस पर अमल शुरू करे। योजना के तहत धरने पर बैठे लोगों की पहचान कर उनकी संपत्तियों को अटैच करके निगम अपने नुकसान की भरवाई करेगा। जिन संपत्तियों का हाउस टैक्स बकाया है, उन्हें नीलाम करके नुकसान की भरपाई की जाएगी। निगम ने कहा कि हाउस टैक्स डिफाल्टरों की संपत्ति नीलाम करने के अभियान की शुरुआत शाहीन बाग से ही की जाएगी।

राजपाल सिंह ने बताया कि धरने के कारण कूड़े की गाड़ियों को वेस्ट टू एनर्जी प्लांट तक पहुंचाने में करीब चार गुना ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। वहीं, मलेरिया का सीजन आने वाला है, लेकिन प्रदर्शनकारियों की मनमानी के कारण अभी तक निगम का मलेरिया स्टाफ भी इस इलाके में नहीं पहुंच पा रहा है। निगम के बहुत से कर्मचारी नोएडा, कल्याणपुरी, त्रिलोकपुरी आदि इलाकों में रहते हैं। उन्हें यहां पहुंचने में घंटों लग जाते हैं। ऐसे में सफाई कर्मचारी बार-बार हड़ताल की धमकी दे रहे हैं।

खाली पड़ी हैं पार्किंग : राजपाल सिंह ने बताया कि धरने के कारण बंद रास्ते की वजह से क्षेत्र की करीब 10 पार्किंग बंद पड़ी हैं। इस कारण निगम को करोड़ों रुपये प्रतिमाह का घाटा हो रहा है। कालिंदी कुंज का टोल प्लाजा भी बंद है जिससे निगम को राजस्व की हानि हो रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के हाउस टैक्स बकाया है उनकी संपत्तियों को सील करके वसूली की जाएगी। इसके अलावा जो भी कानूनी उपाय हैं, वे भी किए जाएंगे।

राजपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए पूरे देश को जनता कर्फ्यू का पालन करने की अपील की है। लेकिन शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों ने इसे भी मानने से इन्कार कर दिया है। पूरी दुनिया कोरोना वायरस के कारण खौफ में है, लेकिन प्रदर्शनकारी इसे खेल समझ रहे हैं।

दो संक्रमित मिलने के बाद भी प्रदर्शन जारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जामिया मिल्लिया इस्लामिया में चल रहे सीएए और एनआरसी विरोधी प्रदर्शन के शनिवार को 100 दिन पूरे हो गए। इस दौरान सैकड़ों प्रदर्शनकारी विश्वविद्यालय के गेट पर पहुंचे। कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए सरकार ने एक जगह पर पांच लोगों से अधिक की संख्या में एकत्रित होने की चेतावनी जारी की है। इसके बावजूद लोगों की जान को जोखिम में डाल कर प्रदर्शन जारी है और लोगों से अधिक संख्या में प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की जा रही है।

जामिया में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में शाहीन बाग में प्रदर्शन करने वाले लोग भी शामिल होने के लिए पहुंचे, जबकि इससे पहले शाहीन बाग में शामिल होने वाले दो प्रदर्शनकारियों को कोरोना संक्रमण की जानकारी मिली थी। दोनों संक्रमित व्यक्तियों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। ऐसे में शाहीन बाग में प्रदर्शनकारियों में संक्रमण का खतरा काफी ज्यादा है। इसके अलावा प्रदर्शन में स्थानीय लोग भी शामिल होते हैं। इससे जामिया नगर, शाहीन बाग, अबुल फजल एंक्लेव में रहने वाले लोगों में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए जसोला, सरिता विहार में रहने वाले लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि कोरोना वायरस से उनकी सुरक्षा के लिए धरने को खत्म कराकर सभी प्रदर्शनकारियों की जांच की जाए।

अच्छा रहा दिल्ली वक्फ बोर्ड का सफर : अमानतुल्लाह

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग ने कहा है कि छठी विधानसभा के 11 फरवरी को भंग होने के बाद अमानतुल्लाह खान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष नहीं हैं। प्रमुख सचिव (राजस्व) के कार्यालय ने शुक्रवार को एक पत्र जारी करते हुए जानकारी दी। इसके बाद ओखला से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान ने ट्वीट में कहा, 'दिल्ली वक्फ बोर्ड का सफर बहुत अच्छा रहा। मुझे खुशी है कि मैं गरीबों और जरूरतमंदों तक उनका हक पहुंचा पाया और उनकी मदद कर पाया।'

उधर, भाजपा का कहना है कि अमानतुल्लाह खान को वक्फ बोर्ड के चेयरमैन पद से हटने से राजधानी में सांप्रदायिक सद्भाव सुधरेगा। दिल्ली प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने खान के कार्यकाल में वक्फ बोर्ड द्वारा खर्च किए गए पैसों की जांच कराने की मांग की है। कानूनन वह वक्फ बोर्ड के नाम पर पैसा एकत्र या खर्च नहीं कर सकते थे।

4.6 लाख करोड़ कर्ज चुकाना है महाराष्ट्र सरकार को 2029 तक। इस पर 35207 करोड़ रुपये का भुगतान ब्याज के रूप में करना होगा।

पायलट बोले-मेरी जफर इस्लाम से नहीं हुई मुलाकात

जासं, जयपुर : राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सचिन पायलट ने खुद की भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जफर इस्लाम से मुलाकात की चर्चाओं को केवल अफवाह करार दिया है। उन्होंने कहा है कि मेरी उनसे कोई मुलाकात नहीं हुई है। राजनीतिक गलियारों में दो दिनों से ऐसी चर्चाएं थीं।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के सूत्रधारों में जफर इस्लाम का नाम भी आया था। बताया जाता है कि जफर इस्लाम ने ही पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पहली बात मुलाकात कराई थी। इसके बाद उन्होंने ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सिंधिया की मुलाकात तय की थी। ज्योतिरादित्य जब शाह के साथ पीएम से मिलने गए थे तो जफर इस्लाम उनके साथ थे। ऐसे में पायलट से उनकी मुलाकात के कई राजनीतिक मायने हो सकते हैं। पिछले दो दिन से पायलट और इस्लाम की मुलाकात को लेकर चर्चा राजनीतिक गलियारों में चल रही है। पायलट ने शनिवार को इन्हें गलत बताया है।

सार्क के कोरोना इमरजेंसी फंड में बढ़ा योगदान

मालदीव, भूटान, नेपाल से लेकर अफगानिस्तान तक ने 23 लाख डॉलर की रकम जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसियां : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोविड-19 राहत आपदा कोष में सार्क देशों के योगदान की मुहिम रंग लाने लगी है। उन्होंने पिछले दिनों सार्क देशों की बैठक के दौरान इस इमरजेंसी फंड की जरूरत बताते हुए इसके लिए एक करोड़ डॉलर देने का एलान किया था। तब से अब तक मालदीव, भूटान, नेपाल से लेकर अफगानिस्तान ने यथाशक्ति फंड दिया है। इसतरह भारत की दी धनराशि के अलावा इस फंड में और 23 लाख डॉलर की रकम जुड़ गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट करके मालदीव, भूटान और नेपाल को धन्यवाद भी दिया है।

शनिवार को अफगानिस्तान के राष्ट्रपति के सादिक सिद्दीकी के प्रवक्ता ने बताया कि वह कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देना चाहते हैं। इस संयुक्त साझेदारी से वैश्विक महामारी को मात देने के लिए सार्क देशों के फंड में अफगान सरकार ने दस लाख डॉलर देने की मंजूरी दी है। इससे पहले, पीएम मोदी के फैसले का स्वागत करते हुए मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने कहा कि कोरोना के खिलाफ युद्ध छेड़ने को सार्क देशों के कोविड-19 राहत आपदा कोष में मालदीव दो लाख डॉलर देगा। इसीतरह शुक्रवार को ही सार्क देशों के कोरोना इमरजेंसी फंड में नेपाल ने दस लाख डॉलर (नेपाली रुपये में दस करोड़ रुपये) और भूटान सरकार ने एक लाख डॉलर देने की स्वीकृति दी है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री कोरोना फंड के कायल

अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि सार्क देशों को कोविड-19 इमरजेंसी फंड की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने इस महामारी पर चर्चा करते हुए इस अवधि में लगातार नजदीकी संपर्क बनाए रखने पर प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा प्रतिबद्धताओं पर भी चर्चा की।

मार्क एस्पर।

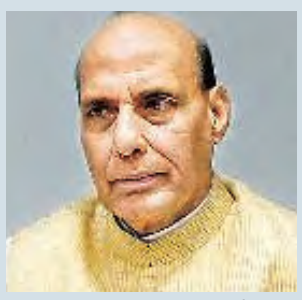

राजनाथ सिंह। सभी फाइल

मालदीव, भूटान और नेपाल को धन्यवाद दिया

इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्क देशों के नेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह देखकर अच्छा लग रहा है कि कोरोना वायरस के खिलाफ साझा लड़ाई में यह सार्क देशों के सभी नेताओं पहल कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि वह भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और मालदीव सरकार के आर्थिक सहयोग की सराहना करते हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना वायरस के खिलाफ विभिन्न संगठनों और उद्योग जगत के प्रयासों की भी सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

मनी लांड्रिंग मामले में झारखंड के पूर्व मंत्री एक्का दोषी करार

राज्य ब्यूरो, रांची

ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के विशेष न्यायाधीश एके मिश्रा की अदालत ने शनिवार को 20 करोड़ 31 लाख रुपये की मनी लांड्रिंग के मामले में झारखंड के पूर्व मंत्री एनोस एक्का को दोषी करार दिया है। सजा के बिंदुओं पर सुनवाई 31 मार्च को होगी। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल भुगत रहे एक्का की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी की गई थी।

वर्ष 2009 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनोस के खिलाफ के केस दर्ज किया था। एजेंसी ने 56 गवाह पेश किए, जबकि एनोस ने अपने बचाव में 71 लोगों की गवाही कराई। सुनवाई के दौरान ईडी ने एनोस द्वारा खरीदी गई संपत्ति से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज के साथ 116 सेल डीड अदालत में पेश की थी। इस मामले में ईडी एनोस एक्का व उनके परिजनों से जुड़े करोड़ों की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इसमें रांची, बंगाल, दिल्ली की जमीन, फ्लैट आदि शामिल हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में सजायाफ्ता

आय से अधिक संपत्ति मामले में सजा काट रहे एनोस की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेशी

एनोस एक्का। फाइल

हैं एनोस : झारखंड की मधु कोड़ा सरकार में 10 मार्च 2005 से 31 मार्च 2009 तक मंत्री रहे एनोस एक्का आय से अधिक संपत्ति मामले में सजायाफ्ता हैं। 25 फरवरी को सीबीआइ की विशेष अदालत ने उन्हें सात साल की सजा सुनाई है। इस केस में एनोस के अलावा उनकी पत्नी मेनन एक्का सहित परिवार के पांच सदस्यों को भी सजा हुई है। फिलहाल वह रांची की होटवार जेल में बंद हैं।

मप्र में सरकार बनाने की कवायद शुरू

तैयारी ▸ भाजपा विधायक दल की बैठक कल, नवरात्र पर 25 को हो सकती है सीएम की शपथ

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मप्र के प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे पर्यवेक्षक बनाए

राज्य ब्यूरो, भोपाल

मध्य प्रदेश में भाजपा ने नई सरकार बनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। इसमें नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव के इस्तीफे के बाद नए नेता यानी मुख्यमंत्री का चुनाव किया जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व ने विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

संभावना है कि केंद्रीय पर्यवेक्षक हाईकमान द्वारा तय नेता के नाम पर विधायक दल की बैठक में मुहर लगवाएंगे। इसके बाद विधायक दल के नेता राज्यपाल लालजी टंडन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। गौरतलब है कि पहले ये बैठक शनिवार को बुलाई गई थी। माना जा रहा है कि देश में कोरोना के बढ़ते असर और रविवार को 'जनता कर्फ्यू' के कारण विधायक दल की बैठक टाल दी गई। पार्टी की रणनीति के मुताबिक सब कुछ ठीक रहा तो 25 मार्च को नई सरकार का शपथ ग्रहण भी हो सकता है। इसी दिन नवरात्र पूजा की शुरुआत भी हो रही है।

सीएम के लिए शिवराज टॉप पर : मप्र में भाजपा का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर जोर-आजमाइश का खेल शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए स्वाभाविक तौर पर सबसे आगे शिवराज सिंह चौहान का नाम चल रहा है। पार्टी नेताओं की मानें तो शिवराज ही मप्र में 24 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा की नैया पार लगा सकते हैं। यही वजह है कि अभी वह सीएम की दौड़ में सबसे आगे हैं। यह भी माना जा रहा है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया का समर्थन चौहान के साथ ही रहेगा। हालांकि, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का नाम भी पार्टी में तैर रहा है।

नई दिल्ली में शनिवार को मध्य प्रदेश के कांग्रेस के बागी पूर्व विधायकों ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। एएनआइ

कांग्रेस ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर साधा निशाना

बागी पूर्व विधायकों के भाजपा में प्रवेश पर मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने सिंधिया पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सिंधिया ने बागी पूर्व विधायकों को 18 सालों में भी कांग्रेसी नहीं बनने दिया। वे सिंधिया समर्थक बनकर ही रह गए। देखना होगा कि वे सिंधिया समर्थक ही रहेंगे या भाजपाई बन पाएंगे।

तोमर ने कहा-भाजपा के परिवार का विस्तार

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय पंचायत राज एवं कृषि कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मप्र में भाजपा के परिवार का विस्तार हो रहा है। मप्र में 15 दिन पहले से लंबा सियासी घटनाक्रम चला, जिस कारण ऊहापोह की स्थिति बनी थी। यह सौभाग्य की बात है कि इस कार्यक्रम के साक्षी बनने और मार्गदर्शन देने के लिए पार्टी अध्यक्ष नड्डा भी मौजूद हैं। तोमर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल जैन, कैलाश विजयवर्गीय, सांसद राकेश सिंह और विधायक अरविंद भदौरिया ने अपनी भूमिका का बेहतर ढंग से निर्वहन किया है।

'अपराध करने से पहले खरीदी या हासिल संपत्ति को नहीं किया जा सकता कुर्क'

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) 2002 एक्ट के तहत किसी भी ऐसी संपत्ति को कुर्क नहीं किया जा सकता जिसे अपराध करने से पहले खरीदा या हासिल किया गया हो। हाई कोर्ट के जस्टिस जसवंत सिंह पर आधारित बेंच ने यह फैसला सुनाया है।

हाई कोर्ट में दायर अपील में कहा गया है कि यह अपील पीएमएलए की धारा 42 के तहत दायर की गई है और इसमें अपीलीय अधिकरण के फैसले को निरस्त करने की मांग की गई है जिसमें संपत्ति की अस्थायी कुर्की का आदेश है। याची जलधारा एक्सपोर्ट्स के खिलाफ वैट रिफंड में फरवरी-मार्च 2013 के दौरान धोखाधड़ी के आरोप में आइपीसी की धारा 177, 420, 465, 467, 468, 471 के तहत मामला दर्ज किया।

प्रवर्तन निदेशालय ने एनफोर्समेंट केस इन्फर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज किया। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने याची की एंपायर रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट के एक फ्लैट को 90 दिनों के लिए कुर्क कर दिया। अपीलकर्ताओं ने इस मामले में कहा कि कुर्क की गई संपत्ति न केवल कथित अपराध बल्कि पीएमएलए के अस्तित्व में आने से काफ़ी पहले खरीदी गई और संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क करने से पहले इसका कारण बताने के नियम का पालन नहीं किया गया। कहा गया कि संपत्ति 1991 में खरीदी गई और अपील नंबर दो में शामिल संपत्ति 2012 में खरीदी गई जबकि कथित अपराध फरवरी-मार्च 2013 में हुआ। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि अपराध से आए धन से ये संपत्तियां खरीदी गईं। अदालत ने कहा कि पीएमएलए की धारा 24 के अनुसार, इस संपत्ति का धन शोधन से संबंध नहीं है। अदालत ने कहा कि अथॉरिटीज को अनिर्देशित और बेलगाम अधिकार मिल जाएगा और वह किसी को भी फंसा सकता है भले ही उसका इस अपराध और इससे मिले धन से कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष लेना-देना हो या नहीं हो, बल्कि उस व्यक्ति की अन्य संपत्तियों से उसका वास्ता है (जिसका इस अपराध से लेना-देना नहीं है) जिसने अपराध से धन जमा की है।

'यह संविधान के अनुच्छेद 20 और 21 का उल्लंघन होगा'। अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में यह स्वीकार किया गया है कि संपत्ति को 1991 में खरीदा गया और 2009 में इसे एक बैंक के पास गिरवी रख दिया गया। इसमें कहा गया कि कथित अपराध 2013 में हुआ जबकि कुर्की का आदेश दिसंबर 2017 में दिया गया। आपराधिक गतिविधि या पीएमएलए के पहले अर्जित संपत्ति को कुर्क नहीं किया जा सकता जबकि अपराध से मिले धन से खरीदी गई संपत्ति देश के बाहर है।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत अहम है कोर्ट का फैसला

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का प्रवेश द्वार। फाइल

सांसद आजम खां मामले में शासकीय अधिवक्ताओं पर भी कार्रवाई की तैयारी

सांसद से जुड़े मामलों की पैरवी में ढिलाई का मामला

डीएम ने कहा, शासन को कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा

मुस्लेमीन, रामपुर : सांसद आजम खां के मुकदमों की पैरवी में लापरवाही बरतने पर पुलिस अधीक्षक सहित कई थाना प्रभारियों पर कार्रवाई हो चुकी है। अब इस मामले में पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं पर कार्रवाई की तैयारी है। रामपुर जिला प्रशासन इनकी रिपोर्ट शासन को भेजने की तैयारी कर रहा है।

आजम खां के खिलाफ अब तक 87 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, जबकि उनकी पत्नी शहर विधायक डॉक्टर तजीन फात्मा पर तीन और बेटे अब्दुल्ला आजम पर 10 केस दर्ज हैं। इन तीनों ने 26 फरवरी को अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र बनवाने से संबंधित धोखाधड़ी के मामले में अदालत में आत्मसमर्पण किया था। तब से ही तीनों जेल में हैं। 27 फरवरी को आचार संहिता से जुड़े आठ मामलों में आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर हो गई थी। इस मामले में पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा। अदालत ने पुलिस से तीनों ही मामलों में आख्या मांगी थी लेकिन, पुलिस ने आख्या नहीं दी। इस मामले में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता राम औतार सिंह सैनी ने जिलाधिकारी को पत्र भी लिखा था। इसके बाद आजम खां की अदालत में पेशी हुई तो तमाम सपा नेता उनसे मुलाकात के लिए कचहरी पहुंच गए। शासन ने एक मार्च को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा को रामपुर से हटा दिया। इसके बाद शहर कोतवाल सहित चार थाना प्रभारियों को लाइन हाजिर कर दिया गया। जिला अधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह ने बताया कि शासकीय अधिवक्ता इस मामले में ठीक से पैरवी नहीं कर सके हैं। ऐसे शासकीय अधिवक्ताओं के खिलाफ शासन को लिखा जाएगा। बेहतर पैरवी के लिए सुप्रीम कोर्ट के अपर महाधिवक्ता विनोद दिवाकर को भी लगाया गया है।

आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमों में जमानत अर्जी पर शनिवार को सुनवाई नहीं हो सकी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अमित सक्सेना ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते हाई कोर्ट ने प्रदेश की सभी जिला अदालतों को 28 मार्च तक बंद रखने के आदेश दिए हैं।

सरकार जाते ही दिग्विजय का विरोध तेज

रवींद्र कैलासिया, भोपाल

राज्यसभा चुनाव में बरैया को प्राथमिकता में रखने की मांग

कांग्रेस के दिग्गजों ने फूलसिंह के पक्ष में हाईकमान को लिखा पत्र

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार जाते ही पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। विधानसभा की रिक्त हुईं 24 सीटों पर उपचुनाव होना हैं। इनमें अजा-जजा वोट बैंक का फायदा उठाने के लिए कांग्रेस के कुछ दिग्गज नेताओं ने राज्यसभा उम्मीदवार फूलसिंह बरैया के पक्ष में हाईकमान को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने मप्र के राज्यसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी फूलसिंह बरैया को प्राथमिकता क्रम में पहले नंबर पर रखकर उन्हें राज्यसभा में भेजने की मांग की है। पत्र में नेताओं ने दलील दी है कि बरैया के राज्यसभा में जाने से कांग्रेस को उपचुनाव में अजा-जजा वोट बैंक का लाभ मिलेगा।

गौरतलब है कि 26 मार्च को मप्र की तीन राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में कांग्रेस की ओर से दिग्विजय सिंह और फूलसिंह बरैया प्रत्याशी हैं। नए सियासी समीकरण के कारण कांग्रेस अब सिर्फ एक सीट जीतने की स्थिति में है। ऐसे में पार्टी हाईकमान से पहले और दूसरे क्रम के उम्मीदवार तय करने की मांग की गई है। हाईकमान को लिखे पत्र में बरैया को राज्यसभा में भेजने से उपचुनाव में पार्टी को होने वाले फायदे गिनाए गए हैं। बरैया की ग्वालियर-चंबल संभाग में अजा-जजा वोट बैंक पर पकड़ बताते हुए नेताओं ने आगामी विधानसभा उपचुनाव में पार्टी को ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद जताई है।

मुकेश नायक बोले-दिग्विजय ने कमल नाथ को धोखे में रखा : दूसरी तरफ कमल नाथ सरकार के गिरने में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की भूमिका को लेकर भी कांग्रेस नेताओं के विरोध के स्वर उठ रहे हैं। दिग्विजय सरकार में मंत्री रहे मुकेश नायक ने तो खुलकर कहा है कि दिग्विजय सिंह ने अपने परिवारजन-रिश्तेदारों के लिए मध्य प्रदेश ही नहीं, गुजरात-उत्तर प्रदेश में राजनीतिक जमावट कर ली है और खुद के लिए भी राज्यसभा सीट पर रास्ता आसान कर लिया है। मध्य प्रदेश में बेटे जयवर्धन सिंह, भाई लक्ष्मण सिंह और निकट रिश्तेदार प्रियव्रत सिंह तो गुजरात-उत्तर प्रदेश में अपने रिश्तेदारों को एमएलए बना लिया है। नायक ने कहा कि कमल नाथ ने दिग्विजय को संकट मोचक समझा और उन्होंने ही धोखा दिया। दो घंटे पहले तक शक्ति परीक्षण में जीतने की बातें कहते रहे और फिर अचानक अल्प मत में होने का बोलकर सरकार गिरवा दी।

सिंघार ने फिर बनाई दिग्विजय से दूरी: सरकार बनने के बाद दिग्विजय सिंह के कमल नाथ सरकार के मंत्रियों को सीधे चिट्ठी लिखे जाने पर वन मंत्री उमंग सिंघार से विवाद पर बवाल मचा था। तब हाईकमान ने दोनों पक्षों को शांत करने के लिए कमेटी बना दी, लेकिन अब फिर दोनों नेताओं के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं।

कमल नाथ समर्थक भी दिग्विजय के खिलाफ होंगे : सूत्र बताते हैं कि कमल नाथ सरकार के कुछ मंत्रियों के दिग्विजय सिंह के खिलाफ खड़े होने की संभावना है। ये मंत्री सरकार में दिग्विजय सिंह के हस्तक्षेप को लेकर नाखुश तो थे, लेकिन अपने नेता की वजह से खुलकर कुछ नहीं बोलते थे। इनमें सज्जन सिंह वर्मा का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है, जो दिग्विजय सिंह के सरकार में हस्तक्षेप को लेकर समय-समय पर तंज करते रहे हैं। उनके अलावा महाकोशल के दो कार्यवाहक मंत्री भी दिग्विजय को कांग्रेस की मौजूदा स्थिति का जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन वे अभी मौके का इंतजार कर रहे हैं। दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह भी अपने भाई के सरकार में दखल को लेकर खुलकर बयान देते रहे हैं।

यस बैंक मामले में ईडी के सामने पेश हुए सुभाष चंद्रा

मुंबई, प्रेट्र : यस बैंक के प्रमोटर राणा कपूर और उनके परिवार के खिलाफ मनी लांड्रिंग की जांच के सिलसिले में एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। एक अन्य मामले में जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल से भी ईडी ने पूछताछ की।

अधिकारियों ने बताया कि सुभाष चंद्रा सुबह 11 बजे बल्लार्ड इस्टेट स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत उनका बयान भी दर्ज किया जाएगा। एस्सेल ग्रुप पर यस बैंक का करीब 8,400 करोड़ रुपये का कर्ज है। सुभाष चंद्रा राज्यसभा के सदस्य भी हैं। उन्हें 18 मार्च को समन किया गया था, लेकिन संसद सत्र में व्यस्तता का हवाला देते हुए वह उस दिन पेश नहीं हुए थे। इसके बाद ईडी ने उन्हें नया समन जारी करके शनिवार को तलब किया था। मुंबई स्थित एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी के साथ कथित वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े मनी लांड्रिंग के एक अलग मामले में ईडी ने शनिवार को जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल से भी पूछताछ की। हालांकि अधिकारियों का पहले कहना था कि उनसे यस बैंक मामले में पूछताछ की गई, लेकिन बाद में स्पष्ट किया गया कि वह अन्य मामले की जांच के सिलसिले में पेश हुए थे। ईडी ने नरेश गोयल को यस बैंक मामले में भी समन किया है, लेकिन इस मामले में उनकी पेशी होनी अभी बाकी है। जेट एयरवेज पर यस बैंक का 550 करोड़ रुपये का कर्ज है।

मुंबई में शनिवार को एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा यस बैंक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। प्रेट्र

नरेश गोयल को जांच एजेंसी ने 18 मार्च को समन किया था, लेकिन एक संबंधी की तबीयत खराब होने की वजह से वह उस दिन पेश नहीं हो सके थे। अधिकारियों ने बताया कि यस बैंक मामले में भी उनके जल्द पेश होने की उम्मीद है।

बड़ा सवाल

पुराने प्रतिद्वंद्वी रहे भाजपाई राह में बिछा रहे कांटे, नफा-नुकसान की कसौटी पर होंगे सिंधिया समर्थक

कांग्रेस से बागी हुए माननीयों का सियासी कॅरियर दांव पर

आनन्द राय, भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले छह पूर्व मंत्रियों समेत 22 विधायकों के चलते कमल नाथ की सरकार तो पलट गई, लेकिन अब खुद इनके सियासी भविष्य पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति वफादारी दिखाने वाले इन माननीयों की राह में कांग्रेसियों के अलावा पहले के प्रतिद्वंद्वी रहे भाजपाई भी कांटे बिछाने में सक्रिय हो गए हैं। इससे इनका सियासी कॅरियर भी दांव पर लग गया है।

भाजपा ने कमल नाथ की सरकार गिराने के पुरस्कार स्वरूप ज्योतिरादित्य सिंधिया को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाकर यह संकेत दे दिया है कि भविष्य में उन्हें मोदी सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है, लेकिन नफा-नुकसान की कसौटी पर अब उनके समर्थक ही होंगे। सिंधिया को भी इसका अहसास है। इसीलिए बेंगलुरु में लंबे प्रवास के बाद अपने समर्थक पूर्व विधायकों को भोपाल लाने से पहले उन्होंने दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के हाथों भगवा पट्टा पहनाकर भाजपा में शामिल करा दिया पर निकट भविष्य में 24 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में दुश्मन के दुश्मन से दोस्ती वाला फार्मूला लागू होने के आसार दिखने लगे हैं। पिछले चुनाव में इनसे हारे हुए भाजपा के उम्मीदवार विरोधियों के साथ मिलकर नया गुल खिला सकते हैं। बानगी के तौर पर ग्वालियर में पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया को कमल नाथ सरकार में मंत्री रहे प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विधानसथा चुनाव में हरा दिया था। राम मंदिर आंदोलन में यहां के प्रमुख चेहरा रहे पवैया को सिंधिया का सबसे बड़ा विरोधी माना जाता है। अपने भविष्य के लिए वह कोई खेल कर सकते हैं।

पवैया के अलावा कई और दिग्गज बनेंगे मुसीबत : भविष्य में होने वाले उपचुनाव में टिकट हासिल करने से लेकर जीतने तक की चुनौती रहेगी। ऐसे में सिर्फ पवैया ही नहीं, बल्कि भाजपा के कई दिग्गज अपने-अपने हित में समीकरण साधेंगे। मुरैना सीट पर कांग्रेस के टिकट पर रघुराज सिंह कंषाना ने भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री और सेवानिवृत्त आइपीएस अफसर रुस्तम सिंह को चुनाव में हरा दिया था। इसी तरह हाटपीपल्या सीट पर भाजपा के दीपक जोशी को कांग्रेस के मनोज चौधरी और सुरखी सीट पर भाजपा के ही सुधीर यादव को गोविंद सिंह राजपूत ने चुनाव हराया था।

दीपक जोशी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी के पुत्र हैं, जबकि सुधीर यादव के पिता लक्ष्मीनारायण यादव सागर के सांसद रहे हैं। पाटीदार समाज के बड़े नेता राधेश्याम को सुवासरा में हरदीप सिंह डंग और आदिवासी समाज के रामलाल रौतेल को पांच बार विधायक रहे बिसाहूलाल सिंह ने हरा दिया था। ऐसी ही स्थिति करीब-करीब सभी क्षेत्रों में है। भाजपा विधानसभा चुनाव हारने वाले अपने इन बुनियादी कार्यकर्ताओं को कितना किनारे लगाएगी, यह भी एक बड़ा सवाल है।

मंत्री पद गंवाने वाले बागियों की शपथ पर कयास : कमल नाथ सरकार में मंत्री रह चुके सिंधिया समर्थक गोविंद सिंह राजपूत, महेंद्र सिंह सिसौदिया, प्रभुराम चौधरी, प्रद्युम्न सिंह तोमर, तुलसीराम सिलावट और इमरती देवी के नई सरकार में शपथ को लेकर तरह-तरह के कयास लग रहे हैं। ये लोग अब सदन के सदस्य नहीं हैं। ऐसे में शपथ दिलाकर उन्हें उपचुनाव में भी उतारा जा सकता है पर अंदरखाने विरोध से बचने के लिए भाजपा कोई दूसरा कदम भी उठा सकती है।

विजयवर्गीय बोले-भाजपा पूरा करेगी संकल्प : मध्य प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दीपक विजयवर्गीय का कहना है कि कहीं कोई समस्या नहीं है। पार्टी ने विधायकों से जो संकल्प किया है, उसे वह पूरा करेगी। भाजपा में तो सभी कार्यकर्ता हैं और टिकट को लेकर कहीं विरोध नहीं होगा। यह सब कांग्रेस की ओर से फैलाई जा रही अफवाह है। अब जब सरकार कांग्रेस के हाथों से निकल गई तो उसे इस तरह की अफवाह नहीं फैलानी चाहिए।

कह के रहेंगे माधव जोशी

मुंबई में बंद से उत्तर भारत की ट्रेनों में बढ़ी भीड़

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

- 24 घंटे में मध्य रेलवे को चलानी पड़ी 17 विशेष ट्रेनें
- राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने छत्रपति शिवाजी स्टेशन पर हालात का जायजा लिया
- होम क्वारंटाइन की सलाह वाले लोगों से सफर नहीं करने की अपील

मुंबई से उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर जानेवाली ट्रेनों में भीड़ अचानक बढ़ गई है। इससे मध्य रेल प्रशासन को उत्तर भारत की ओर जानेवाली सामान्य ट्रेनों के अलावा पिछले 24 घंटों में 17 विशेष ट्रेनें चलानी पड़ी हैं। इसके बावजूद स्टेशनों पर भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है।

मध्य रेलवे के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी एके जैन के अनुसार मुंबई से उत्तर प्रदेश एवं बिहार की ओर जाने के लिए 30 से 35 सामान्य गाड़ियां हैं। इन दिनों आरक्षण कम होने के कारण रेल प्रशासन इनमें से कुछ ट्रेनों को स्थगित करने पर विचार कर रहा था। लेकिन शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार द्वारा 31 मार्च तक राज्य के चार बड़े नगरों को बंद करने की घोषणा करते ही उत्तर भारत की ओर जानेवालों की भीड़ अचानक बढ़ने लगी। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एवं लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मध्य रेल प्रशासन ने शुक्रवार दोपहर से शनिवार के बीच 17 विशेष अनारक्षित गाड़ियों की व्यवस्था की है। ये गाड़ियां भी अपनी क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर रवाना हो रही हैं।

बता दें कि मुंबई, मुंबई उपनगर, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर, रायगढ़ इत्यादि में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के लोगों की आबादी 40 लाख के करीब है। इनमें बड़ा वर्ग दैनिक कामगारों का है। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा जब चार बड़े महानगरों को बंद करने की घोषणा की गई, तो मजदूरी एवं छोटे व्यापार करनेवालों के सामने रोजी-रोटी के अलावा खानपान का भी संकट उत्पन्न हो गया है। इसके कारण उन्होंने समय रहते मुंबई छोड़ने का निर्णय किया और बिना आरक्षण के ही अपने गांव भागने लगे हैं। लेकिन उनके लिए ट्रेनें पूरी नहीं पड़ रही हैं। 22 मार्च यानी जनता कर्फ्यू के दिन सुबह चार बजे से रात 10 बजे तक उत्तर भारत की कई ट्रेनें रद्द कर दिए जाने से भी स्थिति गंभीर हो गई है।

चल सकती हैं विशेष गाड़ियां

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने भी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस जाकर हालात का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से स्टेशनों पर इकट्ठा न होने एवं होम क्वारंटाइन की सलाह पाए लोगों से ट्रेन का सफर न करने की अपील की। लेकिन जो लोग घरों से अपने गांव जाने के लिए निकल चुके हैं, वे वापस लौटने को तैयार नहीं। आशंका जताई जा रही है कि ये लोग रविवार का दिन भी ट्रेन के इंतजार में स्टेशनों पर ही गुजार देंगे। वैसे रेल प्रशासन कर्फ्यू खत्म होने के बाद स्थिति को देखते हुए विशेष गाड़ियां चलाने का फैसला कर सकता है।

मुंबई में उमड़ी भीड़ : कोरोना के बढ़ते कहर की वजह से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों ने अपने-अपने घरों को लौटना शुरू कर दिया है। हालांकि लोगों से कहा गया है कि वे एक स्थान पर एकत्रित न हों, लेकिन मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल पर शनिवार को मजदूरों की भारी भीड़ जमा रही। इस दौरान पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने स्वास्थ्य जांच की। एएनआइ

बिहार और बंगाल की ट्रेनों में भारी भीड़

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: कोरोना संक्रमण विरोधी मुहिम के तहत जहां रेलवे ने स्टेशनों पर यात्रियों के बीच दूरी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। वहीं रविवार की ट्रेन बंदी से पहले शनिवार को मुंबई, लुधियाना के रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में प्रवासी मजदूरों की उमड़ी भीड़ को काबू करने में रेल प्रशासन नाकाम होता दिखाई दिया। मुंबई से पटना, कोलकाता और गुवाहाटी जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी हुई थीं और स्क्रीनिंग के नाम पर खानापूरी की जा रही थी।

रेलवे की ओर से स्टेशनों पर भीड़ कम करने के उपाय अवश्य किए गए हैं। लेकिन अचानक उमड़ी भीड़ के कारण ये उपाय नाकाफी नजर आए। पीआरएस काउंटरों पर बुकिंग के लिए एक-एक मीटर दूरी पर लाइनें पेंट की गई हैं। लेकिन निगरानी तंत्र के अभाव में बहुत कम जगहों पर यात्री इस दूरी का पालन करते दिखाई दिए।

इसी प्रकार प्लेटफार्मों पर ट्रेन में चढ़ने के लिए एक-एक मीटर की दूरी पर लाइनें खींची गई हैं। लेकिन ट्रेन में चढ़ते समय दूरी का नियम भंग होता रहा और यात्रियों के बीच पहले चढ़ने की होड़ रही। जबकि कई ट्रेनें रद होने तथा शनिवार रात से रविवार रात तक ट्रेन संचालन पूरी तरह बंद रहने के एलान के बाद मुंबई से बिहार, बंगाल और पूर्वोत्तर जाने वाली ट्रेनों में जनरल क्लास के यात्रियों के बीच अपने घर पहुंचने की होड़ दिखी।

नतीजतन ट्रेनों के भीतर, खासकर जनरल बोगियों में वही नजारा दिख रहा था जो आम तौर पर छठ पूजा, दुर्गापूजा अथवा होली और दीवाली के दिनों में नजर आता है। हालांकि सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की स्क्रीनिंग के सकारात्मक परिणाम भी देखने में आ रहे हैं।

शनिवार को जहां ट्रेनों में भीड़ रही, वहीं डोमेस्टिक एयरपोर्ट प्रायः खाली-खाली नजर आए। दिल्ली के घरेलू हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर एक परिचित को छोड़ने गए इस संवाददाता को वहां इक्का-दुक्का यात्री ही दिखाई दिए। टर्मिनल-1 का भी कुछ ऐसा ही हाल बताया गया। हालांकि इसकी एक वजह यात्रियों को दूर-दूर रखने की रणनीति भी थी। परंतु इंटरनेशनल उड़ानें हैंडल करने वाले टर्मिनल-3 का नजारा एकदम अलग था। जहां 22 मार्च से सभी इंटरनेशनल उड़ानें बंद होने के एलान के बाद विदेश से आने वाली उड़ानों के यात्रियों की अनिवार्य स्क्रीनिंग के कारण भारी भीड़ दिखाई पड़ रही थी। इससे लोगों को परेशानी भी हो रही थी।

राजेश साहनी नाम के एक यात्री ने इस स्थिति पर ट्वीट भी किया और वीडियो के साथ दिखाया कि किस तरह विश्व के सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट में से एक माने जाने वाले इंदिरागांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल अराइवल एरिया में यात्रियों का हुजूम बस अड्डे से भी बुरे सूरतेहाल को दर्शा रहा है।

शाह ने कहा, जनता कर्फ्यू समय की जरूरत

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनता कर्फ्यू की अपील को वक्त की जरूरत बताया है। उन्होंने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देश में हर किसी से इसका समर्थन करने और अन्य लोगों को इसके प्रति प्रोत्साहित करने को कहा है। शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट में सभी नागरिकों से उन लोगों का आभार व्यक्त करने को कहा जो इस महामारी के बीच देश को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब भारत कोरोना से लड़ रहा है, ऐसे में आइए कोविड-19 को पराजित करने की कोशिश करें। 22 मार्च को सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक घरों में ही रहें। अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी प्रोत्साहित करें। यह हमारा आंदोलन है और साथ मिलकर इसे हम जीतेंगे।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लोगों से जनता कर्फ्यू को बड़े पैमाने पर सफल बनाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए सामूहिक प्रयत्न समय की जरूरत है। राजनाथ ने यह भी कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है और सरकार इस महामारी से लड़ने के लिए सभी जरूरी उपाय कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सशस्त्र बल संकट से निपटने की खातिर नागरिक अधिकारियों की सहायता के लिए पूरी तरह से तैयार है।

वहीं, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए लोगों से रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान घर में रहने की अपील की है। मोदी के अनुरोध का हवाला देते हुए नायडू ने कहा कि चूंकि वायरस का प्रसार शारीरिक संपर्क से होता है, इसलिए इसे रोकने के लिए सामाजिक दूरी एक प्रभावकारी उपाय है।

कोरोना के 49 नए मामले, आंकड़ा 312 पर पहुंचा

प्रकोप ▶ महाराष्ट्र और केरल में 12-12 नए मामले सामने आए, महाराष्ट्र में सबसे अधिक 64 रोगी, केरल में 49 संक्रमित

अब तक 23 संक्रमित उपचार के बाद ठीक हुए

नई दिल्ली, एजेंसियां : देश में पहले की तुलना में कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। रोज दर्ज किए जाने वाले नए मामलों में भी तेजी वृद्धि हो रही है। शनिवार को देशभर में 49 नए मामले दर्ज किए गए। इनमें महाराष्ट्र और केरल में 12-12 और कर्नाटक में पांच नए मामले शामिल हैं। इनको मिलाकर देश में संक्रमितों का आंकड़ा 312 पर पहुंच गया। इनमें 39 विदेशी और इस वायरस के चलते अपनी जान गंवा चुके चार लोग भी शामिल हैं। 23 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य स्वास्थ्य विभागों के मुताबिक महाराष्ट्र में शनिवार को 12 नए मामले सामने आए। इनमें मुंबई में आठ, पुणे में दो और यवतमाल व कल्याण में एक-एक मामला सामने आया। आठ लोग विदेश से लौटे थे, जबकि तीन इनके संपर्क में आकर संक्रमित हुए। राज्य में संक्रमितों की संख्या 64 हो गई है। इनमें तीन विदेशी हैं। राज्य के औरंगाबाद जिले में आठ सौ से ज्यादा लोगों को उनके घरों में क्वारंटाइन किया गया है। केरल में भी शनिवार को कोरोना के 12 नए मामले सामने आए और यह आंकड़ा 49 पर पहुंच गया है। इनमें सात विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री पी. विजयन ने समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि कासरोड में छह और कन्नूर व एर्नाकुलम जिले में तीन-तीन नए मामले सामने आए हैं। ये सभी लोग दुबई से लौटे थे। राज्य में 228 लोगों को

प्रधानमंत्री की तरफ से रविवार को जनता कर्फ्यू के आह्वान से एक दिन पहले शनिवार को जम्मू शहर में जबरदस्त असर दिखा। शहर की सड़कें कमोबेश सूनी रहीं और बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। गलियों-मोहल्लों तक में बहुत कम लोग अपने घरों से निकले। शहर का मवेशपुरा चौक जहां आम दिनों में भारी ट्रैफिक रहता है, सूना नजर आया। प्रदीप बख्शी

अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में और 52 हजार से ज्यादा लोगों को उनके घरों में ही क्वारंटाइन किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। अभी तक एक विदेशी समेत 26 संक्रमित केस मिले हैं। जबकि, उत्तर प्रदेश में कुल 24 मामले अब तक सामने आए हैं। दो नए केस के साथ तेलंगाना में संक्रमितों की संख्या 21 हो गई है। इनमें 11 विदेशी हैं। राजस्थान में छह नए मामले मिले हैं और संक्रमितों की सख्या 23, हरियाणा में 17, कर्नाटक में शनिवार को पांच नए मामले सामने आए और संक्रमितों की संख्या 20 हो गई। पंजाब में 10 और लद्दाख में तीन नए केस मिले हैं और दोनों राज्यों में पीड़ितों की संख्या 13-13 हो गई है। गुजरात में श्रीलंका से लौटे एक व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है और राज्य में कुल आठ संक्रमित हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर में अभी तक कुल चार मामले सामने आए हैं। इसी तरह तमिलनाडु में शनिवार को तीन नए केस मिले और राज्य में इनकी संख्या छह हो गई। आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड और बंगाल में तीन-तीन केस और ओडिशा में दो मामले अभी तक दर्ज किए गए हैं। चंडीगढ़ में पांच, मध्य प्रदेश में चार, हिमाचल प्रदेश में दो और पुडुचेरी व छत्तीसगढ़ में एक-एक मामला अब तक सामने आया है।

कोरोना के मामले

महाराष्ट्र	64 (तीन विदेशी)
केरल	49 (सात विदेशी)
उत्तर प्रदेश	24 (तीन विदेशी)
दिल्ली	26 (एक विदेशी)
तेलंगाना	21 (11 विदेशी)
राजस्थान	23 (दो विदेशी)
हरियाणा	17 (14 विदेशी)
कर्नाटक	20
लद्दाख	13
पंजाब	13
गुजरात	8
तमिलनाडु	6
चंडीगढ़	5
जम्मू-कश्मीर	4
मध्य प्रदेश	4
आंध्र प्रदेश	3
उत्तराखंड	3
बंगाल	3
ओडिशा	2
हिमाचल प्रदेश	2
पुडुचेरी	1
छत्तीसगढ़	1

कोरोना को हराना है

- केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने पुणे के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कोरोना से निपटने के उपायों की समीक्षा की
- तेलंगाना में मुख्यमंत्री के .चंद्रशेखर राव ने रविवार को सुबह छह से स्वैच्छिक कर्फ्यू का आह्वान किया
- मुंबई में जनता कर्फ्यू के मद्देनजर घाटकोपर व वरसोवा के बीच मेट्रो वन की सेवा भी ठप रहेगी
- महाराष्ट्र के अकोला में 22-24 मार्च तक सबकुछ बंद, आवश्यक सामान की दुकानें ही खुलेंगी
- महाराष्ट्र के नासिक में कोरोना वायरस के संबध में गलत संदेश प्रसारित करने पर तीन के खिलाफ केस दर्ज
- नागपुर नगर निगम के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने शनिवार को कहा कि लोग लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे
- महाराष्ट्र में यात्रा की जानकारी छिपाने, होम क्वारंटाइन समेत अन्य पाबंदियों के उल्लंघन पर 540 केस दर्ज किए गए हैं
- छत्तीसगढ़ में अत्यावश्यक और आपात सेवा को छोड़कर सभी सरकारी दफ्तर 31 मार्च तक बंद
- ओडिशा में पांच जिले और आठ शहर एक हफ्ते के लिए लॉकआउट
- इटली से निकाले गए 215 भारतीयों की कोरोना जांच रिपोर्ट निगेटिव। इन सभी को आइटीबीपी के छावला कैंप में रखा गया है

रोम में फंसे भारतीयों को लाने एयर इंडिया का विमान रवाना, आज लौटेगा

नई दिल्ली, एजेंसियां : सरकारी विमानन सेवा एयर इंडिया रोम में फंसे भारतीयों को लाने के लिए अपना 787 ड्रीमलाइनर विमान भेजेगा। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि रोम के लिए विमान शनिवार दोपहर दिल्ली हवाई अड्डे से उड़ चुका है। यह फंसे भारतीयों को लेकर रविवार सुबह नई दिल्ली लौट आएगा। सरकार ने कहा है कि 22 मार्च से एक सप्ताह तक किसी देश के विमान को भारत नहीं आने दिया जाएगा। पिछले कुछ सप्ताहों में भारत ने कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित चीन, जापान और ईरान जैसे देशों से अपने कई नागरिकों को निकाला है।

इस बीच, भारत सरकार द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने से एक दिन पहले एम्सटर्डम हवाई अड्डे पर फंसे सौ भारतीयों ने सरकार से खुद को निकालने की अपील की है। ये सभी भारतीय यात्री अमेरिका से भारत आ रहे थे। इनका विमान बीच रास्ते से उस समय लौट गया, जब नई दिल्ली पहुंचने में महज दो घंटे का समय बचा हुआ था। एम्सटर्डम में फंसे भारतीयों में शामिल संजय सप्रा की पत्नी टीना सप्रा ने नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी को पत्र लिखकर अपने पति और अन्य भारतीय नागरिकों को लाने में मदद करने का अनुरोध किया है। उन्होंने इसके लिए विशेष विमान भेजने की मांग की है।

मलेशिया में फंसे छात्रों को सुरक्षित लाने की मांग

तिरुअनंतपुरम, एएनआइ : केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर मलेशिया में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए दखल देने की मांग की है। अपने पत्र में विजयन ने जयशंकर से लगभग ढाई सौ भारतीय छात्रों की वापसी के लिए तुरंत ध्यान देने का अनुरोध किया है। उन्होंने लिखा है कि भारत के लिए उड़ानें रद होने के चलते भारतीय छात्र अपने घर लौटने में असमर्थ हैं।

फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर फंसी रही भारतीय किशोरी

दुबई, प्रेट्र : दुबई में रहने वाली भारतीय किशोरी 24 घंटे से ज्यादा समय तक जर्मनी के फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर फंसी रही। बाद में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों की मदद से वह अपने माता-पिता के पास लौट रही है। लंबे समय से दुबई में रहने वाले अरशद और उर्वी जहीर ने बताया कि उनकी बेटी मिहा जहीर वैंकूवर, कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया में प्रथम वर्ष की छात्रा है।

फिल्मी सितारों ने की जनता कर्फ्यू सफल बनाने की अपील

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

फिल्मों में अपने अभिनय, गायन या नृत्य से लोगों का मनोरंजन करने वाले सितारों ने कोरोना वायरस से बचाव की कोशिशों के तहत जनता कर्फ्यू को सफल बनाने की अपील की है। शनिवार को महानायक अमिताभ बच्चन ने ट्वीट किया कि कल (रविवार) सारा देश जनता कर्फ्यू में रहेगा। मैं इसे मान्यता दूंगा और शाम पांच बजे अपने खिड़की, दरवाजे, बालकनी, छत पर खड़ा होकर, ताली, घंटी, शंख बजा कर उन सब का सम्मान करूंगा, जो कठिन परिस्थितियों में भी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं।

ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने फिल्मी अंदाज में कोरोना से बचाव को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो में कहा, 'एक छोटा सा वायरस हम इंसानों के लिए चुनौती बनकर खड़ा है। पर हम डरें क्यों? कोरोना से क्या डरना है। यह कहने और सुनने के लिए अच्छा है, लेकिन यह जीवाणु परमाणु से कम नहीं। आज यह विस्फोट बनकर बढ़ता जा रहा है। इसलिए अपने आपको सुरक्षित रखिए। कोरोना के खिलाफ जंग में देश को जिताना है। न डरना है न किसी को डराना है। हमारे देश ने पहले भी कई मुसीबतों का डटकर सामना किया है और जीत हासिल की है। मुझे यकीन है कि इस बार भी हम जरूर जीतेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का पूरा साथ दें। रविवार को सब लोग घर पर रहें। जनता कर्फ्यू का पालन करें और कोरोना को मात देने में केंद्र सरकार का साथ दें।

अमिताभ बच्चन। फाइल

मुफ्त में होगा मनोरंजन

खुद को क्वारंटाइन कर रहे लोगों के मनोरंजन के लिए डिजिटल प्लेटफार्म इरोस नाऊ ने अच्छी पहल की है। इसने लोगों के घरों में रहने और बोर होने की शिकायतों को देखते हुए दो महीने का मुफ्त में सब्सक्रिप्शन ऑफर किया है। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंड पर यह जानकारी दी है।

वहीं, गायक सोनू निगम जनता कर्फ्यू को बढ़ावा देने वाले लोगों के सम्मान में अपने संगीत से उनका मनोरंजन करेंगे। वह रविवार रात आठ बजे यूट्यूब पर लाइव परफॉर्म करेंगे। उन्होंने कहा कि आप इसे जरूर देखें। इस समय सोनू निगम दुबई में अपने परिवार के साथ हैं।

मुश्किल की इस घड़ी में मदद के लिए सेलिब्रिटी हाथ भी बढ़ा रहे हैं। इस क्रम में आंखों देखी, कामयाब जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले मनीष मुंद्रा ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने 70 वेंटीलेटरों का प्रबंध करने का फैसला किया है। उसके लिए फंड तैयार है। उन्हें बताया गया है कि मैसुरु की कंपनी स्कैनरे अच्छी सप्लायर है। वे उससे जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वे तीन करोड़ की मदद कर रहे हैं। बहुत सारे लोगों का स्वागत है। वे पैसे और डिलिवरी को लेकर बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि भारत में ज्यादा वेंटिलेटर नहीं हैं।

उधर, तनु वेड्स मनु और करीब करीब सिंगल जैसी फिल्मों के गाने लिखने वाले गीतकार राज शेखर ने रेलवे मंत्रालय का का ट्वीट साझा किया है, जिसमें मुंबई से जबलपुर जाने वाली ट्रेन में चार लोगों के कोरोना से पॉजिटिव पाए जाने का जिक्र है। उन्होंने लिखा कि आपके करीबी अगर दूसरे राज्य या शहर में हैं तो अभी उनको वहीं रहने को कहें। वरुण धवन ने एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने बताया कि उनके दोस्तों से उनकी बात हुई है, जो फिलहाल हांगकांग में हैं। उन्होंने बताया कि हांगकांग में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

सावधानी बरतें

आइसीएमआर ने चेताया-बुखार, बदन दर्द व सूखी खांसी जैसे लक्षणों के इलाज से समय के साथ हो जाता है ठीक, कभी भी धारण कर सकता है सिवियर या एक्स्ट्रीम सिवियर रूप

भारत में फिलहाल कोरोना के माइल्ड वायरस का प्रकोप

नीलू रंजन, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के कम्युनिटी ट्रांसमिशन फेज में पहुंचने से रोकने और ऐसी नौबत आने पर बड़ी संख्या में मरीजों के इलाज के इंतजाम में जुटे भारत के लिए राहत की बात यह है कि यहां कोरोना के अपेक्षाकृत माइल्ड (कम असरदार) वायरस का प्रकोप हुआ है। यही कारण है कि भारत में अभी तक कोरोना के किसी भी मरीज की स्थिति गंभीर नहीं है। लेकिन वायरस लगातार रूप बदलता है और वह कभी भी चरम रूप अख्तियार कर सकता है। जाहिर है भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) कोरोना वायरस के स्वरूप पर लगातार नजर रखे हुए है।

आइसीएमआर के डॉक्टर रमन गंगाखेड़कर के अनुसार, अभी तक देश के भीतर कोरोना से पीड़ित जिन मरीजों में वायरस की जांच की गई है, वे अपेक्षाकृत माइल्ड श्रेणी के हैं। इसी कारण इन मरीजों में सामान्य बुखार और जुकाम के लक्षण ही देखने को मिले हैं। जाहिर है माइल्ड कोरोना वायरस से उतना खतरा नहीं होता। बुखार, बदन-दर्द और सूखी खांसी जैसे सामान्य लक्षणों के इलाज से ही समय के साथ ठीक हो जाता है। दुनिया में करीब 80 फीसद मरीज कोरोना के माइल्ड वायरस से ग्रसित हैं, यही कारण है कि इसकी मृत्युदर कम है।

पटना के जयप्रकाश नारायण हवाईअड्डे पर बच्चे की थर्मल स्क्रीनिंग करता सीआइएसफ का जवान। एएनआइ

सिवियर होने पर सांस लेना होता है मुश्किल : गंगाखेड़कर ने यह भी आगाह किया कि वायरस कभी भी अपना रूप बदल सकता है और भारत में भी इसके सिवियर और एक्स्ट्रीम स्वरूप के सामने आने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। सिवियर और एक्स्ट्रीम सिवियर कोरोना वायरस से ग्रसित होने की स्थिति में व्यक्ति के लिए सांस लेना मुश्किल हो जाता है और उसे वेंटिलेटर पर रखना जरूरी हो जाता है। यही कारण है कि सरकार अस्पतालों के लिए बड़े पैमाने पर वेंटिलेटर का इंतजाम कर रही है।

सिवियर होने पर मरीजों को बचाना होता है मुश्किल : चूंकि कोरोना वायरस के लिए कोई दवा नहीं है, ऐसे में इन मरीजों को बचाना मुश्किल हो जाता है। सिवियर और एक्स्ट्रीम सिवियर कोरोना वायरस से ग्रसित मरीजों पर कई दवाओं का प्रयोग किया गया। इनमें एड्स, स्वाइन फ्लू, मलेरिया और जापानी बुखार की दवाइयां शामिल हैं। जयपुर में डॉक्टरों ने तीन कोरोना मरीजों पर एड्स, स्वाइन फ्लू और मलेरिया की दवाइयों को आजमाया और तीनों मरीज ठीक भी हुए। यह जानना जरूरी है कि जयपुर के ये तीनों मरीज सिवियर या एक्स्ट्रीम सिवियर कोरोना वायरस से पीड़ित नहीं थे, बल्कि दूसरी अन्य बीमारियों के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी।

घबराने की जरूरत नहीं : सोनिया

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोगों से कहा है कि कोरोना वायरस से घबराने की जरूरत नहीं है। देश इस महामारी के सामने घुटने नहीं टेकेगा। उन्होंने इस महामारी से प्रभावित होने वाले लोगों की आर्थिक मदद की आवश्यकता पर जोर दिया है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ताली बजाने से कुछ नहीं होने वाला सरकार बड़े आर्थिक पैकेज की घोषणा करे।

सोनिया गांधी ने एक बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देशभर में कोरोना वायरस की जांच के लिए सुविधाएं बढ़ाने का अनुरोध किया है। साथ ही एक पोर्टल के जरिए अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करने की अपील की है। चिकित्सा सुविधाओं के लिए उन्होंने बजट आवंटन की भी वकालत की है और कोरोना वायरस के चलते प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के लिए व्यापक पैकेज की घोषणा किए जाने की जरूरत बताई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'असाधारण समय असाधारण उपायों की मांग कर रहा है। सरकार द्वारा कर में रियायत, ब्याज में राहत और देनदारियों में मोहलत के साथ एक व्यापक, क्षेत्र के लिहाज से राहत पैकेज की घोषणा किए जाने की आवश्यकता है। वेतनभोगी वर्ग को ईएमआइ में मोहलत देने पर सरकार और रिजर्व बैंक जरूर विचार करे।' उन्होंने वायरस से लड़ने के लिए सुरक्षा उपकरण बनाने वालों के लिए विशेष आर्थिक प्रोत्साहन की मांग की। सोनिया ने कहा है कि इस महामारी से लाखों दिहाड़ी मजदूरों, मनरेगा कामगारों, अस्थाई कर्मचारियों, श्रमिकों, किसानों और असंगठित क्षेत्र के लोगों पर बुरा असर पड़ा है।

दूसरी ओर, कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए जंग लड़ रहे लोगों के सम्मान में थाली बजाने के प्रधानमंत्री के आह्वान पर तंज कसते हुए राहुल ने कहा कि ताली बजाने से कुछ नहीं होने वाला, देश की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए सरकार बड़े आर्थिक पैकेज की घोषणा करे।

5
दैनिक जागरण
रविवार 22 मार्च 2020
www.jagran.com

'झूठी खबरों का प्रसार रोकें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स'

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कोरोना वायरस से संबंधित झूठी खबरों के प्रसार के मद्देनजर सरकार ने उन्हें अपने प्लेटफॉर्म्स पर गलत सूचनाओं का प्रसार रोकने की सलाह दी है।

सरकार ने फेसबुक, गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब, ट्विटर, टिकटॉक और शेयरचैट समेत शीर्ष सोशल मीडिया कंपनियों को लिखा है कि वे अपने प्लेटफॉर्म्स को सैनिटाइज करें। इस एडवाइजरी के मुताबिक, 'कोरोना वायरस का प्रसार दुनियाभर के लिए चिंता का सबब बन गया है और ऐसी खबरें है कि वायरस से संबंधित गलत जानकारियां और अज्ञात आंकड़ें शेयर किए जा रहे हैं, इससे लोगों में दहशत फैल रही है।' सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से जागरूकता अभियान चलाने और नए कोरोना वायरस पर सत्यापित जानकारियों को बढ़ावा देने को कहा है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से यूजर्स को इस बात के प्रति जागरूक भी करने के लिए कहा है कि वे कोरोना वायरस से संबंधित गलत खबरें न तो अपलोड करें और न ही उन्हें फैलाएं। विशेषज्ञ पहले ही इस बात के प्रति आगाह कर चुके हैं कि भारत में फेसबुक और वाट्सएपर पर इस संबंध में काफी जानकारियां फर्जी हैं।

साइबर कानून विशेषज्ञ पवन दुग्गल का कहना है कि साइबर अपराध ग्रुप देश में भय फैला रहे हैं और भारत सरकार असहाय है।

डब्लूएचओ ने वाट्सएप पर शुरू किया हेल्थ अलर्ट : फेसबुक के स्वामित्व वाले वाट्सएप ने कोरोना वायरस इंफॉरमेशन हब शुरू किया है और पोयंटर इंस्टीट्यूट के इंटरनेशनल फास्ट चेकिंग नेटवर्क (आइएफसीएन) को 10 लाख डॉलर देने की घोषणा की है। फेसबुक ने कहा कि फर्जी स्वास्थ्य जानकारियों से निपटने के लिए कोरोना वायरस के बारे में सत्यापित सूचनाओं को वह यूजर्स की न्यूज फीड के शीर्ष पर प्रदर्शित करेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने भी शनिवार को वाट्सएप पर एक हेल्थ अलर्ट शुरू किया है जहां करीब 1.5 अरब यूजर्स सवाल पूछ सकते हैं और उन्हें चौबीसों घंटे नए कोरोना वायरस से संबंधित विश्वसनीय जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रतीकात्मक

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए ट्विटर वापस लाएगा पब्लिक फेसिंग वेरीफिकेशन रिक्वेस्ट

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : कोरोना वायरस के बारे में गलत जानकारियों के प्रसार से निपटने के लिए ट्विटर स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए पब्लिक फेसिंग वेरीफिकेशन रिक्वेस्ट वापस लाएगा। कंपनी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, 'विशेषज्ञों की पहचान के लिए हम वैश्विक सार्वजानिक स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं और हम सैकड़ों अकाउंट्स को पहले ही सत्यापित कर चुके हैं। लेकिन अभी काफी कुछ करना है और हम आपकी मदद का उपयोग कर सकते हैं।'

एचआरडी मंत्रालय ने कहा, शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को छात्रावास में रुके रहने दें

नई दिल्ली, प्रेट्र : मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने के मद्देनजर सभी शिक्षण संस्थानों को अब भी छात्रावासों में ठहरे छात्रों को वहीं रुके रहने की इजाजत देने तथा जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी। मानव संसाधन विकास सचिव अमित खरे ने संस्थानों को भेजे पत्र में कहा है, 'छात्रावासों में अब भी जो विद्यार्थी, खासकर विदेशी विद्यार्थी ठहरे हुए हैं, उन्हें वहीं रुके रहने दिया जाए एवं सभी जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी जाती है।'

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने छात्रों को घर जाने के लिए परामर्श जारी किया है। कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए क्लास स्थगित हैं, इसलिए वे छात्रावास में नहीं ठहरें। पिछले सप्ताह एचआरडी मंत्रालय ने सभी स्कूलों और कॉलेजों की परीक्षाएं 31 मार्च तक स्थगित रखने का निर्देश जारी किया था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) के साथ ही मंत्रालय के तहत आने वाले अन्य स्वायत्तशासी निकायों को जारी पत्र में यह भी कहा गया है कि फैकल्टी सदस्य, शोध छात्र और शिक्षकेतर कर्मचारियों को घर से ही काम करने की अनुमति रहेगी। हालांकि शिक्षण और शिक्षकेतर कर्मचारियों को फोन और ईमेल पर उपलब्ध रहना जरूरी है। संस्थानों को इस अवधि में उन्हें ड्यूटी पर हाजिर के रूप में लेने का निर्देश दिया गया है। मंत्रालय ने छात्रों से उपलब्ध डिजिटल ई-लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखने को कहा है।

सीबीएसई ने छात्रों, अभिभावकों के लिए जारी की हेल्पलाइन

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने छात्रों के लिए कोरोना वायरस सुरक्षा पर टॉल-फ्री हेल्पलाइन जारी किया है। यह सुविधा हेल्पलाइन नंबर 1800118004 पर सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक 31 मार्च तक उपलब्ध रहेगी। सीबीएसई के सचिव अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि प्रशिक्षित सलाहकारों द्वारा परामर्श मुहैया कराया जाएगा। वे छात्रों और अभिभावकों के लिए रोकथाम के उपाय, संक्रमण रोकने और कोरोना का प्रसार रोकने के प्राथमिक उपाय बताएंगे। वे छात्रों को घर पर रहने के दौरान सकारात्मक गतिविधियों और उपयोगी कार्यों में जुटे रहने में भी मदद करेंगे। बोर्ड ने 31 मार्च तक सभी परीक्षाएं और मूल्यांकन का काम स्थगित कर दिया है।

ट्विटर पर ट्रेंड करता रहा योगी केयर्स

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : कोरोना से बचाव में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई राहतकारी घोषणाओं की हर तरफ सराहना शुरू हो गई। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सुबह हैशटैग योगी केयर्स के साथ ट्वीट करने के साथ ही उस पर यूजर्स ने ट्वीट और रीट्वीट करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह दिन में ट्विटर इंडिया पर टॉप ट्रेंड करने लगा। लोगों ने कोरोना वायरस के चलते दैनिक मजदूरी कर पेट पालने वाले लाखों मजदूरों के भरण-पोषण के लिए योगी सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम को ऐतिहासिक बताया। महेंद्र सिंह नाम के यूजर ने ट्वीट किया, यूपी के 35.37 लाख दिहाड़ी मजदूरों को योगी सरकार उनकी और उनके परिवार की आजीविका के लिए एक हजार रुपया देगी।

इस संवेदनशील निर्णय से उन गरीब लोगों को मदद मिलेगी, जिनका काम धंधा कोरोना वायरस की वजह से ठप हो गया है। प्रणय विक्रम सिंह ने लिखा, जो आपातकाल में भी नहीं हुआ, वो निर्णय मानवता के हित में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सीएम योगी ने किया है। मतलब, गोरखधाम मंदिर को 21 से 31 मार्च तक बंद करने का निर्णय। यह है सनातन संस्कृति के एक योगी का मानस। पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ नाम के एक और यूजर ने ट्वीट किया, मुख्यमंत्री योगी को पता है कि इस तरह की महामारी से सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों को होता है।

योगी ने कहा है कि रोज कमाकर खाने वाले घरों से न निकलें, उनके भरण-पोषण की व्यवस्था हमने कर दी है। उन्हें धन और राशन दोनों उपलब्ध कराया जाएगा।

पंजाब में एक ही दिन में चार गुना हुए पॉजिटिव केस, 13 पर पहुंची तादाद

महामारी का असर ▶ राजधानी दिल्ली में छह नए मामले, गुरुग्राम की डॉक्टर भी संक्रमित

जेएनएन, नई दिल्ली

तमाम एहतियाती प्रयासों के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पंजाब में एक ही दिन में दस नए मरीज सामने आए हैं। इससे संख्या 13 हो गई है। राजधानी दिल्ली और राजस्थान में छह-छह, हरियाणा में चार, लद्दाख में तीन और नोएडा में एक व्यक्ति संक्रमित पाया गया है। गुरुग्राम में महिला डॉक्टर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, उसे मेदांता में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हालत में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। दिल्ली में शनिवार को छह नए केस मिले तो इससे सटे नोएडा में पांचवां मरीज सामने आया। वह दस दिन पूर्व पत्नी के साथ फ्रांस से लौटा था। पूरी सोसायटी को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश का दूसरा नया मरीज मुरादाबाद की युवती है। पंजाब में एक दिन में ही पॉजिटिव मरीजों की संख्या चार गुणा हो जाने से हड़कंप मचा हुआ है। नए केसों में छह नवांशहर, तीन मोहाली व एक केस होशियारपुर का है। राज्य में पॉजिटिव मरीजों की संख्या 13 हो गई है। हरियाणा में सोनीपत और पंचकूला में एक-एक, जबकि गुरुग्राम में दो नए संक्रमित मरीज सामने आए हैं। राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या 11 हो गई है। इनमें सात सिर्फ गुरुग्राम में हैं। केंद्र शासित लद्दाख में तीन और संक्रमित केस सामने आए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित चछोत और संकू गांवों को सील कर दिया गया है। नए मरीजों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। बंगाल में एक ही दिन में दो नए मामले सामने आए हैं। स्कॉटलैंड से लौटी एक 23 वर्षीय युवती के साथ दमदम इलाके के पुरुष के नमूने भी पॉजिटिव आए हैं। राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या अब चार हो गई है। राजस्थान में छह नए पॉजीटिव केस सामने आए हैं, जिनमें पांच भीलवाड़ा और एक जयपुर का है। इसके बाद यह संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पॉजिटिव पाए गए लोगों में से तीन स्वस्थ हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जनता कर्फ्यू की पूर्व संध्या पर शनिवार को नई दिल्ली स्थित कनॉट प्लेस लगभग सुनसान नजर आया। संजय

भीलवाड़ा में कर्फ्यू जारी

राजस्थान के भीलवाड़ा में शुक्रवार से लगाया गया कर्फ्यू शनिवार को भी जारी रहा। कर्फ्यू में सुबह 3 और शाम 2 घंटे की छूट दी जा रही है। जिले में दो दिनों के भीतर 11 पॉजिटिव केस मिले हैं। झुंझुनूं के आधे शहर में तीसरे दिन कर्फ्यू जारी रहा।

गुरुग्राम में महिला डॉक्टर कोरोना वायरस से ग्रस्त : कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के इलाज में जुटे डॉक्टर भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। गुरुग्राम में सरकारी अस्पताल की महिला डॉक्टर पॉजिटिव मिली है। वह संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेने की जिम्मेदारी संभाल रही थी। डॉक्टर को 7-8 माह का बच्चा है, जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चिंतित हैं। डॉक्टर को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कहां कितने पॉजिटिव

राज्य	पुराने केस	नए केस
पंजाब	3	10
हरियाणा	7	4
दिल्ली	20	6
लद्दाख	10	3
राजस्थान	17	6
बंगाल	2	2
उत्तर प्रदेश	23	3

पंचकूला की महिला भी हुई संक्रमित, बढ़ी चिंता

पंचकूला में स्लम एरिया में रहने वाली महिला के पॉजिटिव आने से चिंता बढ़ गई है। उसके पूरे परिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 38 वर्षीय पीड़िता ने चंडीगढ़ में लंदन से आई कोरोना पॉजिटिव युवती की मसाज की थी। तीन दिनों में स्वजनों के अलावा वह आठ लोगों के संपर्क में आई है। पति किसी कंपनी में काम करता है, लेकिन पांच दिनों से घर पर है और सब्जी की दुकान लगा रहा है। दोनों बेटे काम करते हैं। बेटी किसी कोठी में काम करती थी, लेकिन एक हफ्ते से घर पर ही है।

'जनता कर्फ्यू' के लिए एकजुट होने लगे लोग

जेएनएन, नई दिल्ली

- जम्मू-कश्मीर में मेहराज उल आलम का समागम स्थगित, मस्जिद व जियारतगाहें बंद रहेंगी
- नेकां, पीडीपी, जेके अपनी पार्टी समेत विभिन्न दल भी आगे आए

कोरोना वायरस को हराने और जनता कर्फ्यू को कामयाब बनाने के लिए सभी राज्य एकजुट होने लगे हैं। प्रशासन के साथ सभी राजनीतिक दल, मजहबी और सामाजिक संगठन सक्रिय हो चुके हैं। कोई घर से बाहर न निकले इसके लिए प्रशासनिक पाबंदियां लागू की जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर में जहां मुस्लिम वक्फ बोर्ड ने मेहराज उल आलम के धार्मिक समागम को स्थगित करने के साथ अपने अधीनस्थ मस्जिदों और जियारतगाहों को बंद करने का फैसला किया है। वहीं, नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, जेके अपनी पार्टी समेत अन्य दलों ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

ड्यूटी पर लौटने का निर्देश : प्रशासन ने अवकाश पर गए सभी अधिकारियों और कर्मियों को तत्काल प्रभाव से ड्यूटी पर लौटने का निर्देश दिया है। कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए जिन निजी व्यक्तियों, संगठनों व संस्थानों की आवश्यकता होगी उन्हें मदद करनी होगी अन्यथा कार्रवाई होगी।

नेकां बोली, मोदी की पहल सराहनीय : नेशनल कांफ्रेंस के महासचिव और पूर्व मंत्री डॉ. मुस्तफा कमाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता कर्फ्यू का आह्वान कर सराहनीय पहल की है। इस समय कश्मीर में कोरोना वायरस से संक्रमित एक ही मरीज है। अगर कश्मीर को इस संकट से बचाना है तो जनता कर्फ्यू को लागू करना होगा।

जनता कर्फ्यू के लिए उत्तराखंड भी एकजुट : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जनता कर्फ्यू के लिए उत्तराखंड भी एकजुट हो गया है। राजधानी देहरादून से लेकर सीमांत जिलों उत्तरकाशी और पिथौरागढ तक इसकी गूंज सुनाई दे रही है। कोरोना से जंग लड़ रहे योद्धाओं के अभिनंदन के लिए भी लोग उत्साहित हैं। सामाजिक संगठन, राजनीतिक संगठन, कर्मचारी संगठन, रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी, व्यापार मंडल, धार्मिक संस्थाएं हों या शिक्षाविद् अथवा सरकारी एजेसियां सब इस यज्ञ में आहूति के लिए आमजन से अपील कर रही हैं। इसके लिए सोशल मीडिया के साथ ही अन्य माध्यमों का भी सहारा लिया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे जब तक बहुत जरूरी न हो घरों से न निकलें।

बिहार में 31 तक बंद रहेंगे 4500 मंदिर-मठ

पटना : बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद से जुड़े राज्य के साढ़े चार हजार मंदिर व मठ 31 मार्च तक श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। परिषद के अध्यक्ष अखिलेश कुमार जैन ने शनिवार को कहा कि लोग अपने आप को सुरक्षित रखते हुए भीड़ वाली जगहों पर जाने से परहेज करें।

31 मार्च तक नहीं चलेंगी सिटी और अंतरराज्यीय बसें

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए परिवहन विभाग ने राजधानी पटना में नगर सेवा की बसों के साथ ही अंतरराज्यीय बसों के परिचालन पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया है। शनिवार से सिटी सेवा की बसों का परिचालन बंद कर दिया गया।

जनता कर्फ्यू के दौरान भी काम करते रहेंगे पूर्वोत्तर के 12 हवाई अड्डे

गुवाहाटी, आइएएनएस : भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआइ) ने कहा है कि पूर्वोत्तर के 12 हवाई अड्डे आवश्यक सेवा के तहत आते हैं। रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान ये हवाई अड्डे काम करते रहेंगे। एएआइ ने कोरोना वायरस के कारण पूर्वोत्तर के इन हवाई अड्डों पर यात्रियों की स्क्रीनिंग और जांच का काम तेज कर दिया है।

एएआइ के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक संजीव जिंदल ने कहा, 'पूर्वोत्तर के 12 हवाई अड्डे आवश्यक सेवा श्रेणी में आते हैं। रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान ये सक्रिय रहेंगे। अभी तक उन्हें बंद करने की योजना नहीं है। घरेलू विमान संचालन में रहेंगे।'

- इन हवाई अड्डों पर यात्रियों की जांच के काम में आई तेजी

कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश के नाम अपने संबोधन में नागरिकों से 22 मार्च रविवार को जनता कर्फ्यू का पालन करने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों से अगले कुछ सप्ताह तक घर के अंदर ही रहने का आग्रह किया है।

दूसरी ओर एएआइ पूर्वोत्तर के 12 हवाई अड्डों पर सतर्कता बरत रहा है। स्वास्थ्य एवं अन्य अधिकारियों के मुताबिक पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में कोरोना वायरस का एक भी पॉजिटिव मामला सामने नहीं आया है। क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक संजीव जिंदल ने कहा कि इंफ्रारेड थर्मामीटर द्वारा यात्रियों की स्क्रीनिंग के काम में तेजी लाई गई है। उन्होंने कहा कि विदेश से आने वाले लोगों की विशेष जांच की जा रही है।

पूर्वोत्तर के राज्यों में केवल गुवाहाटी हवाई अड्डे से ही सिंगापुर और भूटान के लिए उड़ानें हैं, लेकिन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को प्रतिबंधित कर दिया है। पूर्वोत्तर के संचालित हवाई अड्डों में गुवाहाटी, सिलचर, डिब्रूगढ़, जोरहाट, तेजपुर (सभी असम में), तेजु और पासीघाट (अरुणाचल प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), इंफाल (मणिपुर), शिलांग (मेघालय), दीमापुर (नगालैंड) और लेंगपुई (मिजोरम) शामिल हैं।

कैबिनेट ब्रीफिंग में पीआइबी ने लागू की सोशल डिस्टेंसिंग

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग उपायों को लागू करते हुए प्रेस इंफॉरमेशन ब्यूरो (पीआइबी) ने पत्रकारों को विकल्प दिया है कि वे कैबिनेट फैसलों पर ब्रीफिंग को ऑनलाइन देख सकते हैं और वाट्सएप के जरिये केंद्रीय मंत्रियों से सवाल पूछ सकते हैं। इसी क्रम में नेशनल मीडिया सेंटर में मौजूद पत्रकारों से दूरी बनाकर बैठने के लिए कहा गया। इसके लिए उन्हें हर सीट के बीच में एक सीट और हर पंक्ति के बीच में एक पंक्ति खाली छोड़ने के लिए कहा गया। कोरोना वायरस संक्रमण का ही डर था कि शनिवार को नेशनल मीडिया सेंटर में ज्यादा पत्रकार उपस्थित नहीं थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावडेकर आदि उपस्थित थे।

वायरस के चलते मिलने पर पाबंदी से दमदम सेंट्रल जेल में बवाल, एक की मौत

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

कोरोना के चलते स्वजनों के मिलने पर पाबंदी को लेकर कोलकाता की दमदम सेंट्रल जेल में शनिवार को पुलिस के साथ संघर्ष में एक विचाराधीन कैदी की मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। इस घटना में जेलर सहित 10 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। बताया जा रहा है कि पांच लोगों को गोली लगी है। संघर्ष रोकने पहुंची पुलिस पर कैदियों ने जमकर ईंट-पत्थर बरसाए और बम व गोली से भी हमला किया है। जेल के अंदर तोड़फोड़ व आगजनी के बाद गेट तोड़कर भागने की कोशिश भी की गई है। घटना से क्षुब्ध मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जेल विभाग के एडीजी अरुण गुप्ता को हटाकर उनके स्थान पर पीयूष पांडे को एडीजी बना दिया है।

बताया जा रहा है कि कोरोना के चलते कैदियों को अपने परिवार के सदस्यों से मिलने पर राज्य सरकार ने 31 मार्च तक रोक लगा दी है। साथ ही विचाराधीन कैदियों की पेशी भी नहीं हो रही है, क्योंकि अदालत में भी कामकाज बंद है। इसके अलावा सजा काट रहे कैदियों को अभी पैरोल पर भी नहीं छोड़ा जा रहा है। शनिवार सुबह जैसे ही यहां कैदियों को यह जानकारी मिली तो वे भड़क गए। वह स्वजनों से मिलने देने की मांग करने लगे। इसी बीच कैदियों के एक अन्य ग्रुप को पता चला कि 31 मार्च तक उनके मामलों की सुनवाई नहीं होगी तो वह भी भड़क गए। इसके बाद कैदी हिंसक हो गए। जेलर व अन्य जेलकर्मियों ने पहले समझानेकी काफी कोशिश की, लेकिन कैदी छत के उपर से ईंट व पत्थर बरसाने लगे। आरोप है कि कैदियों ने बम व गोलियों से हमला करने के साथ तोड़फोड़ की। आक्रोशित कैदियों ने आगजनी भी की। भागने की भी कोशिश की। कुछ कैदियों ने पुलिस से हथियार छीनने की भी कोशिश की। बाद में कैदियों ने मुख्य बिल्डिंग को भी निशाना बनाया और एक एलपीजी सिलेंडर में आग लगा दी। स्थिति नियंत्रित करने के लिए बैरकपुर के पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा खुद बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों ओर से काफी समय तक संघर्ष चलता रहा।

आसार

भारतीय पंचांगों ने पहले ही दे दिए थे 'विषाणुजनित महामारी' के संकेत, 27-28 अप्रैल तक मिलने लगेगी राहत, जून आते तक समाप्त हो जाएगा बुरा दौर

14 अप्रैल के बाद कोरोना की उलटी गिनती गिना रहे पंचांग

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना का खात्मा मध्य अप्रैल से प्रारंभ हो जाएगा। राहत भरी यह भविष्यवाणी भारतीय पंचांगों ने उन्हीं ज्योतिषीय गणनाओं के आधार पर की है, जिसके आधार पर उन्होंने सालभर पहले ही बता दिया था कि दुनिया का इस वर्ष 'विषाणुजनित महामारी' से सामना होगा। कोरोना वायरस का प्रभाव दिसंबर 2019 में चीन में दिखना शुरू हुआ था, लेकिन फरवरी-मार्च 2019 में प्रकाशित हो चुके भारतीय पंचांगों को देखें तो इनमें 'विषाणुजनित' वैश्विक महामारी के संकेत दे दिए गए थे। अब जब यही ज्योतिषशास्त्री कह रहे हैं कि 14 अप्रैल के बाद कोराना का प्रभाव कम होने लग जाएगा, तो इस पर विश्वास न करने का कोई तर्क नहीं है।

पुरातन भारतीय ज्ञान-विज्ञान की गूढ़ बातों को 'पोंगापंडिताई' बता इनका मखौल उड़ाने वालों को हालांकि यह बात रास नहीं आएगी, लेकिन यह सुस्पष्ट प्रमाण उन्हें तर्कहीन करने के लिए पर्याप्त है। जिस समय दुनिया को इस बात का अंदेशा तक नहीं था कि कोई महामारी उसकी प्रतीक्षा में है, भारतीय ज्योतिषशास्त्र ने इसकी भविष्यवाणी कैलेंडरों में दर्ज करा दी थी। यह भी बता दिया था कि विषाणुजनित महामारी। देश के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेशचंद्र पोखरियाल ने जब कोरोना फैलने के पहले ही ऐसी किसी महामारी की आशंका जताई थी, तो देश के एक वर्ग ने उनका जमकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया था। हालांकि अब मजाक उड़ाने वालों को दूसरा बहाना खोजना होगा।

मुंबई निवासी आचार्य पवन त्रिपाठी कहते हैं कि जब भी पृथ्वी पर किसी भी प्रकार की कोई घटना-दुर्घटना होती है, तो उसके पीछे ग्रह-नक्षत्रों का व्यापक प्रभाव होता है। यानी जनजीवन पर ग्रह-नक्षत्रों का व्यापक प्रभाव भी होता है, और इनके बदलाव से समस्या से निजात भी मिलने लग जाती है। आचार्य त्रिपाठी के अनुसार कोविड-19 का स्पष्ट प्रभाव दिसंबर 2019 में चीन से दिखाई देना शुरू हुआ है। दिसंबर 2019 में शनि, बृहस्पति, केतु और सूर्य धनुराशि में थे। सूर्य, शनि और केतु पाप ग्रह हैं, जिनके मिलने से इस प्रकार का दुर्योग बना कि एक विषाणुजनित महामारी का वैश्विक प्रसार हो रहा है। 24 जनवरी, 2020 को गोचर में शनि के मकर राशि में प्रवेश के बाद इस बीमारी का संकट और गहराया और विषाणु तेजी से अपने पांव पसारने लगा। त्रिपाठी के अनुसार 14 अप्रैल, 2020 को सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ ही महामारी की तीव्रता कम होने लग जाएगी।

त्रिपाठी के अनुसार बृहस्पति 30 मार्च को मकर में प्रवेश करेंगे, जो उनकी नीच राशि है। फिर शनि से जुड़ जाएंगे। वर्तमान वर्ष की शुरुआत, चैत्र मास शुक्ल पक्ष के पहले दिन, शनिवार पड़ा था। वर्ष का पहला दिन ही ज्योतिष के अनुसार वर्ष का राजा माना जाता है। राजा शनि के फल में ही लिखा है कि किसी विषाणुजनित महामारी का प्रकोप होगा।

जून तक सब कुछ हो जाएगा सामान्य...

इस महामारी से राहत के बारे में पवन त्रिपाठी बताते हैं कि भारत वर्ष की कुंडली के अनुसार भी 14 अप्रैल तक समय ज्यादा खराब है। भारतीय नववर्ष का प्रारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 25 मार्च, 2020 दिन बुधवार को होगा। यानी आनेवाले वर्ष के राजा बुध होंगे। उनके साथ मंत्री के रूप में चंद्र रहेंगे। इन दोनों के प्रभाव से इस रोग का शमन जून 2020 तक हो जाएगा। 13 अप्रैल को रात्रि 8.23 मिनट से सूर्य का संक्रमण मीन राशि से मेष राशि में हो जाएगा। उसके बाद कोरोना वायरस के बुरे प्रभाव में कमियां आने लगेंगी। 27-28 अप्रैल के बाद सूर्य का संक्रमण मेष में 15 डिग्री से आगे बढ़ने पृथ्वी स्थित वासी इसके बुरे प्रभाव से बचने लगेंगे।

प्रतीकात्मक

क्वारंटाइन केंद्र से भागे चार स्कॉलर कश्मीर में घर पर मिले

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- यूएई से लौटे स्कॉलरों को अलीगढ़ मुस्लिम विवि के केंद्र में रखा था
- सभी को स्वास्थ्य कर्मियों की मदद से क्वारंटाइन केंद्रों में ले जाया

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के क्वारंटाइन केंद्र से भागे चारों स्कॉलर कश्मीर स्थित अपने घरों में मिले हैं। फिलहाल सभी को स्वास्थ्य कर्मियों की मदद से निकटवर्ती क्वारंटाइन केंद्रों में ले जाया है। इनमें तीन स्कॉलर उत्तरी कश्मीर के और एक दक्षिण कश्मीर का रहने वाला है। चारों छात्र कुछ दिन पूर्व ही विदेश यात्रा से लौटे थे। उसके बाद से ही यूएचएस अस्पताल अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में बनाए क्वारंटाइन केंद्र में निगरानी में रखा था। बारामुला के तीनों स्कॉलर कुछ समय पहले ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटे थे।

अनंतनाग का स्कॉलर 15 फरवरी को ताइवान गया था। 14 मार्च को लौटा था। अनंतनाग के स्कॉलर ने क्वारंटाइन केंद्र छोड़ते वहां नोट रखा था। उसने लिखा था कि वह अपने घर अनंतनाग जा रहा है। वह गुरुवार को वहां से निकला था। क्वारंटाइन केंद्र से चार कश्मीरी छात्रों के अचानक जाने से संबंधित प्रशासन में हड़कंप मच गया। उसने संबंधित अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन को अलर्ट कर दिया। पुलिस, बारामुला और अनंतनाग प्रशासन इस सूचना के बाद हरकत में आ गया। बारामुला के तीनों छात्रों को गत रोज ही पकड़ा लिया गया। तीनों अपने घरों में थे। जिला उपायुक्त बारामुला जीएन इट्टू ने बताया कि युवकों के परिजनों व अन्य परिचितों को जो इनके संपर्क में आए हैं, उनकी जांच की जा रही है।

अस्पताल में कनिका की मनमानी, स्टाफ आजिज

बढ़ा रहीं संकट ▶ प्रशासनिक लापरवाही की वजह से एफआइआर में दर्ज हुई गलत तिथि

जागरण संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ को संकट में डालने के बावजूद कनिका कपूर मनमानी से बाज नहीं आ रही हैं। होम क्वारंटाइन की धज्जियां उड़ाने के बाद अब वह आइसोलेशन की गाइड लाइन को नजरंदाज कर रही हैं। मेडिकल स्टाफ के मुताबिक वार्ड में मास्क पहनने में हीलाहवाली व सलाह को अनसुना कर रही हैं। हालांकि, उनकी हालत में सुधार है। इस संबंध में पीजीआइ के अफसर कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

कोरोना वायरस से संक्रमित गायिका कनिका कपूर ने पूछताछ में पुलिस प्रशासन को बताया था कि वह 11 मार्च को लखनऊ आई थीं। बावजूद इसके प्रशासनिक चूक हो गई और सीएमओ की ओर से सरोजनीनगर पुलिस को दी गई तहरीर में 14 मार्च की तिथि अंकित की गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि उन्होंने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद विवेचना में तिथि को सही कर लिया है। अब सवाल ये है कि क्या प्रशासनिक तौर पर वाकई में चूक हुई या यह किसी साजिश का हिस्सा है। सरोजनीनगर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। एसीपी कृष्णानगर दीपक कुमार सिंह के मुताबिक शुरुआती जांच में कनिका जिन-जिन स्थानों पर गई थीं, उन्हें सैनिटाइज किया गया है। डालीबाग, ताज होटल, डंडहिया स्थित उनके अपार्टमेंट व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के मकान को मेडिकल टीम ने सैनिटाइज कर दिया है। कनिका संक्रमण से ग्रसित हैं, जिस वजह से अभी उनके बयान नहीं लिए जा सके हैं। कनिका के बयान दर्ज करने के बाद सीसी फुटेज से उसका मिलान कराया जाएगा। शनिवार को पुलिस ने कनिका के पिता राजीव कपूर से संपर्क कर घर में काम करने वाले लोगों के बारे में जानकारी ली है। गौरतलब है कि कनिका के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में शुक्रवार देर रात सीएमओ की ओर से एफआइआर दर्ज कराई गई थी।

कनिका कपूर फाइल

कहां हुई चूक, पता करने मुंबई जाएगी पुलिस टीम

कनिका कपूर मुंबई एयरपोर्ट से कब और किन परिस्थितियों में लखनऊ आई थीं, इसकी जांच होगी। कनिका ने एयरपोर्ट पर स्कैनिंग कराई थी या नहीं, इसके बारे में पुलिस पता लगा रही है। लखनऊ की सरोजनीनगर थाने में एफआइआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने छानबीन तेज कर दी है। कनिका से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने फोन पर संपर्क कर उनके आने, ठहरने और लोगों से मिलने को लेकर जानकारी मांगी है। एसीपी कृष्णानगर दीपक कुमार सिंह के मुताबिक कनिका को सेल्फ क्वारंटाइन करने का आदेश किस एयरपोर्ट पर दिया गया था, इसकी जांच की जा रही है। एक टीम मुंबई एयरपोर्ट पर छानबीन के लिए भेजी जा रही है, जो तथ्यों का पता लगाएगी। कनिका जिन तीन स्थानों पर पार्टी में शामिल हुई हैं, उन लोगों की सूची तैयार की जा रही है। उधर, सीएमओ की तरफ से दर्ज कराई गई एफआइआर में कनिका के 14 मार्च को लखनऊ आने का जिक्र है, जबकि वह 11 मार्च को राजधानी आ गई थीं। एफआइआर में हुई गलती को सरोजनीनगर पुलिस ने संशोधित कर लिया है।

रामपुर नवाब खानदान की निदा व नरजिस भी थीं पार्टी में : गायिका कनिका कपूर के कोरोना संक्रमित पाए जाने का असर रामपुर में नवाब खानदान की जायदाद के बंटवारे पर भी पड़ा है। शनिवार को होने वाला संपत्ति का सर्वे इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि लखनऊ की पार्टी में नवाब रजा अली खां की पोती निकहत आब्दी और उनकी बेटियों निदा व नरजिस के भी शामिल होने की बात सामने आई थी। निदा-नरजिस पार्टी के सोशल मीडिया में वायरल हो रहे फोटो में भी कनिका कपूर के साथ नजर आ रही हैं। संपत्ति के बंटवारे की प्रक्रिया से जुड़े अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने एडवोकेट कमिश्नर को एक पत्र सौंप दिया, जिसमें मामले से जुड़े एक पक्षकार के लखनऊ की पार्टी में शामिल होने पर चिंता जताई गई है। उन्होंने कहा है कि निकहत आब्दी और उनकी बेटियों निदा व नरजिस को लेकर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इन लोगों को कोरोना संक्रमण है या नहीं। उधर, कनिका के सिंगर स्टाफ में रामपुर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का युवक भी शामिल है। युवक शुक्रवार रात मुंबई से अपने घर लौटा था।

सुप्रीम कोर्ट में दो-चार सप्ताह की छुट्टी घोषित करने की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के दो संगठनों-एससीबीए और एससीएओआरए ने फैसला किया है कि वे मुख्य न्यायाधीश एसए बोबड़े से कोरोना वायरस महामारी के चलते दो से चार सप्ताह तक की छुट्टी घोषित करने की मांग करेंगे। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की कार्यकारी समिति की बैठक हुई। इसमें प्रस्ताव पारित किया गया कि अदालत की गर्मी की छुट्टी समय से पहले कर दी जाए और 23 मार्च से चार सप्ताह के लिए इसका एलान कर दिया जाए। प्रस्ताव में कहा गया है कि मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीश सभी पक्षों की भावनाओं को समझ सकते हैं। इसके अनुसार, 23 मार्च से चार सप्ताह की छुट्टियों का एलान किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि तीन सप्ताह बाद स्थिति का विश्लेषण करने के बाद आगे की कार्रवाई पर विचार किया जा सकता है।

इसी तरह, वकीलों के एक अन्य संगठन सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) की बैठक में भी एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें कहा गया कि कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश से अपील की जाती है कि वे सुप्रीम कोर्ट को कम-से-कम दो सप्ताह के लिए बंद कर दें। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट गर्मी की छुट्टी में 18 मई से पांच जुलाई तक बंद रहेगा। इस दौरान अवकाशकालीन पीठ जरूरी मामलों की सुनवाई करेगी।

एहतियाती कदम

- वकीलों के संगठनों-एससीबीए और एससीएओआरए ने किया प्रस्ताव पारित
- न्यायाधीशों से सभी पक्षों की भावनाओं को समझने की अपील

सुप्रीम कोर्ट फाइल

मनोचिकित्सक की सलाह, इस तरह बिताएं दिन

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

डॉ नंद कुमार, प्रोफेसर मनोचिकित्सा विभाग एम्स

कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए रविवार को घोषित जनता कर्फ्यू को मजबूरी की तरह न लें। भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच लोग पेशे व व्यवसाय के बीच इंटरनेट, सोशल मीडिया इत्यादि पर निर्भर हो कर रह गए हैं। परिवार के लोगों के बीच भी संवाद कम हो गया है। एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार ने कहा कि कोरोना के बहाने यह जनता कर्फ्यू के दिन परिवारिक रिश्तों के साथ-साथ फोन के जरिये रिश्तेदारों व दोस्तों से जुड़ कर भावनात्मक रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने घर में रहने को लेकर सभी आयु वर्ग के लिए अलग-अलग सलाह दी।

सभी आयु वर्ग के लिए साथ रहने का अवसर, मां-बाप, दादा-दादी, पति-पत्नी, बच्चे सभी आपस में खूब बातें करें। महानगरों में दिनचर्या-सुबह जाओ, शाम को थके हुए घर आओ। यहां 10 से 12 घंटे भी लोग ड्यूटी करते हैं। इसलिए परिवारिक जुड़ाव को दोबारा जीवंत करने का मौका।

कौन क्या करें

बच्चे

- घर में दो-तीन बच्चे हैं तो लूडो, कैरम जैसे इंडोर खेल खेलें
- पेंटिंग व ड्राइंग करें। म्यूजिक में दिलचस्पी है तो गीत संगीत, डांस कर सकते हैं।
- बच्चे अलग मोबाइल पर वीडियो देखें, यह ठीक नहीं है। इससे चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है।
- मां-पिता या दादा-दादी के साथ बैठकर टीवी देख सकते हैं।

बड़े लोग

- बच्चों का ध्यान रखें, उनके साथ घर में ही खेलें। घर के बुजुर्गों का ध्यान रखें।
- बच्चों के पढ़ते समय उनके साथ बैठें। उनसे उनके स्कूल, दोस्तों के बारे में बात करें।

लाइट योग व ध्यान

- यह समय सांस से जुड़ी बीमारियों के योग व ध्यान के लिए सबसे अच्छा समय है।
- अनुलोम विलाम, कपालभाती जैसे योग कर सकते हैं।
- बच्चों को भी योग के बारे में बताएं।

फोन पर रिश्तेदारों से करें बात

- फोन पर रिश्तेदारों, दोस्तों व पड़ोसियों का हालचाल लें। यह फिजिकल डिस्टेंसिंग (शारीरिक दूरी) के बीच सोशल कनेक्टिंग का समय है।

महिलाएं

- घर में अच्छा खाना बनाकर खाने का समय है। हो सके तो पति-पत्नी मिलकर तैयार करें।
- परिवार के सदस्यों के साथ बैठे, उनसे खूब बातें करें।
- कामकाजी महिलाओं को बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं मिल पाता। यह उनके लिए बेहतर मौका है।

दंपती

पुराने गानों को सुन सकते हैं। फिल्में भी देख सकते हैं।

बुजुर्ग

- बच्चों के साथ खेलने, उन्हें कहानी सुनाने के अलावा पूजापाठ व धार्मिक कार्यों में मन लगा सकते हैं।
- गीता, रामायण, कुरान या बाइबिल पढ़ें। रुचि के अनुसार साहित्यिक, आर्थिक या प्रेरणादायक किताबें भी पढ़ सकते हैं।
- बच्चों के लिए दुआ कर लें। यह हमारी संस्कृति का हिस्सा भी है।

रोल प्ले व अंताक्षरी

मनोरंजन के लिए विभिन्न रोल प्ले भी कर सकते हैं। इसलिए इस मौके को भावनात्मक जुड़ाव के लिए इस्तेमाल करें। जो भी पुरानी चीजें है चाहे अंताक्षरी ही क्यों न हो। इससे अलग मजा आएगा।

घर में हैं तो ज्यादा खतरा नहीं

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निर्देशानुसार कोरोना से बचाव के लिए हर 20 मिनट पर 20 सेकेंड तक साबुन से हाथ धोना जरूरी है। यदि घर में हैं तो इतनी जल्दी जल्दी हाथ धोने की जरूरत नहीं है क्योंकि घर में खतरा ज्यादा नहीं है। यदि किसी काम से बाहर जाना पड़े तो घर आने पर चप्पल बाहर निकाल दें। हाथ सैनिटाइज करने के बाद घर में प्रवेश करें और फिर हाथ साबुन से जरूर धोएं।

राजधानी से उतारे गए कोरोना की सील वाले दिल्ली के दंपती

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

बेंगलुरु-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली के रहने वाले एक जोड़े को कोरोना वायरस संक्रमण का पॉजिटिव पाए जाने पर ट्रेन से उतार दिया गया। रेलवे को मुंबई से जबलपुर जाने वाली गोदान एक्सप्रेस के कोच बी-1 में भी चार यात्री मिले थे जो शुक्रवार को कोरोना पाजिटिव पाए गए। ऐसे ही एक दर्जन वाकिये सामने आने पर ट्रेनों में सफर कोरोना संक्रमण के चलते इतना घातक हो सकता है कि रेल मंत्रालय को देशवासियों से अपनी सभी यात्राएं स्थगित करने की अपील करनी पड़ी है।

भीड़ के साथ अधिक यात्रियों की स्क्रीनिंग के परिणामस्वरूप शुक्रवार शाम से लेकर शनिवार शाम तक ट्रेनों में कोरोना पॉजिटिव यात्रियों के एक दर्जन मामले पकड़ में आए हैं। इनमें एक मामला बेंगलुरु-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का है। इसमें एक युगल के हाथों पर क्वारंटाइन की मुहर के साथ देखे जाने पर काजीपेट के स्टेशन में उतार लिया गया।

बताया जाता है कि दिल्ली का रहनेवाला यह जोड़ा शनिवार की सुबह सिकंदराबाद से राजधानी ट्रेन में चढ़ा था। जब ट्रेन सुबह 9.45 बजे तेलंगाना के काजीपेट स्टेशन पर पहुंची तो ट्रेन में बैठे अन्य यात्रियों ने टीटीई को बताया कि पति के हाथ पर कोरोना संदिग्ध होने की सील लगी है और उसकी पत्नी के हाथ पर भी होम क्वारंटाइन की सील लगी हुई थी। इसके बाद ट्रेन को प्रशासन ने अपनी निगरानी में लिया और इस दंपती को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रेल अधिकारियों ने बताया कि काजीपेट में ट्रेन को पूरी तरह से सैनिटाइज और लॉक कर दिया गया। ट्रेन वहां से पौने दो घंटे बाद 11.30 बजे रवाना हुई। यात्रियों की जागरूकता ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। अधिकांश मामलों में सह-यात्रियों की सूचना के बाद लोगों को आइसोलेट किया जा रहा है। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार इसी तरह से गोदान एक्सप्रेस में पिछले हफ्ते दुबई से लौटे चार यात्री विगत 16 मार्च ट्रेन में सफर करने पाए गए जो कोरोना पॉजिटिव पाए गए। ऐसी ही एक अन्य घटना में दिल्ली से रामगुंडम जाने वाली एपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में विगत 13 मार्च को आठ कोरोना संदिग्ध यात्री मिले जो शुक्रवार को कोरोना टेस्ट में पाजिटिव पाए गए। इसीतरह, दुबई से लौटने पर क्वारंटाइन बीच में छोड़कर ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री को शनिवार को मुंबई के कल्याण रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा कर्मियों ने उतार दिया। यह रेल यात्री उत्तर प्रदेश का रहने वाला है जिसे एहतियात के तौर पर ट्रेन से उतार लिया गया। इसीतरह, नई दिल्ली से इंदौर आने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोच नंबर ए-1 में शनिवार को ब्राजील के दंपती के मिलने की सूचना पर इंदौर में रेलवे प्रबंधन और जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। ट्रेन के टीटीई ने 12416 नंबर के कोच में मौजूद दंपती को कोरोना संदिग्ध माना। यह दंपती कोटा से इंदौर आ रहा था। उज्जैन स्टेशन पर दंपती की थर्मल स्क्रीनिंग की गई। इसके बाद सुबह 11.30 बजे जैसे ही ट्रेन इंदौर पहुंची तो रेलवे और स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों ने दंपती को क्वारंटाइन सेंटर पहुंचाया।

रेलवे की एडवाइजरी-यात्रा से बचें

इसीलिए रेलवे ने लोगों से बहुत जरूरी न होने पर ट्रेन यात्रा से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है। रेल मंत्रालय ने ट्वीट करके कहा कि ट्रेनों में सफर करते कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के कुछ मामले सामने आए हैं। इसलिए रेल यात्रा अब बेहद असुरक्षित हो गई है और इससे बचने की जरूरत है। चूंकि अगर आपका सह यात्री इस संक्रमण का शिकार हुआ तो आप भी संक्रमित हो सकते हैं। इसलिए आप अपनी सभी यात्राएं स्थगित करके अपने आप को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित करें। रेलवे पहले 300 से अधिक ट्रेनों को रद कर चुका है। यात्रा के लिए हतोत्साहित करने को प्लेटफार्म टिकट के दाम भी दस रुपये बढ़ाकर पचास रुपये किए गए हैं। आइआरसीटीसी ने कुछ ट्रेनों में भोजन परोसना भी बंद कर दिया है।

आयुष आरोग्य केंद्र बनाने को मंजूरी

प्रथम पृष्ठ से आगे

केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय आयुष मिशन में आयुष्मान भारत के आयुष स्वास्थ्य एवं स्वच्छता केंद्रों के तत्व को शामिल करने को मंजूरी दे दी। सरकार का कहना है कि सस्ते उपचार के लिए वैश्विक स्वास्थ्य कवरेज का लक्ष्य हासिल करने की खातिर इससे ज्यादा पहुंच हासिल हो सकेगी। केंद्रीय कैबिनेट ने यह निर्णय शुक्रवार को किया और इसकी घोषणा शनिवार को की। प्रस्ताव में 3399.35 करोड़ रुपये का खर्च बताया गया है। इसमें केंद्र की हिस्सेदारी 2209.58 करोड़ रुपये और राज्य की हिस्सेदारी 1189.77 करोड़ रुपये होगी। आरोग्य केंद्रों को पांच वर्ष के अंदर संचालित किया जाएगा। पूरे देश में 12,500 आयुष स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों का गठन किया जाएगा।

मलेरिया की दवा के इस्तेमाल पर आइसीएमआर कर रहा विचार : कोरोना के इलाज में मलेरिया की दवा क्लोरोक्वीन के असरदार होने की चर्चा के बीच आइसीएमआर ने इस पर विचार करना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल के अनुसार अभी तक मलेरिया की दवा और जापानी बुखार की दवा के कोरोना के इलाज में कारगर होने के ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं।

इलाज के दिशानिर्देश जारी किए: आइसीएमआर ने आपातस्थिति में कोरोना के मरीजों के इलाज के दिशानिर्देश जारी किए हैं और अभी उसी के अनुसार इलाज किया जा रहा है।

वाट्सएप नंबर 9013151515 पर ले सकते हैं जानकारी

कोरोना वायरस से संबंधित सत्यापित जानकारियां और लोगों के सवालों के जवाब देने के लिए सरकार ने वाट्सएप पर चैटबॉट लांच किया है। 9013151515 पर वाट्सएप संदेश भेजकर 'माईगॉव कोरोना हेल्पडेस्क' को एक्सेस किया जा सकता है। इस पर कोरोना वायरस से संबंधित बार बार पूछे जाने वाले सवालों जैसे उसके लक्षण, एहतियाती उपाय, हेल्पलाइन नंबर्स, क्षेत्र में प्रभावित मामले, सरकार की एडवाइजरी इत्यादि के जवाब पूछे जा सकते हैं। यह कंवर्शेशनल आर्टिफीशियल प्लेटफॉर्म है और इसे रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी जियो हैपटिक टेक्नोलॉजीस ने विकसित किया है। इस पर स्वास्थ्य मंत्रालय से सत्यापित आंकड़े उपलब्ध होंगे और वे रीयल टाइम बेसिस पर अपडेट होंगे।

लखनऊ की पहली मरीज अब संक्रमण मुक्त

प्रथम पृष्ठ से आगे

कोरोना से संक्रमित लखनऊ की पहली मरीज अब संक्रमण मुक्त हो गई हैं। आठ मार्च को कनाडा से लौटी महिला डॉक्टर की दूसरी रिपोर्ट भी निगेटिव आने के बाद उन्हें 14 दिन तक होम आइसोलेशन पर रहने को कहा गया है।

कश्मीर : कोरोना को हराने के लिए फारूक अब्दुल्ला ने सांसद निधि से दिए एक करोड़। पहली बार वैष्णो देवी भवन प्रांगण की नहीं होगी सजावट। गर्भगृह के साथ ही प्राचीन गुफा व अन्य कृत्रिम गुफाओं की सजावट की जाएगी

उत्तराखंड : दून की रायवाला छावनी को किया लॉक डाउन। एक डाक्टर को कोरोना संक्रमण की आशंका। विदेश से लौटे नौ लोगों की स्क्रीनिंग। फ्रांस के छह पर्यटक निगरानी में। हरिद्वार में अफवाह फैलाने पर मुकदमा

बंगाल : उच्च माध्यमिक की परीक्षाएं स्थगित।

पेंशन लाभार्थियों को दो महीने की अग्रिम पेंशन

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रदेश में लागू वृद्धावस्था, दिव्यांगजन सशक्तीकरण और निराश्रित विधवा पेंशन योजनाओं के 83.83 लाख लाभार्थियों को प्रत्येक तिमाही में पेंशन दी जाती है। मुख्यमंत्री ने पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को दो महीने की अग्रिम पेंशन अप्रैल में देने का निर्देश दिया गया है।

श्रमिकों को वेतन सहित अवकाश देने का निर्देश : कोरोना वायरस संक्रमण के कारण शैक्षणिक संस्थानों, मॉल, मल्टीप्लेक्स, जिम, तरणताल, रेस्टोरेंट आदि बंद होने से प्रभावित श्रमिकों व कार्मिकों के हितों को देखते हुए बंद इकाइयों के मालिकों-नियोजकों को निर्देश दिया जाएगा कि प्रभावित श्रमिकों, कार्मिकों को इकाइयों की बंदी की अवधि में वेतन सहित अवकाश दिया जाएगा।

अमेरिका में भारतीय किशोरी ने बेघरों को बांटे सैनिटरी किट

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस: बेघरों को कोरोनावायरस के प्रकोप से बचाने के लिए भारतीय मूल की एक अमेरिकी किशोरी ने 150 सैनिटरी किट बांटे हैं। किट के लिए धन जुटाने के वास्ते उसने गोफंडमी पेज बनाया था। वह इसके माध्यम से 1600 डॉलर (सवा लाख रुपये) एकत्र कर चुकी है। उसका लक्ष्य दो हजार डॉलर (डेढ़ लाख रुपये) एकत्र करना है।

शैवी शाह नाम की यह किशोरी कैलिफोर्निया के एक स्कूल में पढ़ती है। उसने कहा कि कोरोनावायरस जैसी महामारी पूरे विश्व में बहुत तेजी से फैल रही है। चूंकि बेघरों के पास धन और बुनियादी सुविधाओं की कमी है, इसलिए वह इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। शाह ने कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, 'बेघरों की आबादी के पचास फीसद लोगों की उम्र 50 या उससे ज्यादा है। इसका सीधा मतलब यह है कि ऐसे लोगों पर वायरस का सबसे अधिक खतरा है। इन्हीं चीजों को ध्यान में रखकर मैंने कम लागत वाली किट बनाई है। इस किट में सैनिटाइजर, हाथ धोने का साबुन, दोबारा प्रयोग हो सकने वाला मास्क शामिल है।'

वैकल्पिक गर्भगृह का काम पूरा, डीएम ने ट्रस्ट को सौंपा

रमाशरण अवस्थी, अयोध्या

- जनता कर्फ्यू के चलते रविवार से प्रस्तावित रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान टला
- अब सोमवार से शुरू होगा अनुष्ठान, बुधवार को वैकल्पिक गर्भगृह में होनी है रामलला की शिफ्टिंग

वैकल्पिक गर्भगृह में रामलला की शिफ्टिंग तो बुधवार को तड़के चार बजे होगी, पर गर्भगृह का निर्माण शनिवार को ही पूर्ण हो गया और जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने इसे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को सौंप भी दिया। इस बीच रविवार को जनता कर्फ्यू के चलते रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान टाल दिया गया है। अब यह अनुष्ठान सोमवार से शुरू होगा।

वैकल्पिक गर्भगृह में रामलला की शिफ्टिंग बुधवार को प्रस्तावित है। प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू किए जाने की तारीख पहले 20 मार्च तय की गई थी। बाद में तिथि संशोधन के साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से घोषित किया गया कि अनुष्ठान की शुरुआत रविवार को होगी और अब रविवार की भी तारीख टाल दी गई है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की शिफ्टिंग के लिए व्यापक तैयारी कर रखी हैं, पर कोरोना के संक्रमण की बढ़ती आशंका के साथ ट्रस्ट को अपने पैर पीछे भी खींचने पड़ सकते हैं। शिफ्टिंग के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी मौजूद रहने की बात कही जा रही है, लेकिन कोरोना से प्रदेश को बचाने के अभियान का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री को बुधवार तक अयोध्या आने की मोहलत मिल पाएगी, यह संभव नहीं लग रहा है।

432 वर्ग फीट का है वैकल्पिक गर्भगृह : मौजूदा गर्भगृह में श्रद्धालुओं को जहां 52 फीट दूर से रामलला के दर्शन का अवसर मिलता था, वहीं वैकल्पिक गर्भगृह में श्रद्धालु मात्र 24 फीट दूर से रामलला का दर्शन कर सकेंगे और उन्हें वैकल्पिक गर्भगृह में पीछे की दीवार छोड़कर बाकी तीन ओर से गुजरने का मौका मिलेगा। हालांकि उन्हें गर्भगृह के ठीक सामने से दर्शन का अवसर मिलेगा, पर वैकल्पिक गर्भगृह के प्रांगण में दाखिल होने के साथ ही रामलला की झलक मिलने लगेगी और यह सिलसिला सामने से दर्शन के बाद गर्भगृह के प्रांगण से निकलने तक बना रहेगा। वैकल्पिक गर्भगृह 24 फीट लंबा एवं 18 फीट चौड़ा यानी 432 वर्ग फीट में निर्मित है। यह 17 फीट ऊंचा होगा। हाई सिक्योरिटी जोन के रूप में संरक्षित किया जा रहा वैकल्पिक गर्भगृह वृहद लौह कवच से घिरा है।

प्रयास

देश में स्वच्छता में नंबर-एक शहर का अनूठा प्रयोग, ड्रोन से उड़ती फुहारों को लोगों ने कौतूहल से देखा

इंदौर में ड्रोन से छिड़का बायो केमिकल

नईदुनिया, इंदौर

देशभर में स्वच्छता में नंबर-एक रहने का डंका बजा चुके इंदौर नगर निगम ने शहर के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शनिवार को ड्रोन के जरिये वायरस नाशक बायो केमिकल का छिड़काव किया। पहले दिन शनिवार को नगर निगम मुख्यालय और उसके आसपास के बाजारों, सब्जी मंडी, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख बाजार राजवाड़ा चौक पर ड्रोन से केमिकल छिड़का गया।

निगम अधिकारियों का कहना है कि चीन समेत अन्य देशों में तो ऐसा प्रयोग हुआ है, लेकिन अपने देश में संभवतः पहली बार इंदौर में हो रहा है। उधर, उड़ते ड्रोन से केमिकल की फुहारें गिरती देख मंडी और बाजारों से गुजर रहे लोगों में भी कौतूहल दिखा और वे खड़े रहकर ड्रोन की कार्यप्रणाली देखते हुए देखे गए। कुछ ने निगम अफसरों से ड्रोन के संबंध में जानकारी मांगी।

कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित चोइथराम सब्जी मंडी में नगर निगम द्वारा ड्रोन से विषाणुरोधी दवाइयों का छिड़काव किया गया। राजू पवार

16 लीटर केमिकल भरा जा सकता है एक ड्रोन में

30 मिनट तक लगातार उड़ान भरकर 10 किमी क्षेत्र में कर सकता है छिड़काव

प्रतिदिन होगा छिड़काव

निगमायुक्त आशीष सिंह की पहल पर इंदौर के सघन बाजारों और क्षेत्रों को सैनिटाइज करने का काम लगातार किया जाएगा। एक ड्रोन में 16 लीटर केमिकल भरा जा सकता है और यह लगातार 30 मिनट तक उड़ान भरकर आठ से 10 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है। इसकी प्रत्येक आधे घंटे में बैट्री चार्ज करनी पड़ती है। छिड़काव के लिए निगम ने निजी कंपनी से किराये पर दो ड्रोन लिए हैं। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि जरूरत पड़ने पर निजी कंपनी से अतिरिक्त ड्रोन मांगे जाएंगे। शहर में सराफा, एमवाय अस्पताल, बड़े चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि जगह यह छिड़काव अब प्रतिदिन किया जाएगा।

इस दवा का छिड़काव

ड्रोन से सोडियम हाइपो क्लोराइड और बायो क्लीन केमिकल का छिड़काव किया गया है। इंदौर नगर निगम पहले भी इन दोनों केमिकल का मिश्रण कर ट्रेंचिंग ग्राउंड सहित अन्य स्थानों पर छिड़काव करता रहा है। निगमायुक्त आशीष सिंह के अनुसार यह केमिकल वायरस नाशी है।

ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली
चौथा तल, जीवन तारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओए नं. 685/2017
केनरा बैंक ... आवेदक
बनाम
मै. याहावो एक्सपोर्ट प्रा.लि. एवं अन्य ... प्रतिवादी
To,
1. श्री [illegible] (निदेशक/गारंटर) ...(प्रतिवादी नं. 02)
पुत्र श्री [illegible], निवासी [illegible], नई दिल्ली-110016

जबकि, उपरोक्त याचिकाकर्ता ने आपके खिलाफ रु. 58,11,236.63/- (रु. अट्ठावन लाख ग्यारह हजार दो सौ छत्तीस एवं तिरसठ पैसे मात्र) की वसूली के लिए वाद दायर किया है और जबकि अधिकरण को [illegible] बताया गया है कि सामान्य तरीके से आपको इसे तामिल करना संभव नहीं है। इसलिए विज्ञापन के जरिए आपको यह निर्देश देते हुए सूचित किया जाता है कि 16.04.2020 को पूर्वा. 10.30 बजे माननीय अधिकरण के समक्ष हाजिर होवें।

जान लिया जाए, कि इस अधिकरण में उपरोक्त तिथि को हाजिर नहीं होने की स्थिति में, मामले की सुनवाई की जाएगी एवं आपकी अनुपस्थिति में फैसला हो जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं इस अधिकरण की मुहर सहित 22 फरवरी, 2020.

अधिकरण के आदेशानुसार
कृते रजिस्ट्रार

90% मौसम की अति दशाओं की आवृत्ति और प्रवृत्ति जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही है। पिछले दशकों में इसी के चलते 90 फीसद से अधिक आपदाएं आई हैं। (यूएनडीआरआर 2015)

जल और जलवायु परिवर्तन

विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर विशेष

कोरोना से लड़ाई में इंसानों के लिए वरदान बनी सफाई जिस तरल के बूते संभव हो रही है, वह पानी है। पानी है तो पर्यावरण है, पर्यावरण है शुद्ध जलवायु है। शुद्ध जलवायु है तो इंसान का तन-मन स्वस्थ है। इंसान स्वस्थ है तो उसकी प्रतिरक्षा मजबूत है। शरीर का ये तंत्र मजबूत है तो कोरोना कमजोर रहेगा। पानी की महिमा अपार है। यह हमारा साझा संसाधन है। अमीर-गरीब, जाति, धर्म, नस्ल से परे जब हलक सूखता है तो सबको एक सी और एक ही तलब लगती है। वह है पानी। कल्पना कीजिए, अगर जरूरत पड़ने पर ये तरल आपको न नसीब हो। यह सच्चाई है दुनिया के उन एक तिहाई लोगों की, जिन्हें शुद्ध पेयजल नसीब नहीं होता है। आज भी दुनिया भर में 2.2 अरब लोग ऐसे हैं जिनको शुद्ध पेयजल मयस्सर नहीं है। आज विश्व जल दिवस है। पानी की एक-एक बूंद बचाने और इस अनमोल संसाधन के प्रति लोगों को जागरूक करने को लेकर 1993 से दुनिया में यह दिवस मनाया जा रहा है। इस बार की थीम है: जल और जलवायु परिवर्तन। ये दोनों मसले एक दूसरे से जटिलता के साथ गुंथे हुए हैं। जल बचाओगे तो जलवायु परिवर्तन पर रोक लगेगी और जलवायु परिवर्तन रुकेगी तो पानी संरक्षित रहेगा। हमारा पानी का इस्तेमाल ही बाढ़, सूखा, कमी और प्रदूषण की विभीषिका को तय करता है। जलवायु परिवर्तन पर पानी के असर को संतुलित करके हम स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकते हैं। इससे ही हम इंसानों के अनमोल जीवन को बचा सकते हैं। पानी के कुशल इस्तेमाल से हम ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी कम कर सकते हैं जो अंतत: जलवायु परिवर्तन की प्रमुख वजह है। ऐसे में विश्व जल दिवस (22 मार्च) के मौके पर आइए, हम सब संकल्पित हों कि पानी के कुशल इस्तेमाल से दुनिया की सबसे बड़ी समस्या जलवायु परिवर्तन को थामने के वाहक बनेंगे।

टिकाऊ प्रयासों की है दरकार

प्रो असित के. बिस्वास
चीफ एक्जीक्यूटिव, थर्ड वर्ड सेंटर फॉर वाटर मैनेजमेंट, मेक्सिको

1970 के बाद से भारत में पानी की स्थिति गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों ही तरह से कुप्रबंधन, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी, राजनीतिक नेताओं के निरंतर हस्तक्षेप, सार्वजनिक उदासीनता, और स्थानीय भ्रष्टाचार के कारण लगातार बिगड़ती गई है।

हर साल 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर पानी की महत्ता और इसके अनवरत प्रबंधन की हिमायत करना है। दुर्भाग्य से भारत में, जल प्रबंधन की करीब एक सदी से टिकाऊ राह नहीं रही है। 1970 तक की यहां की जनसंख्या 55 करोड़ थी, तब तक इसका प्रबंध किया जा सकता था। शहरीकरण कम था, इसी तरह से औद्योगिकीकरण और लोगों की अपेक्षाएं भी कम थीं। 2019 तक भारत की आबादी एक अरब 37 करोड़ पहुंच गई। यद्यपि इन 50 सालों में भारत की आबादी में 150 फीसद की बढ़ोतरी हुई।

पानी वह संसाधन है, जो हर मानवीय गतिविधि के लिए आवश्यक है। यह हमारे जीवित रहने से शुरू होकर के खाना बनाने, ऊर्जा उत्पन्न करने, पर्यावरण और पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने के साथ ही सभी औद्योगिक और आर्थिक गतिविधि के लिए जरूरी है। भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देने के लिए बेहतर, भरोसेमंद और टिकाऊ जल प्रबंधन प्रणाली की दरकार है।

लगभग सभी भारतीय शहरों में पानी की स्थिति में गिरावट के कई कारण हैं। ये पानी की कमी या विशेषज्ञता की अनुपस्थिति या उपलब्ध तकनीक की कमी या धन की कमी के कारण नहीं हैं, इसे लेकर बार-बार भारतीय राजनेताओं और नौकरशाहों को मुख्य कारण माना जाता है। विशेषज्ञता के मामले में भारत की पहुंच सिंगापुर के साथ समान स्तर पर है। सिंगापुर में उपयोग की जाने वाली सभी प्रकार की तकनीक वैश्विक बाजार में उपलब्ध हैं और पूंजी की कमी कभी भी वास्तविक बाधा नहीं रही है।

इसके विपरीत भारत की शहरी जल आपूर्ति में गड़बड़ी के दो मुख्य कारण हैं। पहला कारण है राज्य के मुख्यमंत्रियों का लंबे समय तक जल को लेकर निरंतर रुचि का अभाव। वे जल में उसी समय रुचि लेते हैं जब वहां पर भीषण सूखा पड़ता है या फिर बाढ़ आती है। एक बार जब ये घटनाएं खत्म हो जाती हैं तो अगले सूखे या बाढ़ तक जल में राजनीतिक रुचि भी खत्म हो जाती है। भारत में जल प्रबंधन तब तक नहीं सुधर सकता है, जब तक कि मुख्यमंत्री जल को प्राथमिकता नहीं देते हैं। यह दीर्घकालीन आधार पर निर्भर करता है।

इसकी तुलना सिंगापुर से करें, जहां पर मध्य पूर्व के रेगिस्तानी देशों के समान दुनिया का सबसे कम प्रति व्यक्ति अक्षय मीठा पानी उपलब्ध है, लेकिन यह भारत से काफी कम है। 1965-1992 तक सिंगापुर के प्रधानमंत्री रहे ली कुआन यू से मैंने कई बार चर्चाएं कीं। मैंने उनसे पूछा कि क्यों वे दुनिया के किसी भी देश के इकलौते प्रधानमंत्री हैं जो निरंतर रूप से पानी को लेकर रुचि रखते हैं। उनका जवाब बहुत ही सरल था। उन्होंने महसूस किया कि 1965 में सिंगापुर का सामाजिक और आर्थिक विकास विश्वसनीय जल आपूर्ति पर टिका है। 1965-1992 के दौरान उनके निजी ऑफिस में तीन अधिकारी थे, जिनका काम सभी नीतियों का जल के चश्मे से जांच करना था।

उनका मत था कि सिंगापुर के लिए पानी रणनीतिक संसाधन है और सभी नीतियों को पानी के लिए घुटनों में झुकना होगा। उनकी दृष्टि और उनके द्वारा स्थापित प्रणाली यह सुनिश्चित करेगी कि 2061 तक सिंगापुर पानी में पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो जाएगा, जब मलेशिया से पानी आयात करने की अंतिम संधि समाप्त हो जाएगी और तब तक इसकी मांग दोगुनी होने का अनुमान है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण, जो पहले की तरह ही भारतीय नीति निर्माताओं और जल पेशेवरों द्वारा लगातार अनदेखा किया गया है, यह है कि भारत के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में पानी का प्रबंधन कैसे किया जाता है। इन शहरों के मुख्य कार्यकारी आइएएस अधिकारी होते हैं, जिन्हें यह ज्ञात नहीं होता है कि कैसे दक्षतापूर्वक जल प्रबंधन किया जाए। साथ ही वे सीखने की कठिन अवस्था का सामना करते हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली जल बोर्ड के प्रमुख औसतन 18 महीने तक पद पर रहते हैं। बेंगलुरु में यह 12 से 14 महीने है। जब वे आते हैं तो महसूस करते हैं कि समस्याएं प्राथमिक रूप से राजनीतिक हैं और उनके पास सेवा करने के लिए बहुत कम वक्त है। जब तक वे इसे लेकर के जानकारी हासिल करते हैं और योजना बनाना शुरू करते हैं वे चले जाते हैं।

यदि भारतीय शहरों में पानी की अच्छी व्यवस्था चाहिए, जहां लोगों को सीधे नल से पानी पीने का आत्मविश्वास हो, तो इससे निपटने का एक ही समाधान है कि पेशेवर और कुशलता से उपयोगिताओं को उपलब्ध कराने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति को लगाया जाए। उन्हें प्रमुख प्रदर्शन हासिल करना होगा। यदि वे सफल होते हैं तो उन्हें 6-8 साल के लिए प्रमुख बने रहने दें। इसके बाद स्वतंत्र और सक्षम नियामक जो कि जल प्रबंधन की रूपरेखा स्थापित करे और इस प्रकार राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रहें।

दिल्ली या बेंगलुरु जैसे शहरों के लिए, ये कदम उनकी 60 फीसद पानी की समस्याओं को हल कर देंगे। यदि नहीं, तो भी 2050 तक भारत में कुशल शहरी जल और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली होने की संभावना नहीं है। मौजूदा व्यापक धारणा के विपरीत, भारत के शहरों में पानी संकट की मुख्य वजह पानी की कमी नहीं है तो क्या भारत जल प्रबंधन को लेकर बहुत ही बड़े संकट का सामना कर रहा है। ये दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं। भारत की जल समस्याएं एक दशक में सुधरने योग्य हैं। इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व और व्यावसायिक असामान्य समाधानों की आवश्यकता होगी। दुर्भाग्य से दोनों अपनी अनुपस्थिति से विशिष्ट हैं। ऐसे में विश्व जल दिवस भारत के नीति-नियंताओं के लिए सुधार का मौका है।

दो शहर अलग शऊर

दो शहरों दिल्ली और सिंगापुर की तुलना करें। 1970 में वे जल प्रबंधन के समान स्तर पर थे। इसके बाद, सिंगापुर के जल प्रबंधन में तेजी से सुधार हुआ है। 2000 तक, यह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ माना गया। इसके विपरीत, दिल्ली का जल प्रबंधन लगातार बिगड़ता गया है और अब तो यह कि विकासशील विश्व का सबसे खराब उदाहरण होने की प्रतिस्पर्द्धा कर सकता है, जो कि साओ पाउलो या शंघाई जैसे बड़े शहरों से भी काफी पीछे है।

जल है तो कल है

2.2 आबादी
दुनिया के हर तीन में से एक व्यक्ति को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं है। यानी 2.2 आबादी इस श्रेणी में आती है। (डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ 2019)

3.6 लाख
जलवायु से तादाम्य स्थापित करती जलापूर्ति और साफ-सफाई से हर साल हम 3.6 लाख नौनिहालों का जीवन बचा सकते हैं। (यूएन, 2018)

5.7 अरब
2050 तक दुनिया की 5.7 अरब आबादी ऐसे हिस्सों में रहने को अभिशप्त होगी, जहां साल में एक महीने पानी का गंभीर संकट रहेगा। इससे पानी के लिए अप्रत्याशित प्रतिस्पर्धा खड़ी होगी। (यूनेस्को, 2018)

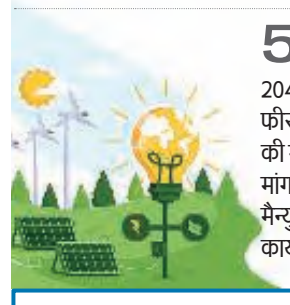

50%
2040 तक वैश्विक ऊर्जा मांग में 25 फीसद वृद्धि का अनुमान है। जबकि पानी की मांग में 50 फीसद से अधिक की मांग का अनुमान है। इसकी मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग, बिजली उत्पादन और घरेलू कार्य हैं। (आइईए 2018 यूनेस्को 2018)

50%
यदि हम पूर्व औद्योगिक स्तर से 2 की जगह 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ग्लोबल वार्मिंग को सीमित कर दें तो जलवायु परिवर्तन से पानी पर पड़ने वाले दबाव को 50 फीसद कम कर सकते हैं। (यूएन-वाटर 2019)

क्या किया जाए...

- अब इंतजार करने की कीमत हम नहीं चुका सकते। जलवायु को लेकर नीति बनाने वालों को अपनी कार्ययोजना में पानी की प्रभावी भूमिका रखनी होगी।
- जलवायु परिवर्तन से लड़ने में पानी मददगार हो सकता है। अब इसके टिकाऊ, सस्ते, लंबे समय तक चलने वाले जल और स्वच्छता से जुड़े समाधान मौजूद हैं।
- इस मुहिम में हम किसी की भूमिका अहम है। अपनी दिनचर्या में कोई भी आसान कदमों से जलवायु परिवर्तन रोकने में मदद कर सकता है।

पानी जलवायु परिवर्तन को करेगा परास्त

- नम और दलदली जमीन हवा में मौजूद कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित करती हैं।
- ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे और घास-फूस बाढ़ और मिट्टी के कटाव को रोकते हैं।
- सूखे दिनों के लिए बारिश के जल का भंडारण किया जा सकता है।
- एक बार इस्तेमाल या वेस्टवाटर का पुन: इस्तेमाल करना होगा।
- खेती की ऐसी तरकीबें इस्तेमाल की जाएं जो जलवायु के लिए मददगार हों।

निजी स्तर पर उठें कदम

कम समय तक स्नान करें
दस में से चार लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। 80 फीसद स्वच्छ जल का कभी भी शोधन नहीं किया जाता है। ऐसे में स्नान के समय को कम करके हम इस बहुमूल्य प्राकृतिक संपदा को बचा सकते हैं।

शाकाहारी भोजन को प्राथमिकता दें
अपनी दैनिक खुराक की पद्धति में बदलाव करके, पादपों से मिलने वाले आहार को प्राथमिकता देकर और जीव आधारित टिकाऊ भोजन के माध्यम से हम हर साल आठ गीगाटन कार्बन डाईऑक्साइड के समतुल्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन रोक सकते हैं।

स्लीपिंग मोड में छोड़े गए टेक गैजेट को ऑफ कर दें।
वर्तमान में 90 फीसद बिजली का उत्पादन पानी से जुड़ा हुआ है। जब हम अपनी डिवाइसों का इस्तेमाल न कर रहे हों, उन्हें स्विच ऑफ करके कम बिजली खपत करेंगे और अप्रत्यक्ष रूप से पानी बचाएंगे।

खाद्य पदार्थों की बर्बादी न करें।
एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में पैदा किए जा रहे खाद्य पदार्थों का एक तिहाई हिस्सा नष्ट हो जाता है या कचरे में फेंक दिया जाता है। अगर अपनी इस कमी को हम दूर कर लें तो कृषि को बोझ कम होगा। खेती ही पानी की सबसे बड़ी उपभोक्ता है।

टिकाऊ उत्पादों को ही खरीदें।
एक जोड़ी जींस को बनाने में दस हजार लीटर पानी की जरूरत होती है। इतना पानी एक व्यक्ति दस साल तक पीता है। इसलिए हमें उन्हीं उत्पादों का इस्तेमाल करने पर जोर देना चाहिए जो पर्यावरण के लिहाज से टिकाऊ हों। साथ ही जरूरत पूरी करें उन्हें जमा न करें।

आम और खास सबको जुटना होगा

डॉ अनिल प्रकाश जोशी
संस्थापक, हिमालयन एनवायरमेंटल स्टडीज एंड कंजरवेशन ऑर्गनाइजेशन, देहरादून

जल है तो जलवायु है। जल कम हुआ या रूप बदला तो जलवायु परिवर्तन का संकट खड़ा हुआ। बढ़ते जलवायु परिवर्तन ने जल किल्लत को और गहरा किया। दोनों के अंतर्संबंध और संतुलन को दुरुस्त करने की जरूरत है। इसमें आम और खास सबको जुटना होगा।

जल और वायु ही पृथ्वी पर जीवन तय करते हैं। ये जलवायु ही है जो पृथ्वी की सभी क्रियाओं को नियंत्रित करती है और एक पारिस्थितिकी चक्र की तरह व्यवहार करती है। दुर्भाग्य से हमसे प्रकृति के इस चक्र को ना समझने की गलती हुई है उसी ने प्रकृति के सारे प्रबंधन को हमारे हाथ से बाहर कर दिया। पारिस्थितिकी तंत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा जलचक्र है। मसलन अपने देश में मानसून दक्षिण भारत के समुद्री वाष्पोत्सर्जन के कारण आता है और उसी समय उत्तर भारत में बढ़ते तापक्रम के कारण वायु के दबाव बनते है तब मानसून की दिशा तैयार होती है। ये मानसून ही है जो प्रकृति का जीवन को पालने का सबसे बड़ा माध्यम है। मानसून उत्तर भारत में हिमखंडों से लेकर सब जगह वर्षा के माध्यम से नदियों, तालाबों, पोखरों व नालों तक पानी पंहुचाता है और इसके बेहतर संरक्षण का दायित्व प्रकृति ने वनों को दिया है। हमने अपने विकास के तथाकथित महत्वकांक्षाओं के चलते प्रकृति के इस चक्र पर चोट की जिसकी समझ हमें बहुत देर से आयी। आज पानी पूरी तरह से हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसका सबसे बड़ा कारण पृथ्वी के तापक्रम में अप्रत्याशित बढ़ोतरी का होना है। सुविधाओं के लिये अति ऊर्जा के उपयोग हुए और इस बढ़ती खपत ने पृथ्वी के संतुलन पर चोट की। इसका पहला सीधा बड़ा असर इस जलचक्र पर पड़ा और इसके साथ ही हमारी प्राकृतिक वनों के प्रति नासमझी ने हमसे वनों का एकतरफा नाश भी कराया जिससे पृथ्वी की जल संग्रहण क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ा। पानी हमारे बीच से धीरे धीरे गायब होता चला गया। देश दुनिया में पानी के सीधे उपयोग खेतीबाड़ी, घरेलू कार्य व उद्योगों में होते है। वर्षा का पानी ही इन सबका आधार होता है। जबसे जलवायु परिवर्तन व वैश्विक तापमान ने असर दिखाने शुरू किये जलचक्र पर इसका पहला और सीधा असर पड़ा और अपने ही देश में विभिन्न मौसमों के बदलते स्वभाव में ये साफ दिखाई देता है। बारिश के जलचक्र को जलवायु परिवर्तन ने गड़बड़ा दिया और अगर ऐसा ही लगातार होता रहा तो आने वाले समय में यह सब हम पर भारी पड़ने वाला है। देश का कोई भी हिस्सा हो, हमने जलचक्र में एक बहुत बड़ा असंतुलन पैदा कर दिया है जिसकी वापसी जल्द ही संभव नही है। यही समय है इन सब परिवर्तनों को महसूस करके आने वाली रणनीति जल व कल के लिये तैयार करें।

जनमत

हां 95% | 05% नहीं

क्या आप अपनी जरूरतों में इंसानी अस्तित्व के लिए अहम जल का कुशल इस्तेमाल करते हैं?

हां 70% | 30% नहीं

क्या पानी की बर्बादी देख इसकी किल्लत को लेकर भविष्य की तस्वीर आपको परेशान करती है?

आपकी आवाज

हितकारी संस्थाओं के बराबर सावधान करने के बावजूद भी हमेशा जल का अंधाधुंध दोहन और मनमाना दुरुपयोग किया जा रहा है। यदि हम अब भी नहीं चेते तो तरसाने और तड़पाने के स्तर तक इसका अभाव हो जाएगा। **गौरीशंकर**

पानी प्रकृति का नैसर्गिक उपहार है जिसे पाने का हक सभी को है, किन्तु यह सीमित संसाधन है। विडम्बना है कि क्या 'आम' और क्या 'खास' हर कोई जल प्रबंधन से इतर, इसका दुरुपयोग धड़ल्ले से कर रहा है, जल-संकट की भयावहता हमें तीसरे विश्व युद्ध की ओर धकेल रही है। **डॉ. हर्षवर्द्धन**

जैसी करनी वैसी भरनी। वर्तमान में जिस ढंग से पीने योग्य पानी को हम बर्बाद कर रहे हैं तो वह दिन दूर नहीं जब पानी के लिये ही कोई युद्ध छिड़ जाये। **मुन्ना स्वर्णकार**

अंतर्निहित है जल और जलवायु रिश्ता

भरत शर्मा
वैज्ञानिक एमेरिटस, अंतरराष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन समस्या पानी से अटूट रूप से जुड़ी है। इसने पानी के चक्र की परिवर्तनशीलता को बढ़ा दिया है। लिहाजा सूखा, बाढ़, पानी की कमी और टिकाऊ विकास व जैव विविधता को खतरा पैदा हो गया है।

मानव जाति सबसे खराब कोविड-19 तबाही का सामना कर रही है, जो प्रथमदृष्टया स्वयं की मूढ़ता से तैयार हुआ और अब हर देश इससे निपटने के लिए अपने संबंधित कौशल का इस्तेमाल कर रहा है। अब तक भारत ने इससे निपटने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। लेकिन यहां पर लंबे समय के लिए जल की कमी और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की ज्यादा गंभीर चुनौतियां हैं। पानी की बढ़ती मांग ने भूजल पंपिंग के उपयोग को बढ़ा दिया है। 2 करोड़ 20 लाख कुओं से हर साल 250 घन किलोमीटर पानी को पंप किया जा रहा है जो कि दुनिया में सबसे ज्यादा और सबसे कम टिकाऊ है। हर साल चेन्नई, शिमला, बेंगलुरु और लातूर में जल संकट और दूसरी ओर केरल, कश्मीर, गुजरात, असम और बिहार में बाढ़ जैसी घटनाएं लगातार व्यापक और तीव्र होती जा रही हैं। भारत में बाढ़ के कारण वार्षिक करीब 51,800 करोड़ रुपये का नुकसान होता है।

भारत में ताजे पानी का 80 फीसद से अधिक कृषि उपयोग में आता है। देश की कृषि योग्य भूमि का अनुमानित 70 फीसद हिस्सा सूखा, 12 फीसद बाढ़ और आठ फीसद चक्रवात से जूझ रहा है। जलवायु परिवर्तन से कृषि आय में 15 से 18 फीसद और वर्षा आधारित क्षेत्रों में 20 से 25 फीसद तक की कमी आ सकती है, जिससे उच्च मुद्रास्फीति, ग्रामीण क्षेत्रों में संकट और यहां तक कि राजनीतिक तनाव का सबब भी बनती है। कृषि उत्पादन भी जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है, इस हिसाब से भारत में कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 18 फीसद है। जब हम कृषि में खपत होने वाली बिजली, डीजल और उर्वरकों से जुड़े उत्सर्जन को जोड़ते हैं तो यह आंकड़ा 27 फीसद तक पहुंच जाता है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर की जलवायु नीति और योजना को जलवायु परिवर्तन और जल प्रबंधन को एकीकृत दृष्टिकोण में रखना चाहिए।

घरेलू स्तर पर नागरिकों को पानी का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करना चाहिए और कम से कम पानी का दुरूपयोग कम करना चाहिए। खेती के स्तर पर किसानों को जलवायु के लिए खेती की लिए बेहतर चीजों को अपनाना चाहिए और ज्यादा पैदावार का उत्पादन करना चाहिए। स्थानीय स्तर पर, उद्योगों को नियमित रूप से वाटर ऑडिट कराते रहना चाहिए और उत्पादन के प्रति इकाई वाटर फुट-प्रिंट को मापना चाहिए। तालाबों, गड्ढों और छतों पर जल संचयन के लिए काम करें और फसलों के चक्र को पानी की उपलब्धता के अनुसार बदलें। राज्य स्तर पर, सभी क्षेत्रों-घरेलू, उद्योगों, कृषि और पर्यावरण में जल प्रबंधन को वर्षा, सतह, जमीन और अपशिष्ट जल के सामंजस्यपूर्ण उपयोग के लिए एकीकृत किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर, सब्सिडी नीति को पुनः बनाने की आवश्यकता है, खरीद नीति को सभी क्षेत्रों में किसानों और उद्योगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। सभी क्षेत्रों में जल-उपयोग दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन की चुनौती के सामने पानी की कमी के प्रबंध के लिए निर्माण क्षमता और सभी स्तरों पर जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

दैनिक जागरण

किसी भी आपदा का मुकाबला मिलकर किया जा सकता है

जिंदगी बचाने की जंग

महामारी का रूप धारण कर चुके कोरोना वायरस के संक्रमण ने देश-दुनिया में जैसी भयावह परिस्थितियां पैदा कर दी हैं उनसे बचने के लिए हर किसी को बिना समय गंवाए चेत जाना चाहिए। इस महामारी से तभी लड़ा और बचा जा सकता है जब हर कोई उसमें अपना सहयोग दे और ऐसा करते समय बेहद सतर्क रहे-कुछ वैसे ही जैसे युद्ध के समय हमारे सैनिक रहते हैं। न डरना है और न डराना है, लेकिन सतर्कता में कोई कमी भी नहीं आने देनी है। थोड़ी सी भी लापरवाही कैसे घातक नतीजे दे सकती है, इसका उदाहरण इटली है। वहां हालात बेकाबू से हुए जा रहे हैं। भारत को बेकाबू हालात वाले दौर से बचना ही होगा और ऐसा तब होगा जब सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने के लिए हर किसी की ओर से हरसंभव कोशिश की जाएगी। इसी कोशिश को बल देने के लिए ही जनता कर्फ्यू की पहल की गई है। इसमें हर भारतीय को योगदान देना अपना नैतिक धर्म समझना होगा, क्योंकि इसके अलावा और कोई उपाय भी नहीं। चूंकि यह जिंदगी बचाने की जंग है इसलिए देश को इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए कि जनता कर्फ्यू को आगे भी बढ़ाना पड़ सकता है।

कोरोना वायरस से उपजी कोविड-19 नामक महामारी ने किसी एक समुदाय और देश ही नहीं, एक तरह से पूरी मानव जाति को एक ऐसे बड़े खतरे के सामने ला खड़ा किया है जिससे बचने में यदि कुछ कारगर हो सकता है तो यही कि हर कोई औरों से अलग-थलग रहना सीखे और इस दौरान कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने को लेकर अतिरिक्त सतर्क भी रहे। इसके लिए संयम और अनुशासन का पाठ हर क्षण-हर दिन पढ़ना होगा। हमें केवल अपनी और अपनों की ही परवाह नहीं करनी है, बल्कि इस पर भी निगाह रखनी है कि दूसरे लोग सावधानी बरतने से इन्कार तो नहीं कर रहे हैं? शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को भी उन्हें लेकर सावधान रहना चाहिए जो हाल में विदेश से लौटे हैं। हर किसी को इसकी चिंता करनी चाहिए कि ऐसे लोग स्वास्थ्य परीक्षण की आवश्यक प्रक्रिया का पालन करें। किसी को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि यह बीमारी उसे नहीं होगी। आखिर यह एक तथ्य है कि चंद दिनों के अंदर अपने देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या तीन सौ के आंकड़े को पार कर गई और जो लोग निगरानी में हैं उनकी भी संख्या बढ़ती जा रही है। निःसंदेह परिस्थितियां विकट हैं, लेकिन हौसला बनाए रखना है और इस संकल्प से लैस भी रहना है कि हम सबके सहयोग से जिंदगी बचाने की यह जंग जीत कर रहेंगे।

सावधानी में ही सुरक्षा

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सतर्कता सबसे अहम है। जहां सतर्कता होती है, वहां किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इस समय विश्वभर में कोरोना वायरस की दहशत है। इस वायरस से कई लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं कई लोग इस बीमारी की चपेट में हैं। कोरोना वायरस को महामारी घोषित किया जा चुका है। भारत भी इस महामारी से अछूता नहीं रहा। यहां 250 से अधिक लोग इस बीमारी की चपेट में हैं जबकि चार लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा हजारों लोगों को एकांत में रखा गया है। चिंताजनक है कि अभी तक इस बीमारी का इलाज नहीं खोजा जा सका है, लेकिन इससे डरने की नहीं, अपितु जागरूक होने की जरूरत है। इस वायरस को सतर्कता से हराना संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को संबोधित करते हुए 22 मार्च को जनता कर्फ्यू की अपील की थी। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भी इसका समर्थन करते हुए राज्य में जनता कर्फ्यू को सफल बनाने की प्रदेशवासियों से अपील की है। सुखद है कि राज्य के लोगों ने भी इस अपील का समर्थन किया है। इसकी झलक शनिवार को भी देखने को मिली। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने बारहवीं की शेष परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। कांगड़ा जिला प्रशासन ने सरकारी कार्यालय बंद कर दिए हैं। निजी स्कूलों व कॉलेजों में शिक्षकों को भी छुट्टी कर दी है। हेयर सैलून भी बंद कर दिए हैं। अब सिर्फ दवा, राशन सब्जी की दुकानें ही खुली रखने के आदेश हैं। सड़कों पर भी बहुत कम लोग देखे जा रहे हैं। हालांकि जनता की सुविधा को देखते हुए शनिवार को हिमाचल पथ परिवहन निगम ने कुछ बसें चलाईं, लेकिन रविवार को बसों की आवाजाही बंद कर दी गई है। लोग सरकार के निर्देशों का पालन कर रहे हैं, लेकिन अब लोगों को चाहिए कि किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। इस महामारी पर काबू पाने के लिए सभी का सहयोग अनिवार्य है। इसलिए हम सभी को जागरूक होना होगा। जब सभी लोग जागरूक होंगे, सरकार की हिदायतों पर अमल करेंगे तो संभव है कि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

महामारी पर काबू पाने के लिए सभी का सहयोग अनिवार्य है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी जागरूक हों और अपनी जिम्मेदार को भलीभांति समझें

सबसे बड़े संकट का मुकाबला

संजय गुप्त

हर आम और खास इस बात को समझे कि यह अकेले सरकार की नहीं, पूरे देश की लड़ाई है और इसमें हर किसी का सहयोग चाहिए

विश्व में कोरोना वायरस के संक्रमण की भयावहता बढ़ती ही जा रही है। भारत समेत पूरी दुनिया के लोग भविष्य को लेकर आशंकित हैं, क्योंकि इस वायरस के संक्रमण का शिकार होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कुछ दिनों पहले तक जो बीमारी चीन, ईरान और इटली के साथ चंद अन्य देशों में सीमित दिख रही थी उसने देखते ही देखते महामारी का रूप धारण कर 180 से अधिक देशों को अपनी चपेट में ले लिया है। जहां ढाई लाख से अधिक लोग संक्रमण का शिकार हो चुके हैं वहीं 11 हजार से अधिक की मौत हो चुकी है। हालांकि कई देशों के वैज्ञानिक कोरोना वायरस को आइसोलेट कर उसे निष्प्रभावी करने वाला टीका तैयार करने में जुट गए हैं, लेकिन उसकी उपलब्धता में एक साल का समय लग सकता है। तब तक देर हो चुकी होगी, क्योंकि कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। चिंता की बात यह है कि खतरा सामने दिखने के बाद भी तमाम लोग जरूरी सतर्कता का परिचय देने से इन्कार कर रहे हैं। ऐसा करके वे अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी खतरा पैदा कर रहे हैं।

कोरोना वायरस से संक्रमित लोग तब लापरवाही बरत रहे हैं जब प्रत्येक स्तर पर बार-बार दोहराया जा रहा कि हर कोई और खासकर विदेश यात्रा से लौटे लोग अपने को आइसोलेट करें और संक्रमण के लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्यकर्मियों से संपर्क करें। ऐसे जरूरी निर्देशों की अनदेखी किस तरह संकट को बढ़ाने और हालात को बेकाबू करने का काम कर रही है, इसका पता मशहूर गायिका कनिका कपूर के कारनामे से चलता है। वह पिछले हफ्ते लंदन से मुंबई होते हुए लखनऊ अपने घर आईं। उन्होंने खुद को अलग-थलग करने के बजाय पार्टियों में जाना शुरू कर दिया। वह तीन-चार दिन ऐसा करती रहीं। स्वाभाविक तौर पर उनके कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की खबर सामने आते ही हड़कंप मचा और उनके परिजनों-परिचितों के साथ उन सबकी तलाश और जांच शुरू हुई जो उन पार्टियों में गए जहां कनिका गई थीं। इसमें दो राय नहीं कि उनकी गैर जिम्मेदाराना हरकत ने एक बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है। दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक यह है कि कनिका सरीखे लोगों की कमी नहीं। देश के विभिन्न हिस्सों में विदेश से लौटे कई ऐसे लोग सामने आ रहे हैं जो या तो तय जांच प्रक्रिया से गुजरने से इन्कार कर रहे हैं या फिर खुद को अलग-थलग करने के बजाय इधर-उधर घूम रहे हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो अस्पताल से भाग जा रहे या फिर वहां विशिष्ट व्यक्तियों वाली सुविधाएं चाह रहे हैं। ऐसा करके वे संकट को बढ़ाने का ही काम कर रहे हैं। इनसे सख्ती से निपटने और उनकी निगरानी बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि वे सरकारों की कोशिश पर पानी फेरने का काम कर रहे हैं।

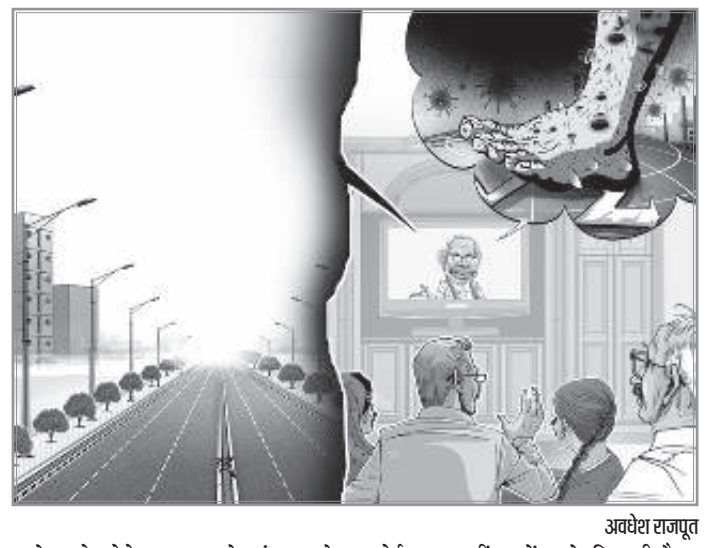

अवधेश राजपूत

देश को कोरोना वायरस के संक्रमण के व्यापक फैलाव वाले तीसरे दौर में जाने से रोकने के लिए वह सब कुछ युद्ध स्तर पर किया जाना चाहिए जो जरूरी है। इस खतरनाक वायरस के संक्रमण को रोकने में सफलता तभी मिलेगी जब आम जनता भी सरकारी तंत्र का सहयोग करेगी। हर आम और खास को यह समझना ही होगा कि यह अकेले सरकार की नहीं, पूरे देश की लड़ाई है और इसमें हर किसी का सहयोग चाहिए। यह सही है कि अभी अपने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के व्यापक फैलाव के संकेत नहीं दिख रहे हैं, लेकिन इसका खतरा हर दिन बढ़ता जा रहा है। संक्रमित लोगों की संख्या में वृद्धि कोई अच्छा संकेत नहीं। संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए ही प्रधानमंत्री ने देश के नाम संबोधन के जरिये जनता कर्फ्यू का एलान किया है। देशवासियों को संयम और संकल्पशक्ति का परिचय देते हुए जनता कर्फ्यू को सफल बनाना ही होगा, क्योंकि इसके अलावा और कोई उपाय नहीं। उन्हें इसके लिए भी तैयार रहना होगा कि जनता कर्फ्यू का विस्तार भी करना पड़ सकता है। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री ने देशवासियों से कुछ हफ्ते संयम का परिचय देने की अपील की। लोगों को यह समझना होगा कि भारत विशाल आबादी वाला देश है और हमारा स्वास्थ्य ढांचा ऐसा नहीं कि इतनी बड़ी आपदा का सामना कर सके। यदि हालात बिगड़े तो उन्हें संभालना कठिन हो सकता है। हालात बेकाबू न होने पाएं, इसकी चिंता हर किसी को करनी होगी।

यह समय संयम और अनुशासन का परिचय देने का है, न कि सरकारी तंत्र की खामियां गिनने और गिनाने का। इसी तरह यह समय अपनी और साथ ही दूसरों की सेहत की चिंता करने का भी है और वह भी पूरी सावधानी के साथ। एक तरह से अपना और दूसरों का बचाव करना हमारे अपने हाथ है। किसी को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि भारत में यह महामारी कम असर दिखाएगी। ईरान और इटली में जो हालात बने उनसे हमें चेत जाना चाहिए। इटली में जहां की स्वास्थ्य सेवाएं कहीं बेहतर हैं और जहां आबादी भी बहुत कम है वहां मौतों का आंकड़ा चीन को भी पार कर गया है। स्पष्ट है कि हम अपनी दिनचर्या पहले जैसी हर्गिज नहीं रख सकते। हर किसी की यह भी जिम्मेदारी है कि वह अपनी सेहत के प्रति सतर्क रहे और यह ध्यान रखे कि कोरोना वायरस से वे लोग आसानी से संक्रमित हो जा रहे हैं जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम है।

एक बड़ी कठिनाई यह भी है कि आर्थिक व्यावसायिक गतिविधियां थम सी जाने से दिहाड़ी मजदूरों और निर्धन तबके के अन्य लोगों को राहत कैसे दी जाए? यह अच्छा है कि इस दिशा में उत्तर प्रदेश समेत कुछ और राज्य सरकारों ने कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, लेकिन उन पर और गंभीरता दिखाने की जरूरत है, क्योंकि यही वह तबका है जिसे सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। निःसंदेह सेहत के संकट के साथ अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। अगर यह महामारी एक-दो माह में नियंत्रित नहीं हुई तो दुनिया मंदी की चपेट में आ सकती है। कुछ आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार यह मंदी एक-डेढ़ साल तक रह सकती है, लेकिन उनसे सहमत नहीं हुआ जा सकता। कमजोर अथवा मंदी से ग्रस्त अर्थव्यवस्था को डिजिटल तकनीक के इस युग में कहीं आसानी से पटरी पर लाया जा सकता है, लेकिन जिस वायरस का निदान नहीं उससे उपजे सेहत के संकट से बचना कठिन है और इसीलिए प्रधानमंत्री की इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि सामाजिक रूप से अलग-थलग रहना ही इस महामारी से बचने का कारगर उपाय है।

response@jagran.com

वायरस की तरह फैलती विशेषज्ञता

हास्य-व्यंग्य

पीयूष पांडे

विशेषज्ञ बाबू मानते हैं कि कोरोना के बारे में जितना उन्हें पता है, उतना शायद इस वायरस को भी नहीं पता

छोटा या बड़ा, वे कभी इस पचड़े में नहीं पड़े। उन्होंने कभी अपनी विशेषज्ञता पर घमंड नहीं किया। जिस तरह देश में मंदी यकायक प्रकट हुई है, उसी तरह उनकी विशेषज्ञता भी अचानक प्रकट हुई थी। वे कब, कैसे एक दिन एकाएक विशेषज्ञ बन गए, इस बात का सही-सही उन्हें उसी तरह नहीं पता, जिस तरह फेसबुक पर इश्क का नाटक कर रहे कई युवाओं को पता नहीं चलता कि वे वास्तव में इश्क में पड़ चुके हैं और इस चक्कर में कोई काम-धाम नहीं कर पा रहे। वे अलग-अलग वक्त भिन्न-भिन्न विषयों के विशेषज्ञ बने दिखाई देते हैं। जैसे आइपीएल के वक्त वे क्रिकेट एक्सपर्ट बन जाते हैं। बारिश के मौसम में उनका ज्ञान बाढ़ एक्सपर्ट के रूप में उफनने लगता है। कभी वे राजनीतिक विश्लेषक कहलाना पसंद करते हैं। उनका मानना है कि चूंकि स्कूली दिनों में ही उन्होंने हर एक विषय का बहुत गंभीरता से अध्ययन किया था, इसलिए वे स्वाभाविक रूप से हर एक विषय के ज्ञाता हैं।

इन दिनों वे कोरोना के एक्सपर्ट बने हुए हैं। उनका मानना है कि कोरोना के विषय में जितना उन्हें पता है, उतना शायद कोरोना वायरस को भी नहीं पता होगा। जिस तरह सामान्य व्यक्ति सिर्फ अपने बाप-दादा के विषय में ही जानकारी रखता है और बाकी पूर्वजों की जानकारी के लिए वंशावलियों का सहारा लेता है, वैसे ही उनका मानना था कि कोरोना वायरस सिर्फ एक-दो पीढ़ी पहले के अपने वायरस बाप-दादा के विषय में जानता होगा जबकि उन्हें हर किस्म के वायरस, उसके फैलने-उससे बचने के उपाय मालूम हैं। स्वयंभू विशेषज्ञ होने के बावजूद उन्हें सदा अफसोस रहा उन्हें टीवी पर विशेषज्ञ के रूप में नहीं बुलाया गया। अचानक एक दिन उन्हें चैनल से बतौर गेस्ट बुलावा मिल गया, क्योंकि आजकल चैनलों में समझदार मेहमानों का उसी तरह संकट है, जैसे बाजार में सैनिटाइजर की किल्लत। हर चैनल ढूंढ-ढूंढ के ऐसा मेहमान लाना चाहता है जो दर्शकों को कोई नई बात बता दे। चैनल जानते हैं कि दहशत की अपनी टीआरपी होती है। कोरोना की भी है और समझदार गेस्ट समझदारी भरी बात करते हैं।

स्वयंभू कोरोना विशेषज्ञ खुश हैं। शेयर मार्केट का सेंसेक्स भले औंधे मुंह गिर रहा हो, लेकिन उनकी एक्सपर्टीज का सेंसेक्स लगातार चढ़ रहा है। चूंकि तमाम हिंदुस्तानी हर बात में राय लेना खाना खाने जितना आवश्यक मानते हैं, इसलिए लोग अब उनसे राय ले भी रहे हैं। उनकी परेशानी सिर्फ यह थी कि किलो के भाव में ज्ञान होने के बावजूद उनकी पत्नी उन्हें एक्सपर्ट नहीं मानतीं। बाजार से सब्जी खरीदने से लेकर कूलर-एसी खरीद में उनकी एक्सपर्टीज को वैसे ही दरकिनार किया जाता था, जैसे जमानत जब्ती के बाद पार्टी नेता को दरकिनार कर देती है। पत्नी का मानना है कि बंदा कई मामलों का एक्सपर्ट हो जाए तो किसी का एक्सपर्ट नहीं रहता। एक्सपर्ट की विशेषज्ञता घर में ही खारिज हो जाए तो यह वैसा ही है कि हैकिंग के जानकार का अपना बैंक अकाउंट हैक हो जाए। हालांकि, 'घर की मुर्गी दाल बराबर' मुहावरा बरसों बरस से चलन में है, लेकिन घर की मुर्गी भी आखिर कब तक अपमान कराए?

कोरोना विशेषज्ञता के मामले में जब पहली बार चैनल के जरिये उन्हें मान्यता मिली तो उन्होंने पत्नी से पूछा कि अब तुम मुझे एक्सपर्ट मानोगी या नहीं? वह सीधे किचन में पहुंचे। किचन में घुसते ही गैस पर रखी कड़ाही से उठते हुए धुएं के चलते उन्होंने धुआंधार छींक मारीं। इससे पत्नी ने त्योरियां चढ़ाईं और कहा-'चलो, डॉक्टर के पास चेकअप के लिए। इधर-उधर घूमकर ज्ञान बांटते फिरते हो। मुझे डर लग ही रहा था कि तुम कोरोना-कोरोना करते हुए कहीं कोरोना घर लेकर न आ जाओ।' उन्होंने बहुत समझाया कि कोरोना के लक्षण ऐसे नहीं हैं। पत्नी गुस्से में थी। बोली-'लक्षण तो तुम्हारे भी एक्सपर्ट बनने के नहीं हैं, लेकिन तुम पर एक्सपर्ट बनने की सनक सवार है।' विशेषज्ञ बाबू अब अपनी विशेषज्ञता को दबाए हुए क्लिनिक में बैठे हैं।

response@jagran.com

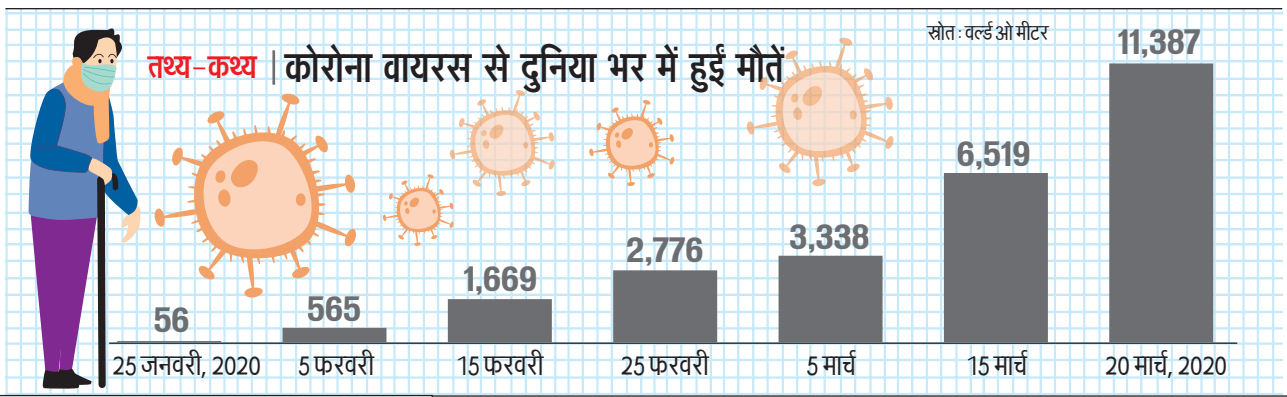

ऊर्जा

एकांत का सदुपयोग

कोरोना विषाणु ने इस समय पूरी दुनिया को भयाक्रांत किया हुआ है। चूंकि अभी तक इसका कोई कारगर उपचार नहीं तलाशा जा सका तो यही सलाह दी जा रही है कि किसी भी तरह इस संक्रमण की चपेट में आने से बचा जाए। इसके लिए स्वयं को अलग-थलग करना यानी अपने लिए एकांत चुनने का सुझाव दिया जा रहा है। इसे आप आत्मविश्लेषण के अवसर के रूप में लेकर स्वयं में सुधार की बुनियाद रख रख सकते हैं। एकांत एक सकारात्मक भाव होता है जो अवचेतन मन को जागृत कर स्वयं के सर्वश्रेष्ठ को अभिव्यक्त करने का निमित्त बनता है। व्यक्ति जब एकांत में होता है तब वह अपने गुण-दोषों पर मंथन करता है। समकालीन प्रतिस्पर्धी दौर में इसके लिए समय नहीं मिल पाता है। इससे न केवल व्यक्ति की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, बल्कि वह मानसिक रूप से उद्विग्न भी होता जाता है।

एकांत की स्थिति में आप अपने पास प्रेरित करने वाली चीजें रख सकते हैं। बस उस समय आपको अपनी समस्याओं को दूर रखना है। चिंता और चिंतन दिखते एक जैसे हैं, लेकिन उनके अर्थ में बहुत अंतर है। चिंता जहां व्यक्ति को आकुल-व्याकुल करती है। वहीं चिंतन व्यक्ति को सकारात्मक दृष्टिकोण देता है। चिंतन करते समय व्यक्ति अपने सर्वश्रेष्ठ को पा लेता है। जिस तरह कोरोना संक्रमण से बचने के लिए बार-बार साबुन से हाथ धोने जरूरी हैं, उसी तरह चिंता, तनाव और संकट से बचने के लिए भी चिंतन करना जरूरी है। यह चिंतन एकांत की स्थिति में ही संभव है, क्योंकि एकांत की स्थिति में आप बाहरी दुनिया से कट जाते हैं और अध्यात्म की स्थिति में पहुंच जाते हैं जिससे आपका मन मस्तिष्क खुल जाता है। ऐसे में यदि स्वयं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए आपको इस एकांत को चुनना पड़ रहा है तो इसे मानसिक सेहत को सुधारने का पड़ाव भी बनाएं।

रेनू सैनी

नए मर्ज में काम आती पुरानी दवा

मुकुल व्यास

चूंकि कोरोना के उपचार की कोई दवा विकसित नहीं हो पाई तो फिलहाल डॉक्टर पुरानी दवाओं को ही आजमा रहे हैं। इसके लिए वैक्सीन की खोज जारी है। करीब 20 वैक्सीन अभी विकास की अवस्था में हैं और एक वैक्सीन के जानवरों पर परीक्षण से पहले ही मनुष्यों पर ट्रायल शुरू हो गया है। शेष वैक्सीन जानवरों पर आजमाए जा रहे हैं। उनके नतीजे आने में अभी वक्त है।

यदि वैज्ञानिक कोई कारगर वैक्सीन बनाने में सफल भी हो जाते हैं तो भी उसका बड़े पैमाने पर उत्पादन करना एक बहुत बड़ी चुनौती होगी। यदि सब कुछ ठीक रहा तो अगले वर्ष के मध्य तक ही कोई वैक्सीन मिल पाएगी। कोरोना वायरस की चार किस्में पहले से मनुष्यों में प्रसारित होती रहती हैं जिनसे सर्दी-जुकाम होता है। इन वायरस के लिए हमारे पास कोई वैक्सीन नहीं है। कोरोना का इलाज करने के लिए डॉक्टर अभी इस समय उपलब्ध एंटी वायरल दवाएं आजमा रहे हैं। इबोला वायरस के लिए बनी दवा रेमडेसिविर ने कुछ उम्मीद जगाई है,

यदि कोरोना की कोई नई दवा विकसित भी होती है तब उसका बड़े पैमाने पर उत्पादन करना भी एक चुनौती होगी

लेकिन इसके ट्रायल के नतीजे अभी नहीं आए हैं। भारत में जयपुर के डॉक्टरों ने तीन मरीजों को एड्स की दवाओं से ठीक किया है। अमेरिका में कोविड-19 के इलाज के लिए मलेरिया की पुरानी दवा, क्लोरोक्विन पर परीक्षण चल रहे हैं जिनके नतीजों का इंतजार है। हालांकि परीक्षणों से पता चलता है कि यह दवा वायरस को मार सकती है।

फ्रांस में हुए एक अध्ययन से पता चलता है कि मलेरिया की दवा और एंटीबायोटिक दवा के मिश्रण से कोरोना वायरस से फैली कोविड-19 बीमारी को रोका जा सकता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटी माइक्रोबियल एजेंट्स पत्रिका में प्रकाशित शोध रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं ने इस महीने के आरंभ में मरीजों को मलेरिया-रोधी हाइड्रोक्सी- क्लोरोक्विन और एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन की खुराक दी थी। यह प्रयोग अस्पताल की सेटिंग में किया गया। इन मरीजों को एक मार्च से 16 मार्च तक हर रोज हाइड्रोक्सी-क्लोरोक्विन 600 एमजी की डोज दी गई। इन लोगों का प्रतिदिन वायरस लोड चेक किया गया और इन्हें एजिथ्रोमाइसिन की जरूरी डोज दी गई। शोधकर्ताओं ने प्रयोग की तुलना के लिए दूसरे सेंटर के ऐसे मरीजों को चुना जिन्होंने मलेरिया की दवा और एंटीबायोटिक दवा लेने से इन्कार कर दिया था।

शोधकर्ताओं ने प्रयोग के निष्कर्ष के लिए ट्रीटमेंट के छठे दिन वायरस की उपस्थिति और अनुपस्थिति को एक पैमाना माना। उन्होंने 20 मरीजों का ट्रीटमेंट किया। नतीजे चौंकाने वाले थे। ये दवाएं लेने वाले मरीजों में छठे दिन वायरस का लोड काफी कम हो गया। शोधकर्ताओं ने यह भी देखा कि हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन के साथ एजिथ्रोमाइसिन मिलाना ज्यादा असरदार साबित हुआ। इस बीच, चीन ने दावा किया है कि कोविड-19 के इलाज में जापान की नई एंटी फ्लू दवा कारगर सिद्ध हुई है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

सूचनाओं का कमजोर सिग्नल

पत्र सूचना कार्यालय यानी पीआइबी के तमाम औसत दर्जे के अफसर भी वर्षों से सरकार के तमाम अहम महकमों में जमे हुए हैं। इसके उलट रेल मंत्रालय उसके कई काबिल अफसरों के लिए भी मुश्किल का सबब बना हुआ है। पिछले एक साल में रेल मंत्रालय में भेजे गए पीआइबी के चार अफसरों की बदली हो चुकी है। इनमें तीन महिला अधिकारी शामिल हैं। अफसर जब तक मंत्रालय की कार्यशैली को समझता है तब तक उसकी विदाई का आदेश आ जाता है। बॉस के ऊपर तलवार लटकी रहने से मातहत अफसरों और कर्मचारियों का मनोबल और रसातल में जा रहा है। नतीजतन, जनसंपर्क विभाग का कार्य पत्रकारों को सूचनाएं उपलब्ध कराने के बजाय खानापूर्ति तक सीमित रह गया है। अब अधिकांश मामलों में पत्रकारों को सूचनाएं औपचारिक रूप से नहीं, बल्कि रेलवे के दूसरे स्रोतों से अधिक मिल रही हैं। इसलिए अगर रेलवे से जुड़ी खबरों में सूत्रों की भरमार मिले तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए।

सियासत में आफत

हर चीज को राजनीतिक चश्मे से देखना अक्सर भारी पड़ता है। संसद सत्र के दौरान एक बार फिर यह बात साबित हुई। कुछ दिन पहले राज्यसभा में विपक्षी दल के

राजरंग

एक नेता मास्क लगाकर आ गए। उनकी इस कवायद को कोरोना का राजनीतिकरण करने के मकसद से देखा गया। इस पर सभापति महोदय तक ने आपत्ति जता दी कि कहीं मास्क पहनकर आने वाले नेता कोरोना का डर दिखाकर सत्र स्थगन का दबाव तो नहीं बना रहे हैं। इसीलिए मास्क लगाकर आने वाले सांसद महोदय को फटकार भी सुननी पड़ी। बहरहाल इस घटना के तीन दिन बाद ही जब कई सांसद कोरोना के संदिग्ध होने की वजह से एकांतवास में चले गए तो सभी सांसदों को घबराहट महसूस हुई, क्योंकि एकांतवास में गए कई सांसद गत तीन दिनों से संसद में मौजूद थे। उनके बीच अफसोस के साथ यही चर्चा थी कि काश इस मामले को सियासी नजरिये से देखने के बजाय पहले ही संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई होती तो ऐसा डर नहीं दिखता।

घंटी की परवाह किसे

संसद में सियासी गपशप से लेकर गंभीर चर्चा का अड्डा माने जाने वाले सेंट्रल हॉल में बीते दो-तीन दिनों में जैसी वीरानी दिखी वैसी बीते कई दशकों में शायद ही देखी गई होगी। वजह कुछ और नहीं बल्कि कोरोना वायरस का खौफ है। सेंट्रल हॉल में अमूमन सत्र के दौरान पचास-सौ सांसद हमेशा चाय की चुस्कियों पर चिंतन-मंथन से लेकर गपशप करते रहते हैं, लेकिन बीते दो-तीन दिनों में वहां इक्का-दुक्का सांसद ही दिखे। जो मौजूद थे वे भी इस बात को लेकर सशंकित थे कि पता नहीं किसके साथ खड़े या बैठे होने का खामियाजा भुगतान पड़ जाए। सांसदों के कोरोना रडार पर आने के खतरों का असर ऐसा हुआ कि दोनों सदनों में शुक्रवार को सदन की कार्यवाही चलाने के लिए न्यूनतम जरूरी सांसद भी नहीं थे। सांसदों का कोरम पूरा करने के लिए घंटी भी बजानी पड़ी, मगर जब वायरस के खतरे की घंटी पहले से ही बजी हो तब भला कोरम की घंटी की परवाह कौन करता।

चिराग तले अंधेरा

कोरोना वायरस दुनिया भर की सरकारों के साथ विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं के लिए अभी भी अबूझ पहेली बना हुआ है। भारत में भी इसके कहर को थामने के लिए सभी स्तरों पर डॉक्टर-वैज्ञानिक मंथन में जुटे हैं ताकि इसके फैलाव को रोकते हुए अचूक इलाज का फॉर्मूला खोजा जा सके। संसद में शुक्रवार को ऐसी ही एक मंथन बैठक हुई जिसमें पेशे से डॉक्टर सभी सांसदों को बुलाया गया। तमाम पार्टियों के लोकसभा और राज्यसभा के करीब 25 डॉक्टर सांसद इसमें पहुंचे। हालांकि डॉक्टरों के साथ ही दूसरे विशेषज्ञों ने भी अपनी राय देने में कोई कोताही नहीं बरती। खासतौर से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के सवाल इस बैठक में छाए रहे। चूंकि तिवारी डॉक्टर नहीं वकील हैं तो उनके सवालों की तासीर भी अलग ही थी। उन्होंने कहा कि इसकी तह तक जाया जाए कि आखिर यह वायरस कैसे फैला? महाराष्ट्र से भाजपा के एक डॉक्टर सांसद ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि जिसने इसे फैलाया उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज हो। हालांकि यह बात अलग है कि ये माननीय अपने ही साथी सांसद दुष्यंत सिंह को समय रहते नहीं चेता सके।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

1973 में स्थापना की गई थी फिल्म समारोह निदेशालय की। दरअसल इसकी स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारतीय फिल्मों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था।

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

आजकल

यथास्थितिवाद के चक्रव्यूह में संस्कृति

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत संस्कृति का एक बेहद अहम हिस्सा फिल्म और उससे जुड़ी कलात्मक दुनिया आती है। फिल्म से जुड़ी कई संस्थाएं इस मंत्रालय के अंतर्गत आती हैं जो देश में फिल्म संस्कृति के विकास और उसको मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। इन संस्थाओं में यथास्थितिवाद कायम है। इसे समझना भी बहुत मुश्किल नहीं है। ऐसे कई तथ्य हैं जिनके जरिये इसे आसानी से समझा जा सकता है

जब आम बजट की तैयारी हो रही थी तो उस वक्त एक महत्वपूर्ण घटना घटी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यालय में देश के बड़े उद्योगपतियों के साथ बैठक की थी और उनके विचार जाने थे। जिस दिन प्रधानमंत्री इन बड़े उद्योगपतियों के साथ बैठक कर रहे थे उसी दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमरण एक दूसरी बैठक में थीं। वो भाजपा कार्यालय में थिंक टैंक के प्रतिनिधियों, भाजपा की पत्रिका 'कमल संदेश' के संपादकीय विभाग से जुड़े लोगों और शिक्षा संस्कृति के क्षेत्र में काम करनेवालों के साथ बैठक कर रही थीं। उस दिन सोशल मीडिया पर दोनों बैठकों की फोटो लगाकर कई लोगों ने तंज भी कसा था। यहां तक कहा गया कि बजट को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा से वित्त मंत्री को बाहर रखा गया। जब बजट पेश किया गया तो इसका असर दिखा। वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने जो बजट पेश किया उसमें शिक्षा और संस्कृति पर खासा ध्यान दिया गया। शिक्षा के बजट में पांच फीसद बढ़ोतरी की गई। संस्कृति मंत्रालय को 2018-19 की तुलना में करीब 200 करोड़ रुपये अधिक आवंटित किए गए। यानी शीर्ष स्तर पर संस्कृति को लेकर एक सोच है। इस बजट में ही इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज एंड कंजरवेशन बनाने की घोषणा भी की गई। घोषणाएं भी हुईं और बजट में अधिक धन भी मिला, लेकिन संस्कृति को लेकर क्या हालात है इस पर विचार करने की आवश्यकता है।

इस स्तंभ में संस्कृति को लेकर कई बार चर्चा भी की जा चुकी है और इस बात पर भी लिखा जा चुका है कि संस्कृति से जुड़े कई संस्थानों में अहम पद खाली हैं। खाली पदों की संख्या बढ़ रही है, नियुक्तियों में देरी हो रही है या हो नहीं रही है। दरअसल जब हम संस्कृति की बात करते हैं तो हमें सिर्फ संस्कृति मंत्रालय मात्र को ही नहीं देखना चाहिए। इसमें कई मंत्रालय आते हैं जिसको लेकर संस्कृति का वृत्त पूरा होता है। इन सबके सामूहिक प्रयासों से ही संस्कृति को मजबूती मिल सकती है या एक नई संस्कृति का विकास हो सकता है। इसमें प्रमुख रूप से संस्कृति मंत्रालय के अलावा सूचना प्रसारण मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विदेश मंत्रालय आते हैं। संस्कृति मंत्रालय और उससे संबद्ध संस्थाओं में खाली पड़े पदों की चर्चा कई बार हो चुकी है। उसमें संगीत नाटक अकादमी का अध्यक्ष पद और जुड़ गया है, क्योंकि शेखर सेन का कार्यकाल खत्म हो गया और नई नियुक्ति हुई नहीं।

फिल्म समारोह निदेशालय की स्थापना 1973 में की गई थी। भारतीय फिल्मों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई थी। इसको ही फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार देने की जिम्मेदारी भी दी गई थी जिसके अंतर्गत निदेशालय हर वर्ष अलग अलग श्रेणियों में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देते हैं। अब जरा इस संस्था पर गौर करते हैं। 11 अप्रैल 2018 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इसके निदेशक सी सेंथिल राजन को वापस उनके कैडर में भेज दिया था और उनकी जगह दूरदर्शन में अतिरिक्त महानिदेशक चैतन्य प्रसाद को इस पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। करीब दो साल बीतने को आए, लेकिन अब तक ये संस्था पूर्णकालिक अध्यक्ष की बाट जोह रहा है। चैतन्य प्रसाद दूरदर्शन और मंत्रालय के अपने दायित्व के अलावा इस काम को भी देख रहे हैं। जब कोई व्यक्ति किसी काम को अतिरिक्त संभालता है तो वो अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी के बाद बचे हुए समय में ही उसका निर्वाह कर पाता है।

पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के दौरान लगी आचार संहिता की वजह से राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन टला था। इस पुरस्कार को हर वर्ष तीन मई को दिए जाने की परंपरा रही है। जो पुरस्कार तीन मई को दिए जाने थे उसकी घोषणा ही अगस्त में हुई, जबकि चुनाव नतीजे 23 मई को आ गए थे। पुरस्कार दिसंबर में प्रदान किए जा सके। इस वर्ष भी अब तक पुरस्कारों के लिए जूरी की बैठक शुरू नहीं हो सकी है। पहले ये बैठक पांच मार्च से होने की बात सामने आई थी। जूरी बनने में देरी होने की वजह से इसको 15 मार्च तक के लिए टाल दिया गया। अब तो कोरोना की वजह से अनिश्चितकाल के लिए टल गया है। फिल्म समारोह निदेशालय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन भी करता है जिसके लिए दो साल से फेस्टिवल डायरेक्टर नहीं है। दो साल पहले सुनीत टंडन फेस्टिवल डायरेक्टर थे।

फिल्म समारोह निदेशालय के अलावा सूचना और प्रसारण मंत्रालय से संबद्ध फिल्म की अन्य संस्थाओं की स्थिति भी बेहतर नहीं है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के चेयरमैन नहीं हैं, प्रबंध निदेशक भी नहीं हैं। चिल्ड्रन फिल्म सोसायटी इंडिया में भी चेयरमैन का पद खाली है। भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे को जो सोसाइटी चलाती है उसमें भी कई सदस्य नहीं हैं। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सीईओ का पद भी लंबे समय से रिक्त है। ये सूची हो सकता है और लंबी हो। ये सब संस्थान ऐसे हैं जो किसी भी देश में फिल्म संस्कृति के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। प्रसार भारती में भी कोई चेयरमैन नहीं है और इसके पांच बोर्ड सदस्यों का पद भी खाली है। फिल्मों से इतर एक और संस्था भारतीय जन संचार संस्थान, जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आता है, वहां भी डायरेक्टर जनरल का पद खाली है। लंबे समय से चयन की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक नतीजा सामने नहीं आया है।

ये सब वही संस्थाएं हैं जिनको वामपंथियों ने अपने और अपनी विचारधारा को मजबूत करने और उसका दायरा बढ़ाने में उपयोग किया। आपातकाल में समर्थन के एवज में इंदिरा गांधी ने वामपंथियों को इन संस्थाओं को आउटसोर्स कर दिया था। उसके बाद से ही वामपंथियों ने इनको अपनी विचारधारा को बढ़ाने के औजार के तौर पर उपयोग करना शुरू कर दिया। इसका फल भी उनको मिला। वर्ष 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र में सरकार बनी तो वामपंथियों को ये आशंका सताने लगी थी कि इन संस्थाओं से उनका कब्जा खत्म हो सकता है। हालांकि ऐसा हुआ नहीं, लेकिन सवाल ये उठता है कि संस्कृति के लिए अहम इन संस्थाओं को लेकर केंद्र सरकार उदासीन क्यों हैं। बहुत संभव है कि अफसरशाही इस काम को होने नहीं देना चाहती है। अगर इन संस्थाओं में पूर्णकालिक चेयरमैन, निदेशक या अन्य पदों पर भर्तियां हो जाएंगीं तो अफसरों का दबदबा खत्म हो जाएगा। अफसरशाही तो हमेशा से चाहती है कि यथास्थितिवाद बना रहे और अगर उनके यथास्थितिवाद के मंसूबों को संरक्षण मिलता है तो फिर वो यथास्थितिवाद के देवता बन जाते हैं। नरेंद्र मोदी की जब सरकार आई तो उसके बाद जिस तरह के फैसले होने लगे थे तो उनको 'डिसरप्टर' कहा गया था। 'डिसरप्टर' मैनेजमेंट में उपयोग होनेवाला एक ऐसा सकारात्मक शब्द है जिसका उपयोग उसके लिए किया जाता है जो यथास्थितिवाद को चुनौती देता है। डिसरप्टर कोई व्यक्ति भी हो सकता है, कोई संस्था हो सकती है या कोई नई शुरुआत भी हो सकती है। हैरानी तब होती है जब राजनीतिक 'डिसरप्टर' की अगुवाई में ही कुछ मंत्रालयों में यथास्थितिवाद जड़ जमाकर बैठा है। क्या इन संस्थाओं में नियमित अध्यक्ष, निदेशक, प्रबंध निदेशक आदि की नियुक्ति रोकने के पीछे कोई संगठित मंशा है। क्या वामपंथ की ओर झुकाव रखनेवाले अफसर इस काम को येन-केन- प्रकारेण रोक रहे हैं। इस बात पर बहुत गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए, प्रशासनिक स्तर भी और राजनीतिक स्तर पर भी, क्योंकि प्रत्यक्ष रूप से भले ही फिल्म और उससे जुड़ी बातें राजनीति को प्रभावित नहीं करती हों, लेकिन परोक्ष रूप से वो राजनीति को भी और समाज को भी प्रभावित करती हैं।

फिर से

कोरोना को हराने वाली महिला

दुनिया भर में इस वक्त कोरोना वायरस के संक्रमण और उसके बचाव की ही चर्चा है। अमेरिका की एक महिला कोरोना वायरस से पीड़ित थी और उन्होंने इस वायरस को हरा दिया है। इस महिला ने दुनिया को बेहद साफ संदेश दिया और कहा कि घबराएं नहीं।

एलिजाबेथ श्नाइडर सिएटल में रहती हैं। बायो इंजीनियरिंग में पीएचडी कर चुकी 37 वर्षीय एलिजाबेथ कहती हैं कि वह अपनी कहानी लोगों को थोड़ी उम्मीद बांधने के लिए बता रही हैं। एलिजाबेथ भी कोरोना वायरस से संक्रमित हुई थीं और उन्होंने अपना इलाज खुद से घर पर किया। वह कहती हैं कि कोरोना वायरस से घबराने की जरूरत नहीं है, पर लापरवाही भी नहीं बरतनी चाहिए। वह कहती हैं कि हमें घर में रहना होगा, खुद को दूसरों से अलग करने के बारे में अतिरिक्त सतर्क रहने की आवश्यकता है।

दरअसल 25 फरवरी को एलिजाबेथ को फ्लू जैसे लक्षण महसूस होने लगे थे, तीन दिन पहले ही वह एक पार्टी में गई थी, बाद में पता चला कि उस पार्टी में शामिल होने वाले पांच और लोग संक्रमित हो गए। एलिजाबेथ ने बताया, 'जब मैं सोकर उठी तो थकान महसूस कर रही थी। यह उसी तरह से था जैसा कि आप उठते हैं और दफ्तर जाने के लिए तैयारी करते हैं। इससे पिछले वाले हफ्ते में थोड़ा व्यस्त भी थी।'

दोपहर तक उन्हें सिर में दर्द महसूस होने लगा, उसके बाद बुखार और बदन दर्द। वह एक बायो टेक्नॉलोजी कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर के तौर पर काम करती हैं। घर लौटने पर उन्होंने थोड़ी नींद ली और उठने पर पाया कि तेज बुखार है। उसी रात बुखार 103 डिग्री जा पहुंचा। वह कहती हैं, 'उसी समय मैं कांपने लगी, मुझे ठंड लगने लगी, शरीर में सिहरन महसूस होने लगी। उस वक्त मुझे थोड़ी चिंता होने लगी।'

एलिजाबेथ ने दवा की दुकान से फ्लू की दवा खरीदी और एक दोस्त को इस बात की जानकारी दी ताकि आपात स्थिति में उसकी मदद के लिए कोई रहे। लेकिन कुछ दिन बाद बुखार कम होने लगा। एलिजाबेथ ने कुछ दिनों के बाद पाया कि पार्टी में जाने वाले ज्यादातर लोगों को इसी तरह के लक्षण विकसित हुए और उसके बाद और उन्हें अधिक शक होने लगा। पार्टी में जाने वाले कई लोग फ्लू की शिकायत को लेकर डॉक्टर के पास गए, लेकिन उनकी कोरोना वायरस के लिए जांच नहीं की गई, क्योंकि उन्हें खांसी या फिर सांस लेने में कोई समस्या नहीं हो रही थी। एलिजाबेथ को जब महसूस हुआ कि उनका कोरोना के लिए टेस्ट नहीं होगा तो उन्होंने एक रिसर्च प्रोग्राम में इस उम्मीद के साथ दाखिला लिया कि कोरोना वायरस का जवाब मिल

जाएगा। इस शोध को करने वाली टीम ने एलिजाबेथ को एक नैजल स्वैब किट भेजा और उन्होंने अपना टेस्ट कर सैंपल वापस भेजा। एलिजाबेथ के मुताबिक, 'रिसर्च कोऑर्डिनेटर ने सात मार्च को बताया कि मैं कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाई गई।' हालांकि जब उन्होंने अपनी मां को यह बात बताई तो वह भावुक हो गई और रोने लगी। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने उन्हें सात दिन और घर पर आराम करने की सलाह दी और भीड़ वाले इलाके से जाने को बचने को कहा। एलिजाबेथ का संदेश सिर्फ इतना है, 'मैं कहना चाहती हूं कि घबराएं नहीं। यदि आपको लगता है कि आपको वायरस है तो टेस्ट कराएं। अगर लक्षण ऐसे हैं कि जीवन को खतरा नहीं है तो घर पर ही रहें। अधिक मात्रा में पानी पिएं और आराम करें।'

(डीडब्ल्यू से संपादित अंश, साभार)

ट्वीट-ट्वीट

कनिका कपूर के बचाव में कुछ लोग यह दलील दे रहे हैं कि उनके भारत लौटने के बाद भी लोग होली मनाने में मसरूफ थे, तो उन्हें याद दिला दिया जाए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई शीर्ष नेताओं ने होली से कई दिन पहले ही इस बार यह त्योहार न मनाने का एलान कर दिया था। दरअसल खतरे की गंभीरता तब ही स्पष्ट थी। इसके बावजूद कनिका ने लापरवाही दिखाई और उन लोगों ने भी जो इन पार्टियों में शामिल हुए।

निधि राजदान@Nidhi

अच्छी बात है कि लापरवाही के मामले में एक बॉलीवुड गायिका के खिलाफ पुलिस में एफआइआर दर्ज हुई, लेकिन क्या स्वास्थ्य आपदा को आमंत्रण देती दिल्ली में शाहीन बाग जैसी जगहों के मामले में भी कोई शिकायत दर्ज होगी। देखा जाए तो शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी आत्मघाती दस्तों की तरह अधिक व्यवहार कर रहे हैं।

सुशांत सरीन@sushantsareen

जनता कर्फ्यू को समर्थन देने के साथ ही हमें और भी उपाय करने होंगे। कोरोना पर काबू पाने के लिए सबसे बेहतर तरीकों को अपनाएं। इसके विषय में जागरूकता बढ़ाएं। परीक्षण का दायरा बढ़ाएं। सोशल डिस्टेंसिंग के अलावा पांच से सात दिन के राष्ट्रीय लॉकडाउन के साथ ही एकांतवास के लिए ज्यादा से ज्यादा व्यवस्था करें।

प्रशांत किशोर@PrashantKishor

स्पेनिश फ्लू, जापानी बुखार, जीका और इबोला जैसे तमाम वायरसों का नामकरण उन्हीं स्थानों पर किया गया जहां से वे उत्पन्न हुए। तब कोरोना को चीनी वायरस कहे जाने में क्या गलत है? चीन की नाराजगी की आशंका से डब्ल्यूएचओ इसे यह नाम देने से बच रहा है। असल में चीन अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहता है।

पल्की शर्मा@PalkiSharma@palkisu

रचनाकर्म

राहत की जिंदगी के रू-ब-रू

अमित तिवारी

लोकप्रिय शायर राहत इंदौरी के बारे में यह किताब वे बातें भी बताती है, जिन्हें लोग आम तौर पर नहीं जानते हैं...

पुस्तक : राहत साहब : मुझे सुनाते रहे लोग वाकिआ मेरा
लेखक : डॉ. दीपक रूहानी
प्रकाशक : रेडग्रैब बुक्स
मूल्य : 299 रुपये

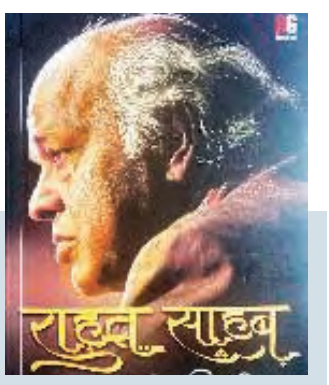

शायरी या मुशायरे की बात हो और राहत इंदौरी का नाम न आए, ऐसा हो नहीं सकता। उनकी गजलें दिल में कहीं गहरे तक चुभती हैं और आपको बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर देती हैं। इन्हीं राहत इंदौरी के जीवन की झलकियां दिखाती है डॉ. दीपक रूहानी की लिखी किताब- 'राहत साहब : मुझे सुनाते रहे लोग वाकिआ मेरा'। यह सिर्फ किताब नहीं है, बल्कि दस्तावेज है ऐसी कई घटनाओं और संस्मरणों का, जिन्हें हर कोई संजोना चाहेगा। यह सच है कि राहत इंदौरी जैसा व्यक्तित्व किसी एक किताब के पन्नों में नहीं समेटा जा सकता है, लेकिन सच यह भी है कि गंगाजल अगर किसी लोटे में रखा हो, तब भी उसमें पूरी गंगा जितनी ही पाकीजगी रहती है। यह जीवनी भी राहत इंदौरी के व्यक्तित्व के कई छुए-अनछुए पहलुओं को सामने रखती है। हिंदी-उर्दू भाषा और साहित्य में संतुलन बनाने के प्रयास में वर्षों से जुटे दीपक रूहानी ने राहत इंदौरी के जीवन से जुड़े तमाम लोगों से मिलकर उनके किस्सों के मोती चुने हैं और उससे यह खूबसूरत माला पिरोई है।

किताब में इंदौर और उसके आसपास के इलाकों के इतिहास और वहां की रवायतों की भी झलक दिखती है। डॉ. दीपक ने हर उस बात का बारीकी से ध्यान रखा है, जिसने कामिल को राहत इंदौरी बनाया। कम ही लोग जानते हैं कि राहत इंदौरी का बचपन का नाम कामिल था। बाद में राहत उल्लाह कुरैशी किया गया। किताब ऐसी ही कई बातें सामने रखती है, जिनसे अब तक कम ही लोगों का सामना हुआ है।

राहत इंदौरी ने कैसे सिनेमाहॉल के लिए फिल्मों के पोस्टर तैयार करने से काम की शुरुआत की थी और कैसे शायरी की दुनिया का सितारा बन गए, किताब करीब-करीब हर पहलू को छूती दिखती है। कहा जाता है कि साहित्य में दो तरह से भावनाएं आती हैं, एक सुने हुए यथार्थ से और दूसरी भोगे हुए यथार्थ से। राहत इंदौरी की रचनाएं उनके भोगे हुए यथार्थ का परिणाम हैं। उनकी रचनाओं में जो आग है, वह उनके परिवेश और जीवन के संघर्षों से मिली है। संघर्ष के दम पर स्वयं को स्थापित करने की ललक ही राहत उल्लाह कुरैशी को राहत इंदौरी बना देती है।

मंचों पर गजल पढ़ने का राहत इंदौरी का अंदाज लोकप्रिय है। वह बातचीत वाली शैली में गजल पढ़ते हैं। लेकिन पहले वह पहले तरन्नुम में गजल पढ़ा करते थे। उनका तहत (बिना गाए) में गजल पढ़ना शुरू करने का किस्सा भी खास है। मशहूर शायर कृष्ण बिहारी नूर ने एक बार राहत इंदौरी की एक गजल पर कहा था, 'यह गजल ऐसी है कि इसके लिए तरन्नुम की जरूरत ही नहीं है, तुम इसे तहत में ही सुनाओ।' वहीं से उन्होंने गजलों की ऐसी राह पकड़ी, जिसमें सब कुछ बस वैसा होता था, जैसा लोग आमतौर पर महसूस करते हैं। कृष्ण बिहारी नूर भी ज्यादातर तहत में ही गजल पढ़ा करते थे और उनका जो लोकप्रिय अंदाज था, उसकी झलक राहत इंदौरी के अंदाज में मिलती है।

किताब में राहत इंदौरी का वह दर्द भी दिखता है, जो उन्होंने पिछले 50 साल में मुशायरों और कवि सम्मेलनों में हुए बदलाव से महसूस किया है। वह कहते भी हैं कि आज के मुशायरे वैसे नहीं रहे, जैसे कुछ बरस पहले हुआ करते थे। मुशायरों में आने वाले 20 में 18 ऐसे हैं, जो अपना लिखा सुना भी नहीं रहे हैं।

बहरहाल, यह किताब राहत इंदौरी के बारे में ऐसे ही बहुत से किस्से कहती-सुनाती है। यह उन्हें समझने का मौका देती है। इसमें वसीम बरेलवी, और जफर गोरखपुरी जैसी तमाम हस्तियों का लिखा भी शामिल किया गया है। आखिर के पन्ने उनकी उम्दा गजलों से भी रूबरू कराते हैं। किताब उनके बारे में राय बदलती भी है और बनाती भी है। उन्होंने बहुत पहले कहा था, 'जरूर वो मेरे बारे में राय दे, लेकिन ये पूछ लेना कभी मुझसे वो मिला भी है?' यह किताब पाठकों को उनसे मुलाकात करने जैसा ही अनुभव देती है।

बावन सप्ताह का मंत्र

संजीव कुमार झा

कहते हैं कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और इसका कोई अंत नहीं होता। हालांकि करीब-करीब भौतिक हो चुकी आज की जिंदगी में सीखने की प्रक्रिया कॉलेज और यूनिवर्सिटी से डिग्री हासिल कर लेने के बाद क्षीण पड़ने लगी और फिर कॉरपोरेट कल्चर, दैनिक व मासिक लक्ष्य तथा नतीजों की एक्सल शीट में कुछ नया सीखने की संभावनाएं दम तोड़ने लगी हैं। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों में शीर्ष पदों पर आसीन एक दंपती ने इन्हीं आपाधापी और कॉरपोरेट कल्चर के बीच 52 सप्ताह के प्रयोगों के माध्यम से कुछ नया सीखते रहने और जिंदगी बदलने का ऐसा तरीका पेश किया है, जो हेल्दी, वेल्दी एंड वाइज होने का नया मंत्र साबित हो सकता है।

पुस्तक : 52 रेड पिल्स
संपादन : इका चतुर्वेदी बनर्जी व सिद्धार्थ बनर्जी
प्रकाशक : पैन मैकमिलन इंडिया
मूल्य : 350 रुपये

अपनी-अपनी कंपनियों के शीर्ष प्रबंधन का हिस्सा रहे इका चतुर्वेदी बनर्जी और सिद्धार्थ बनर्जी की जिंदगी उतनी ही भागदौड़ और आपाधापी वाली है, जितनी उनके समकक्ष किसी अन्य पेशेवर की हो सकती है। उन्होंने वर्ष 2018 के 52 सप्ताह में हर सप्ताह को किसी ऐसे लक्ष्य के लिए समर्पित किया, जिसे वे अपनी पेशेवर जिंदगी के इतर पाना या करना चाहते थे और जो उनके मुताबिक उन्हें और ज्यादा हेल्दी, वेल्दी एंड वाइज बना सकते थे। इसके लिए उन्होंने हर सप्ताह को अच्छी नींद, भोजन का विज्ञान, सुबह का सदुपयोग, ऊर्जा का समेकीकरण, चेतन-अवचेतन-चेतन का विज्ञान, शरीर और मन के बीच संतुलन के उपाय, त्योहारों का विज्ञान, खेल के दिग्गजों की तनाव सहने की क्षमता, एक कप कॉफी का आनंद, होम्योपैथी को समझना और इसी तरह के बेहद प्रभावी व दिलचस्प विषयों में बांटा और उन पर काम किया। वे उन विषयों के जानकारों से मिले, उन पर उपलब्ध साहित्यों का अध्ययन किया और निष्कर्ष पर पहुंचे। '52 रेड पिल्स' अध्ययन के लिए कम, बल्कि वर्क-बुक ज्यादा है। इसमें हर साप्ताहिक विषय के आखिर में पाठक के अभ्यास की गुंजाइश छोड़ी गई है, जो इसे नॉर्मन लुइस की बेहद मशहूर वर्क-बुक 'वर्ड पावर मेड ईजी' की तरह सुग्राह्य बनाती है।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या 'जनता कर्फ्यू' जैसे कदमों से कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी?

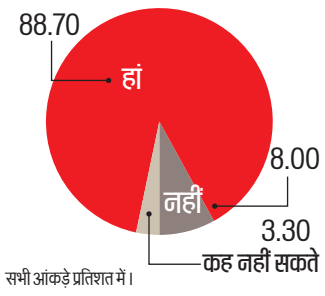

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या कोरोना के खतरे को देखते हुए सार्वजनिक आयोजन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

जनता कर्फ्यू है लगा घर में रहिए बंद,
बस इससे ही होयगी यह बीमारी मंद।
यह बीमारी मंद बचो मिलने से जितना,
अपने हित में आप करोगे अच्छा उतना।
युद्ध एक विकराल जबहिं कुदरत से ठनता,
आनी चहिए साथ देश की सारी जनता।

– ओमप्रकाश तिवारी

संजय मिश्र
स्थानीय संपादक, नवदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश डायरी

आसान नहीं होगी भाजपा की भी राह

कमल नाथ सरकार के त्याग पत्र देने के बाद यद्यपि भाजपा ने सत्ता की डोर थाम ली है, लेकिन उसके नेता और संभावित मुख्यमंत्री के लिए भी चुनौती कम नहीं है। एक तो उसकी भावी सरकार को भी एक स्थिर सरकार कहना जल्दबाजी होगी। इसका कारण विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के अनुपात में उसके पास बहुमत का न होना है। शेष कार्यकाल तक बहुमत बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। यह सरकार भी कई उन्हीं विधायकों के अंकगणित के सहारे खड़ी हो रही है जिन्होंने अपने स्वार्थ में पंद्रह माह तक कमल नाथ सरकार को परेशान रखा। एक तरह से अपनी मर्जी से उसे चलाने की कोशिश की। जितना चाहा उतना झुकाया, जब चाहा तब झुकाया। यही कारण है कि कानून व्यवस्था को लेकर हमेशा कमल नाथ सरकार कटघरे में रही। नई सरकार के मुखिया के लिए भी वे कम चुनौती नहीं हैं। नई सरकार बनने का श्रेय हासिल करने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया को संभालकर रखने के लिए भी उन्हें बड़े राजनीतिक कौशल का परिचय देना पड़ेगा। सिंधिया सत्ता में सशक्त हिस्सेदारी चाहेंगे और कांग्रेस के वचन पत्र में शामिल अपने वादों को पूरा करने का दबाव भी बनाएंगे। वित्तीय संकट के बीच विकास कार्यों को गति देना और कांग्रेस (सिंधिया) के वचन पत्र को महत्व देना लोहे का चना चबाने जैसा है। अतिथि विद्वानों के साथ कर्मचारियों के वेतन-पेंशन, बेरोजगारी भत्ता और किसानों की कर्ज माफी का प्रबंध करना भी बड़ी चुनौती है। पंद्रह माह से सत्ता से दूर भाजपा के कद्दावर नेताओं को एकजुट रखकर 24 सीटों पर उपचुनाव जितवाना भी आसान काम नहीं है। इन सीटों पर जीत-हार से भी नई सरकार का भविष्य तय होगा। अहम मुद्दा पूर्व की भाजपा सरकार की सामाजिक योजनाओं का भी है। शिवराज की संबल योजना में गरीब के लिए जन्म से लेकर आकस्मिक मौत तक त्वरित सहायता व अंतिम संस्कार के लिए धन उपलब्ध कराने का वादा अब खाली खजाने से कैसे पूरा होगा। प्रतिभावान छात्रों की कॉलेज फीस भरने की मेधावी योजना के लिए 15 सौ करोड़ रुपये कहां से आएंगे। कन्यादान योजना के लिए कमल नाथ सरकार ने सरकारी मदद की रकम 25 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रुपये कर दी, लेकिन बजट की कमी के कारण किसी को पैसा नहीं मिल पा रहा है। विभाग ने साढ़े सात सौ करोड़ रुपये का बजट मांगा है, जिसके लिए नई सरकार को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ेगा। लगभग ढाई लाख से ज्यादा संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण का मुद्दा भी बड़ा है। बेरोजगारों को चार हजार रुपये प्रतिमाह का भत्ता देने का मुद्दा भाजपा ने ही उठाया है, अब उसकी पूर्ति करने का काम भी नई सरकार का है।

अपनी शिकस्त के लिए खुद कांग्रेस जिम्मेदार : पिछले पंद्रह माह में ही मध्य प्रदेश के सियासी संग्राम में कांग्रेस मात खा गई। अपनी इस शिकस्त के लिए वह भाजपा को कोस रही है, लेकिन सच यह है कि इसके लिए वह खुद ही जिम्मेदार है। भारतीय राजनीति में मोदी फैक्टर आने के बाद से कांग्रेस को जैसे सांप सूंघ गया है। उसका नेतृत्व सिर्फ इस उम्मीद पर बैठा है कि एक दिन भारतीय जनमानस का मन बदल जाएगा और वह उसकी सभी गलतियों को माफ करते हुए उसे स्वीकार कर लेगा। राज्यों के क्षत्रपों पर उसका जैसे नियंत्रण रह ही नहीं गया है। मध्य प्रदेश का सत्ता संग्राम इसकी बानगी है। यह सच है कि कमल नाथ सरकार अपने ही अहंकार के कारण सत्ता से बाहर हो गई। यह सोचने वाली बात है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि उसके 22 विधायक एक साथ पार्टी को अलविदा कह गए। इन विधायकों ने प्रकारांतर से भले ही भाजपा की मदद कर दी है, लेकिन उससे अधिक वे कांग्रेस के लिए खाई खोद गए। यह विचारणीय है कि सत्ता का सामर्थ्य होने के बावजूद ऐसा क्या था कि कमल नाथ इन विधायकों को संभाल नहीं पाए और वे विधायक उस ज्योतिरादित्य सिंधिया के पाले में शुरू से अंत तक खड़े रहे, जिन्हें सरकार पंद्रह माह के अंदर समय-समय पर किनारे लगाती रही। इसे कोई जोड़-तोड़ या खरीद-फरोख्त भले कहे, लेकिन राजनीति में कोई इस तरह अपने नेता के प्रति समर्पण दिखाए, यह भी सामान्य घटना नहीं है। कमल नाथ और उनके साथी दिग्विजय सिंह लाख कोशिश के बावजूद उन तक पहुंच नहीं पाए। इनमें कई विधायक तो दिग्विजय सिंह के खास भी रह चुके हैं, लेकिन उन्होंने उनसे बात करना तो दूर, मिलना तक मुनासिब नहीं समझा। पूरे घटनाक्रम के लिए वे कमल नाथ से ज्यादा दिग्विजय को जिम्मेदार बता रहे थे। कमल नाथ ने बतौर मुख्यमंत्री अपनी अंतिम प्रेस कांफ्रेंस में 15 महीने के काम की तुलना 15 साल की भाजपा सरकार से कर डाली। उन्हें अधिकार है कि वे अपनी बात कहें, लेकिन पंद्रह माह की तुलना शिवराज सिंह चौहान की पंद्रह साल की सरकार से करना राजनीतिक बयान के सिवाय कुछ नहीं है।

सरकार के पतन के पीछे एक तथ्य यह भी है कि कांग्रेस नेतृत्व अपने क्षत्रपों की व्यूहरचना में खुद ही उलझ गया है। पंद्रह माह में ही दिग्विजय सिंह ने कमल नाथ के साथ मिलकर ऐसी लकीर खींची कि सिंधिया दूर होते गए और नेतृत्व अनजान बने बैठा रहा। इस लड़ाई में किसी ने सबसे अधिक गंवाया है तो कांग्रेस ने और उसके बाद कमल नाथ ने। कमल नाथ ने तो अपनी सत्ता ही गवां दी। इतना होने के बावजूद दिग्विजय ही ऐसे हैं जिन्होंने गंवाया कम, पाया ज्यादा।

कमल नाथ। फाइल फोटो

शिवराज सिंह चौहान। फाइल फोटो

1688 किसानों का ही पंजीकरण हो पाया है उत्तराखंड में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के लिए, जबकि प्रदेश में लघु और सीमांत किसानों की संख्या आठ लाख से अधिक है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 22 मार्च 2020

जम्मू कश्मीर

जागरूकता ही निवारण

केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले चिंता का विषय है। लद्दाख में तीन कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि होने के साथ इनकी संख्या 13 हो गई है। जम्मू कश्मीर में चार कोरोना मरीजों की पुष्टि से अब इनकी संख्या 17 तक पहुंच जाना खतरे की घंटी है। बेशक प्रशासन ने लोगों के एक-दूसरे से संपर्क से बचाने के लिए सभी शैक्षिक संस्थानों को बंद कर दिया है। यहां तक कि रूटीन के ऑपरेशन तक टल गए हैं।

वैश्विक महामारी से जूझ रहे जम्मू कश्मीर और लद्दाख में जिंदगी थम सी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को यानी आज के लिए लागू किए जाने वाले देश भर में जनता कर्फ्यू के आह्वान का असर इससे पहले ही दिखने लगा है। लोग भी अब घरों में रहने में ही अपनी भलाई समझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में धारा 144 लागू है। लेकिन अभी भी विदेश और दूसरे राज्यों से आने वाले लोग स्वास्थ्य विभाग का सहयोग नहीं कर रहे हैं। वैसे विडंबना यह है कि कुछ लोग इस वायरस की गंभीरता को समझ नहीं पा रहे हैं। बेशक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय लोगों को जागरूक करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। लेकिन जब तक लोग जागरूक नहीं होंगे, तब तक इस वायरस से आसानी से छुटकारा नहीं मिलेगा। अगर किसी भी व्यक्ति को बुखार या गले में खराशें, नाक से पानी बहने की शिकायत है, तो वे घबराएं नही, बल्कि स्वास्थ्य की जांच करवाएं। जरूरी नहीं कि हर व्यक्ति कोरोना से संक्रमित हो। कुल मिलकर देखा जाए तो जागरूकता से ही यह जंग जीती जा सकती है। विभाग को चाहिए कि अब वह इस संक्रमण को लेकर सख्त रवैया अपनाए।

देश दुनिया में कोरोना वायरस के रूप में जो खतरा आज हमारे सामने है उसे गंभीरता से लेने और मिलकर निपटने से ही इसका समाधान हो सकता है

बेशक सभी ट्रेनों को रविवार को बंद कर दिया गया है। लोग आपसी संपर्क में न आए, इसके लिए अंतरराज्यीय बसों को बंद कर दिया जाना भी सही कदम है। इससे लोगों का संपर्क नहीं होगा। सभी जानते है कि यह वायरस हाथ मिलाने से अधिक फैलता है। बेहतर होगा कि लोग सैनिटाइजर और मास्क का इस्तेमाल करें। प्रशासन को चाहिए कि आवश्यक वस्तुओं की कमी न होने दे। जो दुकानदार मुनाफाखोरी में विश्वास रखते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सोशल मीडिया पर इन दिनों अफवाहों का बाजार गर्म है। लोगों को भी चाहिए कि ऐसा कोई मैसेज फॉरवर्ड न करें जिससे लोगों में दहशत फैले। दरअसल जब तक किसी व्यक्ति को सोशल मीडिया के माध्यम से दहशत फैलने के कारण व्यक्तिगत स्तर पर किसी तरह का नुकसान नहीं होता है तब तक वह उसकी गंभीरता को नहीं समझता, जिसे समझने की जरूरत है।

बंगाल

सोने की तस्करी

एक तरफ पूरे विश्व में कोरोना वायरस को लेकर कोहराम मचा हुआ है। पूरे भारत के लोग आतंकित हैं। इधर बंगाल में भी शनिवार तक तीन कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान हो चुकी है। ऐसी विकराल महामारी वाले समय में भी अपराधी सक्रिय हैं। लोग कोरोना को लेकर परेशान हैं और अपराधी अपनी गतिविधियां में लगे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया हैं, जिसमें करोड़ों के सोने के साथ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

कोरोना वायरस को लेकर अंतरराष्ट्रीय से लेकर अंतरराज्यीय सीमाएं तक सील हैं। इसके बावजूद उत्तर 24 परगना जिले में भारत- बांग्लादेश सीमा के पास से 21 किलोग्राम सोना के साथ सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त अभियान में बनगांव के पास से इन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि बांग्लादेश से तस्करी कर लाए गए सोने को सीमा के भारतीय हिस्से में इच्छामती नदी के पास एक धान के खेत में छिपाकर रखा गया था। तलाशी अभियान के दौरान

प्रतीकात्मक।

21 किलोग्राम वजन की सोने की छड़ें और बिस्कुट बरामद होने के बाद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त सोने की अनुमानित कीमत लगभग 8.74 करोड़ रुपये बताई गई है। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, 2,65,580 बांग्लादेशी मुद्रा भी जब्त की गई है। आरोपितों पर सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यहां सवाल यह उठ रहा है कि सीमा पर इतनी चौकसी के बावजूद जब तस्कर आसानी से सोना लेकर आ सकते हैं तो और भी कई तरह की साजिशों को अंजाम दे सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील करने और बांग्लादेश व भारत की बीच चलने वाली बस-ट्रेनें और यहां तक कि विमान सेवा भी बंद कर दी गई है ताकि कोरोना वायरस से संक्रमित कोई भारत न आ सके। इन सबके बीच आखिर सोने की इतनी बड़ी खेप कैसे सीमा पार से पहुंच गई? जब सीमा के चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रहा थी तो फिर यहां सोना कैसे पहुंचा? बांग्लादेशी मुद्रा मिलने से यह भी प्रमाणित हो जाता है कि सोना सीमा पार से ही लाया गया था।

केंद्र व राज्य सरकारों को इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना होगा कि इतनी बड़ी आफत के बावजूद सीमा से तस्करी नहीं रुकी है। जब सोने और अन्य सामान इस तरह से भारत आ सकते हैं तो फिर लोग क्यों नहीं आ रहे होंगे? इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। वैसे तमाम सरकारी एजेंसियों को इस मामले में तब ही चेत जाना चाहिए था जब बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में कई हजार रुपये प्रति दस ग्राम की बढ़ोतरी हुई और फिर कुछ ही दिनों के बाद उसमें व्यापक कमी भी दर्ज की गई।

उत्तराखंड

विकास का विकेंद्रीकरण

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतों को अब ग्रामीण अंचलों में विकास और उसके लिए नीति नियोजन में अहम भागीदारी निभानी को तत्पर होने की जरूरत है। 15वें वित्त आयोग ने भी पंचायतों की इस भूमिका को माना है। यही वजह है कि अनुदान देने में आयोग ने उदारता तो दिखाई ही, साथ में कुछ हिदायतें भी दी हैं। आयोग की ओर से नए वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए राज्य की पंचायतों को करीब 574 करोड़ रुपये का अनुदान तय किया है। खास बात ये है कि इस धनराशि का 50 फीसद हिस्सा पेयजल और स्वच्छता पर खर्च करना होगा। अभी तक पंचायतों में पेयजल और स्वच्छता को लेकर संबंधित सरकारी महकमे ही योजनाएं बनाने और इसके क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। अब यह जिम्मा पंचायतों को उठाना होगा। वैसे भी खुले में शौच से मुक्ति हो या कूड़ा निस्तारण के बंदोबस्त, इन समस्याओं का निराकरण पंचायतें प्रभावी तरीके से कर सकती हैं।

पंचायतों को वित्त आयोग के माध्यम से उदारता के साथ धन मिलना प्रारंभ हो गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के आधारभूत ढांचे को सक्षम बनाया जाना चाहिए।

यह दीगर बात है कि पंचायतों की भूमिका को इस मामले में सशक्त बनाने से सरकारी तंत्र ने गुरेज किया है। यही वजह है कि आज तक त्रिस्तरीय पंचायतों में जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और ग्राम पंचायतों की अलग-अलग भूमिकाओं का खाका स्पष्ट रूप से तैयार करने की जरूरत महसूस नहीं की गई। इन तीनों ही पंचायतों के कार्यक्षेत्रों में स्पष्टता और तालमेल के लिए भी ठोस पहल नहीं हो सकी है। परस्पर तालमेल और एकदूसरे के कार्यक्षेत्र के बारे में भ्रमरहित जानकारी के बूते ही पंचायतें बेहतर तरीके से नीति नियोजन कर सकती हैं। पेयजल योजनाओं का निर्माण, उनकी आवश्यकता, जलापूर्ति के स्रोतों की देखरेख, प्रबंधन व सुरक्षा में पंचायतों की भागीदारी को मजबूत करने की आवश्यकता है। जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवीकरण में उनका सहयोग नितांत जरूरी है। इन दोनों ही क्षेत्रों में पंचायतों के लिए धन का प्रविधान आयोग की मंशा को जाहिर करता है। सरकारी तंत्र को भी इसके लिए सोच बदलनी होगी।

अधिकारों के साथ ही नीति नियोजन के विकेंद्रीकरण के बगैर यह सब संभव नहीं हो सकेगा। वर्तमान में त्रिस्तरीय पंचायतों की क्षमता विकास पर ध्यान देने की जरूरत है। वित्तीय, तकनीकी, नियोजन को लेकर विशेषज्ञता तो दूर की बात, सामान्य जानकारी का अभाव पंचायतों में नुमायां होता है। इस मामले में ग्राम पंचायतों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। जिला पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों की स्थिति भी अच्छी नहीं है। केंद्र हो या राज्य की सरकार, उनके लक्ष्यों की पूर्ति के लिए पंचायतों में कौशल विकास पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

झारखंड

सदन की गरिमा

अनेक राज्यों की विधानसभा में अक्सर ऐसी वारदातें होती हैं जिन्हें संसदीय परंपरा तो कतई नहीं कहा जा सकता है। इस तरह की गतिविधियां यह दर्शाती हैं कि सदन में जन प्रतिनिधियों के व्यवहार में अभी और सुधार लाने की जरूरत है।

झारखंड विधानसभा में शुक्रवार को जो भी हुआ, उसे संसदीय परंपरा के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता। इससे संसदीय गरिमा को ठेस ही पहुंची है। विधानसभा में विपक्ष के एक वरिष्ठ सदस्य ने जहां किसी खास दल के सदस्यों को भड़काने का काम किया, वहीं सत्ता पक्ष के भी एक सदस्य ने अपना आपा खो दिया। स्थिति यह हो गई कि कई सदस्य सदन की गरिमा भुलाकर वेल में एक-दूसरे से उलझ बैठे। हाथापाई की भी स्थिति होने वाली थी कि कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने स्थिति को संभाला। जिन सदस्यों को आम जनता अपनी आकांक्षाओं के साथ चुनकर विधानसभा भेजती है, उनसे निश्चित रूप से ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती। जनता को उम्मीद रहती है कि उनके जनप्रतिनिधि सदन में अपने क्षेत्र से जुड़ी

प्रतीकात्मक।

समस्याओं को उठाएंगे। महत्वपूर्ण मुद्दों और विषयों पर न केवल चर्चा होगी, बल्कि उनका समाधान भी निकलेगा।

ऐसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए सदन में सदस्यों को निर्धारित समय ही मिलता है। ऐसे में बेवजह विवाद में समय जाया करना ठीक नहीं कहा जा सकता। कोरोना के वर्तमान संकट में सदन भी इसलिए चल रहा है, ताकि जनता से जुड़े विषयों पर गंभीर चर्चा हो सके। सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों पर सरकार का जवाब आ सके और विभिन्न विभागों के बजट पर सकारात्मक बहस हो सके। सत्र शुरू होने से पहले सदस्यों के लिए दो दिनों का प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया गया था। उसमें भी सभी सदस्यों से सदन के समय का सदुपयोग करने और सार्थक वाद-विवाद का सुझाव दिया गया था। राज्यसभा के उपसभापति ने उसमें इतना तक कहा कि यदि विधायिका के अधिकारों का अतिक्रमण हुआ है, तो इसके लिए सदस्य ही जिम्मेदार हैं।

उम्मीद है कि विधायक इन सभी बातों को समझेंगे और सदन के समय का सदुपयोग जनता से जुड़े विषयों के समाधान के लिए करेंगे। आने वाले दिनों में कुछ विधेयक भी पटल पर रखे जा सकते हैं। इन विधेयकों पर सदन में सार्थक चर्चा हो, ताकि आवश्यक कानून बन सके। साथ ही, कोई अनावश्यक कानून जनता पर थोपा नहीं जा सके।

281 करोड़ की आइटीसी चोरी पकड़ी

जागरण संवाददाता, मेरठ

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग की कर अपवंचन शाखा ने 281 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) क्लेम का पर्दाफाश किया है। शनिवार को इस मामले में दिल्ली के रोहिणी इलाके से गिरफ्तार तीन लोगों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इसके पहले 19 मार्च को मेरठ में सीजीएसटी की कर अपवंचन शाखा ने नई दिल्ली, मेरठ, लखनऊ और मुरादाबाद में 23 स्थानों पर सर्च किया था। इसमें नई दिल्ली के रोहिणी स्थित कार्यालय से फर्जी इनवाइस का जखीरा पकड़ा गया था। कार्यालय का संचालक प्रदीप कुमार इस पूरे मामले का मास्टर माइंड है। शहजाद और सज्जाद उसके सहायक के तौर पर कार्य करते थे। सहायक आयुक्त अंकित गहलौत ने बताया कि प्रदीप के कार्यालय से मिले रिकार्ड की जांच के बाद सामने आया कि उसने 1707 करोड़ की इनवाइस जारी की। इसके लिए 650 फर्म कागजों पर बना रखी थीं। इनके पतों पर माल भेजा जाना दिखाया गया था। 23 स्थानों पर हुई सर्च की 14 लोकेशन मेरठ की थीं। टीम जब इनवाइस पर लिखे पते पर पहुंची तो वहां पर कुछ नहीं था। आयरन, पान मसाला, ग्रेनाइट, टेक्सटाइल जैसे कुल 60 आइटमों को फर्जी फर्मों को बेचा जाना दर्शा कर 281 करोड़ का इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल किया गया। वास्तव में न ही कोई माल होता न ही कहीं भेजा जाता था। जिन फर्मों को टैक्स देना होता था वह इस फर्जी आइटीसी का समायोजन दिखाकर टैक्स नहीं जमा करती थीं। शनिवार को स्पेशल सीजेएम की अदालत में अभियुक्तों को पेश किया गया जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

1707 करोड़ रुपये का बिल बना कर कागजों में ही किया माल का लेन-देन

प्रदीप का नामी-गिरामी कंपनियों से संपर्क

बीकॉम पास प्रदीप कुमार का कई नामी-गिरामी कंपनियों से संपर्क है। इनके लिए वह कार्य करता था। प्रदीप एक छोटे से कार्यालय, जिसमें दो कंप्यूटर और प्रिंटर थे से इतनी बड़ी रकम का खेल कर रहा था। उसके साथ कार्यालय में काम करने वाले शहजाद और सज्जाद आपस में चाचा-भतीजे हैं। सहायक आयुक्त ने बताया कि जांच अभी जारी है जिसमें फर्जी आइटीसी की रकम 300 करोड़ से अधिक हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल वाले सीडीआरआइ से ब्रिटेन भी जुड़ा

नई दिल्ली, एएनआइ : दैवी आपदा के बाद की स्थितियों से निपटने के लिए भारत के नेतृत्व वाले ग्लोबल कोएलिशन फॉर डिजास्टर रिजीलेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआइ) की गवर्निंग काउंसिल में ब्रिटेन भी शामिल होगा। ब्रिटेन ने इस मुद्दे पर भारत के साथ आने की शनिवार को पुष्टि कर दी। यह गठबंधन बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। इसमें विभिन्न देशों की सरकारों, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों, बैंकों, निजी क्षेत्र की कंपनियों और शिक्षा व शोध संस्थानों को जोड़ा जाएगा।

सीडीआरआइ की संरचना में गवर्निंग काउंसिल ही संस्था की सर्वोच्च नीति नियंता होगी। इसकी अध्यक्षता भारत और एक अन्य देश के प्रतिनिधि द्वारा की जाएगी। यह सहयोगी देश हर दो साल में बदलता रहेगा। काउंसिल की पहली बैठक में अध्यक्षता करने वाले प्रतिनिधि की हैसियत से ब्रिटेन के कारोबार, ऊर्जा और औद्योगिक मामलों के मंत्री आलोक शर्मा भाग लेंगे। नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने बताया है कि कोरोना वायरस से पैदा महामारी के चलते वीडियो लिंक के जरिये लंदन से मंत्री आलोक शर्मा नई दिल्ली में होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के प्रमुख सचिव पीके मिश्र के साथ वार्ता में शर्मा ने सीडीआरआइ की बैठक में शामिल होने का मौका मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की है। शर्मा 2020 की संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण में सुधार के लिए आयोजित होने वाले सम्मेलन की अध्यक्षता भी कर रहे हैं।

उत्तराखंड में गति नहीं पकड़ पा रही किसान मानधन योजना

राज्य ब्यूरो, देहरादून

- आठ लाख किसान, पीएमकेएमवाई में पंजीकरण सिर्फ 1700 का
- लघु व सीमांत कृषकों के लिए यह स्वैच्छिक व अंशदायी पेंशन स्कीम
- अब अगले माह से राज्यभर में शुरू किया जाएगा जनजागरण अभियान

> योजना का ज्यादा से ज्यादा किसान लाभ उठा सकें, इसके मद्देनजर अगले माह से जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। योजना में कम पंजीकरण के कारणों की पड़ताल की जाएगी। कोई दिक्कत है तो उसे दूर कराया जाएगा।
>
> -सुबोध उनियाल, कृषि मंत्री, उत्तराखंड सरकार

केंद्र एवं राज्य सरकारों का फोकस भले ही खेती-किसानी पर हो, लेकिन विभिन्न योजनाओं के प्रति किसानों को जागरूक करने के मामले में वह तेजी नजर नहीं आ रही जिसकी दरकार है। उत्तराखंड में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना को लेकर तो यही तस्वीर नुमायां हो रही है। राज्यभर में लघु एवं सीमांत किसानों की संख्या आठ लाख से ज्यादा होने के बावजूद इस पेंशन स्कीम के लिए सिर्फ 1688 किसानों का ही पंजीकरण हो पाया है। ऐसे में सिस्टम की नीयत पर भी सवाल उठना लाजिमी है। हालांकि, अब सरकार ने अगले माह से इस योजना को लेकर जनजागरण अभियान चलाने का निश्चय किया है, ताकि ज्यादा किसान इससे लाभान्वित हो सकें।

लघु एवं सीमांत किसानों को सामाजिक सुरक्षा कवच देने के मकसद से केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष नौ अगस्त को प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के नाम से वृद्धावस्था पेंशन योजना प्रारंभ की। यह स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है, जिसमें शामिल होने की आयु 18 से 40 वर्ष है। असल में खेती-बाड़ी के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है और वृद्धावस्था में यह संभव नहीं हो पाता। यह समस्या लघु एवं सीमांत किसानों के लिए और भी बड़ी होती है, क्योंकि उनके पास बुढ़ापे में मामूली बचत होती है। गौरतलब है कि इस योजना में शामिल किसानों को 60 साल की आयु होने पर तीन हजार रुपये की मासिक पेंशन देने की व्यवस्था है। इसमें प्रीमियम भी 50 फीसद केंद्र सरकार और इतना ही किसान को देना होता है।

किसानों के लिए बेहतर योजना होने के बावजूद यह उत्तराखंड में गति नहीं पकड़ पा रही है। स्थिति ये है कि राज्य में सीमांत एवं लघु किसानों की संख्या 807877 होने के बावजूद योजना के तहत अभी तक सिर्फ 1688 किसानों का पंजीकरण ही हो पाया है। योजना को लेकर प्रचार-प्रसार और इससे किसानों को जोड़ने के मामले में सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं है। वहीं, विपक्ष भी इसे लेकर सरकार पर सरकार उठाता रहा है। हालांकि, अब सरकार ने इस योजना को गंभीरता से लेने की ठानी है।

सीआरपीएफ के जवान ने शिविर में स्वयं को गोली मारी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में स्थित नागरिक सचिवालय परिसर में शुक्रवार देर रात केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने खुद को गोली मार ली। सीआरपीएफ और पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सचिवालय परिसर के भीतर सीआरपीएफ की 23वीं वाहिनी का एक शिविर है। परिसर की सुरक्षा का जिम्मा यही वाहिनी संभाल रही है। शुक्रवार आधी रात के बाद तकरीबन 12:30 बजे अचानक शिविर में गोली चलने की आवाज सुनाई दी। शिविर में मौजूद जवानों और आस-पास के लोगों को लगा कि आतंकवादी हमला हुआ है। इस बीच, अन्य जवान मौके पर पहुंचे तो हेड कांस्टेबल दिलबाग सिंह को खून से लथपथ पड़ा पाया। आनन फानन में दिलबाग को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया।

केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल के सूत्रों ने हेडकांस्टेबल दिलबान पर किसी तरह के ऑपरेशनल दबाव से इन्कार करते हुए कहा कि वह किसी घरेलू दिक्कत के कारण तनाव में था। वह बीते कुछ समय से बीमार था और उसका उपचार भी चल रहा था।

सीमा सड़क संगठन ने उत्तरी सिक्किम के लिए तीस्ता नदी पर बना पुल खोला

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने तीस्ता नदी पर 360 फीट लंबे बैली सस्पेंशन ब्रिज को यातायात के लिए खोल दिया है। यह पुल सिक्किम में चुंगथांग के समीप है। सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में इस आशय की जानकारी दी गई है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'उत्तरी सिक्किम में लाचेन के निवासियों को राहत देने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने शनिवार को चुंगथांग कस्बे के समीप मुंशिथांग में तीस्ता नदी पर बने 360 फीट लंबे बैली सस्पेंशन ब्रिज को यातायात के लिए खोल दिया है।'

विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है, '758 सीमा सड़क टास्क फोर्स (बीआरटीएफ) की 86 सड़क निर्माण कंपनी (आरसीसी) ने अक्टूबर 2019 में पुल का निर्माण शुरू किया था और जनवरी 2020 में यह पूरा हो गया।' पुल तक आने वाली सड़क का निर्माण भी किया गया है।

पिछले वर्ष जून में बादल फटने के कारण उसी स्थान पर बना 180 फीट लंबा स्टील ब्रिज पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इससे उत्तरी सिक्किम जिले में आवाजाही पर बुरा असर पड़ा। बाद में सेना के प्रतिबंधित इलाके से संपर्क मार्ग खोला गया था।

उत्तरी सिक्किम में मुंशिथांग में तीस्ता नदी पर बनाया गया पुल यातायात के लिए खोले जाने के बाद उससे गुजरता वाहन। प्रेट्र

तैयारी

इंडो-यूरोपियन यूनियन की ओर से शोध कार्य के लिए एएमयू को मिली परियोजना, स्मार्ट सिटी योजना के तहत लगाया जाएगा पहला संयंत्र

एएमयू बनाएगा देश का पहला प्राकृतिक स्लज शुद्धिकरण संयंत्र

संतोष शर्मा, अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) देश का पहला ऐसा फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) लगाएगा, जो बिना बिजली के चलेगा। यूरोपियन तकनीक से बनने वाले इस संयंत्र में सेप्टिक टैंक (मलकुंड) से निकलने वाला स्लज विशेष तरीके के पौधों से शुद्ध होगा। अलीगढ़ में गंदे पानी की सफाई और स्लज के शुद्धीकरण के लिए छह संयंत्र लगाए जाएंगे। स्मार्ट सिटी योजना के तहत पहला संयंत्र लगाया जाएगा।

एएमयू को इंडो-यूरोपियन यूनियन की ओर से शोध कार्य मिला है। इसमें भारत की 10 और यूरोपियन देशों की 12 संस्थाएं शामिल की गई हैं। भारत की 10 संस्थाओं में राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान नागपुर, नमामि गंगे आइआइटी खड़गपुर, आइआइटी धनबाद, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अरबन अफेयर्स दिल्ली, सिम्बिओसिस

प्रतीकात्मक

इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी पुणे के अलावा कुछ और संस्थाएं शामिल होंगी। एएमयू के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रो. नदीम खलील ने बताया कि पूरी परियोजना पर 28 करोड़ खर्च होंगे। इसमें भारत सरकार का विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग आठ करोड़ और यूरोपियन कमीशन 20 करोड़ देगा।

परियोजना के तहत अलीगढ़ में छह संयंत्र लगेंगे। पायलट परियोजना के तहत पहला संयंत्र क्वार्सी बाइपास पर निगम की जमीन पर लगेगा। स्मार्ट सिटी योजना के तहत एएमयू और नगर निगम में इसका करार हुआ है। यह संयंत्र 15 मीटर क्यूसेक (15 हजार लीटर) प्रतिदिन की क्षमता वाला होगा। शहर से हर रोज 85 मीटर क्यूसेक स्लज निकलता है। संयंत्र में 20 से 30 टैंकर स्लज का इस्तेमाल होगा।

स्विंग्स तकनीक की तरह पौधों करेंगे स्लज शुद्ध : एएमयू में सेफगार्डिंग वाटर रिसोर्सेस इन इंडिया विद ग्रीन एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी (स्विंग्स) से लगे संयंत्र की तरह यह काम करेगा। स्लज शुद्ध करने के लिए विशेष प्रकार के दो मीटर तक की ऊंचाई वाले पौधे सात क्यारियों में लगाए जाएंगे। स्लज को इन्हीं क्यारी से गुजारा जाएगा। इस तकनीक को फ्रेंच रीड बैड सिस्टम कहते हैं। स्लज को सूखने के बाद खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। 15 हजार लीटर स्लज में दो हजार लीटर पानी निकलेगा, जिसे क्यारी में ही डाला जाता रहेगा। यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी।

जरूरत : सेप्टिक टैंक से निकलने वाला मलबा उच्च अति संवेदनशील होता है, जो वातावरण के संपर्क में आते ही तेजी से क्रिया करता है। इसमें बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) की मात्रा 800 से 12000 मिलीग्राम प्रति लीटर होती है। जबकि सीवर में बीओडी की मात्रा 150 से 250 मिलीग्राम प्रति लीटर होती है। इसे नाले में डालने पर नाले का पानी ही दूषित होता है। खेत में भी नहीं फेंक सकते। इसलिए इसका शुद्धिकरण जरूरी है। जल शक्ति मंत्रालय और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी कहा है कि हर शहर में स्लज को साफ करने की व्यवस्था की जाए।

लाभ : इस मलबे में बीमारी जनित फीकल नाम का बैक्टीरिया होता है। किसान इसके संपर्क में आने पर बीमार हो सकते हैं। यह फूड चेन को भी प्रभावित करता है। इस लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

ताजमहल के गुबंद की सफाई का काम शुरू

जागरण संवाददाता, आगरा

ताजमहल बनने के 372 वर्षों में पहली बार उसके गुंबद की सफाई की जा रही है। मडपैक तकनीक से इसे साफ करने का काम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की रसायन शाखा ने शुरू कर दिया है। सितंबर के अंत तक इस काम को पूरा कर लिया जाएगा।

ताजमहल संगमरमर से बना है। पत्थर भी सलामत रहे और सफाई भी हो जाए, इसकी सबसे अच्छी विधि मडपैक है। इसमें मुल्तानी मिट्टी का लेप किया जाता है। लेप पत्थर पर जमी गंदगी को सोख लेता है। लेप के सूखने पर उसे धो दिया जाता है। कोरोना वायरस के चलते ताजमहल 31 मार्च तक के लिए बंद है। इधर, पर्यटन सीजन भी खत्म हो गया है। इस समय को विभाग सफाई के लिए माकूल मान रहा है। शुक्रवार को गुबंद पर पाड़ बांधने का काम शुरू कर दिया गया है।

ताजमहल। फाइल

पर्यटन सीजन अक्टूबर से शुरू होता है। अगर कोरोना वायरस के चलते कोई व्यवधान नहीं आता है तो गुंबद पर मड पैक का काम सितम्बर के अंत तक कर लिया जाएगा। इस काम पर करीब 30 लाख रुपये व्यय होंगे।

3 घंटे तक हवा में रह सकते हैं खांसी व छींक से निकले कोरोना वायरस के कण। अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीजेस के वैज्ञानिकों ने अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है।

रंजन गोगोई : नई कुर्सी, नई पारी

चर्चित चेहरा

विकास तिवारी, नई दिल्ली

कई महत्वपूर्ण मामलों में फैसले सुनाने वाले देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई बीते दिनों एक बार फिर सुर्खियों में आ गए। वजह थी राज्यसभा में उनका मनोनयन। एक नजर असम के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेसी नेता केशब चंद्र गोगोई के पुत्र रंजन गोगोई के अब तक के सफर की कहानी पर...

देश के 46वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) रंजन गोगोई फिर चर्चा में हैं। 17 नवंबर, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए गोगोई को दशकों से लंबित अयोध्या मामले, राफेल विमान सौदे समेत तमाम बड़े मामलों पर फैसला सुनाने के लिए देश हमेशा याद रखेगा, लेकिन इन दिनों वह इसलिए सुर्खियों में हैं क्योंकि उन्होंने बतौर सांसद नई पारी शुरू की है। राष्ट्रपति ने गत दिनों गोगोई को राज्यसभा के सदस्य के रूप में नामित किया था। उनके मनोनयन पर विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं।

असम के डिब्रूगढ़ जिले के समाजसेवी और अधिवक्ता केशब चंद्र गोगोई और शांतिप्रिया गोगोई के घर 18 नवंबर, 1954 को जन्मे रंजन की प्रारंभिक शिक्षा डॉन बोस्को स्कूल में हुई। इसके बाद वह पढ़ाई के लिए दिल्ली आ गए और सेंट स्टीफन कॉलेज से इतिहास विषय में स्नातक किया। इसके बाद कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान उनके पिता ने विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीते। वर्ष 1982 में वह दो महीने राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे। राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद रंजन गोगोई ने राजनीति में कदम नहीं रखा। 1978 में उन्होंने गौहाटी हाई कोर्ट में रजिस्ट्रेशन करवाया और वकालत शुरू कर दी। 28 फरवरी, 2001 को उन्हें गौहाटी हाई कोर्ट का स्थाई न्यायाधीश बना दिया गया। करीब 10 साल तक कार्यरत रहने के बाद 2010 में गोगोई का पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया। 12 फरवरी, 2011 को वह मुख्य न्यायाधीश बना दिए गए। 23 अप्रैल, 2012 को वह सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में प्रोन्नत होकर दिल्ली आ गए। करीब छह साल बाद तीन अक्टूबर, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें दीपक मिश्रा के स्थान पर देश के प्रधान न्यायाधीश की शपथ दिलवाई। इस पद पर पहुंचने वाले वह पहले असमी रहे। स्वभाव से मृदुभाषी गोगोई बेहद सख्त मिजाज के न्यायाधीश माने गए।

तत्कालीन सीजेआइ के खिलाफ प्रेस कांफ्रेंस कर खोला था मोर्चा: गोगोई ने 12 जनवरी, 2018 को रोस्टर प्रणाली में भेदभाव का आरोप लगाते हुए खुले मंच से सुप्रीम कोर्ट के कामकाज पर सवाल उठाए। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया। इसके लिए उन्होंने बाकायदा तीन अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों संग प्रेस कांफ्रेंस की।

गोगोई इसके बाद देश में एक तरह से नायक बनकर सामने आए। माना जा रहा था कि प्रेस कांफ्रेंस कर न्यायपालिका की अंदरूनी व्यवस्था पर सवाल उठाने के बाद वह देश का प्रधान न्यायाधीश बनने का मौका खो सकते हैं, क्योंकि उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में जो बातें कहीं उससे सीधे तौर पर तो प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर सवाल खड़े हो रहे थे, लेकिन कहीं न कहीं मोदी सरकार भी लपेटे में आ रही थी। गोगोई की कही बातों को विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी ने उस समय खूब भुनाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचकों ने तो गोगोई की कही एक-एक बात को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था।

बेजा है कांग्रेस का विरोध: रंजन गोगोई के राज्यसभा में मनोनयन पर विपक्षी दल खासकर कांग्रेस पार्टी ज्यादा विरोध कर रही है। विरोध के नाम पर विपक्ष ने शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाए। सदन से वाकआउट तक कर दिया। वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने यहां तक कह डाला कि उन्हें (रंजन गोगोई) ईमानदारी से समझौता करने के लिए याद किया जाएगा, पर यह विरोध बेजा है। देश के 11वें मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद हिदायतुल्लाह देश के छठे उपराष्ट्रपति (31 अगस्त 1979 से 30 अगस्त 1984) के तौर राज्यसभा के चेयरमैन की भूमिका निभा चुके हैं। इतना ही नहीं देश के 21वें मुख्य न्यायाधीश रंगनाथ मिश्रा को पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। फिर उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया। ध्यान रहे मिश्रा ने ही 1984 के सिख विरोधी दंगों में आरोपित कांग्रेस नेताओं को फरवरी 1987 में क्लीन चिट दी थी। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रहे एमएस गिल को राज्यसभा भेजा और उन्हें मंत्री बनाया।

रोचक और अनोखा है बहरुल इस्लाम का मामला: न्यायाधीश बहरुल इस्लाम का मामला तो अनोखा भी है और रोचक भी। बहरुल इस्लाम सर्वोच्च न्यायालय में वकालत करते थे। 1962 में वह पहली बार असम से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए। दूसरी बार 1968 में फिर राज्यसभा पहुंचे, लेकिन कार्यकाल खत्म होने से पहले ही तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें तत्कालीन असम और नगालैंड हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त कर दिया। इसके बाद वह सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। 1983 में सेवानिवृत्त होने के तुरंत बाद उन्हें तीसरी बार कांग्रेस पार्टी ने राज्यसभा भेज दिया।

विरोध की वजह: रंजन गोगोई को राज्यसभा में नामित करने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, जस्टिस दीपक मिश्रा का खुला विरोध करने के बाद भी गोगोई ही देश के प्रधान न्यायाधीश बने, लेकिन बेहद संवेदनशील अयोध्या मामले और राफेल विमान सौदे से जुड़े दो मामलों में उनकी अगुआई वाली पीठ द्वारा दिए गए फैसले विपक्ष को रास नहीं आए।

इसलिए सही है मनोनयन: राज्यसभा में सरकार की ओर से गणमान्य लोगों को मनोनीत किया जाता है। वर्तमान में भी मनोनीत सांसदों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोग हैं, लेकिन इनमें कोई न्यायविद नहीं था। सरकार ने गोगोई को इसीलिए चुना क्योंकि वे देश के मुख्य न्यायाधीश रहे हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में निर्णय दिए हैं। उनके आने से राज्यसभा में बहस को नई धार मिलेगी और उच्च सदन को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा।

यौन उत्पीड़न समेत कुछ विवादों में भी घिरे: सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहते हुए गोगोई के साथ कुछ विवाद भी रहे। इसके चलते उन्हें आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। पहला विवाद उस समय सामने आया जब उन्होंने बहुचर्चित सौम्या हत्याकांड और दुष्कर्म के दोषियों की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदल दिया। गोगोई पर सुप्रीम कोर्ट की महिला कर्मचारी ने यौन शोषण करने का आरोप लगाया था।

देश का पहला एनएसटीआइ

बदलती तस्वीर

शशांक शेखर भारद्वाज, कानपुर

कानपुर के गोविंद नगर स्थित एटीआइ परिसर में निर्माणाधीन एनएसटीआइ की बिल्डिंग। जागरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2016 में कानपुर के गोविंद नगर स्थित एटीआइ परिसर में आइआइएस का शिलान्यास किया था, लेकिन कुछ बदलाव के साथ इसे एनएसटीआइ कर दिया गया। देश के इस पहले एनएसटीआइ में अप्रैल से शुरू होने जा रही है पढ़ाई। आइए जानते हैं इस संस्थान के बारे में...

शिक्षा के क्षेत्र में भारत नित्य नए आयाम स्थापित कर रहा है। अब इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण इबारत लिखी जानी है। दरअसल, अप्रैल से देश के पहले नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआइ) में पढ़ाई शुरू होने जा रही है। यह पढ़ाई एयर क्राफ्ट के महत्वपूर्ण उपकरणों और पुर्जों की जानकारी देकर कराई जाएगी, जिसके लिए संस्थान ने सेना से पुराना हवाई जहाज मांगा है। नए सत्र से एनएसटीआइ की निर्माणाधीन बिल्डिंग में शुरू होने जा रहे इस एयरक्राफ्ट फ्रेम फिटर कोर्स के साथ इंटेलीजेंस ऑफ थिंग्स, मैकाट्रॉनिक्स, साइबर सिक्योरिटी के कोर्स संचालित होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2016 में कानपुर के गोविंद नगर स्थित एटीआइ परिसर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स (आइआइएस) का शिलान्यास किया था। बिल्डिंग का निर्माण शुरू हुआ, लेकिन कुछ महीने बाद ही बंद हो गया। सरकार की ओर से आइआइएस को एनएसटीआइ में तब्दील कर दिया गया। बजट जारी हुआ और दोबारा से कार्य चालू हो गया। बिल्डिंग का निर्माण कर रही कंपनी ने अप्रैल तक काम पूरा कर लेगी। इसको देखते हुए एनएसटीआइ प्रशासन में कोर्स चालू करने की सहमति बन गई है। अभी बिल्डिंग के 600 वर्ग मीटर क्षेत्रफल ही इस्तेमाल किया जाएगा। यह व्यवस्था भवन के न बनने की स्थिति में होगी। अगर भवन पूरी तरह से तैयार हो गया तो उसको अधिग्रहीत किया जाएगा।

आइआइटी बनाएगा इन्क्यूबेशन सेंटर: एनएसटीआइ में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) कानपुर के सहयोग से इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन हब का गठन किया जा रहा है। यहां कई अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी, जो छात्रों को औद्योगिक जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देने के काम आएंगी। इसके लिए आइआइटी की विभिन्न फैकल्टी के विशेषज्ञ प्रशिक्षण देने आएंगे। इसके अलावा एनएसआइटी की फैकल्टी को आइआइटी में भी प्रशिक्षित किया जाएगा। क्रैश कोर्स के रूप में यह प्रशिक्षण भी इसी सत्र से शुरू होगा। इस इन्क्यूबेशन सेंटर में छात्रों को उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। कोर्स और इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए दोनों संस्थानों के बीच जल्द ही करार भी होने जा रहा है।

ये कोर्स कराए जाएंगे

1. **एयर फ्रेम में फिटर** : एयरक्राफ्ट मेंटीनेंस और उसके उपकरणों के फंक्शन के बारे में पढ़ाई कराई जाएगी। कोर्स दो साल का होगा।
2. **इंटेलीजेंस ऑफ थिंग्स** : ड्रोन, रोबोट समेत अन्य उपकरणों को अत्याधुनिक बनाने की तकनीक सिखाई जाएगी। एक साल का कोर्स रहेगा।
3. **मैकेट्रॉनिक्स** : औद्योगिक इकाइयों में उपयोग किया जा रहा है। सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों में विशेषज्ञों की मांग है।
4. **साइबर सिक्योरिटी** : साइबर सुरक्षा की जानकारी दी जाएगी। उसी पर आधारित पढ़ाई होगी। एक वर्ष का कोर्स होगा।

नए सत्र से चार कोर्स चालू करने की तैयारियां हो गई हैं। बिल्डिंग नहीं तैयार होने की स्थिति में 600 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल में कोर्स संचालित किया जाएगा।
–वीके शुक्ला, निदेशक एनएसटीआइ

फैकल्टी में रोबोट भी: एनएसटीआइ में फैकल्टी के रूप में रोबोट भी होंगे। छात्रों के लिए रोबोटिक इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम तैयार किया ही जा रहा है, साथ ही रोबोट भी यहां पढ़ाएंगे। इसके लिए तमिलनाडु के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से करार के लिए बातचीत चल रही है। माना जा रहा है, अगले कुछ हफ्तों में यह करार हो जाएगा।

थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल कोर्स ज्यादा: अधिकारियों के मुताबिक, एनएसटीआइ की नई बिल्डिंग में चलने वाले कोर्स में थ्योरी तो होगी है, छात्र प्रायोगिक अनुभव लेकर एप्लाइड साइंस में भी सिद्धहस्त हों, इसके लिए प्रैक्टिकल कोर्स को काफी सघन किया गया है। प्रोजेक्ट एसाइनमेंट के जरिये हर चैप्टर के लिए छात्र साथ-साथ प्रयोग करते चलेंगे।

विदेशी तकनीकी संस्थानों से में भी मिलेगा पढ़ने का मौका

एनएसआइटी में कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को उनकी मेधा के अनुसार, विदेश के तकनीकी संस्थानों में भी पढ़ने का मौका मिलेगा। हालांकि, इसके लिए अभी नियम तैयार हो रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि छात्रों को यह मौका मेरिट और उनके प्रोजेक्ट की महत्ता के आधार पर मिलेगा। यह ट्रेनिंग तीन से छह महीने की हो सकती है। इसके लिए दो विदेशी संस्थानों से बातचीत हो रही है।

पहले ही केस से गुनहगारों के लिए खींची 'सीमा'

सुर्खियों में

सर्वेश कुमार, नई दिल्ली

सीमा कुशवाहा फाइल

निर्भया के चारों गुनहगारों को सात साल के लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को फांसी पर लटका दिया गया। बेटी के लिए न्याय की इस जंग में मां-बाप के साथ देश की एक और बेटी थी जो हर वक्त न सिर्फ उनका सहारा बनी, बल्कि पूरी शिद्दत से इसे साकार करने में जुटी रही। इनका नाम है सीमा कुशवाहा...

आखिरकार इंतजार की घड़ियां खत्म हो गईं और निर्भया से दरिंदगी करने वालों को सजा भी हो गई। इसके लिए परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली सीमा कुशवाहा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के इटावा के उग्गरपुर गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से लॉ की पढ़ाई की। दिसंबर 2012 में जब निर्भया के साथ दरिंदगी की हदें पार करने वाली वारदात हुई, उस दौरान वह मुखर्जी नगर में रहकर सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रही थीं। इस घटना की जब उन्हें जानकारी मिली तभी उन्होंने यह तय कर लिया कि अब वह अपनी वकालत फिर शुरू करेंगी और गुनहगारों को फांसी की सजा दिलाकर ही दम लेंगी।

आपको जानकर हैरानी होगी कि निर्भया का केस सीमा के वकालत के कॅरियर का पहला ही केस था। हालांकि 2006 में ही उन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया था, लेकिन सिविल जज की परीक्षा की तैयारी में जुटी रहीं। इस दौरान जब भी वक्त मिलता इलाहाबाद हाई कोर्ट में जाकर कानून की बारीकियां भी सिखती थीं, लेकिन चाहत हमेशा सिविल जज बनने की रही। उत्तर प्रदेश में परीक्षा परिणाम आने में देरी होती रही तो उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी शुरू कर दी। लेकिन यहां भी उनकी किस्मत ने साथ नहीं दिया और 2010 में प्रारंभिक परीक्षा में बदलाव की वजह से वह सफल नहीं हो सकीं।

निर्भया की मौत से वह इस तरह विचलित थीं कि कई दिनों तक वह सदमे में रहीं। दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान भी वह आगे रहीं। इसके बाद निर्भया के माता-पिता से मुलाकात कर उन्होंने मुफ्त केस लड़ने की इच्छा जताई। 2014 में वह बतौर लीगल एडवाइजर निर्भया ज्योति ट्रस्ट से जुड़ गईं। यह ट्रस्ट दुष्कर्म और अन्य जघन्य अपराध से पीड़ित महिलाओं के लिए मुफ्त कोर्ट केस लड़ने का काम करता है। निर्भया को न्याय दिलाने की प्रेरणा उन्हें अपने पिता से मिली।

सात-भाई बहनों में सबसे छोटी हैं सीमा : सीमा के परिवार में कुल सात भाई व बहन हैं। वह सबसे छोटी हैं। उन्होंने बचपन से ही अभावों और संघर्ष का सामना किया। शुरू से ही सीमा पढ़ाई के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती थी। यही वजह थी कि एक अनपढ़ माता-पिता की बेटी ने जब आठवीं के बाद आगे की पढ़ाई जारी रखने की बात कही तो परिवार में काफी बातें बनीं। लेकिन पिता को उनके साथियों ने समझाया और उन्होंने उन्हें अनुमति दे दी। बाद में स्नातक के दौरान उन्हें अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए स्कूल में पढ़ाना भी पड़ा। लॉ की पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए उन्होंने एक पत्रिका के विज्ञापन विभाग में भी काम किया।

हर वक्त पहने रहती हैं निर्भया का कंगन : केस लड़ने के दौरान एक बार सीमा को निर्भया के घर रुकना पड़ा। वहीं, निर्भया की मां ने उन्हें अपनी बेटी के कंगन और दुपट्टा दिया। इसके बाद से सीमा हर वक्त उस कंगन को पहने रहती हैं। उनका मानना है कि इसी से उन्हें केस लड़ने के दौरान हौसला मिलता रहा और अंततः गुनहगारों को सजा दिलाने में सफल रहीं।

खिताब ने जगाई जयदेव को बड़ी उम्मीद

सुर्खियों में

निखिल शर्मा, नई दिल्ली

भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों में क्रिकेट खेलने के बावजूद जयदेव उनादकट भले ही अपनी छाप न छोड़ पाए हों, लेकिन रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाकर उन्होंने यह बता दिया है कि अभी संभावनाएं अनंत हैं...

भारतीय क्रिकेट में जहीर खान, आशीष नेहरा और इरफान पठान के जाने के बाद से बाएं हाथ के एक तेज गेंदबाज का अकाल सा पड़ गया। इस बीच अगर किसी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज में धार दिख रही है तो वह हैं सौराष्ट्र के जयदेव उनादकट हैं।

जयदेव ने भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों में क्रिकेट खेला, लेकिन छाप नहीं छोड़ पाए। वह इस बार फिर सुर्खियों में हैं क्योंकि उन्होंने सौराष्ट्र को पहली बार रणजी ट्रॉफी का ना सिर्फ खिताब जिताया, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 67 विकेट भी अपने नाम किए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि जयदेव की अब टीम इंडिया में वापसी की उम्मीदों को बल मिल गया है। खासकर सीमित ओवर प्रारूप में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज अहम प्रभाव छोड़ सकता है। अब क्योंकि भारतीय टीम इस समय एक विशुद्ध बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की कमी से जूझ रही है तो यह जयदेव के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि जयदेव को इससे पहले जब भी टीम इंडिया में मौके मिले वह इसको भुनाने में सफल नहीं रह सके। साधारण प्रदर्शन के बाद उन्हें टीम से बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

आइपीएल के बड़े खिलाड़ी: 2018 में आइपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने जयदेव को 11 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा था। वह उस सत्र में सबसे महंगे बिकने वाले भारतीय खिलाड़ी बने थे। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रह सका था। पिछले सत्र में भी उन्हें बल्लेबाजों से काफी मार झेलनी पड़ी। ऐसे में अपनी कप्तानी में रणजी ट्रॉफी जिताने के बाद उनमें काफी आत्मविश्वास आया होगा और यह उनके आने वाले करियर के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

ऐसा रहा रणजी में प्रदर्शन: पहली बार सौराष्ट्र रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही। इस पूरे सत्र में जयदेव ने अपनी गेंदबाजी से कमाल किया और 67 विकेट लेने में सफल रहे। रणजी 2019-20 के सत्र में जयदेव सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। इस सत्र में उन्होंने अपनी गेंदबाजी से 21 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। जयदेव एक रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने। उन्होंने साल 1998-99 सत्र में डोडा गणेश के द्वारा एक सत्र में चटकाए गए 62 विकेट के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने में कामयाबी पाई।

...तो इसलिए अफ्रीका में कोरोना वायरस के कम हैं मामले

स्पार्क नॉलेज

दुनिया के 180 से ज्यादा देश कोरोना वायरस के कारण चपेट में हैं, लेकिन अफ्रीका महाद्वीप विश्व के अन्य देशों की अपेक्षा बहुत ही कम प्रभावित हुआ है। पिछले साल दिसंबर में कोरोना वायरस का प्रकोप सामने आया। वहीं, अफ्रीका में पहला मामला 14 फरवरी, 2020 को मिस्र में सामने आया, जबकि इससे पहले यह एशिया के साथ ही यूरोप, मध्य एशिया और अमेरिका तक पहुंच चुका था। वहीं, कोविड-19 सब सहारा अफ्रीका तक नौ मार्च तक पहुंचा। यह पहला मामला बुर्किना फासो में सामने आया। इसके बाद से ही मामलों में तेजी आई। हालांकि, अभी तक दुनिया के दूसरे हिस्सों के मुकाबले

यह है वजह

अफ्रीका में कोरोना वायरस यात्रियों, विशेषकर यूरोप से जाने वालों के साथ पहुंचा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पूरे दक्षिण अफ्रीका में पहले 62 मामले विदेश से आए। इस बात की संभावना है कि यदि वायरस का स्थानीय हस्तांतरण शुरू हो चुका है तो अभी तक संक्रमण के मामलों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. मैत्शीदिसो मोएती का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि बड़ी संख्या में संक्रमित लोगों का पता नहीं चल सका है। हालांकि वे मानते हैं कि परीक्षण सामग्री की कमी है।

चुनौतियां हैं बहुत : डॉ. मोएती के अनुसार, महाद्वीप के लिए आइसीयू सुविधाओं का अभाव और वेंटिलेटर्स का कम होना जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। पश्चिमी अफ्रीकी देश माली में अनुमान के तौर पर प्रति दस लाख लोगों पर एक वेंटिलेटर है। वहीं, सब सहारा अफ्रीका के कई देशों में कोविड-19 के मरीजों की देखभाल करने के लिए आइसोलेशन वार्ड नहीं हैं या बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है। हम जानते हैं कि यह वायरस ज्यादातर बुजुर्गों को अपनी चपेट में लेता है, लेकिन अफ्रीका में यूरोप की तुलना में युवा आबादी है। यह उच्च मृत्यु दर के बावजूद महाद्वीप को आश्वस्त करता है।

उठाए अहम कदम

अफ्रीका के कई देशों ने अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। साथ ही बड़े पैमाने पर लोगों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सेनेगल ने अपनी हवाई सीमा को बंद कर दिया है। वहीं, अंगोला और कैमरून ने अपने हवाई, जमीनी और समुद्री सीमाओं को बंद कर दिया है। रवांडा ने एक महीने के लिए अपनी सभी व्यावसायिक उड़ानों को रोक दिया है। 54 देशों में से दक्षिण अफ्रीका 202 मामलों के साथ सबसे प्रभावित देश है। जिंबाब्वे के साथ लगती अपनी सीमा को सील करने के लिए दक्षिण अफ्रीका 40 किलोमीटर लंबी बाड़ लगा रहा है, जिससे कि जिंबाब्वे के साथ लगती सीमा से अप्रवासियों के प्रवेश के साथ कोरोना वायरस के संक्रमण को रोका जा सके। हालांकि, जिंबाब्वे में अभी तक एक भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है। नाइजीरिया ने चीन और अमेरिका सहित 13 देशों से आने वाले यात्रियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमालिया में दो सप्ताह के लिए स्कूल और विश्वविद्यालय बंद कर दिए हैं।

साबुन निर्माताओं ने घटाया दाम

नई दिल्ली : एचयूएल, गोदरेज कंज्यूमर व पतंजलि जैसी एफ़एमसीजी कंपनियों ने कोरोना से लड़ने के लिए साबुन के दाम घटा दिए हैं। उन्होंने इन उत्पादों के उत्पादन में भी बढ़ोतरी की है। एचयूएल ने एक बयान में कहा कि उसने अपने ब्रांड्स के सैनिटाइजर, लिक्विड सोप और फ्लोर क्लीनर्स के दाम 15 प्रतिशत तक घटाए हैं। पतंजलि ने इन कैटेगरी के उत्पादों का दाम 12 .5 प्रतिशत घटाया है। (प्रेट्र)

दूध आवश्यक वस्तुओं में शामिल है। इसके उत्पादन व वितरण में लगे लोगों पर कोई रोक नहीं है। अमूल की तरफ से दूध की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इसलिए लोग हड़बड़ाहट में इसकी अधिक खरीदारी नहीं करें।

— आरएस सोढ़ी
एमडी, जीसीएमएमएफ

फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स को मिलेंगे 62,000 करोड़

वजह ▶ इलेक्ट्रॉनिक्स में 20 लाख करोड़ के निवेश की संभावना

25 लाख लोगों को मिलेंगे रोजगार, देश में बनेंगे फार्मा उपकरण व इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के पार्क

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

फार्मा व इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने एवं मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 61,802 करोड़ रुपये के पैकेज देने का फैसला किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को तीन योजनाओं के तहत कुल 48,042 करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया, तो फार्मा व मेडिकल उपकरण निर्माण के लिए कुल 13,760 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार के इस फैसले से अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है, जिससे 25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी की बैठक में यह फैसला गत शुक्रवार को ले लिया गया था, जिसकी घोषणा शनिवार को की गई।

कोरोना संकट में वित्तीय दबाव झेल रहे सेक्टरों को सरकार मदद दे रही है। प्रतीकात्मक

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग के लिए तीन स्कीम के तहत फंड तय किए गए हैं। पहली स्कीम के तहत भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव दिए जाएंगे। इस मद में सरकार ने 40,995 करोड़ रुपये का फंड रखा है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव स्कीम अगले पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी और इससे विदेशी कंपनियां भारत में आकर्षित होंगी। कुछ घरेलू कंपनियों को भी इस क्षेत्र में चैंपियन बनने का मौका मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स की दूसरी स्कीम इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट व सेमीकंडक्टर के मैन्यूफैक्चरिंग प्रोत्साहन से जुड़ी है। इस मद में सरकार 3,285 करोड़ रुपये की सहायता देगी। इसके तहत कंपोनेंट व सेमीकंडक्टर के निर्माण के लिए जो पूंजीगत निवेश होगा, उस पर सरकार 25 फीसद की वित्तीय सहायता देगी। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग की तीसरी स्कीम के तहत मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर का निर्माण होगा। इस मद में 3,762 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। क्लस्टर में एक बड़ी कंपनी होगी और शेष छोटी-छोटी कंपनियां होंगी।

बल्क ड्रग व मेडिकल उपकरण के लिए 13,760 करोड़

रसायन व उर्वरक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनसुख मांडविया ने बताया कि बल्क ड्रग व मेडिकल उपकरण क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कुल 13,760 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी गई। बल्क ड्रग के मद में 9,940 करोड़ रुपये के पैकेज की मंजूरी दी गई है तो मेडिकल उपकरण के लिए 3,820 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बल्क ड्रग के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए 6,940 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव के लिए किया गया है। वहीं, 3000 करोड़ रुपये की लागत से तीन बल्क ड्रग पार्क बनाए जाएंगे। मेडिकल उपकरण निर्माण के प्रोत्साहन के लिए चार मेडिकल डिवाइस पार्क बनाए जाएंगे। पार्क निर्माण में सरकार 400 करोड़ रुपये का सहयोग देगी। मेडिकल उपकरण निर्माण के प्रोत्साहन के लिए भी प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव देने का फैसला किया गया है। इस मद में 3,420 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मेडिकल उपकरण निर्माण के तहत एमआरआइ मशीन, पैथोलॉजी मशीन, एक्स-रे मशीन जैसे उपकरणों का निर्माण किया जाएगा जो अभी भारत में नहीं बनाए जाते हैं। मांडविया ने बताया कि भारत में फार्मा उद्योग का आकार तीन लाख करोड़ रुपये का है। लेकिन कई बल्क ड्रग (जिसकी मदद से दवा का निर्माण किया जाता है, यानी दवाओं के लिए कच्चा माल) का भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। अभी भारत 42,000 करोड़ रुपये के बल्क ड्रग का आयात करता है। वहीं मेडिकल उपकरण के मामले में देश 85 फीसद आयात पर निर्भर है। सरकार की तरफ से घोषित इस स्कीम की मदद से अगले पांच वर्षों में भारत ड्रग सुरक्षित देश बन जाएगा। फार्मा निर्माताओं के मुताबिक भारत में दवा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले बल्क ड्रग में 65 फीसद हिस्सेदारी चीन की है।

सैनिटाइजर और मास्क की कीमतें तय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- **दो-प्लाई का मास्क आठ रुपये, तीन प्लाई का 10 रुपये और 200 एमएल सैनिटाइजर की कीमत 100 रुपये तय**
- **ई-कॉमर्स व बड़ी रिटेल कंपनियों के माध्यम से रोजमर्रा का सामान उपलब्ध कराने की कवायद**

मास्क और सैनिटाइजर को आवश्यक वस्तु कानून के अंतर्गत लाने के बाद सरकार ने अब उसकी कीमतें भी तय कर दी हैं। कोरोना वायरस से बढ़ते प्रकोप के बाद मांग में तेजी को देखते हुए बाजार में इनकी कीमतों में बेतहाशा इजाफा हो रहा था। उपभोक्ता मंत्रालय के सचिव पीके अग्रवाल ने कहा कि अब 200 मिलीग्राम सैनिटाइजर की कीमत 100 रुपये से अधिक नहीं होगी। इसी तरह दो-प्लाई के मास्क के कीमत आठ रुपये और तीन प्लाई के मास्क की कीमत 10 रुपये से अधिक नहीं होगी।

पीके अग्रवाल ने साफ किया कि वर्तमान में सैनिटाइजर अलग-अलग एमआरपी पर बेचे जा रहे हैं, जो 100 रुपये से कहीं अधिक है। बाजार में उपलब्ध ये सैनिटाइजर इसी कीमत पर बेचे जाते रहेंगे। लेकिन निर्माता नये सैनिटाइजर की कीमत 100 रुपये प्रति 200 मिलीलीटर से अधिक नहीं रख सकता है। इसी तरह से मास्क की कीमत को 13 फरवरी, 2020 में बाजार कीमत पर निर्धारित किया गया है, जो दो-प्लाई के मास्क के लिए आठ रुपये और तीन-प्लाई के मास्क के लिए 10 रुपये थी। यह कीमत 30 जून तक लागू रहेगा। अग्रवाल के मुताबिक सरकार मास्क और सैनिटाइजर की कीमत तय करने के साथ ही उनकी उपलब्धता बढ़ाने का भी प्रयास कर रही हैं। इसके तहत डियोड्रेंट बनाने वाली कंपनियों को सैनिटाइजर बनाने की इजाजत दे दी गई है। सैनिटाइजर में इस्तेमाल होने वाले इथाइल एलकोहल व दूसरे अल्कोहल का उत्पादन बढ़ाने के लिए इसके निर्माताओं को कह दिया गया है। इसके साथ ही अल्कोहल उत्पादन करने वाले निर्माताओं को अपने ही प्लांट में सैनिटाइजर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं सैनिटाइजर के पुराने निर्माताओं के लिए अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए जरूरी मंजूरी लेने की बाध्यता खत्म कर दी गई है।

देश में खाने-पीने की सामान की पर्याप्त उपलब्धता का भरोसा देते हुए पीके अग्रवाल ने लोगों से घबड़ाहट में अनावश्यक स्टोर नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नैफेड के अलावा बड़ी रिटेल कंपनियों के साथ रोजमर्रा के जरूरी सामान की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए बातचीत चल रही है। इसके लिए ऑनलाइन सामान बेचने वाली कंपनियों की मदद ली जा रही है।

पीएमसी बैंक के ग्राहकों को तीन महीने तक राहत नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय रिजर्व बैंक ने पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) पर पाबंदी तीन महीने के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले बैंक पर लगी छह महीने की पाबंदी की मियाद अगले सप्ताह सोमवार (23 मार्च) को खत्म हो रही थी। पाबंदी के दौरान बैंक नया कर्ज नहीं दे सकेगा और जमा नहीं ले सकेगा।

एक बयान में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने कहा कि पीएमसी बैंक के लिए 23 सितंबर, 2019 को जारी दिशानिर्देशों को तीन महीनों के लिए बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान इसकी समीक्षा का विकल्प खुला रहेगा। पीएमसी बैंक पर नई पाबंदी 22 जून, 2020 तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि शेड्यूल्ड बैंक की तरह सहकारी बैंकों के पुनर्गठन का अधिकार आरबीआइ के पास नहीं है। हाल ही में आरबीआइ ने शेड्यूल्ड सूची में शामिल निजी क्षेत्र के कर्जदाता यस

प्रतीकात्मक

बैंक का पुनर्गठन किया है। गौरतलब है कि कामकाज में कई शिकायतें मिलने के बाद पिछले वर्ष सितंबर में आरबीआइ ने पीएमसी बैंक पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। इसके तहत खाताधारकों की निकासी सीमा तय कर दी गई थी बैंक प्रबंधन पर किसी भी तरह के दायित्वों या संपत्तियों को बेचने पर भी रोक लगा दी गई। उस समय बैंक के एमडी जॉय थॉमस ने आरबीआइ की तरफ से अनियमितता के सवालों को स्वीकार कर लिया था।

एसबीआइ ने शुरू की इमरजेंसी क्रेडिट सेवा

मुंबई, प्रेट्र : देश के सबसे बड़े कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) ने इमरजेंसी क्रेडिट सेवा शुरू की है। इसमें उन कारोबारियों को कर्ज दिया जाएगा, जिनके कारोबार पर कोरोना के चलते बहुत बुरा असर पड़ रहा है। बैंक ने एक सर्कुलर में कहा कि कोविड-19 इमरजेंसी क्रेडिट लाइन (सीईसीएल) के तहत कारोबारियों को 12 महीनों के लिए 7.5 प्रतिशत की दर पर कर्ज दिए जाएंगे।

सीईसीएल के माध्यम से एसबीआइ ने हर ग्राहक को अधिकतम 200 करोड़ रुपये तक का कर्ज बांटने का लक्ष्य रखा है। इस योजना का लाभ उठाने वाले कारोबारी 30 जून तक कर्ज ले सकते हैं। बैंक ने अपनी सभी शाखाओं को भेजे सर्कुलर में कहा है कि जिन कारोबारियों को कोविड-19 के चलते बुरे दौर का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें कुछ राहत मुहैया कराने के लिए सीईसीएल के तहत कर्ज मुहैया कराएं।

अपने सर्कुलर में बैंक ने स्पष्ट किया है कि जिन अकाउंट्स को 16 मार्च, 2020 तक एसएमए-1 या एसएमए-2 घोषित कर दिया गया है, उन्हें छोड़कर सभी योग्य ग्राहक कर्ज के लिए आवेदन कर सकते हैं। बैंक ने फंसा कर्ज (एनपीए) या संकटग्रस्त संपत्ति बनने की संभावना वाले अकाउंट्स को स्पेशल मेंशन अकाउंट्स (एसएमए) के तौर पर पहचान की शुरुआत की थी। एसएमए-1 के दायरे में वे अकाउंट्स हैं, जिनके तहत भुगतान 31-60 दिनों से लंबित पड़ा हुआ है। जिन अकाउंट्स के तहत भुगतान 61-90 दिनों से लटका पड़ा है, उन्हें एसएमए-2 के दायरे में रखा गया है।

7.5 प्रतिशत की दर पर 12 महीनों के लिए कर्ज देगा देश का सबसे बड़ा बैंक

31 जून तक अधिकतम 200 करोड़ रुपये कर्ज के लिए दे सकेंगे आवेदन

प्रतीकात्मक

एसबीआइ के मुताबिक कारोबारी अपनी वर्किंग कैपिटल सीमा का अधिकतम 10 प्रतिशत या 200 करोड़ रुपये (दोनों में जो कम हो) तक का कर्ज ले सकते हैं। गौरतलब है कि उद्योग संगठन फिक्की के एक हालिया सर्वे में सामने आया था कि कोरोना संकट के चलते 50 प्रतिशत से अधिक कंपनियों के सामने नकदी का संकट है और उनका परिचालन प्रभावित हो सकता है। वहीं, 80 प्रतिशत से अधिक कंपनियों का कहना था कि उनके कैश फ्लो में कमी आई है।

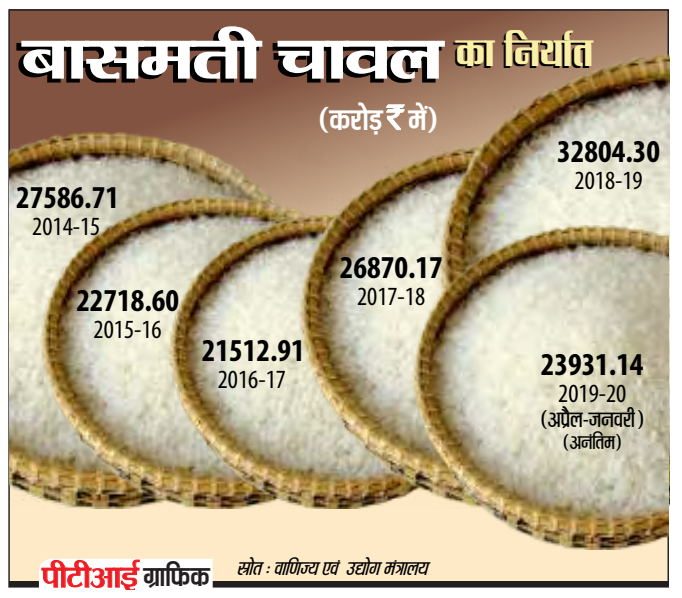

कोरोना से बचाव में भी कारगर साबित हो रहा फास्टैग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- **टोल वसूली प्रक्रिया में हाथों के संपर्क से आदान-प्रदान की नहीं रही भूमिका**
- **राजमार्गों पर चलने वाले लाखों वाहन चालकों और टोल स्टाफ की हो रही रक्षा**

फास्टैग ने इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन के जरिये टोल संग्रह को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। सत्तर फीसद से ज्यादा टोल संग्रह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से होने के कारण एनएचएआइ के टोल प्लाजा पर दैनिक टोल संग्रह 60 फीसद से ज्यादा बढ़ गया है। लेकिन बहुत कम लोगों को इस बात का अंदाजा होगा कि कोरोना को फैलने से रोकने में भी फास्टैग एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। फास्टैग के कारण टोल प्लाजा पर अधिकांश टोल संग्रह बिना मानवीय संपर्क के हो रहा है। लगभग 70 फीसद टोल संग्रह फास्टैग के जरिये होने से रोजाना लाखों वाहन चालक टोल प्लाजा कर्मियों के साथ कैश, कार्ड तथा पेपर स्लिप से लेनदेन के बगैर राजमार्गों पर आवाजाही कर रहे हैं। इससे वाहन चालकों के साथ-साथ टोल कर्मी भी कोरोना के संक्रमण से काफी हद तक सुरक्षित हैं। अभी तक किसी टोल प्लाजा पर किसी ड्राइवर अथवा टोल कर्मी के संक्रमित होने की कहीं से कोई सूचना नहीं प्राप्त हुई है।

एनएचएआइ के अधिकारियों के अनुसार अब तक तकरीबन 1.65 करोड़ वाहनों के लिए फास्टैग जारी किए जा चुके हैं। माना जाता है कि यातायात बंदिशों से पहले इनमें से 25 फीसद यानी 40 लाख से ज्यादा वाहन रोजाना सड़कों पर हैं। इनके चालकों का टोल प्लाजा कर्मियों के साथ सीधा संपर्क नहीं हो रहा है। ऐसा अनुमान है कि अब भी 20-25 लाख वाहनों का आवागमन हो रहा है।

फिलहाल एनएचएआइ के 552 टोल प्लाजा में से 500 में फास्टैग के जरिये टोल संग्रह किया जा रहा है। कैश संग्रह के दौर में टोल प्लाजा पर अमूमन चार से लेकर आठ लेनों से प्रत्येक में कम से कम एक कर्मचारी तैनात होता था, जो चालकों से कैश लेने तथा पर्ची देने का काम करता था। ये कर्मी अब भी तैनात हैं। लेकिन अब इनका काम कंप्यूटर पर ऑनलाइन भुगतान को चेक करना तथा रीडिंग न होने पर बैरियर पर तैनात अन्य कर्मियों को हैंड-हेल्ड मशीनों के उपयोग के लिए हरी झंडी देने का रह गया है। इस प्रक्रिया में वाहन चालक और टोल स्टाफ के बीच भौतिक संपर्क न होने से हाथों के जरिए वायरस के ट्रांसफर होने की संभावना न्यून हो गई है। अब केवल उन्हीं लेन में इसका खतरा है जिन्हें बिना फास्टैग वाले वाहनों के लिए अब भी कैश या हाइब्रिड लेन के तौर पर खुला रखा गया है। ऐसे में फास्टैग को कोरोना ही नहीं, बल्कि छूत के जरिये फैलने वाली अन्य बीमारियों से बचाव के लिए भी फास्टैग एक सुरक्षात्मक उपाय के तौर पर सामने आया है।

टेलीकॉम इन्फ्रा कर्मियों की आवाजाही न रोकें राज्य : डीओटी

नई दिल्ली, प्रेट्र : दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने शनिवार को सभी राज्यों को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि टेलीकॉम कंपनियों और इन्फ्रा प्रोवाइडर्स के फील्ड कर्मचारियों की आवाजाही बाधित नहीं की जाए। पत्र के माध्यम से डीओटी ने ऐसे कर्मचारियों को अन्य इजाजत देने की भी दरख्वास्त की है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों को लिखे पत्र में विभाग ने कहा है कि कोरोना जैसे संकट के वक्त महत्वपूर्ण टेलीकम्यूनिकेशन नेटवर्क का निर्बाध काम करना बेहद जरूरी है।

विभाग के मुताबिक अगर राज्य कोरोना को रोकने के लिए सामान्य आवाजाही पर प्रतिबंधों का फैसला करते हैं, तो ध्यान रखें कि निर्बाध टेलीकॉम सेवा सुनिश्चित करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों और इन्फ्रा सेवा प्रदाताओं के कर्मियों की अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आवाजाही आवश्यक है। इसके साथ ही ऐसे केंद्रों के लिए डीजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें और ईंधन वाहनों को प्रतिबंधित नहीं करें।

कैजुअल एवं निचले स्तर के कर्मियों को आर्थिक मदद पर विचार

राजीव कुमार, नई दिल्ली

- **बड़ी कंपनियां उत्पादन में कटौती के बावजूद नहीं निकालेंगी छोटे कर्मचारियों को**
- **5000-10,000 रुपये तक की मिल सकती है मदद**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मॉडल को अपनाते हुए केंद्र सरकार कैजुअल एवं छोटे कर्मचारियों को आर्थिक मदद दे सकती है। कोरोना कहर की वजह से शटडाउन व रोजी-रोटी पर उत्पन्न संकट को देखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 20 लाख से अधिक दिहाड़ी मजदूरों को 1,000 रुपये की मदद देने की घोषणा की है। अब केंद्र सरकार भी इस प्रकार की मदद देने पर विचार कर रही है। हालांकि इस प्रकार की मदद देने के लिए सरकार को भारी-भरकम राशि का इंतजाम करना होगा।

औद्योगिक जगत के अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के आर्थिक असर से भारत के 40 करोड़ से अधिक श्रमिक प्रभावित हो सकते हैं। इनमें कैजुअल व छोटे स्तर के कर्मचारी शामिल हैं। सरकार की तरफ से इन्हें पांच-पांच हजार रुपये की मदद देने पर सरकार को 2 लाख करोड़ रुपये का इंतजाम करना होगा।

सूत्रों के मुताबिक सरकार दो प्रकार से इन श्रमिकों को आर्थिक मदद देने पर विचार कर सकती है। पहला तरीका यह हो सकता है कि सरकार खुद 2 लाख करोड़ का इंतजाम करे। कच्चे तेल की कीमतों में कटौती से भारत को इस राशि को जुटाने में मदद मिल सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में 10 डॉलर प्रति बैरल की कटौती पर सरकार के आयात बिल में 15 अरब डॉलर (करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये) की बचत होगी। कच्चे तेल की कीमतों में 30 फीसद से अधिक की कटौती हो चुकी है। दूसरा तरीका यह हो सकता है कि सरकार सभी छोटी-बड़ी कंपनियों से लिखित आश्वासन ले सकती है कि वे उत्पादन कम होने पर भी छोटे स्तर के कर्मचारियों को पूरा वेतन देंगी और उन्हें नौकरी से नहीं निकालेंगी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में ऐसी अपील कंपनियों से कर चुके हैं।

औद्योगिक संगठन सीआइआइ के मुताबिक प्रधानमंत्री की इस अपील को ध्यान में रखते हुए उसके सभी सदस्यों को छोटे श्रमिकों की रोजी-रोटी का ध्यान रखने के लिए कहा गया है। सीआइआइ का सुझाव है कि वरिष्ठ कर्मियों की सैलरी में मामूली कटौती कर छोटे व कैजुअल श्रमिकों के वेतन का इंतजाम किया जाए।

जीएसटी फाइलिंग में मोहलत संभव : मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक सरकार हर प्रकार के बैंक किस्त की भुगतान समय-सीमा को 60 दिनों तक बढ़ा सकती है। मतलब दो माह तक उपभोक्ताओं से लेकर कारोबारियों तक को लोन चुकाने के लिए किसी प्रकार का दबाव नहीं डाला जाएगा।

अनिश्चित पर किसी का वश नहीं, उन बातों पर ध्यान दें जिनका होना निश्चित है

एक ऐसे दौर में रहना जहां हर मिनट आने वाली हर नई खबर ब्रेकिंग न्यूज की तरह पेश की जाती है, वहां सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि इनके बीच असल में कोई महत्वपूर्ण ब्रेकिंग न्यूज आ जाए तो हम अनदेखी कर देते हैं। दुर्भाग्य से अभी हमारे पास वास्तव में कुछ ऐसा है, जो कई महीनों तक या संभवतः कई वर्षों तक ब्रेकिंग न्यूज का हिस्सा रह सकता है, कुछ ऐसा जिसके हम आदी नहीं हैं। इक्विटी और इक्विटी आधारित निवेश के लिए यह काफी हद तक सही है। बिजनेस चैनल के एंकरों की तरफ से लगातार जानकारी देते रहना मुश्किल हो जाएगा, अगर एक जैसी ही चीज रोज, हफ्ते दर हफ्ते या महीने दर महीने होने लगे। या फिर शायद ऐसा करने की उन्हें आदत हो।

असल में इक्विटी मार्केट में हाल-फिलहाल का उतार-चढ़ाव इसी मानसिक अंतर का संकेत देता है। पिछले दिनों एक ही कारोबारी दिन के भीतर लोवर सर्किट तक पहुंचे बाजार में 5,000 अंक तक की रिकवरी हो गई। स्थिति ऐसी जान पड़ती थी कि कहीं बाजार अपर सर्किट में ना पहुंच जाए। यही हमारी आगामी पीढ़ी की कहानी है। मेरा अनुमान है कि समस्या सोच की है। लोग इस बात के आधार पर निर्णय लेना चाहते हैं कि अभी इस वक्त हालात कितने बुरे हैं। ये ऐसे लोग हैं जो सिर्फ 'अभी' में जीते हैं। किसी संकट के समय और बाजार में गिरावट के दौर में ऐसी सोच सही नहीं कही जा सकती है।

असल कहानी यहीं से शुरू होती है। अभी जो हालात हैं उनकी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। लोग एक अनजाने भय में फैसले ले रहे हैं। माना जाता है कि स्टॉक की कीमतें किसी कदम या फैसले से भविष्य पर पड़ने वाले असर का संकेत देती हैं। इस लिहाज से किसी भी बात की तुलना में इन पर लोग ज्यादा भरोसा करते हैं, क्योंकि बातें तो गलत भी हो सकती है। इस स्थिति में बाजारों में लगातार ऐसी गिरावट एक ऐसे संकट की तस्वीर बना देती है, जिससे पार पाना मुश्किल लगता है।

सवाल यह है कि अभी बाजार हमें क्या बताना चाहते हैं? बाजार का कहना है कि अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। इस समय का निष्कर्ष यही है कि कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। अब एक निवेशक या बचतकर्ता के रूप में हमें क्या करना चाहिए? इसका उत्तर वही है, जो ज्यादातर मामलों में होता है, वह यह कि फैसला अपनी वित्तीय स्थिति के हिसाब से लीजिए, बाहर के घटनाक्रमों के आधार पर नहीं। अगर आपने इक्विटी में बहुत ज्यादा निवेश किया गया है, तो मैं कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि इसका सीधा सा अर्थ है कि या तो आप जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं, या फिर आप किसी की भी नहीं सुनना चाहते। अगर ऐसा है, तो जो चल रहा है, चलने दीजिए। वहीं, अगर आप ठीक दूसरे छोर पर हैं, यानी आपने लगभग पूरा निवेश फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में किया है, तो भी आप इस सब से दूर हैं।

ज्यादातर भारतीय दूसरी श्रेणी के ही हैं, लेकिन ये सामान्य जनता है। मेरा मानना है कि अभी इस लेख को पढ़ रहा व्यक्ति इन दोनों में से ही किसी एक छोर पर खड़ा होगा। बात आती है तीसरे वर्ग की। संभव है कि आपने अलग-अलग तरह से निवेश किया है और उसमें कुछ हिस्सा इक्विटी में भी है। जाहिर है कि पिछले कुछ दिनों में आपके निवेश का रिटर्न तेजी से गिरा है। अब इस स्थिति में आप नहीं समझ रहे कि क्या करना चाहिए? क्या जो भी नुकसान हुआ उसे सहते हुए निवेश को बाजार से बाहर निकाल लेना चाहिए? इस बात का कोई निश्चित उत्तर नहीं हो सकता है।

हालांकि कुछ सिद्धांत हैं, जिन पर ध्यान देना चाहिए। सबसे सामान्य सिद्धांत है कि भले ही हालात कुछ भी हों, अर्थव्यवस्था एवं कारोबार के मूल में काम करने वाले लोग हमेशा के लिए बाजार से दूर नहीं हो जाएंगे। बहुत से उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के दौर आएंगे, लेकिन कुछ मूलभूत बातें अपनी जगह पर बनी रहेंगी। पिछले कुछ दशकों में कई बार ऐसा हुआ है।

मौजूदा दौर थोड़ा अलग है, क्योंकि समस्या की जड़ आर्थिक नहीं है। अभी अर्थव्यवस्था पर इसके असर को लेकर भी कुछ बहुत निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है। उम्मीद है कि ज्यादातर चीजें समय के साथ इस संकट से पहले वाली सामान्य स्थिति में लौट आएंगी। उदाहरण के तौर पर हमने हमेशा देखा है कि बुरे वक्त में कारोबार की फंडामेंटल क्वालिटी और स्ट्रेंथ ज्यादा मजबूत होकर सामने आती है।

नतीजा यह है कि हर कंपनी का प्रदर्शन बुरा है, लेकिन अच्छी कंपनियां थोड़ा कम बुरा प्रदर्शन करेंगी, वहीं उनकी कुछ प्रतिस्पर्धी कंपनियां खत्म हो जाएंगी। इसका सीधा सा अर्थ है कि यह संकट ऐसी कंपनियों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा, जो अपनी प्रतिस्पर्धी कंपनियों से ज्यादा बेहतर तरीके से काम करती हैं। अभी उदाहरण देना तो कतई सही नहीं होगा, लेकिन मेरा मानना है कि भारत में एयरलाइंस में ऐसा स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

सच है कि यह संकट पिछले कई संकट से एकदम अलग है। इसके बारे में कुछ भी तय नहीं किया जा सकता है। लेकिन इस हालात में अच्छा यही होगा कि उन बातों पर ध्यान दीजिए जो किसी हाल में नहीं बदलेंगी। अनदेखे खतरे की चिंता करना निरर्थक है।

धीरेंद्र कुमार, सीईओ
वैल्यू रिसर्च

बोनस

इस समय दुनियाभर में एक अलग तरह का संकट फैला है। घरेलू और वैश्विक बाजार धराशाई हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में निवेशकों के मन में चिंता स्वाभाविक है। इस संकट के असर को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है। हालांकि यह ध्यान में रखना चाहिए कि संकट के बाद कारोबार की फंडामेंटल क्वालिटी और स्ट्रेंथ मजबूत होकर सामने आती है। इस संकट के बाद भी अपने कारोबार में सही तरीका अपनाने वाली कंपनियां उबरकर सामने आएंगी। वहीं उनकी कुछ प्रतिस्पर्धी कंपनियां खत्म हो सकती हैं। ऐसे में इस संकट के समय उन बातों पर ध्यान दीजिए जो किसी हाल में नहीं बदलेंगी। अनजाने खतरे के बारे में सोचकर बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं है।

1,556 लोगों की मौत हो गई है ईरान में कोरोना वायरस के चलते, जबकि 966 लोग और यहां संक्रमित पाए गए हैं। यह महामारी से तीसरा सर्वाधिक प्रभावित देश है।

दुनियाभर में एक अरब लोग घरों में हुए कैद

कोरोना का प्रकोप ▶ कई देशों में कर्फ्यू जैसे हालात, आवाजाही, स्कूल और कारोबार पूरी तरह ठप

वैश्विक स्तर पर संक्रमितों का आंकड़ा 2 .75 लाख के पार, 11 हजार से ज्यादा मौत

दुनिया में इस समय कोरोना वायरस की मार सबसे ज्यादा इटली पर पड़ रही है। प्रशासन ने यहां सुरक्षा के मद्देनजर बंद का आह्वान किया है। हमेशा पर्यटकों से गुलजार रहने वाले मिलान शहर स्थित डुओमो गॉथिक कैथेड्रल में अब केवल सैनिक ही गश्त करते नजर आते हैं। एपी

रोम, एजेंसियां : कोरोना वायरस की चपेट में आई लगभग पूरी दुनिया में कर्फ्यू जैसे हालात हो गए हैं। कई देशों ने इस महामारी की रोकथाम के लिए लॉकडाउन जैसे सख्त कदम उठाने के साथ ही अपने यहां विदेशी नागरिकों के आने पर रोक लगा दी है। सीमाएं सील कर दी गई हैं। उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। इसके चलते कई देशों में सड़कें सूनी हो गईं और बाजार बंद हो गए। करीब एक अरब लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। विश्व के 185 देशों में फैल चुका यह खतरनाक वायरस अब तक 11 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है। दो लाख 75 हजार से ज्यादा संक्रमित हो गए हैं।

इस वैश्विक महामारी ने पूरे विश्व में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। बड़ी आबादी की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। स्कूल और कारोबार बंद हो गए और लाखों लोग घरों से काम करने को विवश हैं। जबकि बहुतों की आजीविका तक छिन गई है। एक अनुमान के अनुसार, करीब 35 देशों में 90 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घरों से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं। कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित छह करोड़ की आबादी वाले इटली में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं। इटली के बाद यूरोप में कई दूसरे देश भी कोरोना के प्रकोप से जूझ रहे हैं। इटली, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन समेत कई दूसरे यूरोपीय देशों में लॉकडाउन की स्थिति है। लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी गई है। इसका उल्लंघन करने पर जुर्माने की भी चेतावनी दी गई है। जर्मनी में बवेरिया प्रांत को लॉकडाउन कर दिया गया है। अमेरिका के न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया समेत सात राज्यों में आवाजाही और कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। इससे करीब दस करोड़ लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं।

ब्रिटेन में पब, सिनेमा और रेस्तरां बंद : ब्रिटेन में भी कोरोना वायरस पर अंकुश पाने के लिए शनिवार से सब कुछ बंद कर दिया गया। सरकार ने पब, बार, कैफे, नाइटक्लब, जिम, सिनेमा और रेस्तरां समेत सभी सार्वजनिक स्थानों को बंद करने को कहा है। पीएम बोरिस जॉनसन ने कहा कि लोगों को एकजुट करने वाले सभी स्थानों को बंद किया जाना चाहिए।

फ्रांस में चार हजार लोगों पर जुर्माना : फ्रांस में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए कई सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। उल्लंघन पर जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। पाबंदियों के उल्लंघन पर चार हजार से ज्यादा लोगों पर जुर्माना लगाया जा चुका है।

ईरान में मरने वालों की संख्या डेढ़ हजार के पार : ईरान में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या डेढ़ हजार के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मुल्क में 123 और पीड़ितों ने दम तोड़ दिया। इसे लेकर मरने वालों का आंकड़ा 1,556 हो गया है। 966 लोग और संक्रमित पाए गए हैं।

टीवी स्टार कोल्टन अंडरवुड भी संक्रमित : अमेरिकी रियलिटी टीवी स्टार कोल्टन अंडरवुड भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उनका टेस्ट पॉजिटिव आया है। 'द बैचलर' के पूर्व अभिनेता ने इंस्टाग्राम पेज के जरिये अपनी बीमारी की जानकारी साझा की।

- लैटिन अमेरिकी देश क्यूबा और बोलीविया ने अपनी सीमाएं बंद कीं
- कोलंबिया ने लॉकडाउन का एलान किया, आइसोलेशन अनिवार्य करेगा
- जार्डन में तीन दिन के लिए कर्फ्यू, दुकानें बंद और लोगों को घरों में रहने का आदेश

सर्वाधिक प्रभावित देश

देश	मौत	संक्रमित
इटली	4,032	47,021
चीन	3255	81,008
ईरान	1,556	20,610
स्पेन	1,093	21,510
फ्रांस	450	12,612
अमेरिका	261	19,498
ब्रिटेन	177	3983
नीदरलैंड्स	106	2994
दक्षिण कोरिया	94	8652
जर्मनी	65	19,073

'वायरस के खतरे को समझें, खुद को अजेय न मानें'

जेनेवा, एजेंसियां : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने युवाओं को कोरोना वायरस से फैली बीमारी के खतरे से आगाह करके हुए कहा है कि वे खुद को अजेय न समझें।

डब्लूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडहैनम घेब्रेयिसस ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इस महामारी ने पूरी दुनिया में लोगों की जिंदगी बदल कर रख दी है। बड़ी आबादी की गतिविधियां थम गई हैं। स्कूल, कालेज, दफ्तर और व्यवसाय बंद हो गये हैं। लाखों लोग घर से काम करने को मजबूर हैं जबकि कई पूरी तरह से अपनी जीविका खो चुके हैं। इस वक्त दुनिया भर में सबसे खराब हालात इटली के हैं। यहां चीन से भी ज्यादा 4,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दुनिया भर में अब तक इस बीमारी से मरने वालों की तादाद 11,000 से अधिक हो चुकी है।

बुजुर्गों पर इस वायरस का ज्यादा कहर टूटा है। लेकिन इसके शिकार होने में युवा भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कि मेरे पास युवाओं के लिए एक ही संदेश है आप अजेय नहीं हैं। यह वायरस आपको हफ्तों तक अस्पताल में रख सकता है यहां तक कि यह आपको मार भी सकता है। अगर आप खुद बीमार नहीं पड़ते लेकिन कहीं जाते हैं किसी से मिलते हैं तो आप उनके लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि संयम से इस बीमारी से बचा जा सकता है। इसे हराने के लिए एकजुटता महत्वपूर्ण है। देशों के ही नहीं बल्कि समूहों में भी एकजुटता जरूरी है। एक जिंदगी का भी जाया होना एक त्रासदी है। हमें एक-एक जान बचाने के लिए दोगुनी ताकत से जुटना होगा। इस बीमारी को फैलने से रोककर हम बहुत सी जानें बचा सकते हैं।

डब्लूएचओ के प्रमुख ने कहा कि चीन में कोरोनोवायरस के मामलों में गिरावट सभी देशों के लिए अच्छी खबर है। वुहान में नये मामले सामने आने बंद हो गये हैं। इससे दुनिया भर में नई उम्मीद जगी है। लेकिन हमें सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि यह स्थिति उलट भी सकती है। इस वायरस को पीछे धकेलने वाले शहरों और देशों का अनुभव हम लोगों को उम्मीद और हिम्मत देता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग दिन-प्रतिदिन इस वायरस के बारे में सीख रहे हैं। इस बीमारी से बुजुर्ग सर्वाधिक प्रभावित हैं लेकिन युवा भी पीछे नहीं। कई देशों के अनुभव से पता चलता है बुजुर्ग मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत ज्यादा पड़ी।

डब्लूएचओ के प्रमुख ने कहा कि यदि किसी को लॉकडाउन करने की नौबत आती है तो उसे उस दौरान अच्छी आदतों का पालन करना चाहिये। उसे कसरत करना चाहिये। लोगों से दूरी बनाकर रहना चाहिये और धूमपान आदि नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि लोगों को केवल कोरोनोवायरस के आंकड़ों और संभावित उपचारों के बारे में विश्वसनीय जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

डब्लूएचओ ने किया आगाह

- कहा-इस बीमारी को हराने के लिए संयम और एकजुटता जरूरी
- लॉकडाउन में रहना पड़े तो अच्छी आदतों का पालन करें

अमेरिका में दोगुना हुए मामले, 230 लोगों की मौत, प्रमुख शहर बंद

न्यूयॉर्क, एएफपी : अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। पिछले तीन दिनों में पीड़ितों की संख्या बढ़कर दोगुना से ज्यादा यानी 19 हजार से अधिक हो गई है। 230 पीड़ितों की मौत भी हो चुकी है। वायरस पर अंकुश लगाने के प्रयास में कैलिफोर्निया के बाद न्यूयॉर्क और इलिनोइस राज्यों में भी आवाजाही और कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। इन राज्यों के न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस और शिकागो जैसे प्रमुख शहर भी बंद हो गए हैं। पाबंदियों के चलते इन राज्यों की करीब दस करोड़ आबादी घरों में कैद हो गई है।

न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने शुक्रवार को राज्य में सभी गैर जरूरी कारोबारों को बंद करने के साथ ही लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया। इससे पहले कैलिफोर्निया में लॉकडाउन का एलान किया गया था। न्यूजर्सी, नवादा, कनेक्टिकट और पेंसिल्वेनिया राज्यों में भी ऐसे ही उपाय किए गए हैं।

▶ घरों में कैद हुई दस करोड़ की आबादी, बंद किए गए गैर जरूरी कारोबार

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर साधा चीन पर निशाना

अमेरिका में कोरोना वायरस तेजी से फैलने के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि उनका देश महामारी के खिलाफ जंग जीत रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे अमेरिका में लॉकडाउन की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही ट्रंप ने चीन पर फिर निशाना साधते हुए कहा, 'मेरा चीन और यहां के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से अच्छे संबंध हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि इसी देश से कोरोना वायरस शुरू हुआ और नियंत्रण से बाहर हो गया।

रूस, ईरान और चीन पर लगाया दुष्प्रचार का आरोप : अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने रूस, ईरान और चीन पर आरोप लगाया है कि ये देश कोरोना वायरस को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों को सोशल मीडिया पर इसके प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

उपराष्ट्रपति पेंस की टीम का सदस्य संक्रमित : अमेरिकी उपराष्ट्रपति माइक पेंस की टीम का एक सदस्य कोरोना वायरस की चपेट में आ गया है। उसका टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। ह्वाइट हाउस में यह पहला मामला बताया जा रहा है। पेंस की प्रेस सचिव कैटी मिलर ने एक बयान में कहा, 'ना तो राष्ट्रपति ट्रंप और ना ही उपराष्ट्रपति उसके करीबी संपर्क में आए।'

एंडी कोहेन का टेस्ट पॉजिटिव : अमेरिकी सेलेब्रिटी टेलीविजन होस्ट एंडी कोहेन का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिये इस खबर को साझा किया है। वह 'वाच वाट हैपेंस लाइव' टाक शो के होस्ट हैं।

भारतीय दूतावासों ने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

पेरिस, प्रेट्र : दुनियाभर में भारतीय दूतावासों ने एडवाइजरी जारी कर अपने नागरिकों को सचेत रहने की सलाह दी है। साथ ही कोरोना वायरस को लेकर चिंतित भारतीय नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी शुरू किया है।

अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, ग्रीस, फिनलैंड, इजरायल, मेडागास्कर, जापान, वियतनाम, रूस, क्यूबा, ब्राजील और स्विटजरलैंड जैसे देशों में भारतीय दूतावासों ने परामर्श जारी किया है।

फ्रांस में भारतीय दूतावास ने अपने उन नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जो 22 मार्च से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भारत की ओर से लगने वाले प्रतिबंध से पहले स्वदेश लौटना चाहते हैं। ूतावास ने ट्वीट के जरिये कतर एयरवेज की उस उड़ान के बारे में जानकारी दी है, जो प्रतिबंध की समय सीमा से पहले पेरिस से उड़ान भरेगी। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को सुरक्षित रहने की सलाह दी है।

पाक में 500 से अधिक पीड़ित, इमरान का लॉकडाउन से इन्कार

इस्लामाबाद, एएनआइ : कोरोना वायरस के प्रकोप पर अंकुश लगाने के लिए दुनिया के कई देश लॉकडाउन जैसे सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हट रहे हैं। पाकिस्तान में भी पीड़ितों की संख्या 500 के पार पहुंच गई है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री इमरान खान ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से इन्कार कर दिया है। उन्होंने आवागमन के लिए अफगानिस्तान से लगती पाकिस्तान की एक सीमा भी खोलने का आदेश दिया है। इस बीच वायरस पर अंकुश लगाने के प्रयास में बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार ने प्रांत में 21 दिनों के लिए आंशिक लॉकडाउन का एलान किया है।

जियो न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान में अब तक 501 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। इनमें से 252 मामले सिंध प्रांत में सामने आए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते मामलों के मद्देनजर पूरे पाकिस्तान को लॉकडाउन कर देना चाहिए। लेकिन इमरान ने कहा, 'लॉकडाउन का मतलब कर्फ्यू जैसे हालात से होता है। इससे मुल्क में अशांति पैदा हो जाएगी और हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते। इससे गरीबों की परेशानी बढ़ जाएगी। हम आर्थिक पैकेज के मामले में दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, लेकिन हम कोरोना वायरस के प्रभाव से अपने निम्न और श्रमिक वर्ग की सुरक्षा करेंगे।'विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कि जरा-सी असावधानी पूरे देश को खतरे में डाल सकती है।

उपकरणों की कमी, डॉक्टरों ने दी हड़ताल की धमकी

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से मुकाबले में चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी सामने आ रही है। इस्लामाबाद के चार सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने धमकी दी है कि अगर उन्हें निजी सुरक्षात्मक उपकरण मुहैया नहीं कराए गए तो वे मंगलवार से कामकाज बंद कर हड़ताल कर देंगे।

वाट्सअप पर डब्लूएचओ के हेल्थ अलर्ट कर रहे सावधान

नई दिल्ली, आइएएनएस : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने शनिवार को व्हाट्सएप पर एक हेल्थ अलर्ट लॉन्च किया। इस पर 1.5 अरब से अधिक उपयोगकर्ता सवाल पूछ सकते हैं। उन्हें नए कोरोनोवायरस कोविड-19 के बारे में 24 घंटे विश्वसनीय जानकारी दी जा रही हैं। यह जानकारी उन सरकारी अधिकारियों के लिए भी बड़े काम की हैं जो इस समय इस अभियान में लगे हुई हैं।

वाट्सअप की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि डब्लूएचओ हेल्थ अलर्ट से संपर्क करने के लिए अपने फोन में नंबर +41 79 893 1892 सेव करें, और फिर वाट्सअप संदेश में 'हाय' शब्द टेक्स्ट करें। हाय का संदेश भेजते ही तत्काल संकेतों के माध्यम से जानकारी लेने का संदेश आता है। हर सूचना के लिए एक खास इमोजी संकेत दिया गया है। जिसे भेजने पर उस विषय की सूचना भेज दी जायेगी। नवीनतम जानकारी दैनिक रूप से अपडेट की जाएगी।

मृत्युदंड पर रोक लगाएं सभी देश : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र ने सभी देशों से मौत की सजा को रोकने या इस पर प्रतिबंध लगाने की अपील की है। निर्भया मामले के चार दोषियों मुकेश सिंह (32), पवन गुप्ता (25), विनय शर्मा (26) और अक्षय कुमार सिंह (31) को तिहाड़ जेल में फांसी पर लटकाए जाने के एक दिन बाद यह अपील की गई है।

फांसी पर प्रतिक्रिया देते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेरस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि वैश्विक संगठन सभी देशों से मौत की सजा का इस्तेमाल बंद करने या इस पर प्रतिबंध लगाने की अपील करता है। दुजारिक ने नियमित संवाददाता सम्मेलन के दौरान शुक्रवार को कहा, 'इस विषय पर हमारा रुख स्पष्ट है। हम सभी राष्ट्रों से मौत की सजा का इस्तेमाल बंद करने या इस पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं।' 16 दिसंबर, 2012 को हुई इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया था। यह पहली बार था, जब चार लोगों को तिहाड़ जेल में एक साथ फांसी पर लटकाया गया।

चीन में लगातार तीसरे दिन नहीं आया कोई नया मामला

बीजिंग, प्रेट्र : चीन में लगातार तीसरे दिन कोरोना वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया, लेकिन सात और पीड़ितों के मरने की खबर है। ये सभी मौतें हुबेई में हुईं। इसे लेकर चीन में अब तक मरने वालों की संख्या 3255 हो गई। मध्य चीन के हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान से ही खतरनाक कोरोना वायरस का प्रकोप शुरू हुआ था। यहां से अब यह लगभग पूरी दुनिया में पहुंच चुका है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन स्थानीय स्तर पर संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया। हालांकि 41 नए मामलों की पुष्टि हुई है, लेकिन ये सभी विदेश से आए लोग हैं। ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 269 हो गई है। इन्हें लेकर चीन में संक्रमित लोगों का आंकड़ा 81,008 हो गया है। इनमें से 71,740 को अस्पतालों से छुट्टी मिल गई है। 6,013 का अभी इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य जानकारों को उम्मीद है कि देश में अब जल्द ही हालात सामान्य हो जाएंगे।

▶ सात और कोरोना पीड़ितों ने दम तोड़ा, मरने वालों की संख्या 3,255 हुई

पाबंदियों में दी जा रही ढील

समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार, कोरोना वायरस पर अंकुश लगने के बाद चीन में अब पाबंदियों में ढील दी जाने लगी है। अधिकारियों ने बताया कि वायरस के केंद्र वुहान में लोग अपने आसपास के परिसरों में जा सकते हैं। रिहायशी इलाकों में दुकानों को फिर से खोलने की इजाजत भी दी गई है। सवा करोड़ की आबादी वाले वुहान समेत पूरे हुबेई प्रांत में तमाम पाबंदियां लगाने के साथ ही गत 23 जनवरी से आवाजाही बंद कर दी गई थी।

ईरान और फ्रांस के बीच कैदियों की अदला-बदली

पेरिस, एएफपी : ईरान ने करीब एक साल से कैद फ्रांस के एक शोधकर्ता को रिहा कर दिया है। यह जानकारी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दी है। फ्रांस ने शोधकर्ता रोलैंड मार्शल (64) की सहयोगी फरीबा अडेलखा को भी जल्द रिहा करने का ईरान से अनुरोध किया है। फ्रांसीसी शोधकर्ता की रिहाई शुक्रवार को फ्रांस से ईरानी इंजीनियर की रिहाई के बदले की गई है।

फ्रांस पिछले कई महीनों में मार्शल और उनकी सहयोगी फरीबा (60) की रिहाई की मांग कर रहा था। इन दोनों को 2019 में ईरान के खिलाफ षडयंत्र रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इनके खिलाफ चालू मार्च महीने में अदालत में सुनवाई भी शुरू हो गई थी। फरीबा के पास ईरान और फ्रांस की दोहरी नागरिकता है लेकिन ईरान उसे अपनी ही नागरिक मानता है। ईरान ने हाल के महीनों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के साथ भी कैदियों की अदला-बदली की है।

अमेरिका में बच्चों के लिए बढ़ी मुश्किल

वाशिंगटन, रायटर : कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते अमेरिका में कई इलाकों में लॉकडाउन के कारण बच्चों के कल्याण के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं को अपने काम-काज के तौर-तरीके बदलने पड़ रहे हैं। खासकर उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग (एक-दूसरे से पर्याप्त दूरी बनाए रखना) के कारण नए तौर-तरीकों का सहारा लेना पड़ रहा है।

न्यू जर्सी, मैसाचुसेट्स, इलिनाय और ओरेगन जैसे राज्यों में बच्चों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपने संगठनों पर दबाव डालकर नियमों में बदलाव करने का दबाव बनाया है। इन कार्यकर्ताओं का कहना है कि हम बच्चों के कितने निकट जाएं कि न तो हमारे जीवन के लिए कोई खतरा पैदा हो और न ही बच्चों की देख-भाल में कोई कसर रहे।

मैसाचुसेट्स राज्य के चाइल्ड एक्टिविस्ट पीटर मैकिनन ने बताया कि कोरोना संकट के कारण हम लोगों को बहुत से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सामाजिक कार्यों का बीस साल का तजुर्बा रखने वाले पीटर का कहना है कि हम अपने कामकाज में कई ऐसे तरीके आजमा रहे हैं जिनकी सामान्य स्थिति में इजाजत संभव नहीं है।

बच्चों के अधिकारों और हित से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय बच्चों के लिए काफी मुश्किल है। देश भर के स्कूल बंद हैं और बच्चों को अपने परिवार के साथ घरों में कैद रहना पड़ रहा है। कई घरों में रोजगार छिनने, घरेलू हिंसा या किसी सदस्य की बीमारी के कारण बच्चे दबाव में जी रहे हैं।

अमेरिका के ज्यादातर राज्यों में बच्चों के कल्याण से जुड़े विभागों व संगठनों के कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर कोरोना के लक्षण वाले बच्चों का पता करने को कहा गया हैं। उन्हें सलाह दी गई है कि वे पहले फोन करके किसी के घर जाएं ताकि उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो।

- कई राज्यों में कोरोना के कारण बहुत दबाव में हैं बच्चे
- खतरे को भांप संपर्क करने के नियमों में किया जा रहा है बदलाव

दुबई में भारतीय छात्र ने बनाया सैनिटाइजर रोबोट

दुबई, एजेंसियां : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कोरोना वायरस के संक्रमण को दूर करने के मकसद से सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक भारतीय छात्र ने एक रोबोट बनाया है। 'सुरक्षित रहें स्वच्छ रहें' के नारे को बुलंद करता यह रोबोट लोगों के हाथों पर 30 सेंटीमीटर की दूरी से सैनिटाइजर डालता है। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दुबई में स्प्रिंग डेल स्कूल के एक छात्र सिद्ध संघवी ने शनिवार को बताया कि उसकी मां ने उसे एक वीडियो दिखाया था जिसमें लोग हैंड सैनिटाइजर की बोतल को हाथ से छूकर हाथ सैनिटाइजर कर रहे थे और क्रोरोना के संक्रमण का शिकार हो रहे थे। छात्र सिद्ध सिंघवी ने बताया कि इससे हाथ साफ करने का मकसद ही खत्म हो जाता है। चूंकि संक्रमित सतह को छूने से भी कोरोना वायरस फैलता है।

दिखाई ताकत

तानाशाह किम जोंग उन की मौजूदगी में छोड़ी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलें, दक्षिण कोरिया ने जताया कड़ा एतराज

उत्तर कोरिया ने कोरोना संकट के बीच किया मिसाइल परीक्षण

सियोल, एजेंसियां : ऐसे समय जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस संकट से जूझ रही है, उस वक्त उत्तर कोरिया मिसाइल परीक्षण में जुटा है। इस जानलेवा वायरस के खतरे से बेपरवाह प्योंगयांग ने शनिवार को समुद्र में कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। इस दौरान उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग उन भी मौजूद थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने इस पर कड़ा एतराज जताया है। उसने कहा है कि ऐसे समय जब पूरी दुनिया कोरोनावायरस की महामारी से जूझ रही है, तब इस तरह के परीक्षण पूरी तरह अनुचित है। सेना ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बता दें कि सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (देश की संसद) का सत्र 10 अप्रैल को आयोजित करने की घोषणा के थोड़ी देर बाद यह परीक्षण किए गए। अगले महीने होने वाले संसद के इस सत्र में उत्तर कोरिया के लगभग 700 नेता शामिल होंगे।

उत्तर कोरिया ने दुनिया में छाए कोरोना संकट के बीच कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में टीवी पर परीक्षण देखते लोग। एएफपी

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' के मुताबिक, इन मिसाइलों का परीक्षण उत्तर कोरिया के पश्चिमी इलाके सोनचोन के किसी गुप्त स्थान से शनिवार सुबह 6:45 और 6:50 बजे किया गया। समुद्र में गिरने से पहले इन मिसाइलों ने लगभग 460 किलोमीटर की दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह मिसाइलें उसके क्षेत्र में नहीं गिरीं। उत्तर कोरिया ने इस महीने की शुरुआत में फायरिंग ड्रिल के हिस्से के रूप में कई मिसाइलें दागी थीं।

अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उत्तर कोरिया ने किस तरह की मिसाइलों का परीक्षण किया है। हालांकि दक्षिण कोरिया और जापानी सैन्य विशेषज्ञों द्वारा जारी किए गए फ्लाइट डाटा के आंकड़ों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने सॉलिड फ्यूल मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया है।

सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के हथियार संभवतः दक्षिण कोरिया और जापान पर हमले को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इनके निशाने पर इन दोनों देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने भी होंगे। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि महामारी से ध्यान बंटाने के लिए उत्तर कोरिया ने यह परीक्षण किए हैं। बता दें कि अभी तक उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

प्रतिनिधि सभा के प्राइमरी चुनाव में जीते राजा कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने इलिनोइस से प्रतिनिधि सभा में चुने जाने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवारी के लिए हुए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। कृष्णमूर्ति इलिनोइस की 'आठवीं कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट' से प्रतिनिधि सभा में तीसरी बार चुने जाने के लिए अब नवंबर में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी का प्राइमरी चुनाव 17 मार्च को होना था, लेकिन उसे रद कर दिया गया है।

कृष्णमूर्ति अपने निर्वाचन क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने 80 प्रतिशत मतों के साथ प्राइमरी में जीत हासिल की, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी विलियम ओल्सन को मात्र 13 फीसद वोट मिले। कृष्णमूर्ति ने एक ई-मेल के जरिये अपने समर्थकों से कहा, 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे अमेरिकी संसद में एक बार फिर इलिनोइस की आठवीं कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से प्रत्याशी बनने का मौका मिला।'

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति की फाइल फोटो (एपी)

उन्होंने कहा, 'यदि फिर चुना गया तो मैं संसद में आपकी प्राथमिकताओं के लिए लड़ाई जारी रखूंगा। हम कोरोना वायरस से लड़ रहे हैं, ऐसे में मैं आपको और सभी अमेरिकियों को सुरक्षित रखने की कोशिश करूंगा।'

प्लीज-प्लीज घर में रुकिए, तभी सभी को कोरोना से निजात मिल सकती है।
— वीरेंद्र सहवाग, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

कोरोना को गंभीरता से लेने के बाद होंगे ठीक : ख्वाजा

मेलबर्न, आइएएनएस : ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि कोरोना वायरस को गंभीरता से लें और बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतें। जितनी गंभीरता से लेंगे उतनी जल्दी ठीक होंगे। ख्वाजा ने कहा कि सभी को सिर्फ अपने बारे में नहीं दूसरों के बार में भी सोचना होगा। कोरोना से मरने वालों की संख्या ज्यादा नहीं है इसका मतलब यह नहीं कि आप एकतरफा रवैया अपनाएं।

ओलंपिक स्थगन की राह में पैसे के साथ मौसम भी रोड़ा

अरबों रुपये का तो नुकसान होगा ही, अगस्त के बाद जापान में गिरने लगता है तापमान ठंड में नहीं हो पाएंगी बहुत सारी प्रतियोगिताएं

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं टोक्यो ओलंपिक स्थगित हों। ओलंपिक आयोजन समिति की सदस्य कह चुकी हैं ओलंपिक स्थगित हों। विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सबेस्टियन को भी यही मांग कर चुके हैं। अब नार्वे ने भी ओलंपिक को टालने की मांग कर दी है, लेकिन ऐसा क्या कारण है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आइओसी) और टोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति तय समय पर ओलंपिक कराने को उतारू है। इसके पीछे अरबों रुपये के निवेश के साथ-साथ मौसम बड़ी वजह है।

अगस्त के बाद तापमान घटेगा : सभी जानते हैं कि समर और विंटर ओलंपिक अलग-अलग होते हैं। दुनिया भर के खेल महकमे में यह मांग हो रही है कि ओलंपिक को स्थगित कर दिया जाए। अगर ओलंपिक को दो से तीन महीने बाद आयोजित कराया जाए, तो फिर वहां पर तापमान बढ़ने लगेगा। जापान में भी अक्टूबर से तापमान गिरने लगता है। अक्टूबर में न्यूनतम तापमान औसतन 14 डिग्री, नवंबर में औसतन 12 डिग्री और दिसंबर में औसतन 4 डिग्री तक पहुंच जाता है। ऐसे में अगर ओलंपिक को टालने पर मौसम भी समस्या बन सकता है। बारिश और ठंड में समर ओलंपिक के कई खेल नहीं हो सकते हैं। इसमें सबसे प्रमुख तैराकी और डाइविंग हैं। तापमान घटने के कारण कई ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धा भी नहीं कराई जा सकती हैं। यही वजह है कि ओलंपिक को दो से तीन महीने तक स्थगित नहीं किया जा सकता है।

अरबों का सवाल : ओलंपिक अगर तय समय पर आयोजित होता है तो फिर यहां पर 11,000 एथलीट और स्टाफ, अधिकारी साथ रहेंगे। वहीं एक महीने बाद ही पैरालंपिक के लिए 4,400 पैरालंपियन पूरी दुनिया से यहां पर पहुंचेंगे। इसके अलावा लाखों विदेशियों के भी जापान पहुंचने की संभावना है जिससे कोरोना वायरस फैलने की संभावना बढ़ जाएगी जिसके कारण वहां की जनता इस आयोजन से डर रही है। आइओसी ने जापान ओलंपिक कमेटी के साथ 81 पन्नों का करार किया हुआ है।

मुसीबत आइओसी की : आइओसी के लिए बड़ी समस्या प्रायोजकों और प्रसारणकर्ताओं के साथ किए गए करार भी हैं। दुनिया के सारे बड़े ब्रांड इस ओलंपिक से जुड़े हैं। दुनिया के 160 देशों में ओलंपिक का प्रसारण होना है जिसके लिए अलग-अलग प्रसारणकर्ताओं से मोटी कीमत पर आइओसी ने करार किए हैं। अगर ओलंपिक आगे टलते हैं तो बाकी प्रतियोगिताओं के कैलेंडर और उनके प्रसारण का नुकसान भी प्रसारणकर्ताओं को झेलना होगा। जापान में होने वाली ओलंपिक टॉर्च रिले से ही कोका कोला और टोयोटा जैसे ब्रांड जुड़े हुए हैं। 26 मार्च से फुकुशिमा से शुरू होने वाली इस रिले में ही दर्शकों के पहुंचने की बहुत कम संभावना है। रिले जब 18-19 मई को हिरोशिमा पहुंचेगी तो आइओसी प्रमुख थॉमस बाक भी वहां मौजूद होंगे। जापान की एक न्यूज एजेंसी के सर्वे के मुताबिक 69.9 प्रतिशत लोगों को लगता है कि गेम्स तय समय 24 जुलाई से शुरू नहीं हो पाएंगे।

टोक्यो में ओलंपिक रिंग के सामने से गुजरती स्थानीय महिला • एएफपी

मौसम बड़ी समस्या

जापान में जुलाई-अगस्त में 24 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहता है जिस दौरान वहां ओलंपिक होने हैं। अगस्त जापान का सबसे गर्म महीना रहता है

अगर दो महीने के लिए इन खेलों को स्थगित किया जाता है तो मुश्किलें बढ़ जाएंगी। अक्टूबर में टोक्यो का औसत तापमान तो 18 डिग्री सेल्सियस रहता है लेकिन इस बार अक्टूबर में 17 दिन बारिश होने की संभावना है। वहां इस महीने कुल 158 मिमि बारिश हो सकती है

हालांकि 1964 में जापान में पहली बार ओलंपिक का आयोजन 10-28 अक्टूबर के बीच में ही हुआ था

नवंबर में टोक्यो का औसत तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है जो जो निम्नतम नौ डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। वहीं दिसंबर में औसत तापमान आठ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम चार डिग्री सेल्सियस तक रहेगा

जापान के खेल मंत्री ने वहां की संसद में कहा था कि आइओसी और जापान के बीच करार 2020 तक ही है। यानि वर्तमान करार के तहत जापान में इस साल ही ओलंपिक हो सकते हैं

हम उस स्थिति में नहीं हैं कि ओलंपिक स्थगित करने पर फैसला कर सकें। आइओसी ही इस पर फैसला कर सकता है।
तोशिआकी एंडो, टोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के उपाध्यक्ष

मौजूदा स्थिति को देखते हुए ओलंपिक स्थगित होने चाहिए, क्योंकि एथलीट तैयारी ही नहीं कर पा रहे हैं।
किओरी यामागुची, जापान ओलंपिक कमेटी की सदस्य

फिलहाल हालात ठीक नही हैं। इस समय कुछ भी हो सकता है। खेलों को स्थगित करना चाहिए।
सबेस्टियन को, विश्व एथलेटिक्स प्रमुख

एथलीटों के लिए ओलंपिक को स्थगित करना ही अच्छा होगा। इस समय एथलीट मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे हैं। **-बॉब बोमैन,** माइकल फेल्प्स के कोच

इस समय कोई भी हल नहीं है और हम एथलीटों के लिए लगातार काम कर रहे हैं। **-आइओसी प्रवक्ता**

24 जुलाई से नौ अगस्त तक जापान में होना है ओलंपिक

02 लाख रुपये की सबसे महंगी टिकट उद्घाटन समारोह की है

952 अरब रुपये जापान ने ओलंपिक की तैयारियों पर खर्च किए हैं लेकिन वहां की राष्ट्रीय ऑडिट टीम की मानें तो खर्च रकम दोगुनी है। आयोजन समिति, जापान सरकार और राज्य सरकारों ने मिलकर यह खर्चा किया है

108 अरब रुपये से राष्ट्रीय स्टेडियम का निर्माण किया गया है जहां पर उद्घाटन समारोह होगा

151 अरब रुपये आइओसी ने रिजर्व के तौर पर रखे हैं। इसके अलावा उसने इंश्योरेंश भी करवा रखा है

78 लाख टिकट ओलंपिक की सारी स्पर्धाओं को मिलाकर निकाले गए हैं जिसमें से अधिकतर बिक चुके हैं

81 पन्नों का करार आइओसी, जापान ओलंपिक समिति और मेजबान शहर टोक्यो के बीच हुआ है। आइओसी को अगर लगता है कि ओलंपिक का आयोजन नहीं हो सकता तो वह जापान के प्रधानमंत्री एबी शिंजो से सलाह लेकर खेल स्थगित कर सकता है

कोरोना से बचते हुए होंगे वाडा के डोप टेस्ट

नई दिल्ली : विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच डोप टेस्ट को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की है। वाडा और एनएडीओ के एडवाइजरी ग्रुप की शुक्रवार को टेलीकांफ्रेंस की बैठक हुई थी, जिसमें एंटी डोपिंग संगठन (एडीओ) से स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा लगाई गई पाबंदियों के तहत काम करने को कहा गया है, ताकि खिलाड़ियों की पूरी तरह से सुरक्षा की जा सके और साथ ही डोपिंग नियंत्रण कार्यक्रम की अखंडता को बचाया जा सके।

वाडा ने कहा है कि अगर टेस्ट करने वाले अधिकारियों को कोरोना वायरस से पीड़ित पाया जाता है, तो जिन खिलाड़ियों का उन्होंने टेस्ट किया है उनको इस बात की सूचना दे दी जाएगी। मास्क का उपयोग करना, काम की जगह को कीटाणु रहित करना और अगर स्थानीय पाबंदियां टेस्ट के दौरान सामने आती हैं तो एडीओ को उनका पालन करना होगा। एडीओ को खिलाड़ियों के ठिकानों को पता लगाना होगा और उनकी गतिविधियों पर नजर रखनी होगी। अगर टेस्ट प्रोग्राम जारी रहता है तो स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक बेहतर बचाव के विकल्प शामिल करने होंगे, ताकि सैंपल लेने वाले अधिकारियों की सुरक्षा का ख्याल रखा जा सके।

जल्द फैसला लेने की जरूरत नहीं : अमेरिका

लॉस एंजिलिस, एएफपी : अमेरिका ओलंपिक और पैरालंपिक कमेटी की प्रमुख सुसेन लियोंस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आइओसी) को तुरंत फैसला लेने की जरूरत नहीं है।

लियोंस ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें आइओसी से कहना चाहिए कि वह विशेज्ञषों की सलाह ले। हमारे खेल अगले सप्ताह नहीं है, दो सप्ताह बाद भी नहीं है। अभी चार महीनों का समय है। ऐसे में हम आइओसी को मौका दे रहे हैं कि वह जानकारी जुटाए और सलाह ले। इस समय हमें नहीं लगता है कि कोई फैसला लेने की जरूरत है। लियोंस के बयान के चार घंटे बाद ही अमेरिका तैराकी संघ ने अमेरिकी ओलंपिक संघ से कहा है कि वह खेलों को स्थगित करने की मांग करे। अमेरिकी तैराकी संघ के प्रमुख टिम हिंचे ने लिखे पत्र में कहा है कि अमेरिकी ओलंपिक संघ को खेलों को स्थगित करने की पैरवी करनी चाहिए।

क्रिकेट डायरी

कोहली का रिकॉर्ड ही काफी कुछ कहता है : मियांदाद

कराची : पाकिस्तान के महान क्रिकेटर जावेद मियांदाद ने विराट कोहली को अपना पसंदीदा बल्लेबाज चुना है क्योंकि वह उनकी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित हैं और उनका कहना है कि भारतीय कप्तान का रिकॉर्ड ही काफी कुछ बयां करता है। मौजूदा भारतीय टीम में प्रतिभा और गहराई के बारे में अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए मियांदाद ने कहा कि मुझसे पूछा गया कि भारतीय क्रिकेट टीम में कौन सर्वश्रेष्ठ है तो मैंने विराट कोहली को चुना। मुझे ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि उनका प्रदर्शन ही काफी कुछ बयां करता है। लोगों को यह स्वीकारना होगा क्योंकि आंकड़े सबके सामने हैं। (प्रेट्र)

अतिरिक्त दिन चाहता है सीए

सिडनी : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस साल के आखिर में होने वाले पुरुषों के टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल के लिए अतिरिक्त दिन का प्रस्ताव रख सकता है। इससे पहले आइसीसी को महिलाओं के टी-20 विश्व कप नॉकआउट चरण में अतिरिक्त दिन नहीं रखने के कारण काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। टी-20 महिला विश्व कप में भारत के खिलाफ सेमीफाइनल बारिश में धुलने के कारण इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया था चूंकि ग्रुप चरण में भारत के अधिक अंक थे। पुरुषों का टी-20 विश्व कप 18 अक्टूबर से होगा जिसमें फाइनल से पहले अतिरिक्त दिन का प्रावधान नहीं है। (प्रेट्र)

दोषी पाए गए उमर

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उमर अकमल को दो अलग-अलग घटनाओं के लिए आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया। पीसीबी ने कहा है कि उमर ने बोर्ड को किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा किसी गलत व्यवहार के लिए संपर्क किए जाने की घटना पीसीबी को नहीं दी। इसी कारण उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ। उमर के नाम नोटिस जारी किया गया था और अब अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर वह 31 मार्च, 2020 तक जवाब दे सकते हैं। (प्रेट्र)

एनबीए का ग्लोबल अभियान

नई दिल्ली : कोरोना के कारण एनबीए सत्र 2019/20 निलंबित किया जा चुका है, लेकिन लीग का वैश्विक प्रभाव और पहुंच कम नहीं हुआ है। कोरोना के बारे में जागरूकता लाने करने के लिए पिछले सप्ताह एनबीए के 18 अधिकारियों और खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर वीडियो के माध्यम से स्वास्थ्य व जागरूकता से संबंधित अपने विचार साझा किए। लीग अपने एनबीए टुगेदर का प्रयोग डिजिटल और एनबीए परिवार में टीमों, खिलाड़ियों, कोचों, डॉक्टरों और अन्य लोगों की आवाजों को उठाने के लिए इसका प्रयोग कर रही है। (जेएनएन)

खाली स्टेडियम में आइपीएल आसान नहीं

विशाल श्रेष्ठ • कोलकाता

कोरोना के कहर के बीच आइपीएल को लेकर कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इनमें से एक है खाली स्टेडियमों में मैचों का आयोजन। आइपीएल चौकों-छक्कों का खेल है, तकरीबन हर ओवर में ही गेंद स्टेडियम की ऊंची-ऊंची गैलरियों की हवाई यात्रा करती है। जो गेंद जमीनी फासला तय कर बाउंड्री लाइन के पार जाती हैं, उन्हें ग्राउंड पर लौटाने के लिए बॉल ब्वाय होते हैं, लेकिन ऊंची गैलरियों में वहां बैठे दर्शक ही बॉल ब्वाय की भूमिका निभाते हैं। उन्हीं के हाथों से गेंद वापस मैदान पर पहुंचती हैं। ऐसे में अगर गैलरियां खाली होंगी तो गेंद मैदान पर कैसे लौटेगी? वहीं कैमरों से गैलरियों में हर जगह गेंद पर नजर रख पाना भी संभव नहीं है, खासकर गेंद के कुर्सियों के नीचे कहीं चले जाने पर। इस मामले में भी वहां बैठे दर्शक ही बॉल ट्रैकर का काम करते हैं। खाली स्टेडियम होने पर आइपीएल प्रबंधन को इन भावी चुनौतियों के लिए अच्छी-खासी तैयारी करनी पड़ेगी क्योंकि सही व्यवस्था नहीं होने पर काफी समय बर्बाद हो सकता है, जिससे मैच की अवधि बढ़ जाएगी।

बॉल ब्वाय की बड़ी टीम की पड़ेगी जरूरत : बंगाल क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान संबरन बनर्जी ने कहा कि दर्शकों के बिना आइपीएल का आयोजन संभव तो नहीं लग रहा लेकिन अगर सच में ऐसा होता है तो हर स्टेडियम में बॉल ब्वाय की बहुत बड़ी टीम की जरूरत पड़ेगी, जिन्हें बाउंड्री लाइन के साथ-साथ गैलरियों में भी तैनात करना पड़ेगा। जहां तक मुझे जानकारी है, एक मैच के लिए मैदान पर 20 से 22 बॉल ब्वाय लगते हैं। कोलकाता में होने वाले आइपीएल मैचों के लिए मेरी क्रिकेट अकादमी से हर साल पांच-छह प्रशिक्षु बतौर बॉल ब्वाय लिए जाते हैं।

ग्राउंड स्टाफ को लगाने को हैं तैयार सुजन : ईडन गार्डेंस स्टेडियम के क्यूरेटर सुजन मुखर्जी ने कहा कि मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास बैठे हमारे ग्राउंड स्टाफ भी बॉल ब्वाय की भूमिका निभाते हैं। अगर इस बार हमें ईडन की गैलरियों में तैनात रहकर गेंद पकड़कर ग्राउंड में फेंकने का अतिरिक्त काम सौंपा गया तो हम इसके लिए भी तैयार रहेंगे। हालांकि यह मौसम के मिजाज पर निर्भर करेगा क्योंकि बारिश की संभावना होने पर हम अपने स्टाफ को दूसरे काम में नहीं लगा पाएंगे।

समस्या

- गैलरियों में तैनात करनी पड़ेगी बॉल ब्वाय की फौज
- अमूमन दर्शक करते हैं बॉल ट्रैकर का काम

मैच के दौरान खिलाड़ी बटोरकर ला रहे थे गेंद

कोलकाता : खाली स्टेडियम में मैच होने से होने वाली परेशानी की बानगी पिछले दिनों आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में हुए पहले वनडे मैच के दौरान ही देखने को मिल गई थी, जब दोनों देशों के खिलाड़ियों को खुद से कई बार नीचे की गैलरियों में जाकर गेंद लानी पड़ी थी। गौर करने वाली बात यह है कि उस वनडे में कुल मिलाकर सिर्फ छह छक्के ही लगे थे जबकि आइपीएल के एक मैच में आम तौर पर इससे कई गुना ज्यादा छक्के लग जाते हैं।

आसान काम नहीं

कोलकाता : बॉल ब्वॉय का काम भले आसान दिखता है लेकिन ये काफी मुश्किल भरा है। इनका चयन आम तौर पर राज्य क्रिकेट संघों से संबद्ध क्रिकेट अकादमियों से होता है। इसमें ऐसे प्रशिक्षु क्रिकेटरों को चुना होता है, जो शारीरिक तौर पर काफी चुस्त होते हैं, जिनकी उपस्थित बुद्धि काफी अच्छी होती है और जिन्हें क्रिकेट की अच्छी समझ होती है। विभिन्न क्रिकेट अकादमी में अलग से यह हुनर भी सिखाया जाता है। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी 13 साल की उम्र में बॉल ब्वाय की भूमिका निभा चुके हैं।

कोरोना को हराना है

मेरी कॉम ने तोड़ा आइसोलेशन का प्रोटोकॉल

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : दिग्गज मुक्केबाज और राज्य सभा सांसद एमसी मेरी कॉम विवादों में फंसती दिख रही हैं। मेरी कॉम ने महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस पर आइसोलेशन का प्रोटोकॉल तोड़ा है। सेहत सुरक्षा से जुड़ा यह प्रोटोकॉल तोड़कर मेरी कॉम सीधे राष्ट्रपति भवन में पहुंचीं। हाल ही मेरी कॉम जॉर्डन में आयोजित हुए एशिया-ओसियाना ओलिंपिक क्वालीफायर्स में खेलकर स्वदेश लौटी थीं।

मेरी कॉम को एहतियातन 14 दिन खुद को अलग-थलग रहना था लेकिन 18 मार्च को मैरी कॉम राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस दिन उत्तर प्रदेश और राजस्थान से आने वाले सांसदों को न्योता दिया था। इस कार्यक्रम में मेरी कॉम भी थीं। राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जारी इस कार्यक्रम की तस्वीरों में मेरी कॉम को साफ देखा जा सकता है। मेरी 13 मार्च को ही भारत लौटी थीं और इस लिहाज से 27 मार्च से पहले उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों या आम लोगों के बीच नहीं जाना था। इसी कार्यक्रम में बीजेपी के सांसद दुष्यंत सिंह भी मौजूद थे। हालांकि उनकी कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। मेरी ने जॉर्डन में प्रतियोगिता में भाग लेकर दूसरी बार अपना ओलंपिक का टिकट पक्का किया है। इससे पहले वह ट्रेनिंग के लिए इटली भी गई थीं। हालांकि आइओसी ने पूरे भारतीय दल के कोरोना टेस्ट के लिए सैंपल लिए थे, जिसमें मेरी कॉम समेत सभी सदस्यों की रिपोर्ट निगेटिव थी लेकिन तय प्रोटोकॉल के मुताबिक सभी खिलाड़ियों को भारत में आकर 14 दिन एकांत में बिताने थे।

राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम के दौरान भारतीय मुक्केबाज मेरी कॉम (घेरे में) • ट्विटर

इंडोर मैजिक गेम से अय्यर ने किया मनोरंजन

नई दिल्ली : कोराना वायरस के महामारी का रूप लेने के बाद दुनिया भर में सामाजिक कार्यक्रमों पर रोक लगी हुई है। खेल की दुनिया में भी इस घातक वायरस के चलते ठहराव आ गया है और खिलाड़ी भी इन दिनों इंडोर में अपना वक्त गुजार रहे हैं। ऐसे में कई खिलाड़ी सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच अपनी मौजूदगी का अहसास करा रहे हैं। टीम इंडिया के मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने भी कुछ ऐसा ही किया है। अय्यर ने कार्ड (ताश) का जादू दिखाकर प्रशंसकों का मनोरंजन किया है।

ट्रेनिंग में जुटी हॉकी टीम

बेंगलुरु : कोविड-19 के चलते यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर के भीतर ही अभ्यास कर रही है। साई सेंटर पर बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश निषेध कर दिया गया है। इस साल जापान में होने वाले ओलंपिक की तैयारियों को लेकर हॉकी इंडिया ने चरणबद्ध तरीके से शिविरों का आयोजन किया है। यह आयोजन दोनों टीमों के लिए होता है और प्रशासन टीमों को तैयार करने के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ रहा। पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि हमारे अभ्यास सत्र पर कोई असर नहीं पड़ा। हम लगातार अपने हाथ धो रहे हैं और तापमान की जांच भी नियमित तौर पर हो रही है। हमें पूरा सुरक्षित माहौल दिया जा रहा है। महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं।

कोरोना का असर

- अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन संघ ने थॉमस और उबर कप तीन महीने स्थगित किया
- 25 मार्च से दोबारा ट्रेनिंग पर लौटेगा इटली क्लब नापोली
- इटेलियन फुटबॉल क्लब रोमा अपने खिलाड़ियों और स्टाफ का वेतन अस्पतालों को दान करेगा
- इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सभी गतिविधि 28 मई तक रोकी
- चीनी फुटबॉलर वू ली का स्पेन में कोरोना टेस्ट पॉजिटिव पाया गया
- बैंकॉक में छह मार्च को हुए किकबॉक्सिंग मैच से फैला वायरस
- खाली स्टेडियम में शुरू हुए ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल लीग के मुकाबले
- श्रीलंका ने सभी घरेलू टूर्नामेंट स्थगित किए
- सहायता के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी आगे आए
- खिलाड़ियों का वेतन कम कर सकता है बार्सिलोना
- लंदन में संक्रमित लोगों के बीच रहने के बाद एफ वन चैंपियन लुइस हैमिल्टन आइसोलेशन में गए

क्या होगा दो मैच जीतकर लिवरपूल 28 साल में पहली बार हासिल करता ईपीएल की ट्रॉफी लेकिन कोरोना के कारण लीग 30 अप्रैल तक है स्थगित

लिवरपूल और खिताब के बीच कोरोना वायरस

योगेश शर्मा • नई दिल्ली

28 साल से इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब लिवरपूल इस ट्रॉफी को अपने नाम करने की कोशिशों में जुटा रहा और जब इस साल वह इसके करीब आ गया तो कोरोना वायरस ने उसकी उम्मीदों को डस लिया। मैनेजर जुर्जेन क्लोप की टीम लिवरपूल सिर्फ दो और जीत हासिल करके इस खिताब को पक्का कर सकती थी लेकिन कोरोना वायरस के कारण इंग्लिश प्रीमियर लीग 30 अप्रैल तक स्थगित कर दी गई है। हालांकि इसके बाद भी इस लीग के पूरे होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में फुटबॉल प्रशंसकों के बीच मांग उठने लगी है कि लिवरपूल को चैंपियन ट्रॉफी दे दी जाए। हालांकि लिवरपूल के कुछ ऐसे विरोधी भी हैं जो कह रहे हैं कि कोरोना का एक फायदा यह हुआ कि यह क्लब पहली बार ईपीएल चैंपियन नहीं बन सका।

फिलहाल लिवरपूल अंक तालिका में 82 अंक लेकर शीर्ष पर है और दूसरे स्थान पर काबिज मैनेजर पेप गॉर्डियोला की टीम मैनचेस्टर सिटी उससे 25 अंक पीछे है। क्लोप की टीम को नौ मैच खेलने बाकी हैं। अगर यह टीम दो मैच जीत चुकी होती तो उसका ट्रॉफी जीतना सुनिश्चत हो चुका होता क्योंकि फिर उससे ज्यादा अंक किसी और टीम के लिए हासिल करना मुश्किल होता।

मई में राहत : कोरोना के कारण यह लीग पहले तीन अप्रैल तक के लिए स्थगित की गई थी लेकिन गुरुवार को 20 क्लबों और ईपीएल के अधिकारियों ने इसे 30 अप्रैल तक नहीं कराने का फैसला किया। इंग्लैंड में कई फुटबॉल अधिकारियों ने कहा कि इस लीग को यही खत्म कर दिया जाता है तो लिवरपूल को खिताबी ट्रॉफी देनी चाहिए और इसके पक्ष में कई क्लब भी हैं। हालांकि तब भी लिवरपूल को विजेता ट्रॉफी के लिए मई तक का इंतजार करना पड़ेगा। लिवरपूल को विजेता ट्रॉफी नौ मई को चेल्सी के खिलाफ होने वाले मैच में दी जा सकती है लेकिन सब कोरोना पर निर्भर है। लिवरपूल और उसके प्रशंसक घरेलू मैदान पर इसका जश्न मनाने के लिए बेताब हैं।

लिवरपूल के मैनेजर जुर्जेन क्लोप • एपी

टीमें नहीं हो बाहर

ईपीएल में कुल 20 क्लब खेलते हैं। अगर यह सत्र यहीं खत्म कर दिया जाता है तो तालिका में सबसे नीचे रहने वाली तीन टीमें ईपीएल से रेलिगेट होकर इंग्लिश फुटबॉल लीग (ईएफएल) में चली जाएंगी। बाकी 17 टीमें ईपीएल में बनी रहेंगी। जो तीन टीमें रेलिगेट होंगी उनकी जगह ईएफएल की शीर्ष दो टीमें स्वत: ईपीएल के अगले सत्र में प्रमोट हो जाएंगी। ईएफएल में तीसरे, चौथे, पांचवें, वह छठे स्थान में रही टीमों के बीच होने वाली प्लेऑफ सीरीज की विजेता टीम ईपीएल में 20वीं टीम के तौर पर जगह बनाएगी। ईपीएल के कुछ अधिकारियों का कहना है कि लीग को अभी स्थगित करके लिवरपूल को विजेता ट्रॉफी दे दी जाए और लीग से बाहर होने वाली टीमों को इस सत्र से बाहर नहीं किया जाए। ऐसे में ईएफएल, एफए कप आदि के कार्यक्रमों पर भी असर पड़ेगा।

मौजूदा ईपीएल अंक तालिका

टीमें	मैच	जीत	ड्रॉ	हार	अंक
लिवरपूल	29	27	01	01	82
मै. सिटी	28	18	03	07	57
लिसेस्टर	29	16	05	08	53
चेल्सी	29	14	06	09	48
मै. युनाइटेड	29	12	09	08	45
वोल्वस	29	10	13	06	43
शेफील्ड	28	11	10	07	43
टॉटनहम	29	11	08	10	41
आर्सेनल	28	09	13	06	40
बर्नले	29	11	06	12	39
क्रिस्टल	29	10	09	10	39
एवर्टन	29	10	07	12	37
न्यूकैसल	29	09	08	12	35
साउथैप्टन	29	10	04	15	34
ब्राइटन	29	06	11	12	29
वेस्ट हैम	29	07	06	16	27
वाटफोर्ड	29	06	09	14	27
बोर्नमाउथ	29	07	06	16	27
विला	28	07	04	17	25
नॉर्विक	29	05	06	18	21

जनता कर्फ्यू को सफल बनाएं : सुधा सिंह

विकास मिश्र • लखनऊ

भारत की दिग्गज महिला एथलीट ने कोरोना वायरस के खिलाफ जागरूकता की अपील की

भारत की स्टार महिला एथलीट और एशियन गेम्स की चैंपियन सुधा सिंह ने देश के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता कर्फ्यू के आह्वान को सफल बनाने की अपील की है। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा कि कारण दुनिया रुक गई है। मुझे लगता है कि यह समय हम सभी के लिए काफी मुश्किल है। ऐसी स्थिति में सभी को एकजुटता का परिचय देने की जरूरत है।

इस दिग्गज एथलीट ने सलाह दी है कि सिर्फ 22 मार्च ही नहीं, बल्कि इससे आगे भी जब तक खतरनाक कोरोना का असर खत्म नहीं हो जाता, इसे हराने के लिए सबको इस तरह का एहतियात बरतने की जरूरत है। कोई भी लक्षण दिखने पर कतई छुपाएं नहीं, बल्कि डॉक्टरों को इसकी जानकारी दें और इस संकट से खुद भी बचें, बाकी लोगों को भी बचाएं।

सुधा ने कहा कि हमें घबराने की नहीं, सजग रहने की जरूरत है। हम थोड़े सजग और सक्रिय होकर इससे बच सकते हैं। कौन घरों में बंद होना चाहता है, कौन नहीं चाहता कि उसके बच्चे स्कूल जाएं, लेकिन परिस्थिति ने हम लोगों को ऐसा करने के लिए मजबूर कर दिया है। बस कुछ दिन और खुद को क्वारंटाइन कर लीजिए, जल्द ही सब फिर से सामान्य हो जाएगा। उन्होंने इस विपरीत स्थिति में लोगों की सेवा कर रहे डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि कई राज्यों के डॉक्टर भी कोरोना के चपेट में आ चुके हैं।

पटियाला में 19 मार्च को ग्रांपि, दक्षिण कोरिया में 22 मार्च को अंतरराष्ट्रीय मैराथन और 10 अप्रैल को पटियाला में ही आयोजित फेडरेशन कप को रद कर दिया गया है।

नदी नीति के लागू होने की प्रतीक्षा में 'नदीपुत्र'

राजू मिश्र, लखनऊ

जरूरी नहीं कि सरकार या संस्थाएं ही बड़े काम कर सकती हैं, आम व्यक्ति चाहे तो अपने बूते जो वह कर सकता है उसे सरकारें भी उस पूर्णता के साथ न कर पाएं। मेरठ, उप्र निवासी रमनकांत त्यागी की ख्याति आज नदीपुत्र के तौर पर है। वह ऐसे ही विरले लोगों में से एक हैं, जिन्होंने जो कर दिखाया है, उसकी मिसाल दी जा सकती है।

जल संरक्षण

विश्वस्तर पर वह अनगिनत जल सम्मेलनों में भाग ले चुके हैं। आलम यह है कि तालाबों की दिक्कतों के बारे में प्रशासन से कहीं अधिक उनके पास प्रार्थनापत्र आते हैं। प्रशासन के सहयोग से सैकड़ों तालाबों को कब्जा मुक्त करा चुके हैं, गंदगी से मुक्त कराकर पानी से लबालब करवा चुके हैं। 2003 में उन्होंने देश में पहली बार तालाबों का अध्ययन किया। यह अनूठा अध्ययन किसी भी जिले का पहला सेंसस था। इस अध्ययन में पानी की उपलब्धता और तालाबों का कुल ब्योरा दर्ज किया गया था।

- मेरठ निवासी रमनकांत त्यागी ने सरकार को दी है अपनी अध्ययन रिपोर्ट, सुझाया है नदी तंत्र के संवर्द्धन का कारगर मॉडल
- उप्र की दो नदियों के संरक्षण में दे रहे हैं योगदान
- दी गई अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर काली नदी को राष्ट्रीय मिशन में किया गया शामिल

काली नदी की सफाई में जुटे रमनकांत त्यागी (दाएं)। जागरण

यह है रमन मॉडल...

नदी के किनारों (रिवर बेड) पर तालाबों का निर्माण, रिवर बेड को वृक्षों से भरना, नदी किनारे के गांवों को जागरूक कर नदी संरक्षण की मुहिम में जोड़ना, नदी किनारे की कृषिभूमि पर रसायनमुक्त कृषि के लिए किसानों को तैयार करना और नदी में गिरने वाले गंदे नालों को रोकने का उपाय करना, यह युक्ति इनके मॉडल का आधार है, जिसे रमन मॉडल नाम दिया गया है।

इसके बाद उन्होंने हिंडन और काली नदी पर विस्तृत अध्ययन किया। पहुंच गए सहारनपुर में शिवालिक की पहाड़ियों तले बरसनी फॉल, जहां से हिंडन निकलती है और फिर उद्गम स्थल से लेकर यमुना में मिलने तक के सफर पर उन्होंने फोकस किया। इसी तरह काली का भी अध्ययन किया। तब इन नदियों के नक्शों की जरूरत पड़ी, जो कहीं नहीं मिले तो खुद ही नक्शानवीसी भी की। 2012 में उन्होंने उत्तर प्रदेश की नदी नीति भी बनाई और सरकार को भी सौंपी। काली नदी पर बनाई गई अध्ययन रिपोर्ट को केंद्र ने स्वीकारा और काली को राष्ट्रीय नदी मिशन में शामिल किया गया।

वह बताते हैं, काली नदी का तब हाल-बेहाल था। आसपास के गांवों में स्वच्छ पेयजल के भी लाले पड़े थे। तब ओवरहेड टैंक के माध्यम से दर्जनों गांवों में शुद्ध पेयजल मुहैया करवाया। खुद जुटकर रमन ने अपने सहयोगियों के साथ काली नदी के उद्गम से आगे का दो किलोमीटर लंबा हिस्सा पुनर्जीवित कर डाला है। उनका लक्ष्य है कि पांच किलोमीटर तक काली को इतना स्वच्छ कर दिया जाए कि पानी लबालब रहे।

वह बताते हैं, काली वास्तव में बरसाती नदी है। हाल के वर्षों तक इस नदी में सीवेज ही बहता आ रहा था। काली के पुनर्जीवन अभियान में नदी के इर्द-गिर्द रहने वालों ने बड़ा त्याग किया। जिस इलाके में एक एक इंच जमीन के लिए मर्डर आम हैं, वहां नदी की खातिर लोगों ने अवैध कब्जे छोड़ दिए। अब काली में पानी आ गया है। रमन कहते हैं कि काली इस बात का उदाहरण बनेगी कि नदियां पुनर्जीवित भी हो सकती हैं। बरसात से पहले काली को स्नान योग्य बना देना उनका सर्वप्रमुख लक्ष्य है।

वाशिंगटन के संगठन अर्थ डे विलेज ने काली के उद्गम यानी मुजफ्फरनगर जिले के अंतवाड़ा ग्राम को स्टार विलेज घोषित किया है। गंगा-यमुना के दोआब की पहचान को वापस लौटाना अब रमन का लक्ष्य है ताकि लोग बीमार न हों, खेत सींचे जा सकें और पेयजल के लिए किसी को कोई परेशानी न हो। उनका दावा है कि यदि हमारे मॉडल को अपनाया जाए तो किसी भी नदी को पुनर्जीवित किया जा सकता है। काली में जलधारा फूटने के बाद ग्रामीण निहाल हैं। अंतवाड़ा ही नहीं बल्कि नदी के रास्ते पड़ने वाले प्रत्येक गांव का वाशिंदा अब रमन की ओर टकटकी लगाए हसरत भरी निगाहों से देख रहा है। रमन कहते हैं कि यदि उनका मसौदा लागू हो जाए तो नदियां बेहतर हो सकती हैं।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

सुखद सीख दे रहे हिमालयी राज्य के कूपवेल

दीप सिंह बोरा, अल्मोड़ा

पर्वतीय राज्य में शुद्ध पानी मुहैया कराने की चुनौती को हमारे वैज्ञानिक आसान करने में जुटे हैं। रिवर बैंक फिल्टरेशन यानी नदी तट निस्पंद के सिद्धांत पर उत्तराखंड के पांच स्थानों पर यह अभिनव प्रयोग सफल हो गया है। इससे पर्वतीय राज्य में जलसंकट दूर कर जलजनित रोगों का जोखिम कम करने में भी बड़ी कामयाबी मिली है। खास बात कि यह इस तकनीक में बिजली भी खर्च नहीं होगी। पांचों स्थानों पर क्लोरीनेशन पाइप से लैस कूपवेल के जरिये चार हजार लोगों को शुद्ध जल की आपूर्ति भी की जाने लगी है।

अब वैज्ञानिक इस विशेष तकनीक को जल संस्थान व जल निगम के सुपुर्द करने जा रहे हैं। ताकि नदी घाटियों में ऐसे कूपवेल स्थापित कर किल्लत झेल रहे गांवों को साफ पानी पहुंचाया जा सके।

> इस तकनीक में रेत ही प्राकृतिक रूप से पानी को फिल्टर करती है। बैक्टीरिया के खात्मे को पाइप में ही क्लोरीनेशन तकनीक अपनाई गई है। स्थान विशेष के हिसाब से कूपवेल की गहराई व क्षमता अलग-अलग है। केवल ऊंचे इलाकों के लिए ही पंपिंग के माध्यम से पानी पहुंचाने में बिजली की जरूरत पड़ेगी।
>
> -प्रो. किरीट कुमार, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन

जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण शोध एवं सतत विकास संस्थान कोसी कटारमल (अल्मोड़ा) के वैज्ञानिकों की अगुआई में वर्ष 2015-16 में पर्वतीय राज्य के संकटग्रस्त गांवों तक साफ व शुद्ध पानी पहुंचाने का बीड़ा उठाया। राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन के तहत नीदरलैंड्स की इस तकनीक पर अध्ययन शुरू किया गया। नदी किनारे कूपवेल के लिए 10 या 15 मीटर की गहराई तक पाइप डाला जाता है। इसमें जालीनुमा क्लोरीन युक्त विशेष फिल्टर लगा होता है। रेत व कंकड़ों का कृत्रिम फिल्टर भी बनाया जाता है। फिर सतह के पानी को चैंबर तक लाते हैं, जिसके चारों तरफ छोटे छोटे फिल्टर पाइप लगे होते हैं। इसके लिए बिजली चालित मोटर की जरूरत भी नहीं है। यहां से मुख्य पाइप के जरिये साफ व कीटाणुरहित पानी की आपूर्ति की जाती है।

यूरिनल ही पैथोलैब, तुरंत मिलेगी जांच रिपोर्ट

जागरण विशेष

बलराम मिश्र, भागलपुर

यूरिनल में जाइए और शरीर की जांच रिपोर्ट मोबाइल पर देख लीजिए। आइआइटी कानपुर में इस प्रोजेक्ट पर शोध कर रहे भागलपुर, बिहार निवासी युवा वैज्ञानिक निक्की झा द्वारा तैयार एप बेस्ड यह उपकरण डायबिटीज और किडनी संबंधी बीमारियों के बारे में सटीक जानकारी देता है।

निक्की ने दैनिक जागरण से अपने इस आविष्कार की कहानी साझा करते हुए बताया कि यह डिवाइज जांच के तौर-तरीकों को आसान बनाने की ओर उठाया गया कदम है। फिलहाल 130 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश में हर व्यक्ति को स्वास्थ्य की जांच का आसान विकल्प उपलब्ध नहीं है। पैथोलैब हर किसी की सीधी पहुंच में नहीं हैं। इस ओर काम किए जाने की दरकार है। मैंने जो यूरिनल पैथोलैब विकसित किया है, वह विकल्प प्रस्तुत कर रहा है।

निक्की ने इस उपकरण के बारे में कहा, बस यूरिनल में जाइए और अपनी बीमारियों की रिपोर्ट अपने मोबाइल पर देख लीजिए...। आइआइटी कानपुर में इस प्रोजेक्ट पर शोध कर रहे निक्की अब तक इस जांच डिवाइस के जरिये डायबिटीज और किडनी संबंधी बीमारियों के बारे में सटीक रिपोर्ट देने में सफल हो चुके हैं। अब अन्य बीमारियों पर भी काम चल रहा है। इस उपकरण को पेटेंट कराने की प्रक्रिया भी चल रही है। निक्की भागलपुर के नाथनगर क्षेत्र के नया टोला दुधैला के रहने वाले हैं। उन्होंने स्टार्टअप के तहत अपनी एक कंपनी भी बनाई है, जिसका नाम यूरिनलाइटिक्स प्राइवेट लिमिटेड है। सेंट्रल डिपार्टमेंट ऑफ बॉयो टेक्नोलॉजी ने उनके प्रोजेक्ट का चयन करते हुए 50 लाख रुपये का ग्रांट दिया। इसके बाद आइआइटी कानपुर की मदद से उन्होंने शोध शुरू किया। इसमें सेंट्रल साइंटिफिक इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआइआर) की इकाई सेंट्रल इलेक्ट्रिक केमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सेकरी) और आइआइटी पटना का भी सहयोग मिल रहा है।

निक्की ने बताया कि उन्होंने 2018-19 में यूरोप में नॉन फॉर प्रॉफिट सोशल इंटरप्रेन्यरशिप का प्रशिक्षण लिया। दुनियाभर से चयनित 15 वैज्ञानिकों में वह भी एक थे। अभी आइआइटी कानपुर में ही एप बेस्ड यूरिनल टेस्ट डिवाइस पर शोध कर रहे हैं। इससे डाइबिटीज और किडनी संबंधी बीमारियों के बारे में जानने का प्रयोग सफल हो चुका है। अब सेक्सुअल डिजीज, एचआइवी समेत कैंसर जैसी बीमारियों की जांच को आसान बनाने पर काम चल रहा है।

उन्होंने बताया कि यूरिनल (टॉयलेट) में यह किट लगी होगी, जो एक एप से कनेक्ट होगी। यूरिनल का इस्तेमाल करने पर मूत्र की जांच के आधार पर बनी रिपोर्ट मोबाइल एप पर आ जाएगी। यानी यूरिनल का इस्तेमाल करते ही स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिल जाएगी। इस किट को घर के आम यूरिनल में लगाया जा सकेगा।

निक्की के पिता सुनील कुमार झा कहलगांव में फिजिक्स के शिक्षक और मां रीना रानी गृहणी हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भागलपुर से हुई है। उन्होंने दसवीं की परीक्षा गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर से 2009 में पास की थी। 2011 में नवयुग विद्यालय से 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद 2016 में जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलेजी एंड मैनेजमेंट, नोएडा से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का कोर्स किया। 2018 में इकोलॉजी एंड इंवायरामेंटल साइंस में मास्टर की डिग्री ली।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

इनोवेशन...

- एप बेस्ड किट, जो यूरिन सैंपल की डायबिटीज और किडनी संबंधी बीमारियों की करेगी त्वरित जांच
- केंद्र सरकार ने शोध के लिए दिया था 50 लाख का अनुदान, आइआइटी कानपुर में प्रोजेक्ट पर काम रहे भागलपुर के युवा वैज्ञानिक निक्की झा

युवा वैज्ञानिक निक्की झा। जागरण

कई अवार्ड से हुए हैं सम्मानित

निक्की ने और भी आविष्कार किए हैं, जिसमें कोल्ड स्टोरेज, सोलर ऑफ कोल्ड स्टोरेज आदि शामिल हैं। उन्हें पर्यावरण रत्न अवार्ड, साइंस, आर्ट एंड मैनेजमेंट अवार्ड, ग्लोबल यूथ इंटरप्रेन्यरशिप, यंगेस्ट ऑथर अवार्ड मिला चुका है।

> पिताजी फिजिक्स के शिक्षक हैं। वह बचपन से ही मुझे छोटे-छोटे प्रयोग कर बताते रहते थे। इसी ने वैज्ञानिक बनने के लिए प्रेरित किया।
>
> -निक्की झा, युवा वैज्ञानिक, फाउंडर यूरिनलाइटिक्स प्राइवेट लिमिटेड

पकड़ी गई तानिया के वाट्सएप ग्रुप में शामिल थे हाफिज सईद के दो करीबी

साजिश ▶ पाकिस्तान से लश्कर प्रमुख हाफिज सईद देता था आवश्यक निर्देश

परवीन का एक सहयोगी लिया गया हिरासत में

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

आतंकी गतिविधियों में शामिल छात्रा तानिया परवीन के वाट्सएप ग्रुप पर लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद के दो करीबियों के भी नंबर मिले हैं, जिसके माध्यम से तानिया को हाफिज सईद विभिन्न निर्देश भेजा करता था। हवाला के जरिये तानिया को रुपये भी भेजे गए। खबर यह भी है कि तानिया को बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय अन्य आतंकी संगठनों को एकजुट कर बड़े हमले को अंजाम देने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह सब जानकारी जांच व पूछताछ में बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को मिली है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही तानिया को पकड़ा गया था।

जानकारी के मुताबिक तानिया के सहयोगी मनाजिरुल इस्लाम नामक कॉलेज छात्र को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस्लाम ने भी कई बार पाकिस्तान फोन किया था। उसके पास से दो मोबाइल फोन और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। इस बीच तानिया से बरामद मोबाइल फोन समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

लश्कर-ए-तैयबा से संबंधों के आरोप में गिरफ्तार कॉलेज छात्रा तानिया परवीन। जागरण

इस्लामिक राज्य की स्थापना करना चाहती थी : अभी तक की जांच में सामने आया है कि तानिया का मुख्य लक्ष्य आइएस (इस्लामिक स्टेट) की शैली में एक इस्लामिक राज्य की स्थापना करना था। उसने सोचा था कि लश्कर कुछ भी कर सकता है। पाकिस्तान से जेहादी गतिविधियों वाली कई किताबें उसे भेजी गई थीं, जिन्हें पढ़कर वह जिहादी विचारधारा वाली हो गई। बताया गया है कि वह लश्कर से तीन साल से जुड़ी है। तानिया ने पुलवामा कांड के बाद पाकिस्तान के कई लश्कर आर्तकियों से बात की थी। इसने हमले की तस्वीरें अपने ग्रुप में पोस्ट कर आतंकियों की प्रशंसा भी की थी।

स्लीपर सेल को फिर संगठित करने की जिम्मेदारी: सबसे पहले तानिया को जिहादी विचारधारा के प्रचार की जिम्मेदारी दी गई थी। बाद में पाकिस्तान से लश्कर के करीब-करीब खत्म हो चुके स्लीपर सेल को फिर से संगठित करने का निर्देश दिया गया था। उसने अपनी विचारधारा को बढ़ावा देने और स्लीपर सेल बनाने के लिए कई वाट्सएप ग्रुप बनाए। पता चला है कि उसके एक ग्रुप में 60 से 70 लोग थे, जिनमें लश्कर के लिए काम करने वाले पाकिस्तान में बैठे कुछ कट्टर आतंकी भी थे। विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के दिमाग में जिहादी विचारधारा भरकर उन्हें आतंकी बनाने वाले लोगों को तलाश कर वाट्सएप से जोड़ना उसका मुख्य उद्देश्य था। इसके अलावा तानिया उत्तर 24 परगना जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न अनधिकृत मदरसों का भी लगातार दौरा करती थी, जहां वह संगठनों में नए लोगों की भर्ती के लिए जिहादी भाषण भी देती थी।

आतंकी शिविर भी बनाए : जांच अधिकारियों को मिली सूचना के अनुसार तानिया ने मालदा और मुर्शिदाबाद में कई आतंकी शिविर भी बना लिए थे, जहां तानिया बताती थी कि जिहाद के लिए उग्र भाषण कैसे दिया जाता है और आतंकी गतिविधियों का संचालन किस तरह से किया जाता है।

हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेने पाक जाने वाली थी : जांच में यह भी पता चला है कि तानिया अत्याधुनिक हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेने के लिए पाकिस्तान जाने की भी तैयारी में थी। इसके लिए उसने हाफिज सईद के दो सहयोगियों के साथ बातचीत कर सबकुछ तय कर लिया था। वह बांग्लादेश होते हुए पाकिस्तान जाकर वहां की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के कुछ शीर्ष अधिकारियों से मिलने वाली थी। बंगाल एसटीएफ के अधिकारियों को पता चला है कि संगठन के लिए मोटी रकम साथ लाने की योजना थी ताकि वह सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़े आतंकी नेटवर्क स्थापित कर सके, लेकिन उसका मंसूबा नाकाम हो गया।

सासाराम में मृत मिले आधा दर्जन कौए

जासं, दावथ (सासाराम) : नगर पंचायत कोआथ के योगिनी मोहल्ले के एक बगीचे में शनिवार को आधा दर्जन मृत कौवों के मिलने से हड़कंप मच गया। वहीं बस स्टैंड के आसपास भी दर्जनों कौए अर्द्धबेहोशी की हालत में देखे गए।

योगिनी निवासी अजय पाठक, नगेंद्र चौधरी, सुनील चौधरी व प्रिंस राज सहित अन्य ने बताया कि योगिनी गांव के एक बगीचे से करीब आधा दर्जन कौए मृत मिले। वहीं बस स्टैंड के पास एक दर्जन की संख्या में कौए देखे गए, जो उड़ने व चलने में असमर्थ थे। इस संबंध में प्रखंड पशु चिकित्सक डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि सैंपल भेजा गया है, कोलकाता लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही साफ तौर पर कुछ कहा जा सकता है।

खड़गपुर में कौवों, कबूतरों और चमगादड़ों की मौतः वहीं मुंगेर के हवेली खड़गपुर प्रखंड के कई गांवों में पक्षियों की लगातार मौत हो रही है। शनिवार को कौवों, कबूतरों और चमगादड़ों के अलावा कुछ कुत्तों की भी मौत हुई है। तेघड़ा गांव में दर्जनों कौवों की मौत की सूचना ग्रामीणों ने अधिकारियों को दी। लोगों ने बताया कि मृत कौवों को खाने के बाद तीन-चार कुत्तों की भी मौत हो गई। हवेली खड़गपुर थाना परिसर में भी तीन-चार चमगादड़ और दो कबूतर मृत पाए गए। इस संबंध में मुंगेर के जिलाधिकारी राजेश मीणा ने बताया कि हवेली खड़गपुर प्रखंड में पक्षियों के मरने की सूचना मिली है। जिला पशुपालन पदाधिकारी को पक्षियों के बिसरा को जांच के लिए पटना भेजने को कहा गया है।

टीएमटीडी न्यायिक जांच आयोग की सुनवाई टली

नईदुनिया, जगदलपुर

कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए ताड़मेटला आगजनी कांड की कमिश्नर कार्यालय भवन में 23 मार्च को होने वाली टीएमटीडी विशेष न्यायिक जांच आयोग की सुनवाई टल गई है। न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष जस्टिस टीपी शर्मा के हवाले से आयोग ने इस संबंध में पुलिस और प्रशासन को सुनवाई स्थगित करने की सूचना दी है। आयोग ने फिलहाल सुनवाई की नई तारीख घोषित नहीं की है।

न्यायिक जांच आयोग का कार्यकाल इसी माह 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। बताया जाता है कि कोरोना संकट व कई अन्य कारणों का हवाला देते आयोग का कार्यकाल सितंबर 2020 तक बढ़ाने की मांग राज्य शासन को पत्र भेजकर की है। हालांकि आधिकारिक रूप से आयोग के सूत्रों ने इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन आयोग का कार्यकाल बढ़ाए बिना आयोग की जांच पूरी नहीं हो सकती इस बात कर जोर देने की बात सामने आ रही है। 23 मार्च की सुनवाई में पुलिस बचाव पक्ष के गवाहों का बयान दर्ज कराने वाली थी।

क्या है टीएमटीडी घटना : सुकमा के ताड़मेटला, तिम्मापुर और मोरपल्ली में 11 से 16 मार्च 2011 के बीच वनवासियों के 250 मकान आगजनी का शिकार हुए थे। जस्टिस टीपी शर्मा की अध्यक्षता में गठित न्यायिक जांच आयोग टीएमटीडी के नाम से चर्चित इस कांड की जांच कर रहा है।

पुलिस ने नहीं की छेड़छाड़ में कार्रवाई, किशोरी ने दी जान

जासं, फीरोजाबाद : उत्तर प्रदेश के फीरोजाबाद में दो मार्च को किशोरी के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना में पुलिस ने कार्रवाई नहीं की और आरोपित किशोरी को बदनाम करता रहा। इससे परेशान होकर शनिवार को किशोरी ने फंदे से लटककर जान दे दी। जसराना थाना क्षेत्र निवासी किशोरी के स्वजनों ने बताया कि घटना दो मार्च देर शाम की थी।

सीएए-एनआरसी का विरोध करने वालों का भाजपा कार्यालय में प्रवेश बंद

नईदुनिया, दमोहः मध्य प्रदेश के दमोह में भाजपा कार्यालय में उन लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जो नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में हैं। इस आशय का पोस्टर भाजपा कार्यालय की दीवार पर लगाया गया है। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष तिवारी ने बताया कि जहां पूरा देश सीएए और एनआरसी के समर्थन में था, वहीं कांग्रेस शासित प्रदेशों में कांग्रेस से जुड़े चंद लोग इसका विरोध कर रहे थे। लेकिन, अब उनकी सत्ता जा चुकी है और प्रदेश में आने वाले समय में सीएए-एनआरसी लागू होगा। उन्होंने साफ कहा कि भाजपा सीएए और एनआरसी का विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को भाजपा कार्यालय में प्रवेश नहीं देगी।

बंगाल में शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 100 करोड़ की धोखाधड़ी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर इलाके में शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लोगों से करीब 100 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ठगे गए लोगों की शिकायत पर पैरियो फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज नामक कंपनी के खिलाफ बहरमपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पता चला है कि कंपनी ने बहरमपुर में विभिन्न जगहों पर कार्यालय खोलकर लोगों से शेयर बाजार में निवेश कर अच्छे रिटर्न का झांसा देकर रुपयों की उगाही की। पुलिस कंपनी के चारों निदेशकों की भूमिका की जांच कर रही है। कंपनी के कई दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक पैरियो फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज कंपनी 2012 में खोली गई थी। साल्टलेक में इसका मुख्य कार्यालय है। निवेशकों से कहा गया था कि शेयर उन्हीं के नाम पर खरीदे जाएंगे और उन्हें हर महीने रुपये दिए जाएंगे। कंपनी की ओर से रुपये की उगाही के लिए बहुत से एजेंटों की नियुक्ति की गई थी। जांच में पता चला है कि लोगों के रुपये से शेयर नहीं खरीदे गए बल्कि उन रुपयों को कंपनी के बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया। कंपनी के निदेशकों ने उन रुपयों से विभिन्न जगहों पर अपने नाम से निवेश किया किया है। अकेले बहरमपुर से ही कंपनी ने करीब 100 करोड़ की उगाही की है। अन्य जिलों में भी उनके खिलाफ उगाही करने की शिकायत की गई है।

छत्तीसगढ़-ओडिशा में भूकंप के झटके

नईदुनिया, जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के जगदलपुर और सुकमा जिले सहित पड़ोसी राज्य ओडिशा के मलकानगिरी में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह करीब 11:14 बजे भूकंप के दो झटके आए। हालांकि, कहीं से भी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं आई है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि जगदलपुर से 34 किमी दूर दक्षिण पूर्व दिशा में इसे महसूस किया गया। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

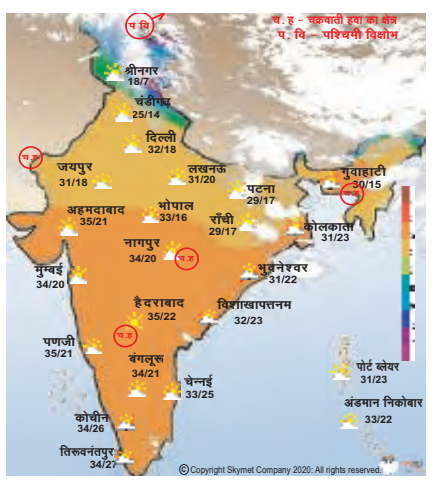

मौसम विशेष

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में आंशिक बादलों के साथ मौसम शुष्क रहेगा। दिन के तापमान में वृद्धि होगी। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज के साथ वर्षा होगी। दिन के तापमान में वर्षा में कमी के कारण वृद्धि होगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमानः

शहर		शहर	
मुम्बई	35/21	अहमदाबाद	39/16
कोलकाता	33/21	बड़ौदा	38/16
चेन्नई	34/26	नागपुर	35/20
हैदराबाद	35/23	इन्दौर	34/17
बंगलूरू	34/22	रांची	30/16
त्रिवेन्द्रम	34/26	पटना	32/17
गुवाहाटी	34/21	जमशेदपुर	32/17
गंगटोक	15/08	पुणे	35/18

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 22 मार्च, 2020 से शनिवार 28 मार्च, 2020 तक — पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
व्यापार, नौकरी, उद्योग कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रयास, धन निवेश में सावधानी, वाहन का योग, संतान से सहयोग, मित्रों से सावधान, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि, राजनीतिक अपयश, राज्य पक्ष से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
धनागम में प्रयास, पूंजी निवेश में सावधानी, विदेश कार्य में देरी, कार्य शैली में परिवर्तन करें, साधनों की वृद्धि, निर्माण एवं वाहन योग, अध्ययन में अवरोध, शत्रु पक्ष से सावधान, जीवन साथी का मिलन, धर्म में रुचि, यंत्र स्थापन, व्यय पर नियंत्रण, शुभ अंक 6

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा)
अर्थ साधन में प्रयास, कार्य क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, धन निवेश में सावधानी, विदेश से कार्य, पारिवारिक सुख साधन, संतान से अनबन, चयन में सफलता, वाद-विवाद से बचें, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि, वाहन में सावधानी, राजनीतिक अपयश, राज्य पक्ष से लाभ, शुभ अंक 5

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
व्यापार , नौकरी, कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम अच्छा, दिनचर्या व्यस्ततम, सदस्य के प्रति चिंता, भौतिक साधनों की पूर्ति, चयन में सफलता, मित्रों से सहयोग, त्वचा विकार योग, संबंधों से संतुष्टि, जीवन साथी का मिलन, अनुबंध की प्राप्ति, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
अर्थ साधन ठीक, साहस की वृद्धि, वाणी पर संयम रखें, विशेष व्यक्ति के सहयोग, वाहन योग, संतान की सफलता, अध्ययन में एकाग्रता, त्वचा विकार योग, जीवन साथी का मिलन, वाहन में सावधानी, कार्य से सावधानी, अधिकारी से अनबन, व्यय अधिक, शुभ अंक 2

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)
व्यापार, नौकरी, उद्योग कार्य में सफलता, धनागम अच्छा, आत्मविश्वास की वृद्धि, धन निवेश में सावधानी, कार्य क्षेत्र में विस्तार योजना, भूमि भवन कार्य में सफलता, शिक्षा में रुचि, चयन में सफलता, जीवन साथी का चयन, प्रणय में मधुरता, शुभ अंक 2

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
अर्थ साधन में सुधार, आत्मविश्वास की वृद्धि, विदेश कार्य में देरी, भावुकता पर नियंत्रण रखें, सजावट एवं वाहन योग, शिक्षा में रुचि, व्यर्थ के कार्य से बचें, ससुराल से लाभ, प्रणय में मधुरता, रक्षा साधन कार्य में प्रगति, राज्य पक्ष से सावधान, व्यर्थ की भागदौड़, शुभ अंक 4

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
अर्थ साधन अच्छा, कार्य शैली में सुधार करें, विशेष व्यक्ति से लाभ, विदेश कार्य में देरी, चिंता का समाधान, भवन निर्माण-सजावट योग, शिक्षा में रुचि, चयन में सफलता, शत्रु पक्ष प्रभावी, व्यर्थ के कार्यों से बचें, जीवन साथी का मिलन, धर्म में रुचि, राज्य पक्ष से सावधान, शुभ अंक 4

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
व्यापार, नौकरी, उद्योग कार्य में सफलता, धनागम अच्छा, नए कार्य की योजना, मानसिक असंतोष, भूमि-भवन कार्य में विलंब, अध्ययन में एकाग्रता, शत्रु पक्ष प्रभावी, कुसंग से बचें, दांपत्य में सुख, महत्वकांक्षी की पूर्ति, राजनीति में प्रयास सार्थक, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
व्यापार, नौकरी और उद्योग कार्य में सफलता, धनागम में प्रयास, विदेश कार्य में प्रयास, साझेदारी में सावधानी बरतें, धन के आवागमन में सावधानी, चयन में सफलता, सिर दर्द-बुखार का योग, प्रणय में सुख, धर्म में रुचि, शुभ अंक 5

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
व्यापार, नौकरी, उद्योग कार्य में सहयोग से सफलता, अर्थ साधन में प्रयास, निर्णय से सलाह से करें, साझेदारी में सावधानी, संतान से सहयोग, अध्ययन में रुचि, चयन में सफलता, मित्रों से सहयोग, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
अर्थ साधन में सुधार, धन के आवागमन में सावधानी, व्यापारिक क्षेत्र में संपर्क, प्रतिस्पर्धा का योग, मानसिक चिंता, संतान से सहयोग, चयन में प्रयास, अध्ययन में रुचि, खान-पान पर ध्यान दें, दांपत्य में सुख, अनुबंध की प्राप्ति, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 22 मार्च 2020
आजकल
16
www.jagran.com

आखिरी वायसराय बन भारत आए लॉर्ड माउंटबेटन

आज ही के दिन 1947 में ब्रिटिश हुकूमत के आखिरी वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन भारत पहुंचे। यहां आने पर उन्होंने भारत के विभाजन और इसकी स्वतंत्रता से जुड़ी योजना को पेश किया। इसी के बाद भारत को आजादी मिली और दुनिया के नक्शे पर एक नया देश पाकिस्तान आया।

बंगाल से अलग होकर बिहार बना राज्य

आज ही के दिन 1912 में बिहार को बंगाल से अलग करके नया राज्य बनाया गया। तब से इस दिन को बिहार दिवस के रूप में मनाया जाता है। 26 जनवरी 1950 को इसे राज्य का दर्जा मिला था। क्षेत्रफल के लिहाज से यह देश का 13वां और आबादी के लिहाज से तीसरा सबसे बड़ा राज्य है।

तीसरा स्पेस शटल मिशन लांच किया गया

आज ही के दिन एसटीएस-3 नाम से कोलंबिया अंतरिक्ष यान के लिए नासा का तीसरा स्पेस शटल अभियान 1982 में लांच किया गया। आठ दिनों बाद यह विमान धरती पर वापस आ गया। इस अभियान के दौरान कोलंबिया यान की कक्षा में सहन क्षमता को परखा गया और साथ ही कई वैज्ञानिक परीक्षणों को अंजाम दिया गया। यह पहला ऐसा अभियान था जिसमें शटल के बाहरी टैंक को पेंट नहीं किया गया था। यह पहला अभियान है जो न्यू मेक्सिको में व्हाइट सैंड स्पेस हार्बर पर उतरा।

कपास की खेती को नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे कीट

तलाशी राह ▶ वैज्ञानिकों ने विकसित की कीट-प्रतिरोधी किस्म 'ट्रॉसजेनिक'

टेक्टेरिया मैक्रोडोंटा नामक फर्न के जींन से की तैयार

अब सफेद मक्खी के हमले से कपास की फसलों को बचाएगी 'ट्रॉसजेनिक'। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के वैज्ञानिकों ने टेक्टेरिया मैक्रोडोंटा फर्न के जींस की मदद से कपास की एक कीट-प्रतिरोधी ट्रॉसजेनिक किस्म विकसित की है। यह किस्म सफेद मक्खी के हमले से कपास की फसल को बचाने में मददगार हो सकती है। जल्दी ही कपास की इस किस्म का परीक्षण शुरू किया जाएगा। यह जानकारी सीएसआइआर के महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे ने हाल में मैसूर में एक कार्यक्रम में दी।

कपास की यह किस्म लखनऊ स्थित सीएसआइआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआइ) के वैज्ञानिकों ने विकसित की है। एनबीआरआइ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.के. सिंह ने बताया कि 'पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के फरीदकोट केंद्र में अप्रैल से अक्टूबर के दौरान कपास की इस किस्म का परीक्षण किया जाएगा। डॉ. सिंह ने बताया कि यह कीट-प्रतिरोधी किस्म विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं ने पौधों की जैव विविधता से 250 पौधों की पहचान की है, जिनमें ऐसे प्रोटीन अणुओं का पता लगाया जा सके, जो सफेद मक्खी के लिए विषैले होते हैं। सभी पौधों के पत्तों के अर्क को अलग-अलग तैयार किया गया था, और सफेद मक्खी को उन पत्तों को खाने के लिए दिया गया। इन पौधों में से, एक खाद्य फर्न टेक्टेरिया मैक्रोडोंटा का पत्ती का अर्क सफेद मक्खी में विषाक्ता पैदा करते हुए पाया गया है। इसी आधार पर टेक्टेरिया मैक्रोडोंटा के जींस के उपयोग से कपास की यह ट्रांसजेनिक प्रजाति विकसित की गई है।

प्रभावित कर देता है मक्खियों का जीवन-चक्र : सफेद मक्खियों को जब कीटनाशक प्रोटीन की सीमित मात्रा के संपर्क में रखा गया तो उनके जीवन-चक्र में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। इन बदलावों में सफेद मक्खी द्वारा खराब एवं असामान्य अंडे देना और निम्फ, लार्वा तथा मक्खियों का असाधारण विकास शामिल है। हालांकि, दूसरे कीटों पर इस प्रोटीन को प्रभावी नहीं पाया गया है। डॉ. सिंह ने कहा, 'इससे पता चलता है कि यह प्रोटीन विशेष रूप से सफेद मक्खी पर अपना असर दिखाता है। प्रोटीन की विषाक्तता का परीक्षण चूहों पर करने पर इसे स्तनधारी जीवों के लिए भी सुरक्षित पाया गया है।'

शीर्ष दस विनाशकारी कीटों में शामिल है यह कीट : सफेद मक्खी न केवल कपास, बल्कि अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचाने के लिए जानी जाती है। यह दुनिया के शीर्ष दस विनाशकारी कीटों में शामिल है, जो दो हजार से अधिक पौधों की प्रजातियों को नुकसान पहुंचाते हैं और 200 से अधिक पादप वायरसों के वेक्टर के रूप में भी काम करते हैं। वर्ष 2015 में सफेद मक्खी के प्रकोप से पंजाब में कपास की दो तिहाई फसल नष्ट हो गई थी, जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

प्रकोप से बच नहीं पाता बीटी कपास : वैज्ञानिकों का कहना यह भी है कि बीटी (बेलिस थ्यूरेनजिनेसिस) कपास मुख्य रूप से बॉलवर्म जैसे कीटों से निपटने के लिए विकसित की गई थी, जो फसल को सफेद मक्खी के प्रकोप से बचाने में कारगर नहीं है। फसलों पर इसके प्रकोप को देखते हुए वर्ष 2007 में एनबीआरआइ के वैज्ञानिकों ने सफेद मक्खी से निपटने के लिए कार्य करना शुरू किया था।

अभी और अध्ययन की है जरूरत : यह पूछे जाने पर कि इस कपास की किस्म किसानों को कब तक मिल पाएगी? डॉ. सिंह ने कहा कि यह कई कारकों पर निर्भर करता है। सफेद मक्खी-रोधी जिन गुणों को कपास में शामिल किया गया है, यदि फील्ड में किए गए परीक्षणों में भी उन्हें प्रभावी पाया जाता है, तो इस किस्म को किसानों को खेती के लिए दिया जा सकता है। इससे पहले हमें यह देखना होगा कि क्या यह विशेषता कृषि वातावरण में भी उसी तरह देखने को मिलती है, जैसा कि प्रयोगशाला के परीक्षणों में देखी गई है।

सब्जी और सलाद के रूप में प्रयोग होता है टेक्टेरिया मैक्रोडोंटा

टेक्टेरिया मैक्रोडोंटा संवहनी पादप (ट्रैकेओफाइट) समूह का हिस्सा है। इस पौधे को उत्तराखंड के कई इलाकों में सब्जी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है और नेपाल में सलाद के रूप में उपयोग किया जाता है। एशिया के कई क्षेत्रों में गैस्ट्रिक विकारों को दूर करने केलिए भी इस समूह के पौधों का उपयोग होता है, जो इनमें कीटनाशक प्रोटीन के मौजूद होने की संभावना को दर्शाते हैं। इस समूह के पौधों में लिगिनत ऊतक (जाइलम) पाए जाते हैं, जो भूमि से प्राप्त जल एवं खनिज पदार्थों को पौधे के विभिन्न अंगों तक पहुंचाने का काम करते हैं।

तीसरी बार विश्व का सबसे खुशहाल देश बना फिनलैंड

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2020 में 156 देशों को किया था शामिल। साभार : एनवाईटी

- संयुक्त राष्ट्र ने जारी की वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2020
- सबसे निचले पायदान पर हैं अफगानिस्तान और दक्षिणी सूडान

हेलसिंकी, एएफपी : पूरा विश्व जहां एक ओर कोरोना वायरस के खतरे से जूझ रहा है, लोगों में भय का माहौल व्याप्त है, वहीं दूसरी ओर हाल ही में आई एक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने फिनलैंड को विश्व का सबसे खुशहाल देश घोषित किया है। यह उपलब्धि फिनलैंड ने लगातार तीसरी बार अपने नाम की है। भारत इस सूची में 144वें स्थान पर है।

यूएन द्वारा जारी की गई 'वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2020' के अनुसार, शीर्ष 10 खुशहाल देशों में से नौ केवल यूरोप के ही हैं। 156 देशों की इस सूची में शीर्ष में फिनलैंड के बाद डेनमार्क, स्विट्जरलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और नीरदलैंड हैं, जबकि सबसे निचले पायदान पर अफगानिस्तान, दक्षिणी सूडान, जिम्बाब्वे, रवांडा, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक और तंजानिया शामिल हैं। इस सूची में स्विट्जरलैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रिया ने सातवीं बार खुद को टॉप 10 में बनाए रखा है और इस साल पहली बार लक्समबर्ग भी दसवें स्थान पर पहुंच गया।

बता दें कि किसी देश की खुशहाली छह मानकों पर तय की जाती है। इनमें संबंधित देश के प्रति व्यक्ति की जीडीपी, सामाजिक सहयोग, उदारता और भ्रष्टाचार, सामाजिक स्वतंत्रता, स्वस्थ जीवन के आधार पर रैंकिंग की जाती है। वैश्विक स्तर पर सबसे खुशहाल देशों को सूचीबद्ध करने के लिए भूटान ने 2011 में यूएन में एक प्रस्ताव रखा था। इसे मंजूरी मिलने के बाद से हर साल 20 मार्च को 'वर्ल्ड हैप्पीनेस डे' मनाया जाता है।

चार पायदान फिसला भारत: इस रिपोर्ट में भारत चार पायदान फिसलकर 144वें स्थान पर पहुंचा गया है। पिछले साल भारत 140वें स्थान पर था। पड़ोसी देश पाकिस्तान खुशहाली के मामले में हमसे कहीं बेहतर है। इस सूची में वह 66वें स्थान पर है। हालांकि, पिछली बार पाक का 67वां स्थान था। अन्य पड़ोसी देशों में चीन का 94वां, बांग्लादेश 107वां, नेपाल 92वां, श्रीलंका का 130 वां और मालदीव 87वां स्थान है।

यहां नहीं है कोई बेघर

बता दें कि फिनलैंड एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है। इसके बैंक दुनिया के सबसे दमदार माने जाते हैं। यह दुनिया का अकेला देश होगा, जहां शायद ही कोई बेघर हो। हैप्पीनेस इंडेक्स में अप्रवासियों की खुशी भी एक मानक होती है। इसमें भी यह देश सबसे ऊपर है। वर्ष 2015 के बाद यहां कई देशों के शरणार्थी पहुंचे हैं। वे भी यहां खुश हैं। इसका एक कारण यह भी है कि यहां शरणार्थियों को भी बहुत कम दरों पर किराए के मकान मिल जाते हैं। यहां लोगों को सबसे ज्यादा व्यक्ति गत और अभिव्यक्ति की आजादी है। यहां प्रेस को भी पूरी आजादी हासिल है। मानव अधिकारों की रक्षा की जाती है।

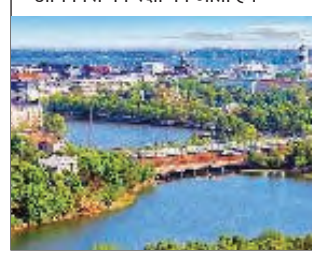

इधर-उधर की

कोरोना से बचने को अल्कोहल का सहारा

वॉशिंगटन, एजेंसी : दुनिया में कोरोना वायरस के खतरे के बीच लोग घरों में बंद हैं और इस संकट के गुजर जाने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि इस दौर में बहुत से लोग कोरोना वायरस से बचाव के लिए सैनिटाइजर और अल्कोहल से बार-बार हाथ धो रहे हैं, लेकिन अमेरिका के लोगों ने कोरोना से लड़ाई के इस दौर में अलग ही राह अपनाई है। एक वेबसाइट ने पिछले 30 दिनों के करीब 2 लाख ट्वीट का विश्लेषण किया है और अलग ट्रेंड पाया है। अपने निष्कर्ष में उन्होंने पाया कि अमेरिका के कई शहरों में अल्कोहल के सेवन से जुड़े ट्वीट जमकर किए गए हैं। अब यह अलग बात है कि अल्कोहल का सेवन करने से कोरोना के वायरस के भाग जाने का कोई संबंध नहीं है, लेकिन अमेरिका के लोग कोरोना के प्रकोप के वक्त घर में बैठकर किसी रचनात्मक कार्य की जगह इस तरह के कामों में जुटे हैं।

अंतरिक्षयात्रियों के साथ पहली बार उड़ान भरेगी स्पेसएक्स

- मई में क्रू को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की सैर कराएगी निजी स्पेस एजेंसी
- 2012 के बाद अब तक अंतरिक्ष की 15 यात्राएं कर चुकी है कंपनी

वाशिंगटन, एएफपी : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा, एलन मस्क की 'स्पेसएक्स' मई में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर पहली बार नासा के अंतरिक्षयात्रियों को भेजेगी। नासा ने कहा, वर्ष 2011 के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका से अंतरिक्ष की ओर जाने वाला यह पहला क्रू होगा।

बता दें कि स्पेसएक्स यानी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कार्पोरेशन एक निजी अमेरिकी एयरोस्पेस निर्माता और अंतरिक्ष परिवहन सेवाएं देने वाली कंपनी है, जिसका मुख्यालय कैलिफोर्निया में है और एलन मस्क इसके मुखिया हैं। यह कंपनी पहली बार नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (बॉब बेकन और डॉग हर्ले) को फाल्कन 9 रॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में पहुंचाएगी। एक बयान में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, 'नासा और स्पेसएक्स मई मध्य के आखिरी दिनों तक रॉकेट को लांच कर देगी।'

मस्क के क्रू ने हाल ही में ड्रैगन कैप्सूल से आइएसएस का चक्कर भी लगाया है, जो पृथ्वी से लगभग 400 किमी दूर स्थित है। इस कैप्सूल में मौजूद पुतला अंतरिक्ष से छह दिनों के बाद लौटकर अटलांटिक में उतरा था। उल्लेखनीय है 2011 में अंतिम अमेरिकी अंतरिक्ष मिशन के बाद से केवल रूसी अंतरिक्ष यात्री ही आइएसएस से आगे-पीछे जा रहे हैं। स्पेसएक्स ने 2012 के बाद से 15 बार अंतरिक्ष की यात्रा की हैं, लेकिन उसने आइएसएस का इस्तेमाल केवल ईंधन भरने के लिए किया है। नासा के लिए काम करने वाली यह केवल एक निजी कंपनी ही नहीं है बल्कि नासा और स्पेसएक्स मिलकर एक स्टारलाइनर कैप्सूल भी विकसित कर रहे हैं।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में भी स्पेसएक्स के फॉल्कन रॉकेट ने आइएसएस पर 50वीं सफल लैंडिंग की थी। इस रॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में 1950 किलो के उपकरणों को भेजा गया था। मिशन कंट्रोल में स्पेसएक्स की इंजीनियर जैसिका एंडरसन ने कहा था कि स्पेसएक्स के इतिहास में 50वीं बार फॉल्कन ने लैंड किया है। यह स्पेसएक्स के लिए आइएसएस की 20वीं आपूर्ति है। 2012 से वह अभी तक वहां लगभग साढ़े 45 हजार किग्रा की सामग्री भेजी जा चुकी है।

प्रोस्टेट कैंसर फैलने का कारण खोजा

शोध अनुसंधान

ब्रिटेन की ईस्ट एंजिला यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है कि क्यों कुछ प्रोस्टेट कैंसर शरीर के विभिन्न हिस्सों में बहुत तेजी से फैलते हैं और अंततः मौत की वजह बनते हैं। शोध में प्रोस्टेट कैंसर के तीन नए उपप्रकारों का भी पता चला है। आमतौर पर प्रोस्टेट कैंसर धीरे-धीरे विकसित होता है और एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में इलाज की जरूरत नहीं पड़ती है। हालांकि इसके बावजूद डॉक्टरों ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि कौन से ट्यूमर बहुत तेजी से बढ़ते हैं, जिसके चलते कई पुरुषों को इलाज के लिए मजबूर होना पड़ता है। शोध टीम के प्रोफेसर कोलिन कूपर ने कहा कि 1785 ट्यूमर सैंपल की जांच की और इस बीमारी को डीईएसएनटी उपकोशिकाएं की बढ़ती संख्या से जोड़ा। शोध बताता है कि अगर आपको ट्यूमर है तो इसका मतलब है कि आपमें डीईएसएनटी उपकोशिकाएं ज्यादा हैं और आपको मेटास्टेटिक बीमारी होने की संभावना अधिक है। इतना ही नहीं इसके शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने की संभावना होती है। आइएएनएस

ई-सिगरेट पीने से हो सकता है ब्लैडर कैंसर

वैज्ञानिकों को ई-सिगरेट या अन्य तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों के यूरिन में ब्लैडर कैंसर से जुड़े पदार्थ मिले हैं। यूरोपियन यूरोलॉजी ऑन्कोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित समीक्षा अनुसंधान में 22 अलग-अलग अध्ययनों के परिणामों का मूल्यांकन किया गया। इसमें ई-सिगरेट या तंबाकू उत्पादों का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों के यूरिन का विश्लेषण किया गया। शोध के सहलेखक मार्क बुर्जलिन के मुताबिक धूम्रपान को यूरिन के ब्लैडर कैंसर की प्रमुख वजह माना गया। ई-सिगरेट का सबसे अधिक प्रभाव फेफड़े पर पड़ता है। शोध में विशेषज्ञों ने उन पदार्थों के खतरों का विश्लेषण किया, जो यूरिन के ब्लैडर कैंसर की वजह बन सकते हैं। -प्रेट्र

महामारी का पूर्वानुमान लगाएगी डिवाइस

प्रतीकात्मक

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : अमेरिकी शोधकर्ताओं की एक टीम ने मशीन लर्निंग से संचालित होने वाले एक पोर्टेबल उपकरण का आविष्कार किया है, जो खांसी के साथ-साथ किसी स्थान पर एकत्र होने वाली भीड़ के आकार का अनुमान लगा सकता है। 'फ्लूइसन' नामक यह डिवाइस फ्लू जैसी बीमारियों और इन्फ्लूएंजा के रुझानों की निगरानी कर यह पूर्वानुमान लगा सकती है कि कहीं यह महामारी का रूप तो नहीं ले लगी।

इस डिवाइस को विकसित करने वाले यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट के शोधकर्ताओं ने कहा कि इस दौर में हम कंप्यूटर प्लेटफॉर्म का उपयोग अस्पतालों, हेल्थकेयर वेटिंग रूम और बड़े सार्वजनिक स्थानों पर मौसमी फ्लू और अन्य श्वास संबंधी बीमारियों का पूर्वानुमान लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों के रूप में भी कर सकते हैं ताकि ये मामूली बीमारियां कोरोना वायरस जैसी महामारी न बनने पाएं।

यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स में कंप्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के असिस्टेंट प्रोफेसर और इस अध्ययन के सह-लेखक तौहिदुर रहमान ने कहा, 'नई डिवाइस इस बीमारियों को महामारी होने से बचा सकता है। फ्लू महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया को सीधे सूचित करके 'फ्लूइसन' जैसे मॉडल जीवन रक्षक साबित हो सकते हैं।' बता दें कि कफ और कोल्ड के साथ तेज बुखार, थकावट, पूरे शरीर में दर्द और ठंड लगना सामान्य फ्लू के लक्षण हैं।

बॉलीवुड अपडेट

तीन खलनायकों के साथ अकेले भिड़ेंगे सलमान खान

पर्दे पर हीरो का विलेन से लड़ने वाले दृश्य रोमांचक होते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि फिल्म में हीरो चाहे जितने हों, लेकिन विलेन अक्सर एक ही रहता है। सलमान खान की अगली फिल्म 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' में तो वह एक नहीं, बल्कि तीन-तीन खलनायकों से भिड़ते नजर आएंगे। सलमान की पिछली फिल्म 'दबंग 3' भी एक्शन से भरपूर थी। ऐसे में लगातार एक्शन करते वक्त उसमें विविधता लाने और एक स्तर ऊपर रखने की कोशिश यकीनन सलमान की होगी। जो तीन खलनायक सलमान खान से भिड़ेंगे, उनमें रणदीप हुड्डा, गौतम गुलाटी और सिक्किम के अभिनेता सांग शामिल हैं। रणदीप पहले भी सलमान के साथ फिल्म 'सुल्तान' और 'किक' में स्क्रीन साझा कर चुके हैं। गौतम का सामना सलमान से 'बिग बॉस' सीजन 8 में हुआ था, जिसके विजेता गौतम बने थे। सिक्किम के अभिनेता सांग पहली बार सलमान के साथ काम करेंगे। खास बात यह है कि तीनों के साथ जो एक्शन फिल्माया जाएगा, उसे तीन अलग-अलग एक्शन निर्देशक कोरियोग्राफ करेंगे। हालांकि कई फिल्मों की रिलीज तारीख बदल दी गई है, लेकिन 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' इस साल 22 मई को रिलीज हो सकती है।

सितारों ने कहा, पालतू जानवरों को प्यार दें

कोरोना वायरस से लोग खुद को सुरक्षित और अलग रखने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग संक्रमण के डर से अपने पालतू जानवरों को खुद से दूर रख रहे हैं। इसे देखते हुए कई सितारों ने पालतू जानवरों को प्यार देने और साथ रखने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि कोरोना वायरस का संक्रमण जानवरों से नहीं होता। अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर डॉगी के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा, 'कोविड-19 वायरस से जानवर सुरक्षित हैं। इसलिए दयालु बनें, शालीन बनें, इंसान बनें और ऐसे समय में उन्हें असहाय न छोड़ें। कृति सैनन ने अपने कुत्ते के साथ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'पालतू जानवरों से कोविड-19 का संक्रमण नहीं होता। इसलिए उन्हें प्यार दें और उनके साथ कुछ वक्त बिताएं।' ट्विंकल खन्ना ने लिखा कि कुत्ते-बिल्लियों से वायरस नहीं फैलता। नेहा कक्कड़ ने भी पशुओं को प्यार देने की अपील की है।

अनिल कपूर से फासला रखकर मिले अनुपम खेर

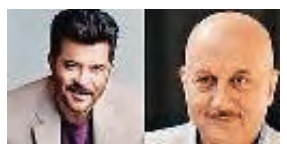

अनुपम खेर शुक्रवार को अमेरिका से लौटे हैं। उन्होंने खुद को क्वारंटाइन किया है। अनुपम ने एक वीडियो साझा करके बताया कि जब भी वह कहीं बाहर से आते थे, तो पहले अनिल कपूर के घर जाते थे। उन्होंने लिखा, 'मैंने खुद को घर में कैद कर लिया है। जब विदेश से लौटता हूं, तो पहले अपने पड़ोसी और दोस्त अनिल कपूर के घर जाता हूं। आज मैं अपनी बालकनी में खड़ा हूं और उन्हें देखा तक नहीं। मैं उन्हें बाहर बुलाऊंगा। उन्हें कहूंगा कि भैया, शक्ल तो दिखाओ। मैं आपको मिस कर रहा हूं।' अनिल अपने घर के गेट पर आए और उन्होंने अनुपम के साथ एक वीडियो बनाया। अनिल वीडियो में अनुपम से पूछते हैं कि वह अमेरिका से वापस कब आए? अनुपम कहते हैं कि वह उनसे मिल नहीं पाए। इस पर अनिल कहते हैं कि सुनीता (अनिल की पत्नी) उन्हें अंदर आने नहीं देंगी। इसके साथ ही अनिल कपूर ने अनुपम के लिए तेरे घर के सामने... गाना गाया, जिसे सुनकर अनुपम के चेहरे पर मुस्कान आ गई। अनुपम ने अनिल का शुक्रिया करते हुए लिखा कि 'गेट पर आने और गाना गाने के लिए धन्यवाद। यह वक्त भी बीत जाएगा।'

जादू भरी मुस्कान वाली रानी को मिलीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपना 42वां जन्मदिन आज मना रही है। वह सोशल मीडिया पर नहीं हैं, लेकिन उनके प्रसंशकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ प्रोडक्शन हाउसेस ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दी हैं। यशराज फिल्म्स तो उनका अपना प्रोडक्शन हाउस है। उन्होंने रानी की फिल्मों के लिखे हुए नाम का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'वह हर किरदार को खूबसूरती से निभाकर उसे यादगार बना देती हैं। उनकी फिल्मी विरासत शानदार रही है। जादू भरी मुस्कान बिखरने वाली रानी मुखर्जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।' अभिनेत्री किरण जुनेजा ने रानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि उनके साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा था। टिप्स फिल्म्स और म्यूजिक ने उनकी फिल्म 'मन' का गाना काली नागिन के जैसी... गाने का लिंक साझा करते हुए लिखा, 'दो दशकों से सिल्वर स्क्रीन पर राज करने वाली प्रतिभाशाली और करिश्माई रानी मुखर्जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।' आइफा ने अपने आधिकारिक पेज पर लिखा कि रानी ने कई यादगार किरदार निभाए हैं। शाह रुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने लिखा, 'चलते चलते जो आपकी सांसें रोक दे। प्रतिभाशाली रानी मुखर्जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।' करण सलूजा नामक एक यूजर ने लिखा कि 15 साल की उम्र से मैंने रानी मुखर्जी को सुपरस्टार बने हुए देखा है। मैं उनका पड़ोसी था। वह बेहद खूबसूरत इंसान हैं। एक फैन ने बधाइयां देते हुए उनकी फिल्म 'गुलाम' का गाना 'आती क्या खंडाला' भी पोस्ट किया।

विश्व काव्य दिवस पर आयुष्मान ने सुनाई कविता

आयुष्मान खुराना ने विश्व काव्य दिवस पर सोशल मीडिया पर कविता पढ़ते हुए एक वीडियो साझा किया। वीडियो में उन्होंने लोगों को विश्व काव्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आजकल वह रोज काव्य दिवस मना रहे हैं। इसके बाद वीडियो में वह कविता पढ़ते हैं -'अब मैं तुम्हें लिखूंगा नहीं, सिर्फ पढ़ूंगा/ अल्फाज न समझ पाए तो खामोशियां क्या समझोगे? /क्या लिखकर भेजूं तुम्हें कि लगे तुम्हें जैसे/ कि याद है तू मुझे, और याद भी नहीं।/ बिना सोचे लिख देता हूं मैं, तारीफ पा लेता हूं मैं/ ज्यादा सोचकर अगर लिखूं तो गणित के सवाल-सा लिखूं।' वीडियो साझा करते हुए आयुष्मान ने लिखा, 'अब लफ्जों का सहारा है। अपने अंदर झांकिए, बहुत कुछ है जो बाहर नहीं है।' आयुष्मान फुरसत के वक्त कविताएं लिखना पसंद करते हैं। शुक्रवार की रात भी उन्होंने एक सोशल मीडिया पर कविता साझा की थी। इस साल वह फिल्म 'गुलाबो सिताबो' में अमिताभ बच्चन के साथ काम करते दिखेंगे।

अपनी पाक कला आजमा रहे हैं सितारे

कोरोना के कारण मिली छुट्टी का इस्तेमाल सितारे अपनी पाक कला को आजमा रहे हैं। रिचा चड्ढा ने खुद के बनाए पेस्तो पास्ता का चित्र साझा किया। इसके साथ रिचा ने लिखा कि उन्हें खाना बनाने का शौक नहीं है, लेकिन उन्होंने विगन पेस्तो पास्ता बनाया है, जो ग्लूटेन फ्री है। इस पर टिस्का चोपड़ा ने लिखा कि कोविड-19 के खत्म होने पर मैं खुद को आपके घर पर आने के लिए आमंत्रित करूंगी। इस पर रिचा ने लिखा कि जिंदगी रही तो फिर मिलेंगे। मलाइका अरोड़ा ने भी वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मालाबारी वेज स्टू बना रही हैं। इस वीडियो के साथ मलाइका ने लिखा, 'मुझे खाना बनाना पसंद है, लेकिन इस शौक को पूरा कर पाने का वक्त नहीं मिल पाता है।

अपने बच्चों के साथ खेलते नजर आए आयुष शर्मा

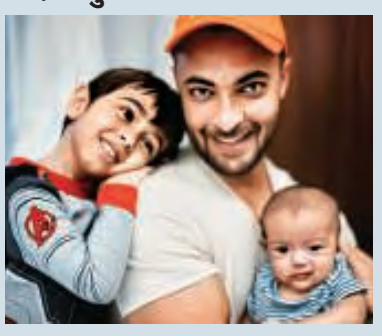

शूटिंग बंद होने की वजह से हिंदी सिनेमा के ज्यादातर सितारे अपने परिवार के साथ वक्त बिता रहे हैं। शुक्रवार की रात सलमान खान के साले अभिनेता आयुष शर्मा ने अपनी नवजात बेटी आयत, और बेटे आहिल के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में आहिल और आयत, पापा आयुष के साथ काफी खुश नजर आ रहे हैं। आहिल आयुष के कंधे पर सिर रखे हुए हैं, तो आयत आयुष की गोद में बैठी मुस्कुरा रही हैं। इन तस्वीरों में एक तस्वीर अर्पिता की भी हैं। इसके साथ आयुष शर्मा ने लिखा है, 'घर रहें, अपने परिवार के साथ वक्त बिताएं और खूबसूरत स्मृतियों का सृजन करें। इस समय खुद को ज्यादा से ज्यादा क्वारंटाइन रखें और सुरक्षित रहें।' आयुष की इन तस्वीरों पर अभिनेता रोनित रॉय ने टिप्पणी की, 'आप भाग्यशाली हैं, बहुत ही प्यारे बच्चे हैं आपके। आप और आपके परिवार पर भगवान की कृपा बनी रहे।' गौरतलब है कि आयत का जन्म पिछले साल सलमान खान के 54वें जन्मदिन दिन यानी 27 दिसंबर को हुआ था।